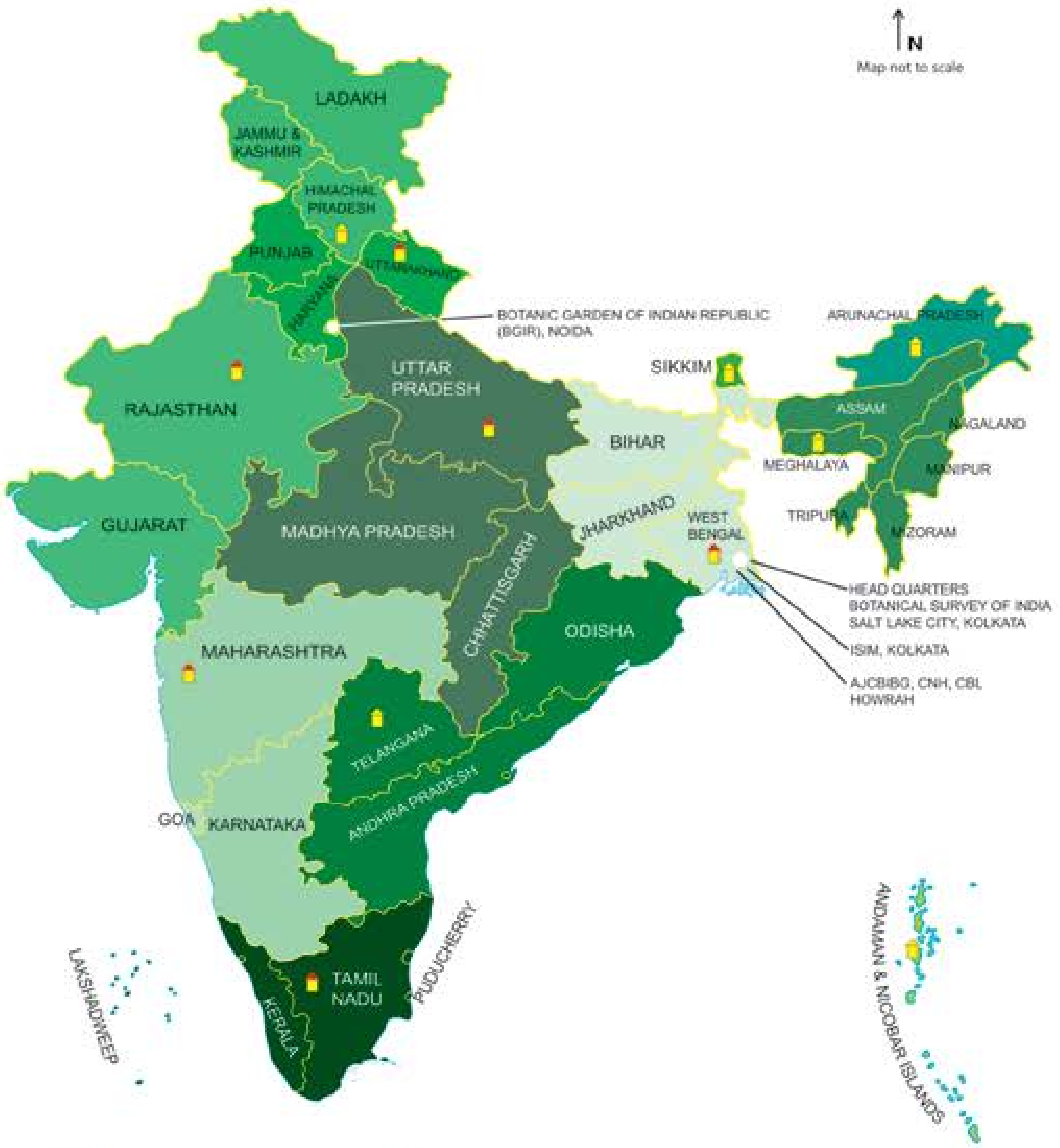

NORTHERN REGIONAL CENTRE DEHRADUN, UTTARAKHAND
ARID ZONE REGIONAL CENTRE JODHPUR, RAJASTHAN
WESTERN REGIONAL CENTRE PUNE, MAHARASHTRA
SOUTHERN REGIONAL CENTRE COIMBATORE, TAMIL NADU
DECCAN REGIONAL CENTRE HYDERABAD, ANDHRA PRADESH
CENTRAL NATIONAL HERBARIUM HOWRAH, WEST BENGAL
CENTRAL REGIONAL CENTRE ALLAHABAD, UTTAR PRADESH
EASTERN REGIONAL CENTRE SHILLONG, MEGHALAYA
ARUNACHAL PRADESH REGIONAL CENTRE ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH
SIKKIM HIMALAYAN REGIONAL CENTRE GANGTOK, SIKKIM
ANDAMAN & NICOBAR REGIONAL CENTRE PORT BLAIR, ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
HIGH ALTITUDE WESTERN HIMALAYAN REGIONAL CENTRE, SOLAN, HIMACHAL PRADESH
REGIONAL CENTRE
REGIONAL CENTRES WITH A SALE COUNTER OF BSI PUBLICATIONS

वनस्पति अन्वेषण (शैवाल, कवक एवं जीवाणु सहित) 2025 Plant Discoveries (including algae, fungi & microbes)

2025

वनस्पति अन्वेषण | Plant Discoveries

(शैवाल, कवक और जीवाणु सहित) | (Including Algae, Fungi and Microbes)

नवीन वंश, प्रजातियां और नवीन अभिलेख | NEW GENERA, SPECIES AND NEW RECORDS

जून - June - 2026

LiFE Lifestyle for Environment

वनस्पति अन्वेषण 2025

(शैवाल, कवक और जीवाणु सहित)

नवीन वंश, प्रजातियां और नवीन अभिलेख

Plant Discoveries 2025

(Including Algae, Fungi and Microbes)

NEW GENERA, SPECIES AND NEW RECORDS

5 जून 2026

5th June 2026

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

Botanical Survey of India

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

Ministry of Environment, Forest & Climate Change

वनस्पति अन्वेषण 2025 (शैवाल, कवक और जीवाणु सहित)

आई. एस. बी. एन. : 978-81-997626-2-6
इ- आई. एस. बी. एन. : 978-81-997626-3-3
© भारत सरकार
प्रकाशनः जून, 2026

संपादन
कनाद दास, डी.के. अग्रवाला, विवेक सी.पी., शिंजिनी मुख़र्जी, एच. किरण, अर्पण दे

सहयोग
डॉ. एस.के. सिंह
डॉ. रश्मि दुबे
डॉ. टी.ए.एम. जगदीश राम
डॉ. एम. पलनिसामी
डॉ. देवेंद्र सिंह
डॉ. सुदिप्त कुमार दास
डॉ. मोनालिसा दे
डॉ. ब्रिजेश कुमार
डॉ. महादेवकुमार एस.
डॉ. मनोज इमानुएल हेम्ब्रम
डॉ. सुकुमार भक्ता

हिंदी अनुवाद
श्याम किशोर महतो, कैलाश प्रसाद कुशवाहा, पूनम प्रसाद, प्रकाश होरो, उदय वीर श्रीवास, अर्चना राय, सुष्मा सक्सेना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन का कोई भी अंश कॉपीराइट धारकों के बिना पुनर्प्रवर्तित पुनर्प्राप्ति पद्धति से भंडारण, किसी भी साधन या प्रणाली जैसे इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक रिकॉर्डिंग या अन्यथा संचारित नहीं किया जा सकता है।

मुख्य पृष्ठ/ छायाचित्र:
हेरिसियम इंडिकम सु. दत्ता व के. दास
छाया चित्रः कनाद दास

प्रकाशक
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सीजीओ कॉम्प्लेक्स
सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता-700064
वेबसाइट: http:/bsi.gov.in
ई-मेल: publication.bsi@gmail.com

मुद्रक
एस के जी मीडिया
24बी, शेक्सपियर सरानी
कोलकाता - 700 017

Plant Discoveries 2025 (including algae, fungi and microbes)

ISBN: 978-81-997626-2-6
E-ISBN: 978-81-997626-3-3
© Government of India
Published: June, 2026

Edited & Compiled by
Kanad Das, D.K. Agrawala, Vivek C.P., Sinjini Mukherjee, H. Kiran, Arpan Dey

Co-operation
Dr. S.K. Singh
Dr. Rashmi Dubey
Dr. T.A.M. Jagadeesh Ram
Dr. M. Palanisamy
Dr. Devendra Singh
Dr. Sudipta Kumar Das
Dr. Monalisa Dey
Dr. Brijesh Kumar
Dr. Mahadevakumar S.
Dr. Manoj Emanuel Hembrom
Dr. Sukumar Bhakta

Hindi Translation
Shyam Kishor Mahto, Kailash Prasad Kushwaha, Punam Prasad, Prakash Horo, Uday Veer Shrivas, Archana Rai, Sushma Saxena

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in retrieval system or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the permission of the copyright owners.

Cover page/ Photo
Hericium indicum Su. Datta & K. Das
Photo by: Kanad Das

Published by
Botanical Survey of India, CGO Complex
Salt Lake City, Kolkata 700064
Website: http://bsi.gov.in
Email: publication.bsi@gmail.com

Printed by
SKG Media
24B, Shaskespeare Sarani
Kolkata - 700 017

Botanical Survey of India (BSI), established in 1890, serves the nation by providing scientific basis for conservation and sustainable utilization of wild plants through survey, inventory, documentation, taxonomic research and creating environmental awareness.

Since reorganization of BSI in 1954, the scientists of BSI have discovered

- 01 new family
- 60 new genera
- 2171 new species, subspecies and varieties and records

During 2025, the Plant Taxonomists of BSI and other institutes have discovered

- 04 new genera
- 213 new species
- 08 infraspecific taxa as new to science from India and
- 08 new genera, 126 new species, 06 infraspecific taxa as new records for Indian Flora.

Interestingly, this year's discoveries include wild relatives of much potential horticulture, agriculture, medicinal, ornamental plants such as Begonia, Impatiens (Balsams), Orchids etc.

It is also pertinent to mention that in seed plants discoveries, 29 taxa have been assessed as Critically Endangered (CR), 11 as Endangered (EN), 2 as Vulnerable (VU), 41 Data Deficient (DD), 03 Near Threatened (NT) and 01 as Least Concerned (LC) category following the IUCN category and criteria.

सन् 1890 में स्थापित, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण अपने निर्दिष्ट कार्यक्षेत्र के अंतर्गत सर्वेक्षण, सूचीकरण, प्रलेखीकरण, वर्गिकी शोध एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता अभियानों के माध्यम से वन्य पादप विविधता के संरक्षण व सतत उपयोग हेतु वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हुए राष्ट्र की सेवा कर रहा है।

सन् 1954 में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पुनर्गठन के उपरांत, इस विभाग के वैज्ञानिकों ने

- 01 नवीन कुल
- 60 नवीन वंशों
- 2171 नवीन प्रजातियों, उपजातियों, प्रभेदों और अभिलेखों का अन्वेषण व वर्णन किया है।

वर्ष 2025 के दौरान, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और अन्य संस्थानों के पादप वर्गिकीविज्ञों ने भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में

- 04 वंशों
- 213 प्रजातियों
- 08 अध:जातीय वर्गकों

तथा भारतीय वनस्पतिजात के नवीन अभिलेख के रूप में

- 08 वंशों, 126 प्रजातियों और 06 अध:जातीय वर्गकों का वर्णन किया है।

दिलचस्पी की बात है कि इस वर्ष के अन्वेषण में बागवानी, कृषि, औषधीय और सजावटी संभाव्यता वाले पौधों जैसे *बिगोनिया*, *इम्पेशिएन्स* (बाल्सम), आर्किड, आदि की जंगली प्रजातियों को शामिल किया है।

यह भी उल्लेखनीय है कि आईयूसीएन के मानदंडों के अनुसार बीजीय पौधों के 29 वर्गकों को नाजुक रूप से अत्यधिक संकटापन्न (सीआर), 11 को संकटापन्न (ईएन), 02 को अति संवेदनशील (वीयू), 41 को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (डीडी), 03 को लगभग संकटग्रस्त (एनटी) और 01 को अल्प संकटग्रस्त (एलसी) के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

मंत्री
पर्यावरण, वन एंव जलवायु परिवर्तन
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

भूपेन्द्र यादव
BHUPENDER YADAV

MINISTER
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

भारत की जैविक विरासत का समृद्ध चित्रपट हमारी राष्ट्रीय पहचान का एक प्रमुख स्तंभ है और भविष्य के लिए जीवनप्रद संसाधन है। मुझे भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई), जो पादप वर्गिकी और अन्वेषण में अपनी 136 वर्षों की उत्कृष्टता की विरासत को गौरवपूर्वक आगे बढ़ा रहा है, के प्रमुख वार्षिक प्रकाशन 'वनस्पति अन्वेषण 2025' को प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

इस संस्करण में पिछले वर्ष के दौरान वनस्पति विज्ञान में की गई उपलब्धियों का समेकित विवरण प्रस्तुत किया गया है। वर्ष 2025 में, हमारे वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने देश की पादपी विविधता संबंधी ज्ञान में उल्लेखनीय योगदान देते हुए असाधारण समर्पण और विशेषज्ञता प्रदर्शित किया है। विश्व के एक बहुविविध राष्ट्र के रूप में स्वीकृत, भारत में वर्तमान में लगभग 56,000 पौधों की प्रजातियां दर्ज हैं, जो वैश्विक पादप विविधता का लगभग 8% है।

वर्ष 2025 में भारतीय वनस्पतिजात में 353 नवीन पादप वर्गक जुड़ गए हैं। इसमें विज्ञान के लिए 221 नई प्रजातियां और देश के लिए 132 नवीन वितरणपरक अभिलेख शामिल हैं। इस संस्करण में कुल 154 नवीन आवृतबीजियों (पुष्पी पौधों) का वर्णन किया गया है, वहीं 13 हरितोद्भिद, 3 पर्णांग, 93 कवक, 62 शैवाक, 22 शैवाल और 6 जीवाणुओं को प्रलेखित करते हुए क्रिप्टोगैम और अपुष्पी समूहों पर भी ध्यान आकर्षित किया गया है। गणना से परे, इस संस्करण में पादप संरक्षण की वैश्विक रणनीति के प्रति मंत्रालय की प्रतिबद्धता पर बल दिया गया है।

मुझे विश्वास है कि 'पादप अन्वेषण 2025' शोधकर्ताओं, संरक्षणकर्ताओं और नीति निर्माताओं के लिए समान रूप से एक मूल्यवान संदर्भ का कार्य करेगा।

(भूपेन्द्र यादव)

पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली–110003, फोन : 011–20819190, 011–20819187, फैक्स : 011–20819299
Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Ph. : 011-20819190, 011-20819187, Fax : 011-20819299
ईमेल / E-mail : mefcc@gov.in

कीर्तवर्धन सिंह
KIRTI VARDHAN SINGH

राज्य मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
विदेश मंत्रालय
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
EXTERNAL AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

विविध प्रकार की वनस्पतियों और पारितंत्रों से समृद्ध भारत एक विशिष्ट जैव-भौगोलिक क्षेत्र है, जो दुनिया के मेगाडायवर्स राष्ट्रों में से एक माना जाता है। संवहनीय पौधों की प्रजातियों की पूर्ण समृद्धि की दृष्टि से भी भारत को मेगाडायवर्स देशों में शीर्ष स्थान प्राप्त है। यह अपने भौगोलिक क्षेत्र में चार प्रमुख वैश्विक जैव-विविधता हॉटस्पॉट जैसे हिमालय, पश्चिमी घाट, इंडो-बर्मा और आंशिक रूप से सुंडालैंड का हिस्सा समेटे हुए है। यह देश दुनिया के उन देशों में से एक है जहाँ प्रजातियों की इतनी अधिक समृद्धि हो और स्थानिकता का स्तर भी बहुत ऊँचा हो। अलग-अलग वैज्ञानिक संस्थान और भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण यहां की वनस्पति संपदा का गहनता से प्रलेखन कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, हर साल नए पादप वर्गक पादपी डेटा में जुड़ते हैं। देश की वनस्पति विविधता के व्यापक प्रलेखन, अभिनिर्धारण और संरक्षण के प्रति भारत की वैश्विक प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण इन डेटा को संकलित करके प्रस्तुत करता है।

भारत में दर्ज की गई नवीन वनस्पति विविधता को उजागर करने के लिए, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण 'पादप अन्वेषण' प्रकाशित करता है, जिसमें भारत से अन्वेषित नए पादप वर्गकों और नवीन वितरणपरक अभिलेखों को सूचीबद्ध किया जाता है। 'पादप अन्वेषण 2025' के वर्तमान संस्करण में, देश की पादपी डेटाबेस को भारतीय क्षेत्र से अन्वेषित 353 वर्गकों के साथ अद्यतित किया गया है। ये नए अन्वेषण न केवल हमारे देश के वनस्पति संसाधनों को उजागर करते हैं, बल्कि हमारे प्राकृतिक संसाधनों के तत्काल संरक्षण की आवश्यकता के लिए भी आह्वान करते हैं।

मैं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक और उनकी टीम को देश के पादपी डेटा के अद्यतित ज्ञान को 'पादप अन्वेषण 2025' के रूप में प्रकाशित करने के लिए बधाई देता हूँ, जो प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मज़बूत करता है। यह उम्मीद है कि यह वैज्ञानिक प्रकाशन शोधकर्ताओं और संस्थानों को प्रामाणिक वैज्ञानिक जानकारी का आधारभूत डेटा प्रदान करते हुए वर्गिकी शोध को उन्नत करके वर्गीकरणी वनस्पति विज्ञान और वर्गिकी को बढ़ावा देगा एवं पारिस्थितिक अध्ययनों, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और जैव विविधता की निगरानी के लिए एक संदर्भ के रूप में काम करेगा।

(कीर्तवर्धन सिंह)

कार्यालय- 5वां तल, आकाश विंग, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष: 011-20819418, 011-20819421, फैक्स: 011-20819207, ई-मेल: mos.kvs@gov.in
Office- 5th Floor, Aakash Wing, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel: 011-20819418, 011-20819421, Fax: 011-20819207, E-mail: mos.kvs@gov.in
कार्यालय: कर्तव्य भवन - 3, जनपथ, नई दिल्ली-110001, 011-24010779, 24010780
Office: Kartavya Bhawan - 3, Janpath, New Delhi -110001, 011-24010779, 24010780
निवास: 23, बी.आर. मेहता लेन, नई दिल्ली-110001, दूरभाष: 011-23782979
Residence: 23, B.R. Mehta Lane, New Delhi -110001, Tel: 011-23782979

तन्मय कुमार
TANMAY KUMAR

सत्यमेव जयते

सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST
AND CLIMATE CHANGE

संदेश

'वनस्पति अन्वेषण, 2025' के विमोचन के शुभ अवसर पर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) को मेरी हार्दिक बधाई। उत्कृष्टता की जीवंत परंपरा को बरकरार रखते हुए, इस नवीनतम संस्करण में पिछले एक वर्ष में हमारे देश के विविध भूभागों से अन्वेषित वानस्पतिक और कवकी खज़ानों को प्रलेखित किया गया है।

विश्व के मेगाडायवर्स देशों में शामिल भारत की ऊंचे पहाड़ों से लेकर सुदूर द्वीपों तक फैली विशाल जैविक संपदा हमारे पारिस्थितिकीय स्थिरता, सांस्कृतिक विरासत और सतत आजीविका का अपरिहार्य आधारशिला बनाती है। नई प्रजातियों का अन्वेषण केवल मात्र एक शैक्षणिक कीर्तिमान नहीं बल्कि यह उससे भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, यह हमारे अस्तित्व के आधार जीवन के जटिल ताने-बाने को समझने और उसकी रक्षा करने की हमारी राष्ट्रीय कटिबद्धता का पुनःस्थापन है।

'वनस्पति अन्वेषण 2025' का यह संस्करण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) की निरंतर कटिबद्धता और वैज्ञानिक दृढ़ता के प्रमाण के रूप में है। पिछले वर्ष की शानदार सफलता को आधार बनाते हुए, इसमें 154 बीजीय पौधे, 3 पर्णांग, 13 हरितोद्भिद, 62 शैवाक, 93 कवक, 22 शैवाल और 6 जीवाणु सहित 353 नए अन्वेषणों को प्रलेखित किया गया है।

प्रत्येक नए अन्वेषण से भारतीय वनस्पतिजात संबंधी हमारा ज्ञान समृद्ध होता है और इससे फील्ड अन्वेषण व वर्गिकीय सुबोधता के विशिष्ट महत्व को बल मिलता है। अभूतपूर्व पर्यावरणीय चुनौतियों के इस दौर में, इस प्रकार का गहन प्रलेखन प्रभावी जैव विविधता संरक्षण, पर्यावास पुनर्स्थापन और जलवायु प्रतिरोध के लिए आवश्यक ज्ञान का बीज प्रदान करता है।

मुझे विश्वास है कि यह सार-संग्रह शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और संरक्षणवादियों के लिए समान रूप से एक प्रकाश स्तंभ का कार्य करेगा। इन शोध परिणामों से नई पीढ़ी को वनस्पति विज्ञान के आयामों को तलाशने की प्रेरणा मिलेगी तथा वर्तमान और भावी दोनों पीढ़ियों के कल्याण के लिए हमारे प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को सुनिश्चित करने का हमारा मिशन सुदृढ़ होगा।

मैं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों और पूरी टीम को 'वनस्पति अन्वेषण 2025' प्रकाशित करने में उनके निष्ठा और लगन की सराहना करता हूँ। पादप और कवक विविधता के प्रलेखन और भारत की अमूल्य प्राकृतिक संपदा को संजोकर रखने में इस प्रकाशन की भूमिका प्रधान रहेगी।

(तन्मय कुमार)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: जून 24, 2026

इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110 003 फोन : (011)-2081-9408, 2081-9308, फैक्स : (011)-2081-9238
INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003, PH. : 011-2081-9408, 2081-9308, FAX : 011-2081-9238
E-mail : secy-moef@nic.in, Website : moef.gov.in

वेद प्रकाश मिश्रा, आई.आर.एस
संयुक्त सचिव
Ved Prakash Mishra, IRS
JOINT SECRETARY

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST
& CLIMATE CHANGE

LiFE Lifestyle for Environment

प्रक्कथन

पिछले एक वर्ष के दौरान अन्वेषित नई पादप प्रजातियों और हाल ही में वर्णित वर्गकों के सार-संग्रह 'वनस्पति अन्वेषण 2025' के विमोचन पर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को बधाई देते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

विश्व के मेगाडायवर्स देशों में शामिल भारत वनस्पति विविधता से संपन्न देश है, जिसके प्रभावी संरक्षण और सतत उपयोग के लिए निरंतर अन्वेषण और प्रलेखन की आवश्यकता है। सर्वेक्षण, अन्वेषण, प्रलेखन और अध्ययन के इस चुनौतीपूर्ण कार्य का बीड़ा देश भर के वैज्ञानिक और शोधकर्ता उठाते हैं। ऐसे समय में जब हम वैश्विक जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं और हमारे लिए अपने प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करना आवश्यक है, ऐसे प्रकाशन संरक्षण की रणनीतियों और वनस्पति संपदा के सतत उपयोग की योजना बनाने के लिए अत्यंत उपयोगी उपकरण का कार्य करते हैं।

'पादप अन्वेषण 2025' में 154 बीजीय पौधे, 3 पर्णांग, 13 हरितोद्भिद, 62 शैवाक, 93 कवक, 22 शैवाल और 6 जीवाणु सहित संपूर्ण भारत से प्रलेखित 353 नए पादप अन्वेषणों का अनूठा विवरण प्रस्तुत किया गया है। मुझे विश्वास है कि इस संकलन से वैज्ञानिक, शोधकर्ता, छात्र और आम लोग समान रूप से लाभान्वित होंगे।

मैं उन सभी समर्पित वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और क्षेत्र वनस्पतिविज्ञों की तहे दिल से सराहना करता हूँ जिनके अथक प्रयासों ने इस प्रकाशन को संभव बनाया है। साथ ही इस आवश्यक कार्य को निरंतर जारी रखने के लिए, मैं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

वेद प्रकाश

(वेद प्रकाश मिश्रा)

22 जून, 2026

कमरा नं. 232, द्वितीय तल, अग्नि ब्लॉक, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली.110003
दूरभाष : 011-20819359, ईमेल : mishra-vp@gov.in
Room No.232, 2nd Floor, Agni Block, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003
Tel : 011-20819359, E-mail : mishra-vp@gov.in

सत्यमेव जयते

प्रस्तावना

भारत एक गंभीर प्राण-घातक पर्यावरणीय संकट से गुजर रहा है। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत दुनिया में सबसे प्रदूषित देशों की सूची में छठे स्थान पर है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव बेहद स्पष्ट है, जहाँ वर्ष 2025 भारत का आठवां सबसे गर्म वर्ष रहा और देश ने 124 वर्षों में सबसे गर्म सर्दी का अनुभव किया। इसके अलावा, देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौसम की अत्यंत प्रतिकूल स्थितियां देखने को मिल रही हैं, जिसके कारण अब तक लगभग 4400 लोगों की मृत्यु हो चुकी है और लाखों हेक्टेयर में लगे फसलों को नुकसान पहुंचा है।

वायु गुणवत्ता में लगातार अवमूल्यन होने के कारण, इसलिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पीएम2.5 और पीएम10 प्रदूषण की बढ़ती निगरानी के साथ राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) का विस्तार, सर्दियों में विशेष रूप से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में धुंध से निपटने के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी), थर्मल पावर प्लांटों के लिए संशोधित उत्सर्जन मानक, एआई-सक्षम निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) के साथ वायु गुणवत्ता निगरानी को मजबूत करना, पर्यावरण अनुपालन और लेखापरीक्षा नियम, 2025 आदि जैसे कड़े कदम उठाए हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत सरकार ने 'ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य नियम, 2025' शुरू किया है। इसके तहत जो उद्योग तय किए गए लक्ष्य से कम प्रदूषण करेंगे, उन्हें कार्बन क्रेडिट मिलेगा वहीं, नियमों को न मानने वाले उद्योगों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इस पूरी योजना में ग्रीन इंडिया मिशन, वनरोपण, कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग और ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम शामिल हैं।

कड़े कदमों और बेहतर प्रबंधन योजनाओं के लागू होने से भारत के वन क्षेत्र में सुधार हुआ है। इसके साथ ही भारत वैश्विक स्तर पर 9वें स्थान (एफएओ, 2025) पर पहुंच गया है और सालाना शुद्ध वन क्षेत्र में वृद्धि के मामले में दुनिया भर में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा है। भारत सरकार ने अरावली भू-दृश्य जीर्णोध्दार के लिए एक बड़ी योजना शुरू की है। इसके अंतर्गत वर्ष 2025 में 36,025 हेक्टेयर भूमि का जीर्णोध्दार किया गया है। इस वर्ष, आरक्षित क्षेत्रों की संख्या बढ़कर 1,134 हो गई है, जो वर्ष 2014 में मात्र 745 थी। साथ ही, सामुदायिक आरक्षित क्षेत्रों की संख्या भी बढ़कर 309 हो गई है। 11 नए रामसर स्थलों के जुड़ने से अब भारत में इनकी कुल संख्या 100 हो गई है, जो संपूर्ण एशिया में सर्वाधिक है। इसके अलावा, मिष्टी योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 में कुल 4,536 हेक्टेयर तटीय मैंग्रोव वनों को भी पुनर्स्थापित किया गया है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशों का अनुपालन करते

PREFACE

India has been going through major life-threatening environmental crisis. As per World Air Quality Report 2025, India ranked as sixth most polluted country in the world. Climate change is remarkable, year 2025 is marked as 8th warmest year with warmest winter in 124 years. Further, this country is experiencing extreme weather events across all states and UTs resulting in the deaths of about 4400 people and damaging millions of hectares of crops.

Air quality is degrading continuously, therefore, MoEF&CC has taken stricter measures such as Expansion of the National Clean Air Programme (NCAP) with Increased monitoring of PM2.5 and PM10 pollution, Graded Response Action Plan (GRAP) Enforcement especially in the Delhi-NCR region during winter smog condition, Revised Emission Norms for Thermal Power Plants, Strengthening Air Quality Monitoring with Al-enabled Decision Support Systems (DSS), Environmental Compliance and Audit Rules, 2025 etc. Furthermore, to tackle change in climate Government of India has implemented Greenhouse Gas Emission Intensity Target Rules, 2025; where Industries exceeding targets could earn carbon credits, while non-compliant units faced penalties. Green India Mission and Afforestation, operationalization of Carbon Credit Trading and Green Credit Programme.

With the implementation of stricter measures and management plans, forest cover in India is improved with 9th position at global level (FAO, 2025) and retained 3rd position worldwide in annual net forest gain. The Government of India unveiled detailed Action Plan for Aravalli Landscape Restoration and 36,025 ha area was restored in the year 2025. This year, the number of Protected Areas increased to 1,134 (from 745 in 2014) and Community Reserves increased to 309. With the addition of 11 new Ramsar Sites, India's total number of Ramsar Sites reaches 100 - the highest in Asia. Total 4,536 ha of mangroves were restored in the year 2025 under the MISHTI Programme.

Under MoEF&CC instructions, the Botanical Survey of India has implemented several important initiatives to strengthen plant conservation, botanical research and public awareness.These efforts mainly focused on extensive surveys and systematic documentation of the nation's floral and fungal diversity.

हुए, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने पादप संरक्षण, वनस्पति अनुसंधान और जन जागरूकता को मजबूती प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ये प्रयास मुख्य रूप से देश की वनस्पति और कवक विविधता के व्यापक सर्वेक्षण और व्यवस्थित प्रलेखीकरण पर केंद्रित हैं। इससे संबंधित प्रमुख पहलों में बड़े पैमाने पर वनस्पति अन्वेषण, स्थानिक, लुप्तप्राय और संकटापन्न पादप प्रजातियों का प्रलेखीकरण, वर्गिकीय अनुसंधान को मजबूत करना, पादपालय संग्रह का डिजिटलीकरण, संकटग्रस्त वनस्पतियों का संरक्षण, लोकवनस्पति और औषधीय पौधों के अध्ययन को बढ़ावा देना, जलवायु व जैव विविधता अनुसंधान, जन जागरूकता अभियान, क्षमता-निर्माण कार्यक्रम और डिजिटल जैव विविधता डेटाबेस का विकास शामिल हैं। परंपरागत वर्गिकी अनुसंधान के साथ-साथ, बीएसआई ने आणविक अनुसंधान की शुरुआत की और इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसने अपने विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में कुछ आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशालाएँ स्थापित किया है। पादप अभिनिर्धारण के प्रति एकीकृत वर्गिकी और आणविक दृष्टिकोणों ने पादप विज्ञान अनुसंधान के लिए नए आयाम प्रदान किये हैं। इन उपायों ने भारत में जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिक स्थिरता और पर्यावरणीय शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया है। वर्ष 2025 में, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने भारतीय प्राणि सर्वेक्षण और आईयूसीएन-इंडिया नेशनल रेड लिस्ट ऐसेसमेंट (NRLA) कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संरक्षण योजना और नीति निर्धारण के लिए एक वैज्ञानिक डेटाबेस तैयार करना है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों और देश भर के अन्य शोधार्थियों ने अनेक प्रजातियों का अन्वेषण किया है जो विज्ञान के लिए नवीन हैं, साथ ही भारत के लिए नवीन वितरण परक अभिलेखों का वर्णन किया है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने इन सभी नए अन्वेषणों (शैवाल, कवक और जीवाणु सहित) को अपने वार्षिक सार-संग्रह 'वनस्पति अन्वेषण 2025' में समेकित किया है। वर्ष 2025 के दौरान, कुल 353 प्रजातियों और अधः जातीय श्रेणी के 154 पुष्पीय पौधों, 3 पर्णांगों, 13 हरितोद्भिदों, 93 कवकों, 62 शैवकों, 22 शैवालों और 6 जीवाणुओं को भारतीय वनस्पतिजात में जुड़ गए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस, 2026 के अवसर पर, वनस्पति अन्वेषण (शैवाल, कवक और सूक्ष्मजीवों सहित) के 18वें संस्करण को प्रस्तुत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। यह भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) द्वारा वर्ष 2007 में प्रारंभ किया गया एक वार्षिक संग्रह श्रृंखला है जिसे अब प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जा रहा है। ये नवीन अन्वेषण व्यक्तिगत शोधपत्रों के रूप में विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं जिनका पता लगाना आम जनता के लिए मुश्किल है। इस प्रकाशन के माध्यम से, सभी सूचनाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के अलावा, हमारे देश में होने वाले वनस्पति अनुसंधान के बारे में विद्यार्थियों और शिक्षाविदों में सार्वजनिक जागरूकता फैलाने और शिक्षित करने का भी उद्देश्य है। राष्ट्र की पादप विविधता की संख्यात्मक क्षमता को जानने के लिए यह एक मूल्यवान संदर्भ स्रोत के रूप में भी कार्य करता है। इस प्रकाशन को पिछले कुछ वर्षों में वनस्पति विज्ञान बिरादरी से अपार सराहना और प्रतिक्रिया मिली है।

Major initiatives included large-scale botanical explorations, documentation of endemic, endangered and threatened plant species, strengthening taxonomic research, digitization of herbarium collections, conservation of threatened flora, promotion of ethnobotanical and medicinal plant studies, climate and biodiversity research, public awareness campaigns, capacity-building programmes and development of digital biodiversity databases. With classical taxonomic research, BSI introduced and excelled in molecular research. It established a couple of molecular biology laboratories across its different regional centres. Integrated taxonomic and molecular approaches towards plant identification opened new vistas in plant science research. These measures played an important role in supporting biodiversity conservation, ecological sustainability, and environmental education in India. In 2025, Botanical Survey of India together with the Zoological Survey of India and IUCN-India, launched the National Red List Assessment (NRLA) Programme. The programme aimed to create a scientific database for conservation planning and policy formulation.

Like every year, the scientists of BSI and other researchers across the country have discovered several species new to science and new distributional records for India. All these findings were compiled in BSI's annual publication, Plant Discoveries 2025 (including algae, fungi and microbes). In 2025, a total of 353 species and infraspecific taxa belonging to 154 flowering plants, 3 pteridophytes, 13 bryophytes, 93 fungi, 62 lichens, 22 algae, and 6 microbes were added to the Indian flora.

I am delighted to present the 19th edition of Plant Discoveries (including algae, fungi & microbes) on the occasion of World Environment Day 2026. This annual compendium series was initiated by the Botanical Survey of India (BSI) in 2007 and has been published regularly ever since. The discoveries of new plant taxa and distributional novelties are often scattered across numerous scientific journals, making them difficult for the general public to access. This publication seeks to bring all such information together in a single volume, while also promoting public awareness and encouraging students, researchers, and academicians to explore and appreciate the floristic research being carried out across the country. In addition, it serves as a valuable reference source for understanding the numerical strength and diversity of the nation's flora. The publication has received overwhelming appreciation and response from the botanical fraternity over the years.

The Botanical Survey of India serves as the custodian of more than three million plant specimens and is one of the designated national repositories equipped with advanced infrastructure and long-term

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण तीन मिलियन से अधिक पादप प्रतिरूपों का एक प्रमुख संरक्षक है और यह अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और प्ररूप सामग्रियों के लंबे भंडारण की सुविधाओं से लैस मानक पादपालयों में शामिल है। हाँलाकि विनिर्दिष्ट पादपालयों में नव अन्वेषित वर्गकों के वाउचर प्रतिरुपों का संग्रहण न होना अभी भी जारी है जो जैविक विविधता अधिनियम, 2002 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसलिए, लेखकों विशेषकर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के लेखकों से राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार ईमानदारी से कार्य करने और नामित संग्रहक भंडारों में प्रतिरूपों को जमा करने की उम्मीद की जाती है।

इस पुस्तक में दी गई सूचनाएं और कुछ तस्वीरें एक्टा बॉटेनिका हंगेरिका, एक्टा फाइटोटैक्सा जियोबॉटेनिका, एडन्सोनिया, एनल्स डेल जार्डिन बॉटेनिको डे मैड्रिड, एनल्स बॉटेनिकि फेनिकी, एनल्स ऑफ प्लांट साइंसेस, द जर्नल ऑफ द आर्किड सोसायटी ऑफ इंडिया, एंटोनी वैन लीउवेनहॉक, आर्काइव्ज़ ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, एशियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री, बायोडाइवर्सिटी रिसर्च एंड कंजर्वेशन, बायोलॉजी बुलेटिन, क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एंड ऐसेसमेंट, क्रिप्टोगैमी माइकोलॉजी, करेंट साइंस, चेक माइकोलॉजी, एडिनबर्ग जर्नल ऑफ बॉटनी, यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सोनॉमी, फेड्डस रेपर्टोरियम, एफईएमएस माइक्रोबायोलॉजी लेटर्स, फोलिया जियोबॉटेनिका, फोट्टिया, फंगल डायवर्सिटी, गार्डेंस बुलेटिन सिंगापुर, हटोरिया, इंडियन फर्न जर्नल, इंडियन फॉरेस्टर, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री, इंडियन जर्नल ऑफ जियो मैरिन साइंसेस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंस, इंडियन फाइटोपैथोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टमैटिक इवॉल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी, जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्सिटी, जर्नल ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी, जर्नल ऑफ न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स, जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा, कार्स्टेनिया, कवका, कियू बुलेटिन, लंकेरस्टेरियाना, माइक्रोस्कोपी रिसर्च एंड टेक्नीक, मंगोलियन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस, माइको एशिया, माइकोलॉजिया, माइकोलॉजिकल प्रोग्रेस, माइकोसाइंस, माइकोटैक्सॉन, नेशनल ऐकडेमिक साइंस लेटर, नीलम्बो, न्यूक्लियस, न्यू फाइटोलॉजिस्ट, नॉर्डिक जर्नल ऑफ बॉटनी, नोवा हेड्विजिया, पर्सूनिया, फाइकोलॉजिया, फाइटोकीज़, फाइटोटैक्सा, प्लांट आर्काइव्ज़, प्लांट साइंस टुडे, प्लिओनी, रीडिया, स्पीशिज, स्टडीज इन फन्जाई, सिस्टमैटिक बॉटनी, ताइवानिया, द चेकलिस्ट, द जर्नल ऑफ जैपनीज़ बॉटनी, द जर्नल ऑफ माइकोपैथोलॉजिकल रिसर्च, तुर्कजानिनोविया, टर्किश जर्नल ऑफ बॉटनी, विगेटस, वाईएमईआर, ज़ूज प्रिंट और न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ बॉटनी से साभार लिए गए हैं। मैं इन प्रकाशित शोध कार्यों को साझा करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी हमें अपेक्षित सहयोग मिलता रहेगा। इस प्रकाशन में प्रयुक्त हिंदी शब्द वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा मानकीकृत वनस्पतिविज्ञान शब्द-संग्रह से साभार लिए गए हैं। अंत में मैं संपूर्ण वैज्ञानिक समुदाय तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का भी 'वनस्पति अन्वेषण, 2025' के प्रकाशन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

(निदेशक)

preservation facilities for type materials. However, the practice of not submitting voucher specimens of newly described taxa to designated herbaria continues to persist, which constitutes a violation of the Biological Diversity Act, 2002. Therefore, authors are earnestly requested to adhere to the national guidelines and ensure the deposition of type specimens in recognized repositories, preferably at the Botanical Survey of India.

Information and some of the photographs included in this book have been sourced from the papers published in Acta Botanica Hungarica, Acta Phytotaxa Geobotanica, Adansonia, Anales del Jardin Botánico de Madrid, Annales Botanici Fennici, Annales of Plant Sciences, Asian Journal of Biology, The Journal of The Orchid Society of India, Antonie van Leeuwenhoek, Archives of Microbiology, Asian Journal of Forestry, Biodiversity Research & Conservation, Biology Bulletin, Cryptogam Biodiversity and Assessment, Cryptogamie Mycologie, Current Science, Czech Mycology, Edinburgh Journal of Botany, European Journal of Taxonomy, Feddes Repertorium, FEMS Microbiology Letters, Folia Geobotanica, Fottea, Fungal Diversity, Gardens' Bulletin Singapore, Hattoria, Indian Fern Journal, Indian Forester, Indian Journal of Forestry, Indian Journal of Geo Marine Sciences, International Journal of Life Science, Indian Phytopathology, International Journal of Systemic Evolutionary Microbiology, Journal of Asia-Pacific Biodiversity, Journal of Botanical Society of Bengal, Journal of Indian Botanical Society, Journal of Mycology and Plant Pathology, Journal of New Biological Reports, Journal of threatened Taxa, Karstenia, KAVAKA, Kew Bulletin, Lankersteriana, Microscopy research & Technique, Mongolian Journal of Biological Sciences, MycoAsia, Mycologia, Mycological Progress, Mycoscience, National Academic Science Letter, Nelumbo, Nucleus, New Phytologist, Nordic Journal of Botany, Nova Hedwigia, Persoonia, Phycologia, Phytokeys, Phytotaxa, Plant Archives, Plant Science Today, Pleione, Rheedea, Species, Studies in Fungi, Systematic Botany, Taiwania, The Checklist, The Journal of Japanese Botany, The Journal of Mycopathologycal Research, Turczaninowia, Turkish Journal of Botany, Vegetos, YMER, Zoo's Print, New Zealand Journal of Botany. I acknowledge them all for sharing these published research works and hope they will continue to do so in future. All the Hindi terms used in this publication have been taken from the standardized Botanical Glossary published by Commission for Scientific and Technical Terminology. The support of the entire Botanical fraternity and Ministry of Environment, Forest and Climate Change in bringing out the Plant Discoveries 2025 is highly appreciated and acknowledged.

(Director)

आमुख | PREAMBLE

जलवायु परिवर्तन और बढ़ती पर्यावरणीय आपदाओं से निपटने के लिए भारत सरकार को प्रत्येक दिन नई रणनीतियाँ बनानी पड़ती है। वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में राष्ट्रीय हरित भारत मिशन, प्राकृतिक संसाधन और पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण, प्रोजेक्ट टाइगर और प्रोजेक्ट एलीफेंट के आवंटन में वृद्धि देखी गई तथा जैव विविधता संरक्षण के वित्तपोषण में लगभग तीन गुना वृद्धि की गई। सौर ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन योजनाओं, पीएम सूर्य घर और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की मुहिम के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल पर लगातार ज़ोर दिया जा रहा है। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और हरित ऊर्जा अवसंरचना को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण निवेश के साथ परमाणु ऊर्जा मिशन की घोषणा भी उल्लेखनीय है। भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'विकसित भारत @2047' परियोजना का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा, क्लाइमेट एक्शन और चक्रीय अर्थव्यवस्था के माध्यम से सतत विकास प्राप्त करना है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण सतत विकास और आत्मनिर्भरता की पूर्ति के लिए अनवरत कार्य कर रहा है। यह विभाग अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों में आयोजित जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग, जैव विविधता संरक्षण और सतत जीवन शैली आदि के प्रति जन जागरूकता पैदा कर रही है। देश की वनस्पति संपदा का प्रलेखीकरण और संरक्षण इस विभाग के मुख्य दायित्वों में से एक है। प्रत्येक वर्ष भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित सभी नवीन अन्वेषणों और वितरणपरक अभिलेखों को 'वनस्पति अन्वेषण' के रूप में संकलित करता है। चूंकि यह डेटा कई अलग-अलग जर्नल्स में बिखरा हुआ है, इसलिए यह सालाना संग्रह बहुत से लोगों के लिए एक संदर्भ का काम करता है।

वर्ष 2025 के दौरान, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और अन्य शोध संस्थाओं के वैज्ञानिकों ने भारतीय वनस्पतिजात में 353 प्रजातियों, पुष्पीय पौधों की अध:जातीय वर्गकों, पर्णांगों, हरितोद्भिदों, कवकों, शैवाकों, शैवालों और जीवाणुओं का अन्वेषण किया है। इनमें से 221 वर्गक विज्ञान के लिए नए हैं जबकि 132 वर्गक भारत के लिए नवीन वितरणपरक अभिलेख हैं।

नवीनतम संकलित आंकड़ों के अनुसार, भारत में ज्ञात वनस्पतियों की कुल संख्या 56530 है जिनमें 22522 आवृतबीजी, 83 अनावृतबीजी, 1328 पर्णांग, 2863 हरितोद्भिद, 3213 शैवाक, 16079 कवक, 9139

With changing climate and increasing environmental catastrophes, the Indian Government has to bring about new combat plans every day. The 2025-26 Union Budget increased allocation towards National Mission for Green India, Natural Resource & Ecosystem Conservation, Aquatic Ecosystem Conservation, Project Tiger and Project Elephant and almost threefold increase in Biodiversity Conservation funding. Continuous emphasize has been given on the use of renewable energy including support for solar energy and green hydrogen initiatives, PM Surya Ghar and clean-energy transition, Battery Energy Storage Systems (BESS) and green energy infrastructure. It is also noteworthy to mention the announcement of a Nuclear Energy Mission with significant investment for clean energy and energy security. 'Viksit Bharat @2047' to celebrate India's 100 years of Independence aims to achieve sustainable development through renewable energy, climate action and circular economy.

Botanical Survey of India under MoEF&CC is perseveringly working towards fulfilling sustainability and self-reliance. It is creating awareness among public regarding the use of clean energy, biodiversity conservation, sustainable living etc. through the institution's outreach activities across its all regional centres. One of the key mandates of this institution is to document and protect the floristic wealth of the nation. Every year, Botanical Survey of India consolidates all the new discoveries and distributional novelties published in different national and international journals as 'Plant Discoveries'. As these data remain scattered vastly in different numbers of journals, this annual compendium serves as a ready reference for many.

During the year 2025, Scientists of BSI together with scientific fraternity of other institutions recorded a total of 353 species and infraspecific categories of flowering plants, pteridophytes, bryophytes, fungi, lichens, algae and microbes to the Indian Flora. Of these, 221 taxa are new to science and 132 taxa are new distributional record from India.

The latest complied data of the plant diversity in India stands at 56530 taxa including 22522 Angiosperms, 83 Gymnosperms, 1328 Pteridophytes, 2863 Bryophytes,

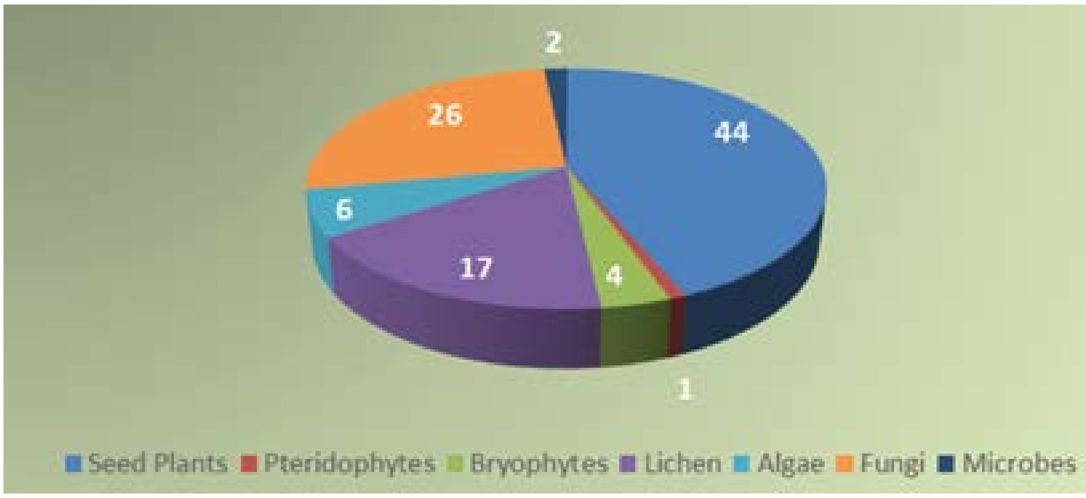

चित्र 1. वनस्पति अन्वेषण 2025 में विभिन्न पादप वर्गों का प्रतिशत / Fig. 1. Percentage of different plant groups in Plant Discoveries 2025

शैवाल और 1303 जीवाणु हैं। भारत से ज्ञात वनस्पतियों की वर्तमान समूहवार संख्या और भारतीय वनस्पतिजात में उनके प्रतिशत के विवरण निम्नलिखित तालिका 1 में दिए गए हैं:

विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित इन अन्वेषणों में, लगभग 44% बीजीय पौधे, 26% कवक, 17% शैवाक, 6% शैवाल, 4% हरितोद्भिद, 2% जीवाणु और शेष 1% पर्णांग हैं। सभी पादप वर्गों में, बीजीय पौधों और कवकों के अन्वेषण की संख्या सर्वाधिक है।

वर्ष 2025 के दौरान, कुल अन्वेषण का 18% पश्चिमी हिमालय से किया गया। इसके अलावा, पूर्वी हिमालय से 17.5%, पश्चिमी घाट से 16.1%, उत्तर-पूर्व पर्वतमालाओं से 12.1%, पूर्वी समतल मैदानों से 5.9%, पूर्वी तट और पश्चिमी तट में से प्रत्येक से 5.6%, पूर्वी घाट और पश्चिमी समतल

3213 Lichens, 16079 Fungi, 9139 Algae and 1303 Microbes. The group wise current number of taxa known from India and their percentage contribution to the known Indian plants has been presented in table 1.

About 44% of novelties published in various National and International journals are of seed plants followed by 26% of Fungi, 17% of lichen, 6% of Algae, 4% of bryophytes, 2% of microbes and remaining 1% of pteridophytes. Among plant groups, Seed plants and fungi accounted for the maximum number of discoveries.

18% of total discoveries were made from Western Himalayas during the year 2025. This is followed by

समूह/Group	भारत में वर्गकों की संख्या / No. of taxa in India	पादप विविधता का प्रतिशत/Percentage of plant diversity in India
विषाणु / जीवाणु Virus/ Bacteria	1303	2.30
शैवाल /Algae	9139	16.17
कवक /Fungi	16079	28.44
शैवाक/ Lichens	3213	5.68
हरितोद्भिद /Bryophytes	2863	5.06
पर्णांग /Pteridophytes	1328	2.35
अनावृतबीजी/Gymnosperms	83	0.15
आवृतबीजी /Angiosperms	22522	39.84
कुल/Total	56530	100.00

तालिका 1. पादप विविधता का प्रतिशत / Table 1. Percentage of plant diversity in India

मैदानों में से प्रत्येक से 5.1%, उत्तरी समतल मैदानों और दक्षिण दक्कन में से प्रत्येक से 2.3%, उत्तरी दक्कन से 2%, मध्य पर्वतीय क्षेत्रों से 0.8%, पूर्वी दक्कन से 0.6% और दक्कन पठार से 0.3% अन्वेषण किए गए। राज्यवार विश्लेषण में, सर्वाधिक 49 वनस्पतियां अरुणाचल प्रदेश से अन्वेषित हुई जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः उत्तराखंड (39) और केरल (37) से सर्वाधिक अन्वेषण किए गए।

Eastern Himalayas (17.5%) and Western Ghats (16.1%), North East Ranges (12.1%), Eastern Plains (5.9%), East Coast and West Coast each 5.6%, Eastern Ghats and Western Plains each 5.1%, Northern Plains and South Deccan each 2.3%, North Deccan (2%), Central Highlands (0.8%), East Deccan (0.6%) and Deccan Plateau (0.3%). In state wise analysis, maximum discoveries were made from Arunachal Pradesh (49) followed by Uttarakhand (39) and Kerala (37).

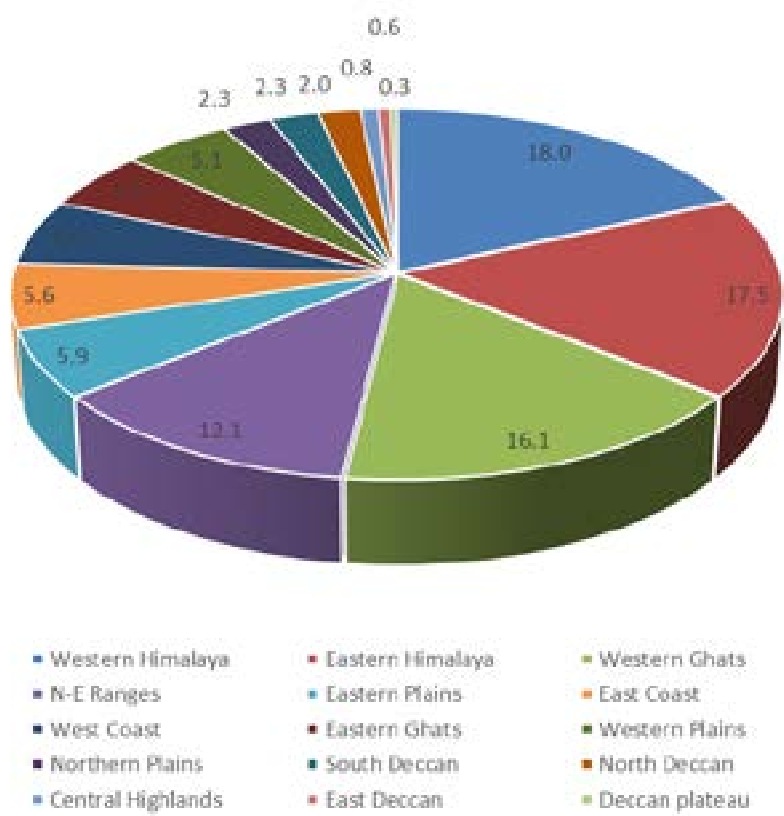

चित्र 2. वनस्पति अन्वेषण 2025 में भारत के विभिन्न पादप भौगोलिक क्षेत्रों का प्रतिशत

Fig. 2. Percentage from different phyto-geographical regions of India in Plant Discoveries 2025

बीजीय पौधे / SEED PLANTS

Crawfurdia minuticalyx R. Maity, Debta & S. S. Dash

बीजीय पौधे | SEEDPLANTS

परंपरागत रूप से पुष्पीय (आवृतबीजी) और अनावृतबीजी पौधों में वर्गीकृत बीजीय पौधे (स्पर्मेटोफाइट्स) पृथ्वी के सबसे विकसित स्थलीय पौधे हैं। अभी तक भारत की बीजीय पादपों की विविधता में आवृतबीजी प्रजातियों की अभिलिखित संख्या 22522 है जबकि अनावृतबीजी प्रजातियों की अभिलिखित संख्या 83 है। बीजीय पौधे कुल भारतीय वनस्पतिजात का लगभग 40 प्रतिशत हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2025 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 108 प्रजातियों और 06 प्रभेदों को संकलित किया गया है जबकि भारत से नए वितरणपरक अभिलेख के रूप में 03 वंशों, 36 प्रजातियों, 02 उपजातियों और 02 प्रभेद को संकलित किया गया है। राज्यवार और संघशासित प्रदेशवार व्याप्ति विवरण निम्नानुसार है: अरुणाचल प्रदेश से 33, केरल से 18, कर्नाटक से 13, सिक्किम से 09, असम, जम्मू और कश्मीर, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 08, महाराष्ट्र से 07, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, गुजरात और नागालैंड में प्रत्येक से 05, मणिपुर और उत्तराखंड में प्रत्येक से 04, आंध्र प्रदेश से 03, हिमाचल प्रदेश, मिज़ोरम, ओडिशा और तेलंगाना में से प्रत्येक से 02, छत्तीसगढ़, दिल्ली, राजस्थान, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 01, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय एवं सिक्किम और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 01 सम्मिलित हैं।

Seed plants (Spermatophytes) are the most evolved land plants on earth and are traditionally divided into flowering plants (angiosperms) and gymnosperms. Current estimate of seed plant diversity in India stands at 22522 species of angiosperms and 83 species of gymnosperms. The seed plants account for about 40 percent of the total Indian flora. The collated information presented here for the year 2025 includes 108 species and 06 varieties as new discoveries and 03 genera, 36 species, 02 subspecies and 02 varieties as distributional novelties reported from India. State and UT-wise distribution patterns include 33 from Arunachal Pradesh, 18 from Kerala, 13 from Karnataka, 09 from Sikkim, 08 each from Assam, Jammu and Kashmir, Tamil Nadu and West Bengal, 07 from Maharashtra, 05 each from Andaman and Nicobar Islands, Gujarat and Nagaland, 04 each from Manipur and Uttarakhand, 03 from Andhra Pradesh, 02 each from Himachal Pradesh, Mizoram, Odisha and Telangana, 01 each from Chhattisgarh, Delhi, Rajasthan, Tripura and Uttar Pradesh. 01 is reported from both Arunachal Pradesh and West Bengal, Assam and Meghalaya and Sikkim and West Bengal.

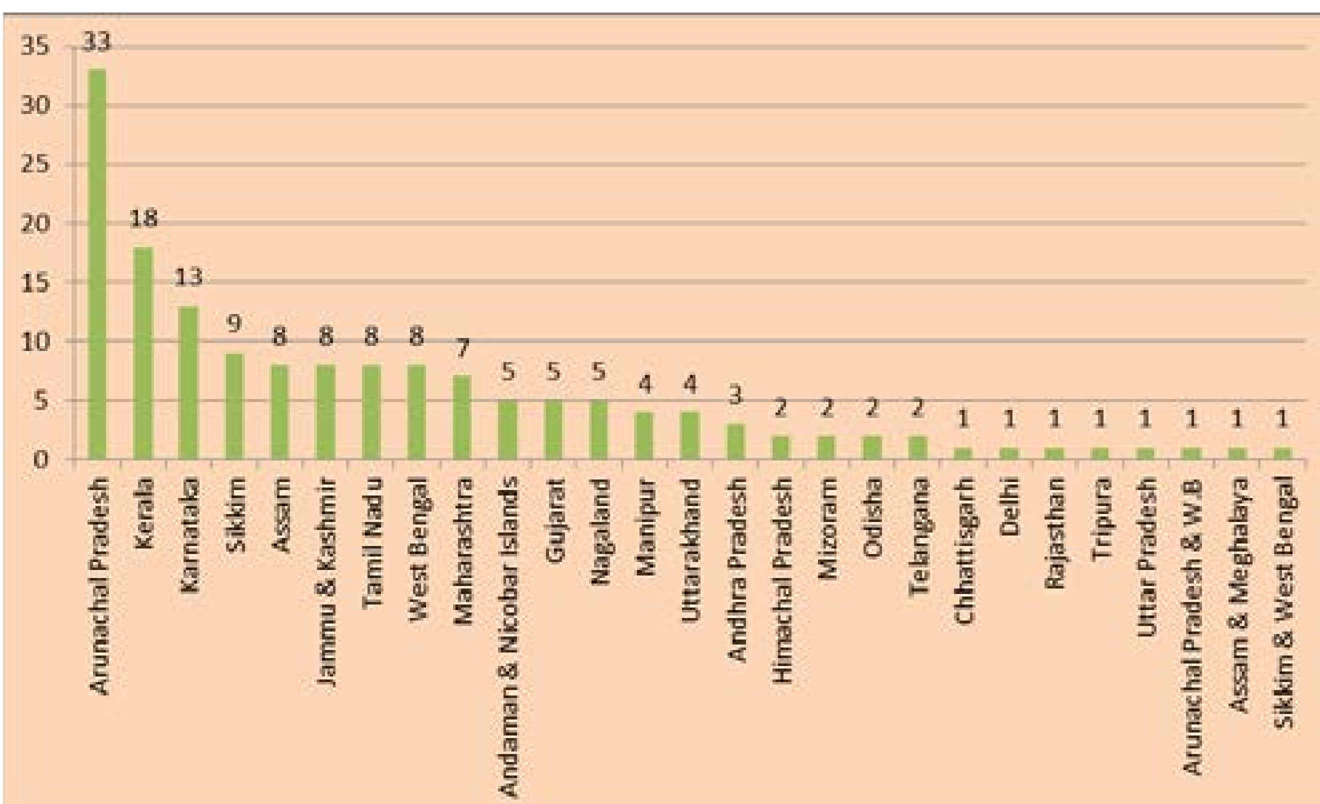

भारतीय राज्यों और संघशासित प्रदेशों से अन्वेषित बीजीय पौधों की संख्या
NUMBER OF SEED PLANTS DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजातियां / New Species

ऐस्काइनेन्थस क्लार्की मोआकुम, एस. डे, बरभुइया व जी. कृष्णा, ताइवानिया 70 (1):50.2025 (जेस्नीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन फाकिम कम्युनिटी कंजर्वेशन फॉरेस्ट, किफिरे जिला, नागालैंड में समुद्रतल से लगभग 2058 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण ब्रिटिश भारत के वनस्पतिजात में *जेस्नीरिएसी* कुल के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ब्रिटिश वनस्पतिशास्त्री चार्ल्स बैरन क्लार्क (1832-1906) के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Aeschynanthus clarkei Moaakum, S. Dey, Barbhuiya & G. Krishna, Taiwania 70(1): 50. 2025 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Fakim Community Conservation Forest, Kiphire District, Nagaland at 2058 m altitude.The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This species is named after Charles Baron Clarke (1832–1906), a British Botanist, who contributed significantly for the family Gesneriaceae in Flora of British India.The new species is provisionallyassessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

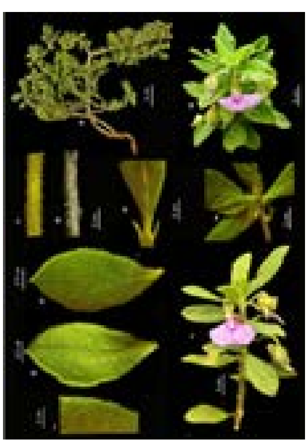

एफ्रोहाइबैन्थस महालिंगमियाइ सर्वलिंगम व रामासुब्बू, फाइटोटैक्सा 726(2):110.2025 (वायोलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन एनजीएम कॉलेज परिसर, पोल्लाची, कोयंबत्तूर जिला, तमिलनाडु में 279 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप GUD में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण तमिलनाडु में पिछड़े लोगों के लिए नल्लामुथु गौंडर महालिंगम कॉलेज, पोल्लाची, तमिलनाडु सहित कई शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करने वाले तमिलनाडु के प्रख्यात शिक्षाविद और जनहितैषी डॉ. एन महालिंगम के सम्मान में किया गया है। इस नवीन प्रजाति को आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Afrohybanthus mahalingamii Sarvalingam & Ramas., Phytotaxa 726(2):110.2025 (Violaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from NGM College Campus, Pollachi, Coimbatore District, Tamil Nadu at 279 m elevation. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype is in GUD. The specific epithet is named in honour of Dr. N. Mahalingam, a prominent educationalist and philanthropist of Tamil Nadu, who established several educational institutions in Tamil Nadu for the under developed people, including Nallamuthu Gounder Mahalingam College, Pollachi, Tamil Nadu. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

एफ्रोहाइबैन्थस ट्राइगोनस रामासुब्बु, मोहनराज व अंजना, ताइवानिया 70(4):635.2025 (वायोलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वेदासंदूर, कनवाई, डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु में लगभाग 245 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप GUD में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके तने के त्रिकोणीय आकारिकी पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Afrohybanthus trigonus Ramas., Mohanraj & Anjana, Taiwania 70(4): 635. 2025 (Violaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Vedachandur, Kanavaai, Dindigul District, Tamil Nadu at 245 m elevation. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes is in GUD. The specific epithet is named for its trigonus stem morphology. The new species is provisionally assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

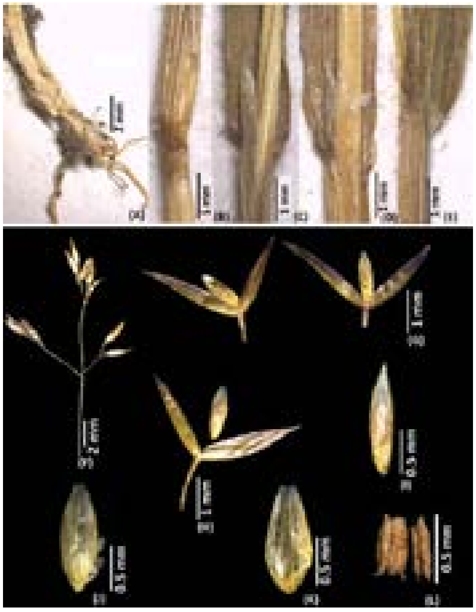

ऐग्रोस्टिस्टैकिस सोमगोएन्सिस डी.प्रसाद व पी.अग्निहोत्री, फाइटोटैक्सा 706(2):164.2025 (पोएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पूर्वी सिक्किम, सिक्किम में त्सोमगो झील के पास 3718 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Agrostistachys somgoensis D.Prasad & P.Agnihotri, Phytotaxa 706(2):164.2025 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Tsomgo Lake, East Sikkim, Sikkim at 3718 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet refers to the type locality from where the new species is collected.

ऐन्ड्रोग्रैफिस सैक्सेटिलिस राजा कुल्लैयिस्वामी व सरोजिनीदेवी, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04498. 2025 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रॉकी पठार, ओक डैम क्षेत्र, ओकमंडल, नंदीयाल जिला, आंध्र प्रदेश में समुद्रतल से लगभग 282 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना (BSID) में और समप्ररूप MH, SKU, HDNA में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राकृतवास चट्टानी दरारों की विशेषता पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अस्थाई तौर पर अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Andrographis saxatilis Raja Kullayisw. & Sarojin., Nordic J. Bot. e04498. 2025 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Rocky Plateau, Owk Dam Area, OwkMandal, Nandyal District, Andhra Pradesh at 282 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana (BSID), isotypes are in MH, SKU, HDNA. The specific epithet refers to the habitat in rocky crevices. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

ऐनीसोमेलीज तमिलानाडेन्से रामासुब्बू व बेचू, फाइटोटैक्सा 711(2):204.2025 (लैमिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गुल्लालगुंडु, डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु के पास सिरुमलाई पहाड़ी में 245 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप GUD में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'तमिलनाडु' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी रखा गया है।

Anisomeles tamilnadense Ramasubbu & Bechu, Phytotaxa 711(2):204.2025 (Lamiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Sirumalai Hills, near Gullalagundu, Dindigul District, Tamil Nadu at 245 m elevation.The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype is in GUD. The specific epithet is named after Tamil Nadu, where the type locality is located. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

आर्डिसिया असमिका बरुआ, फाइटोटैक्सा 722(1):83.2025 (प्रिमुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सोनाई रूपई वन्यजीव अभयारण्य, सोनितपुर, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय के पादपालय (ASSAM) में और समप्ररूप GUBH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल भारतीय राज्य 'असम' के नाम पर आधारित है।

Ardisia assamica Baruah, Phytotaxa 722(1):83.2025 (Primulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Sonai Rupai Wildlife Sanctuary, Sonitpur, Assam. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey ofIndia, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotype is in GUBH. The specific epithet refers to Assam the Indian state where the type specimen was collected.

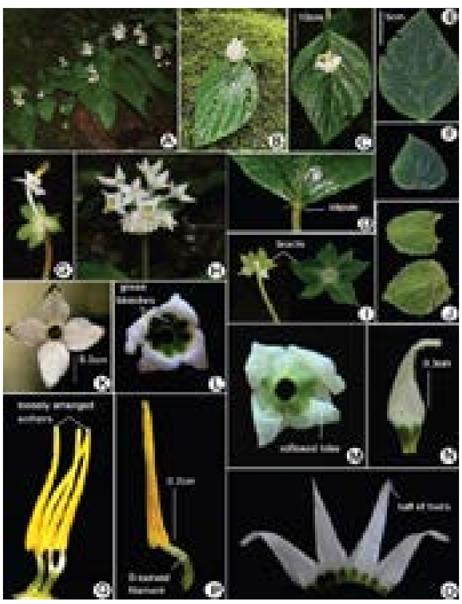

अर्गोस्टेमा सॉमलियानाइ लालहलुपुई, त्लानहलुई, एस. डी. खोमड्रम व एस. डी. युमखाम, फाइटोकीज़ 266: 319. 2025 (रूबिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लुंगलेंग गाँव, आइजोल ज़िला, मिज़ोरम में समुद्रतल से 1003 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय के पादपालय (ASSAM) में तथा समप्ररूप MZUH और MUMP में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण मिज़ोरम में संरक्षण के लिए किए गए उपायों के लिए वनस्पतिजात और प्राणिजात के अन्वेषण में किए गए प्रयासों और तत्संबंधी योगदान को मान्यता देने के लिए वन संरक्षक और प्रकृतिवादी, श्री मल सॉमलियाना के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Argostemma sawmlianae Lalhlupuii, Tlanhlui, S.D.Khomdram & S.D.Yumkham, PhytoKeys 266: 319. 2025 (Rubiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Lungleng Village, Aizawl District, Mizoram at1003 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotypes are in MZUH, MUMP. The specific epithet is named after Mal Sawmliana, a forest conservator and naturalist, as a recognition of his efforts and contribution in exploring the flora and fauna for conservation measures in Mizoram. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

अर्जीरिया करुप्पुसामी भरत व सोनाली, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04723. 2025 (कॉन्वोल्वुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कुद्रेमुख चोटी, चिकमंगलूरु जिला, कर्नाटक के रास्ते में समुद्रतल से लगभग 1532 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मदुरा कॉलेज (स्वायत्त), मदुरै, तमिलनाडु के पादपालय (SGH) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पादप वर्गिकी पर बहुत बड़ी तादाद में योगदान के लिए द मदुरा कॉलेज, तमिलनाडु के वनस्पति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एस. करुप्पुसामी के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Argyreia karuppusamyi Bharath & Sonali, Nordic J. Bot. e04723. 2025 (Convolvulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on the way to Kudremukha Peak, Chikkamangaluru District, Karnataka at 1532 m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium of the Madura College (Autonomous), Madurai, Tamil Nadu (SGH), isotype is in MH. The specific epithet is in honour of Dr. S. Karuppusamy, Associate Professor in Botany, The Madura College, Tamil Nadu in recognition of his tremendous contributions to plant taxonomy.The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

अर्जीरिया मुन्नारेन्सिस भरत, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04723. 2025 (कॉन्वोल्वुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पूपारा, अदुविझन्थनकुडी, इडुक्की, केरल के रास्ते में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मदुरा कॉलेज (स्वायत्त), मदुरै, तमिलनाडु के पादपालय (SGH) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'मुन्नार पहाड़ी' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Argyreia munnarensis Bharath, Nordic J. Bot. e04723. 2025 (Convolvulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on the way to Poopara, Aduvizhanthan Kudy, Idukki, Kerala.The holotype is deposited in the herbarium of the Madura College (Autonomous), Madurai, Tamil Nadu (SGH), isotype is in MH. The specific epithet refers to the type locality of Munnar Hills. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

ऐरीसीमा नयामकरेन्से जे. मैथ्यू व पी.एम. सलीम, फाइटोटैक्सा 736(2):178.2025 (ऐरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन न्यायमकड़, इडुक्की जिला, केरल में 8वां मील के पास 1780 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम के पादपालय (KUBH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल, पारिस्थितिकीय रूप से संवेदी क्षेत्र, न्यायमकड़, इडुक्की जिला, केरल के नाम पर आधारित है।

Arisaema nayamakkadense J.Mathew & P.M.Salim, Phytotaxa 736(2):178.2025 (Araceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near 8th Mile, Nayamakkad, Idukki District, Kerala at 1780 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of University of Kerala, Thiruvanathapuram (KUBH). The species epithet refers to Naymakkad, an ecologically sensitive area in Idukki District of Kerala, where the type specimen was collected.

एरुणडिनेला बल्बीफेरा शाजू, रतीश नारायणन, सुनील, ऋतुराज व राजेंद्रप्रसाद, कोरियन जे. प्ला. टैक्सॉन 55(2): 82. 2025 (पोएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 80 मीटर की ऊंचाई पर चुट्टुपारा, कयूर, कासरगोड़ जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल बॉटनिक गार्डेन एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट, तिरुवनंतपुरम, केरल के पादपालय (TBGT) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके विशिष्ट आधार कंदों की विशेषता पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Arundinella bulbifera Shaju, Ratheesh Narayanan, Sunil, Rijuraj & Rajendraprasad, Korean J. Pl. Taxon. 55(2): 82. 2025 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Chuttupara, Kayyur, Kasaragod District, Kerala, at 80 m elevation. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet of the new taxon refers to its prominent basal bulbs. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

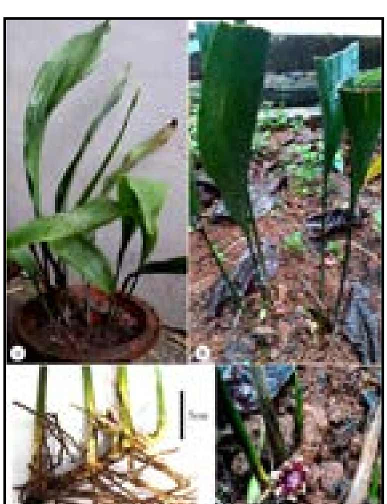

ऐस्पिडिस्ट्रा पांगतीएन्सिस डी.के. रॉय, वाई. महेश, एन. ओड्युओ व एन. तनाका, फाइटोटैक्सा 700(3):289.2025 (ऐस्पैरेगेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पांगती, वोखा जिला, नागालैंड से संग्रह करके भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण उद्यान पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (वुडलैंड परिसर), पूर्वी खासी हिल्स, शिलांग, मेघालय में किए गए प्रतिरोपण के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय के पादपालय (ASSAM) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Aspidistra pangtiensis D.K. Roy, Y. Mahesh, N. Odyuo & N. Tanaka, Phytotaxa 700(3): 289. 2025 (Asparagaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Pangti, Wokha District, Nagaland, transplanted to the Garden of Botanical Survey of India (Eastern Regional Centre (Woodland Campus), East Khasi Hills, Shillong, Meghalaya. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The specific epithet is derived from the name of the type locality. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

बैम्बूसा लेपचीना नैथानी व कंडवाल, इंडियन फोरेस्टर, इंडियन फोरेस्टर 151(4): 317. 2025 (पोएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वृक्षोद्यान कक्ष सं 3 (बैम्बूसेटम), वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून, उत्तराखंड (DD) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण उत्तराखंड के प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री एस.टी.एस. लेपचा के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने बांस और फाइबर विकास बोर्ड, देहरादून के सीईओ और उत्तराखंड के राष्ट्रीय बांस मिशन के मिशन निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थी।

Bambusa lepchaena Naithani & Kandwal, Indian Forester, Indian Forester 151(4): 317. 2025 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Arboretum Compartment No. 3 (Bambusetum), Forest Research institute, Dehradun, Uttarakhand. The holotype and isotype are deposited in Forest Research Institute (FRI) Dehradun, Uttarakhand (DD). The specific epithet is after Mr. S.T.S. Lepcha, Principal Chief Conservator of Forest, Uttarakhand who also served as CEO of Bamboo and Fiber Development Board, Dehradun and Mission Director of National Bamboo Mission of Uttarakhand.

बैम्बूसा मारसेलिनियाइ नैथानी, फाइटोटैक्सोनॉमी 4(2): 132. 2025 (पोएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वनस्पति उद्यान, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वन अनुसंधान संस्थान (FRI) देहरादून, उत्तराखंड (DD) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय वनस्पति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए प्रसिद्ध वनस्पतिज्ञ डॉ. मारसेलिन रुसारियो अल्मेडा (1937–2017) के सम्मान में किया गया है।

Bambusa marselinii Naithani, Phytotaxonomy 4(2): 132. 2025 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Botanical Garden, Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand. The holotype is deposited in the herbarium of Forest Research Institute (FRI) Dehradun, Uttarakhand (DD). The taxon is dedicated to Dr. Marselin Rusario Almeida (1937–2017), a famous botanist from Maharashtra for their valuable contribution in Indian Botany.

बैम्बूसा शरदनेगियाना नैथानी व कंडवाल, इंडियन फोरेस्टर, इंडियन फोरेस्टर 151(4): 320. 2025 (पोएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वृक्षोद्यान कक्ष सं 3 (बैम्बूसेटम), वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप वन अनुसंधान संस्थान (FRI), देहरादून, उत्तराखंड (डीडी) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक श्री शरद सिंह नेगी के सम्मान में किया गया है जिन्होंने बांस पर आधारित महत्वपूर्ण पुस्तकें 'बैम्बूस ऑफ इंडिया' और 'बैम्बूस एंड केन्स' सहित वन और पर्यावरण पर 100 से अधिक पुस्तकों और वैज्ञानिक लेखों की रचना की है।

Bambusa sharednegiana Naithani & Kandwal, Indian Forester, Indian Forester 151(4): 320. 2025 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Arboretum Compartment No. 3 (Bambusetum), Forest Research institute, Dehradun, Uttarakhand. The holotype and isotype are deposited in Forest Research Institute (FRI) Dehradun, Uttarakhand (DD). The specific epithet is after Mr. Shared Singh Negi Former Director General, MoEF & CC, Author of more than 100 books and scientific article on forest and environment including important books on bamboos *viz.* 'Bamboos of India' and 'Bamboos and Canes'.

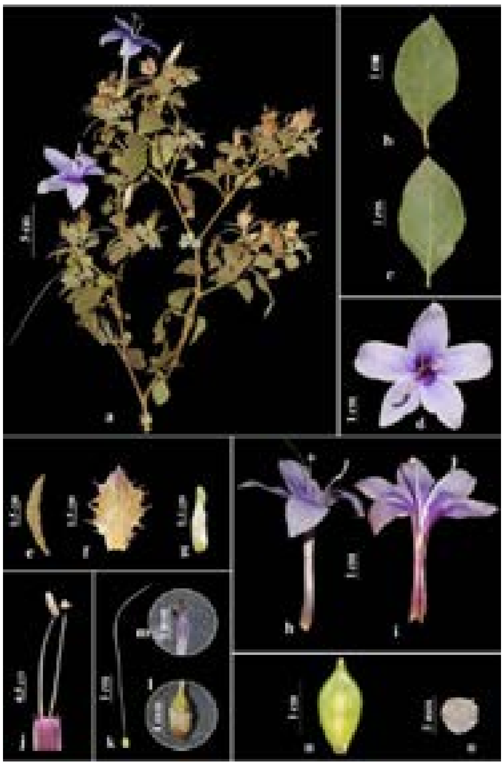

बार्लेरिया तेलंगानेन्सिस भरत, करुप्पासामी व उदय, फेड्डेस रेपर्ट. 136(3): 175. 2025 (ऐकेन्थेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पल्लेगट्टू जलप्रपात, यादाद्री भुवनगिरी ज़िला, तेलंगाना से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में तथा समप्ररूप SGH और BSID में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'तेलंगाना राज्य' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Barleria telanganensis Bharath, Karupp. & Uday, Feddes Repert. 136(3): 175. 2025 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Pallegattu Waterfalls, Yadadri Bhuvanagiri District, Telangana. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in SGH, BSID. The specific epithet is named after the type locality of Telangana state. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

बिगोनिआ हिमालइका डी. बोराह, चौलू, ए. शेनॉय व तारम, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04745.2025 (बिगोनिऐसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चायांग ताजो, पूर्वी कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में समुद्रतल से लगभग 1200 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में और समप्ररूप ARUN, CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण महान हिमालय के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Begonia himalaica D. Borah, Chowlu, A. Shenoy & Taram, Nordic J. Bot. e04745. 2025 (Begoniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Chayang Tajo, East Kameng District, Arunachal Pradesh at 1200 m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN), isotypes are in ARUN, CAL. The specific epithet is after mighty Himalayas.The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

बिगोनिआ नीस्टी बी. हाजोंग, एन. भट्ट व पी. भराली, नॉर्डिक जे. बॉट. 2025 (बिगोनिऐसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हुन्ली और अनिनी के बीच सड़क से, ऊपरी दिबांग घाटी जिला, अरुणाचल प्रदेश में समुद्रतल से लगभग 540 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय के पादपालय (ASSAM) में और समप्ररूप ARUN में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण सीएसआईआर-उत्तर पूर्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (CSIR-NEIST), जोरहाट, असम के गौरवशाली 60 वर्ष सफलतापूर्वक पूरा करने एवं उत्तर पूर्वी भारत के लोगों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लाभान्वित कराने के लिए इसके अपार योगदान पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Begonia neisti B. Hajong, N. Bhat & P. Bharali, Nordic J. Bot. e04463. 2025 (Begoniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made along the road between Hunli and Anini, Upper Dibang Valley District, Arunachal Pradesh at 540m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey ofIndia, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotype is in ARUN. The specific epithet refers to CSIR-North East Institute of Science and Technology (CSIR-NEIST), Jorhat, Assam for the successful completion of glorious 60 years and its immense contribution to science and technology towards the benefit of the people of North East India. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

बिगोनिआ न्याशिओरम ए. शेनॉय, ए.के.सोनी व अब. कुमार, नोवॉन 33: 84. 2025 (बिगोनिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1650 मीटर की ऊंचाई पर रावा गाँव, खेनवा सर्कल, पूर्वी कामेंग, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ARUN असम में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण अरुणाचल प्रदेश के सबसे बड़े जनजातीय समूह 'न्याशी समुदाय' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Begonia nyishiorum A. Shenoy, A. K. Soni & Ab. Kumar, Novon 33: 84. 2025 (Begoniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Rawa Village, Khenwa Circle, East Kameng, Arunachal Pradesh at *c*.1650 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in ARUN, ASSAM. The specific epithet of *Begonia nyishiorum* refers to the Nyishi community, the largest ethnic tribal group in Arunachal Pradesh. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

बिगोनिया वॉटसनियाइ शेरपा, लेपचा, छेत्री व गोगोई, फेड्डेस रेपर्ट. 136(4): 378. 2025 (बिगोनिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बीएसआई-प्रायोगिक वनस्पति उद्यान, गंगटोक, सिक्किम (कृष्ट, यह पौधा सदम, दक्षिण सिक्किम में समुद्रतल से 1180 मी की ऊंचाई पर से लाकर लगाया गया है) में समुद्रतल से 1600 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण चीन-हिमालयी क्षेत्र (विशेषतः नेपाल और सिक्किम) में किए गए विस्तृत कार्यों और 'फ्लोरा ऑफ नेपाल', 'वर्ल्ड फ्लोरा ऑनलाइन' एवं 'फ्लोरा ऑफ भूटान' जैसी अग्रणी पहल के लिए पादप अध्ययन, पादप वर्गीकरण विज्ञान और वानस्पतिक नाम-पद्धति के विशिष्ट विशेषज्ञ रॉयल बोटैनिक गार्डन एडिनबर्ग के डॉ. मार्क वॉटसन के सम्मान में किया गया है।

Begonia watsonii Sherpa, Lepcha, Chhetri & Gogoi, Feddes Repert. 136(4): 378. 2025 (Begoniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from BSI-Experimental Botanic Garden, Gangtok, Sikkim at 1600 m altitude (in cultivation, plant introduced from Sadam, South Sikkim at 1180 m altitude). The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species name honors Dr. Mark Watson of the Royal Botanic Garden Edinburgh, a distinguished authority in floristics, plant systematics, and botanical nomenclature, recognized for his extensive work in the Sino-Himalayan region, particularly Nepal and Sikkim, and for leading initiatives like the Flora of Nepal, the World Flora Online, and the Flora of Bhutan.

बेरबेरिस मीरियोवुला हाजोंग व भराली, ताइवानिया 70 (3): 449 . 2025 (बेरबेरीडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में बंगजान के पास समुद्रतल से लगभग 3925 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत है। । आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Berberis myriovula Hajong & Bharali, Taiwania 70(3): 449. 2025 (Berberidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Bangajaan,Tawang District, Arunachal Pradesh at 3925 m altitude.The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

बर्गिया कुडलोरेन्सिस एस. सूसाईराज, एडानसोनिया 47(1):3.2025 (इलैटिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लाथुर वन, वेप्पुर, कुडलोर जिला, तमिलनाडु में लगभग 90 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु के रैपिनाट पादपालय (RHT) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल कुडलोर जिला, तमिल नाडु के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Bergia cuddalorensis S. Soosairaj, Adansonia 47(1):3.2025 (Elatinaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Lathur Forest, Veppur, Cuddalore District, Tamil Nadu at *c.* 90 m altitude. The holotype is deposited in Rapinat Herbarium, St. Joseph's College, Tiruchirapalli, Tamil Nadu (RHT), isotype is in MH. The specific epithet refers to the collection locality of the type specimen in Cuddalore district of Tamil Nadu. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

कैलामस हिमालऐनस एस.मंडल, एस.के. बसु व एम. चौधरी, रीडिया 35(1): 01. 2025 (एरेकेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चकलोंग वन, दार्जिलिंग ज़िला, पश्चिम बंगाल में 320 मी की ऊंचाई पर महानंदा वन्यजीव अभयारण्य के बाहरी इलाके की पहाड़ी ढलानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल के पादपालय में (NBU) तथा समप्ररूप CUH और CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट के भाग 'हिमालय' के नाम पर आधारित है।

Calamus himalayanus S.Mondal, S. K. Basu & M. Chowdhury, Rheedea 35(1): 01. 2025 (Arecaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from hill slopes of the Mahananda WLS outskirts, Choklong Forest, Darjeeling District, West Bengal at 320 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of University of North Bengal, Siliguri, West Bengal (NBU), isotypes are at CUH, CAL. The specific epithet denotes the type locality which is part of Himalaya a global biodiversity hotspot.

कैमीगैस्ट्रोडिया रेइकेन्सिस त्लानहलुई, एस.डी. खोमद्राम व एस.डी. युमखाम, जे. प्लांट टैक्सोन. & जियोग्र. (वेबिया) 80(2): 230. 2025 (आर्किडेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रेइएक त्लॉन्ग, मामित ज़िला, मिज़ोरम में समुद्रतल से 1390 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय के पादपालय में (ASSAM) तथा समप्ररूप MZUH और MUMP में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल मिज़ोरम के एक प्रसिद्ध पहाड़ी पर्यटन स्थल 'रेइएक' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अस्थायी तौर पर अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Chamaegastrodia reiekensis Tlanhlui, S.D.Khomdram & S.D.Yumkham, J. Pl. Taxon. & Geogr. (Webbia) 80(2): 230. 2025 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Reiek Tlang, Mamit District, Mizoram at 1390 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotypes are in MZUH, MUMP. The specific epithet is named after type locality, Reiek, a well-known mountainous tourist destination in Mizoram. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

क्लोरोफाइटम वनपुष्पम सुनील, जे. मैथ्यू व सिद्धार्थ एस. नायर, फाइटोटैक्सा 720(2):158.2025 (ऐस्पैरेगेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन थंगल पारा, वागामोन, इडुक्की जिला, केरल में समुद्रतल से 762 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप CALI, SNMH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण संज्ञा के समरूप प्रयोग के आधार पर किया गया है, वनपुष्पम मलयालम शब्द 'वनम' और 'पुष्पम' से मिलकर बना है जो इस नवीन प्रजाति के प्राकृतवास को दर्शाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Chlorophytum vanapushpam Sunil, J. Mathew & Sidharth S. Nair, Phytotaxa 720(2):158.2025 (Asparagaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Thangal Para, Vagamon, Idukki District, Kerala at 762 m s.l. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in CALI, SNMH. The specific epithet is used here as a noun in apposition; in Malayalam, vanam, forest, wild and pushpam, flower, alluding to habitat of this new species. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

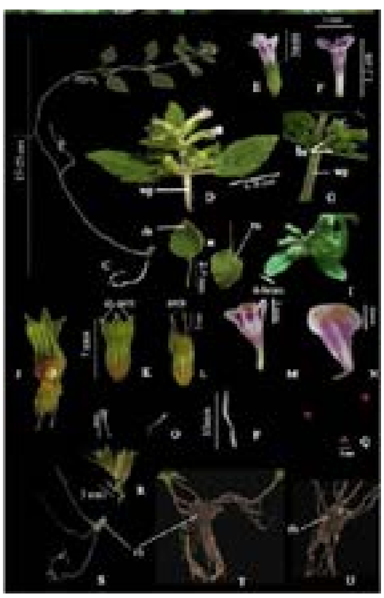

क्लाइनोपोडियम क्यूएन्सिस आर.चंद्र व ओ. गुनेर, फाइटोटैक्सा 712(1):20.2025 (लैमिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कांगड़ा जिला, हिमाचल प्रदेश, मध्य हिमालय में 2100 - 2200 मी की ऊंचाई पर धौलाधर पर्वत की पहाड़ी ढलानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल के पादपालय (CALI) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण विश्व के सबसे बड़े वनस्पति उद्यान 'रॉयल बॉटनिकल गार्डन' के नाम पर आधारित है जो क्यू गार्डन्स, क्यू, लंदन के नाम से भी जाना जाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Clinopodium kewensis R.Chandra & Ö. Güner, Phytotaxa 712(1):20.2025 (Lamiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from hill slopes of Dhauladhar Mountains, Kangra District, Himachal Pradesh, Middle Himalaya at 2100–2200 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala (CALI). The species epithet is derived from the name of the world's largest botanical garden, The Royal Botanic Garden, also known as Kew Gardens, in Kew, London. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

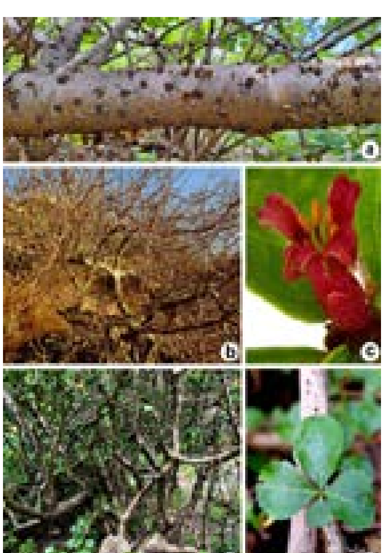

कॉमीफोरा शंकरसिंहियाना के.डी.ठाकर व के. एस. राजपूत, रीडिया 35(1): 07. 2025 (बरसरेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ओसम पहाड़ी, राजकोट, गुजरात में मातृ माताजी मंदिर के रास्ते में 214 मी से अधिक की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शुष्क क्षेत्र क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर, राजस्थान (BSJO) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण खान्देश क्षेत्र, उत्तरी महाराष्ट्र के पारंपरिक जड़ी-बूटी औषधि चिकित्सक, स्वर्गीय श्री शंकरसिंह एन. राजपूत (जुलाई 1927 – जुलाई 2005) के सम्मान में किया गया है। वे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में डिप्थीरिया रोग के इलाज के लिए जाने जाते थे।

Commiphora shankarsinhiana K.D.Thacker & K.S.Rajput, Rheedea 35(1): 07. 2025 (Burseraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on the way to Matri Mataji Temple, Osam Hills, Rajkot, Gujarat, above 214 m. The holotype and isotype are deposited in the Botanical Survey of India, Arid Zone Regional Center, Jodhpur, Rajasthan (BSJO). The specific epithet is in honour of the Late Mr. Shankarsinh N. Rajput (July 1927–July 2005) who was a traditional herbal medicine practitioner of the Khandesh region of North Maharashtra. He was known for curing Diphtheria among the children of rural areas.

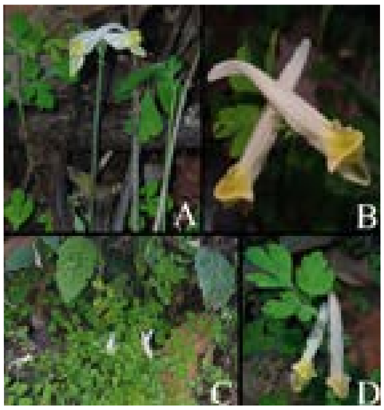

कोराइडैलिस शियोमिएनसिस एम. खानल, लिडेन व डी. कुमार, फाइटोटैक्सा 721(1):88.2025 (पैपैवरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तातो, शि योमी, अरुणाचल प्रदेश में 1512 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में और समप्ररूप जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केंद्र के पादपालय में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल अरुणाचल प्रदेश के 'शि योमी' जिला के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Corydalis shiyomiensis M. Khanal, Lidén & D. Kumar, Phytotaxa 721(1):88.2025 (Papaveraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Tato, Shi Yomi, Arunachal Pradesh at 1512 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN), isotype is in G.B.Pant North East Regional Centre Herbarium. The species is named after the type locality Shi Yomi district of Arunachal Pradesh. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

क्रैसीकॉलिस मिडलटनियाइ चौलू व ए. शेनॉय, ताइवानिया 70(4):717.2025 (जेस्नीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पुशी डोके गांव, पश्चिम सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश के पास बाग्रा सर्कल से लगभग 860 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में और समप्ररूप CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण एशिया में जेस्नीरिएसी कुल पर बहुमूल्य और निरंतर योगदान के लिए डेविड जे. मिडलटन के सम्मान में किया गया है।

Crassicaulis middletonii Chowlu & A.Shenoy, Taiwania 70(4): 717. 2025 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Bagra Circle near Pushi Doke Village, West Siang District, Arunachal Pradesh at 860 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN), isotype is in CAL. The specific epithet is after David J. Middleton for his valuable and ongoing contributions to the family Gesneriaceae in Asia.

क्रॉफ़र्डिया माइन्यूटीकैलिक्स आर.मैती, देबता व एस.एस. दाश, ताइवानिया 70(3):445.2025 (जेन्शिएनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में छंदर के पास समुद्रतल से लगभग 2950 मी.की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण अध्ययन के दौरान इसके नमूने में पाए गए कैलिक्स के बहुत छोटे या न्यून आकार को दर्शाता है जो इस प्रजाति को अन्य संबद्ध वर्गकों से विशिष्ट बनाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Crawfurdia minuticalyx R. Maity, Debta & S.S. Dash, Taiwania 70(3): 445. 2025 (Gentianaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Chhandar, West KamengDistrict, Arunachal Pradesh at 2950 m a.m.s.l. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). The specific epithet denotes very small or minute size of calyx which has been observed in the specimen during study and makes this species unique from other allied taxa. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

क्रेपिडियम असमिकम के.गोगोई व जिन्टू शर्मा, फिडस रेपर्ट 136(1): 29. 2025 (ऑर्किडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 118 मीटर की ऊंचाई पर डिब्रू-सैखोवा,तिनसुकिया जिला,असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न हिमालया, असम (TOSEHIM) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'असम' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है।

Crepidium assamicum K. Gogoi & Jintu Sarma, Feddes Repert.136(1): 29. 2025 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Dibru Saikhowa, Tinsukia District, Assam at 118 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of The Orchid Society of Eastern Himalaya, Assam (TOSEHIM). The specific epithet assamicum referred the state Assam from where the species is described. The new species is provisionally assessed as Threatened following IUCN guidelines.

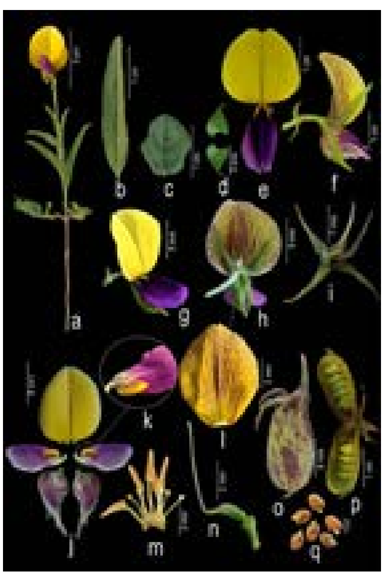

क्रोटालेरिया लूटीयोपरप्यूरिया दलवी, रमेश, बसवराज, संजप्पा व एस.आर.यादव, रीडिया 35(1): 13. 2025 (फैबेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बादामी, बागलकोट ज़िला, कर्नाटक में समुद्रतल से 767 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में तथा समप्ररूप BSI, SUK और CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके दलपुंज के रंग, चमकीला पीला तथा बैंगनी पक्ष एवं नौतल पंखुड़ियों पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Crotalaria luteopurpurea Dalavi, Ramesh, Basavaraj, Sanjappa & S.R.Yadav, Rheedea 35(1): 13. 2025 (Fabaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Badami, Bagalkot District, Karnataka at 767 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SUK, CAL. The specific epithet is derived from colour of the corolla, standard bright yellow and purple wing and keel petals. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

क्रोटालेरिया वेस्टर्नियाना डी.के. लोंढे व ए.एस. भुक्तार, बायोइंफोलेट 22(3): 336. 2025 (फैबेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 1450 मीटर की ऊंचाई पर कलसुबाई हिल्स, अहिल्यानगर जिला, महाराष्ट्र अकोले एलिवेशन के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSI में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके संग्रह स्थल 'पश्चिमी घाट, महाराष्ट्र' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Crotalaria westernyana D.K. Londhe & A.S. Bhuktar, Bioinfolet 22(3): 336. 2025 (Fabaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Akole elevation, Kalasubhi Hills, Ahilyanagar District, Maharashtra, at *c.* 1450 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotype is at BSI. The species epithet refers to its collection from western ghats of Maharashtra. The new species is assessed as Data Deficient (DD) based on the IUCN categories and criteria.

साइफोस्टेम्मा नमोनर्मदेन्से नंदीकर, कियू बुले. 80: 753. 2025 (वाइटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से 300 मीटर की ऊंचाई पर गरुड़ेश्वर, नर्मदा जिला, गुजरात में तवड़िया से जरवानी के रास्ते में और समुद्रतल से 973 मीटर की ऊंचाई पर ट्रांस अरुणाचल हाईवे पूची गेको, कामले, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BARO, BSJO में संगृहीत है। इसके नामकरण में दो विशेष तत्व शामिल हैं। नमो शब्द भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में उनके द्वारा अपनी सर्वोत्तम क्षमताओं के साथ भारत का नेतृत्व करने के उनके प्रयासों को उजागर करती है। उनके नाम से सम्बंधित उपसर्ग 'न' और 'मो' का संस्कृत में अर्थ 'नमन करना' है जो नर्मदा नदी के प्रति सम्मान को दर्शाता है। नामकरण में प्रयुक्त दूसरा शब्द नर्मदा नदी से संबंधित है जो यह बताता है कि इस प्रजाति का संग्रह नर्मदा जिला, गुजरात में नर्मदा नदी के पास से किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Cyphostemma namonarmadense Nandikar, Kew Bull. 80: 753. 2025 (Vitaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Tavadia to Zarwani Road, Garudeshwar, Narmada District, Gujarat at 300 m altitude. made from Trans Arunachal Highway Puchi Geko, Kamle, Arunachal Pradesh at 973 m a.m.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are at BARO, BSJO. The specific epithet incorporates two distinct elements. The term *namo* is in honour of India's Prime Minister Narendra Modi, acknowledging his efforts leading India with his best possibilities. The prefix 'Na' and 'Mo' from his name are often abbreviated and in Sanskrit, *namo* translates to"to bow to", here signifying respect towards the river Narmada. The second part of the epithet, *narmadense*, refers to the river Narmada, indicating the species was discovered near this river and described from the Narmada district of Gujarat. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

डैक्टाइलोक्टेनियम रुडरल बी.एल. भेलम, के. सिंह व एस. गैरोला, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04683. 2025 (पोएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बड़ी ब्राह्मणा, जम्मू शहर, जम्मू और कश्मीर में समुद्रतल से लगभग 350 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जानकी अम्मल पादपालय, भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान, जम्मू-तवी, जम्मू और कश्मीर (RRLH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके बंजर भूमि पर उगने की विशेषता पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Dactyloctenium ruderale B.L. Bhellum, K. Singh & S. Gairola, Nordic J. Bot. e04683. 2025 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Bari Brahmana, Jammu City, Jammu and Kashmit at 350 m a.s.l. The holotype is deposited in the Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir (RRLH). The specific epithet refers to its growth on wastelands.The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

डाइआस्कोरिया बालकृष्णनियाइ पी.एम. सलीम व जे. मैथ्यू, प्रजातियां 26: ई42एस3191.2025 (डाइआस्कोरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 900 थामराक्कड, वायनाड जिला, केरल में टेंटग्राम की तरफ भूभाग में 1360 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम के पादपालय (KUBH) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण जैव विविधता संरक्षण और दक्षिण भारतीय डाइआस्कोरिया की वर्गिकी में बहुमूल्य योगदान के लिए डॉ. वी. बालकृष्णन (केरल राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव) के सम्मान में किया गया है।

Dioscorea balakrishnanii P. M. Salim & J. Mathew, Species 26: e42s3191.2025 (Dioscoreaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from tract towards Tentgram, 900 Thamarakkad, Wayanad District, Kerala at 1360 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of University of Kerala, Thiruvanathapuram (KUBH), isotype is at MH. The species epithet is in honour of Dr. V. Balakrishnan (the Member Secretary of Kerala State Biodiversity Board) for his valuable contributions in biodiversity conservation and the taxonomy of South Indian *Dioscorea*.

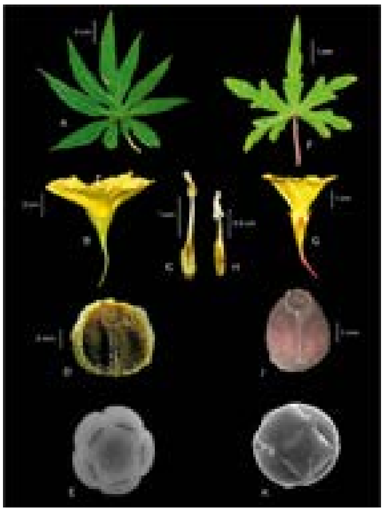

डिस्टीमेक अपरान्ताइ एस.बी. पटेल, शिम्पले व ए.आर.सिमॉइश, किव बुल. 80: 179. 2025 (कॉन्वोल्वुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 10-12 मीटर की ऊंचाई पर मुद्गा गांव, उत्तर कन्नड़ जिला, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSI, SUK, NCK में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल भारत के पश्चिमी तट के कोंकण क्षेत्र के उत्तरी भाग 'अपरांता' पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Distimake aparantae S.B. Patil, Shimpale & A.R. Simões, Kew Bull. 80: 179. 2025 (Convolvulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mudga Village, Uttara Kannada District, Karnataka at 10–12 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SUK, NCK. The species is named after its type locality: Aparanta refers to the northern part of the Konkan region, on the western coast of India. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

इरेग्रोस्टिस कश्मीरेन्सिस पी. अग्निहोत्री व एस. तिवारी, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04900. 2025 (पोएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तंगमर्ग, कश्मीर, जम्मू और कश्मीर में समुद्रतल से लगभग 2250 मी की उंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Eragrostis kashmirensis P. Agnihotri & S. Tiwari, Nordic J. Bot. e04900. 2025 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Tangmarg, Kashmir, Jammu and Kashmir at 2250 m a.s.l. The holotype and isotype are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet refers to the type locality.

ईरिओकौलन मणिलालिऐनम चंदोर, बोरुडे, माधव व गोसावी, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04609.2025 (ईरियोकौलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हरिश्चंद्रगढ़, तारामती पॉइंट, अकोले तहसील, अहिल्यानगर जिला, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSI, SUK में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रख्यात पादप वर्गिकीविज्ञ स्वर्गीय (प्रो.) डॉ. के.एस. मणिलाल, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल के सम्मान में किया गया है।

Eriocaulon manilalianum Chandore, Borude, Madhav & Gosavi, Nordic J. Bot. e04609. 2025 (Eriocaulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Harishchandragad, Taramati Point, Akole Tehsil, Ahilyanagar District, Maharashtra. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, SUK.The specific epithet is in honour of eminent plant taxonomist late (Prof.) Dr. K.S. Manilal, University of Calicut, Kerala.

यूजीनिया क्रूसिफॉर्मीस बी. मणि व सिंजुमॉल थॉमस, फाइटोटैक्सा 718(4):291.2025 (मर्टेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन उप्पुकुन्नु, इडुक्की जिला, केरल में 800 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पादपालय (CCMT) में और समप्ररूप MH, CCMT में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसमें मौजूद विशिष्ट क्रॉसरूपी पुंश्रक्रिका को दर्शाता है, जो *यूजीनिया* वंश की किसी भी प्रजाति के आकारिकीय लक्षण के रूप में अनूठा है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Eugenia cruciformis B. Mani & Sinj. Thomas, Phytotaxa 718(4):291.2025 (Myrtaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Uppukunnu, Idukki District, Kerala at 800 m altitude.The holotype is deposited in Central Council for Research in Unani Medicine Herbarium, New Delhi (CCMT), isotypes are in MH, CCMT. The specific epithet is derived from the presence of a distinctive cruciform staminal disc, a morphological character unique to this species within *Eugenia*. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

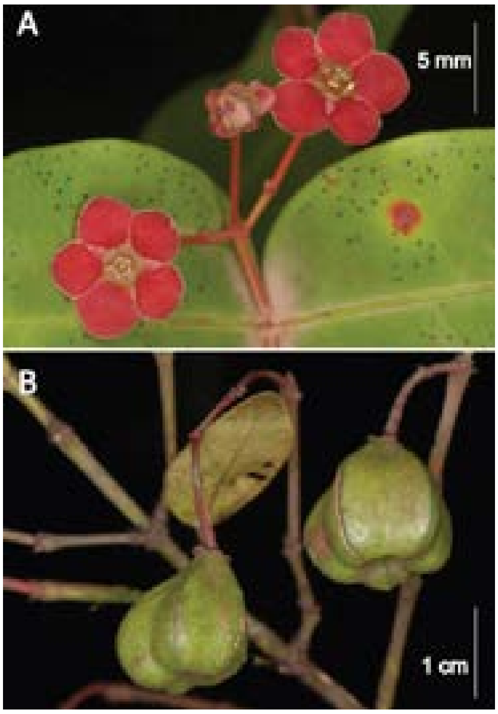

यूओनिमस पुष्पगिरिएन्सिस एन.वी.पेज व टी.यू.ठाकरे, फाइटोकीज़ 253: 2. 2025 (सिलेस्ट्रेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मंडलपट्टी, कोडगु ज़िला, कर्नाटक में समुद्रतल से 1240 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में तथा समप्ररूप MH और JCB में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है। अभी तक, यह प्रजाति केवल पुष्पगिरि वन्यजीव अभयारण्य और उसके आस-पास के क्षेत्रों में ही पाई गई है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अस्थायी तौर पर संकटग्रस्त (NT) की श्रेणी में रखा गया है।

Euonymus pushpagiriensis N.V.Page & T.U.Thackeray, PhytoKeys 253: 2. 2025 (Celastraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mandalpatti, Kodagu District, Karnataka at 1240 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in MH, JCB. The specific epithet refers to the type locality of species. The species is, so far, known only from Pushpagiri Wildlife Sanctuary and its adjacent areas. The new species is assessed as Near Threatened (NT) following IUCN guidelines.

यूफॉर्बिया पाराइकल्ली बी. डेजोंग, मालपुरे व महालिंगम, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04718. 2025 (यूफॉर्बिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वेल्लाकडाई बस स्टॉप से लगभग 3.5 किमी आगे यरकौड-मेलूर मार्ग, सेरवरायन पहाड़ी, सेलम जिला, तमिलनाडु में उभरी तलशिला पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास हर्बेरियम, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप CAL, MA में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल ‹पाराइकल्ली› पर आधारित है, जिसका तमिल अर्थ है 'चट्टानी इलाकों में उगने वाला यूफॉर्बिया'। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Euphorbia paraikalli B. Dejong, Malpure & Mahalingam, Nordic J. Bot. e04718. 2025 (Euphorbiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on a rocky outcrop, about 3.5 km past Vellakkadai bus stop on Yercaud to Melur Road, Servarayan Hills, Salem District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in CAL, MA. The specific epithet refers to Tamil Word 'paraikalli' meaning rocky outcrop euphorbia' reflecting natural environment of these plants. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

यूफॉर्बिया स्पाइनेकॉन्फ्लेटा सरोजिनीदेवी व राजा कुल्लायीस्वामी, ज. इकॉन टैक्सॉन बॉट 49(3): 180. 2025 (यूफॉर्बिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ओरवाकल मंडल, कुरनूल जिला, आंध्र प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना के पादपालय (BSID) में और समप्ररूप MH, SKU में संगृहीत हैं। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'स्पाइनेकॉन्फ्लेटा' एक कंटक विशल्क पर दो कंटकों के जुड़ने से बनी एकल कंटक को दर्शाता है।

Euphorbia spinaconflata Sarojin. & Raja Kullayisw., J. Econ. Taxon. Bot. 49(3): 180. 2025 (Euphorbiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Orvakal Mandal, Kurnool District, Andhra Pradesh. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana (BSID), isotypes are in MH, SKU. The epithet spinaconflata refers to the diagnostic feature of this taxon, *i.e.* two spines fused together on a spine shield projecting as a single spine.

फाइकस नाइकियाइ ए.पी. तिवारी, श्रीहरि व आर.पी. मिश्रा, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04788. 2025 (मोरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, जगदलपुर जिला, छत्तीसगढ़ में समुद्रतल से लगभग 600 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSA, CALI, DSAH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण छत्तीसगढ़ के पादपी अध्ययन में योगदान देने के लिए पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ के भूतपूर्व प्राध्यापक प्रो. एम. एल. नाइक के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Ficus naikii A.P. Tiwari, Sreehari & R.P. Mishra, Nordic J. Bot. e04788. 2025 (Moraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kanger Valley National Park, Jagdalpur District, Chhattisgarh at *c.* 600 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSA, CALI, DSAH. The specific epithet is in honour of Ex. Prof. M.L. Naik, Pandit Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh, an eminent taxonomist for his contribution to floristics studies of Chhattisgarh. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

फिलागो जम्मूएन्सिस भेलम व मगोत्रा, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04663. 2025 (ऐस्टरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तहसील मंडल, जम्मू जिला, जम्मू और कश्मीर में समुद्रतल से लगभग 290 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जानकी अम्मल पादपालय, भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान, जम्मू-तवाई, जम्मू और कश्मीर (RRLH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल जिले के नाम पर आधारित है।

Filago jammuensis Bhellum & Magotra, Nordic J. Bot. e04663. 2025 (Asteraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Tehsil Mandal, Jammu District, Jammu and Kashmit at 290 m a.s.l. The holotype is deposited in the Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir (RRLH). The specific epithet refers to the type district.

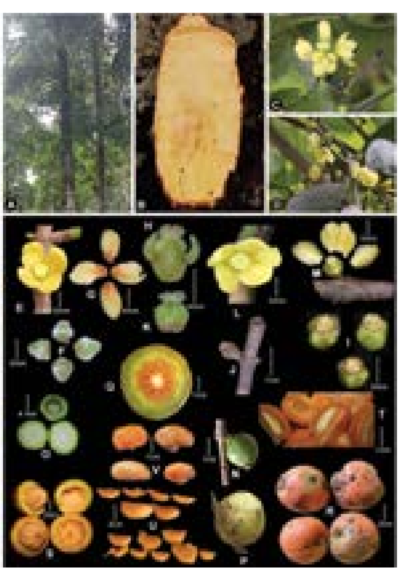

गार्सीनिया कुसुमाइ जे. शर्मा व बरभुइया फेडस रेपर्ट. 136(3): 244. 2025(क्लूसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 67 मी की ऊंचाई पर बमुनबारी, बक्सा जिला, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (HBARC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रथम लेखक की माता स्वर्गीय कुसुम देवी के सम्मान में उनकी निरंतर सहायता और त्याग को मान्यता देने के लिए किया गया है।

Garcinia kusumae J. Sarma & Barbhuiya, FeddesRepert. 136(3): 244. 2025 (Clusiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Bamunbari, Baksa District, Assam at 67 m altitude. The holotype is deposited in Bhabha Atomic Research Centre, Maharashtra (HBARC). The specific epithet is named in honor of the late Kusum Devi, mother of the first author, in recognition of her enduring support and sacrifices.

गैस्ट्रोडिया लोहितेन्सिस चौलू, सेरिंग, ए. राय, ए.एन. राव, एस.एस. दाश व ए. पर्टिन, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04556. 2025 (ऑर्किडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन शिवाजी नगर, तेजू, लोहित, अरुणाचल प्रदेश में समुद्रतल से लगभग 634 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में और समप्ररूप CAL में संगृहीत है । इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'लोहित' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Gastrodia lohitensis Chowlu, Tsering, A. Ray, A.N. Rao, S.S. Dash & A. Pertin, Nordic J. Bot. e04556. 2025 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Shivaji Nagar, Tezu, Lohit, Arunachal Pradesh at 634 m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN), isotype is in CAL. The specific epithet is after type locality 'Lohit' from where it was collected. The new species is provisionally assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

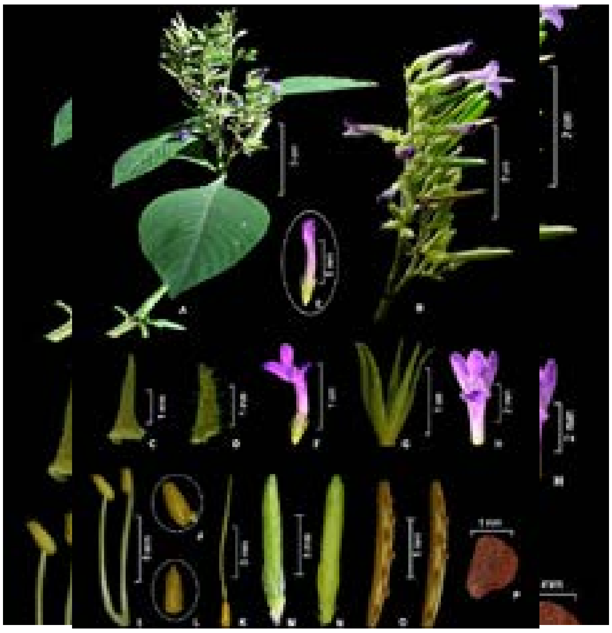

जिम्नोस्टैकियम मुंडनथुरिएन्सिस के.एम.पी.कुमार व दीक्षा, ताइवानिया 70(1):55.2025 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मुंडनतुरई टाइगर रिज़र्व, अम्बासमुद्रम, तिरुनेलवेली जिला, तमिलनाडु में समुद्रतल से लगभग 547 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'मुंडनतुरई टाइगर रिज़र्व, तमिलनाडु' के नाम पर आधारित है।

Gymnostachyum mundanthuraiensis K.M.P.Kumar & Diksha, Taiwania 70(1): 55. 2025 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mundanthurai Tiger Reserve, Ambasamudram, Tirunelveli District, Tamil Nadu, at *c.*547 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The new species is named after its type locality Mundanthurai Tiger Reserve, Tamil Nadu.

हेंकेलिया डेविडवुडियाइ डी. बोराह, तारम व आर. मैती, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04662. 2025 (जेस्नीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तातो, शीयोमी जिला, अरुणाचल प्रदेश में समुद्रतल से लगभग 1487 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण यूनाइटेड किंगडम के प्रसिद्ध पादप वर्गिकीविज्ञ डेविड वुड के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने *हेंकेलिया* वंश, पहले *चिराइटा* के रूप में ज्ञात, पर वर्गिकीय अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Henckelia davidwoodii D. Borah, Taram & R. Maity, Nordic J. Bot. e04662. 2025 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made fromTato, Shi-yomi District, Arunachal Pradesh at 1487 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM.The specific epithet is in honour of David Wood, a renowned plant taxonomist from United Kingdom, for his significant contribution to taxonomic studies on genus *Henckelia*, formerly known as *Chirita*.The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

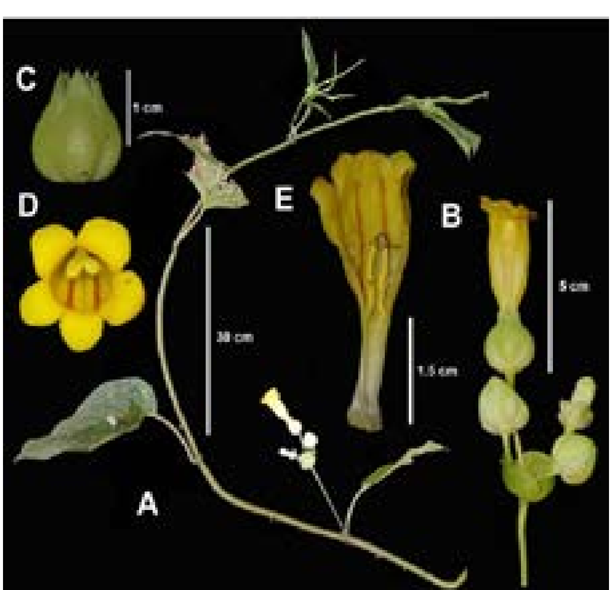

हेंकेलिया इंडिका एम. खनाल, ताराम व डी. बोराह, जे. इकॉन. टैक्सॉन. बॉट. 49(3): 189. 2025 (जेस्नीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से 973 मीटर की ऊंचाई पर ट्रांस-अरुणाचल हाईवे पूची गेको, कामले, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'इंडिया' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Henckelia indica M. Khanal, Taram & D. Borah, J. Econ. Taxon. Bot. 49(3): 189. 2025 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Trans Arunachal Highway Puchi Geko, Kamle, Arunachal Pradesh at 973 m a.m.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet indica refers to India, the country of its discovery. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

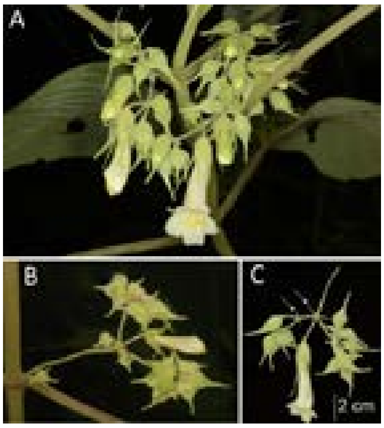

हेंकेलिया मल्टीफ्लोरा एन.वी. पेज, एडिनबर्ग जे. बॉट. 82. 2095: 3. 2025 (जेस्नीरिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ऊपरी सियांग ज़िला, अरुणाचल प्रदेश में जेंगिंग और बोमडो के बीच किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून, उत्तराखंड (BSD) में और समप्ररूप WII में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके एक नैदानिक लक्षण बहुपुष्पीय पुष्पक्रम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Henckelia multiflora N.V. Page, Edinburgh J. Bot. 82. 2095: 3. 2025 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made between Jenging and Bomdo, Upper Siang District, Arunachal Pradesh. Holotype is deposited in Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun, Uttarakhand (BSD), isotype is in WII. The specific epithet refers to its many-flowered inflorescence, which is one of the diagnostic features of this species. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

हेप्टाप्लूरम असमिकम एस. डे. बरबुइया, फिडेस रेपर्ट 136(4): 315 2025 (अरेलिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 105 मीटर की ऊंचाई पर दीमा हसाओ, असम में कोपिली नदी के तट से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, महाराष्ट्र (HBARC) में और समप्ररूप HBARC, CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'असम' के नाम पर आधारित है जो इस वर्गक की भौगोलिक उत्पत्ति को उजागर करता है और इस क्षेत्र की समृद्ध पादपी विविधता को मान्यता देता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Heptapleurum assamicum S. Dey & Barbhuiya, Feddes Repert. 136(4): 315 2025 (Araliaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on the bank of Kopili River, Dima Hasao, Assam, *c.* 105 m altitude. The holotype is deposited in Bhabha Atomic Research Centre, Maharashtra (HBARC), isotypes are in HBARC, CAL. The specific epithet assamicum refers to the Indian state of Assam, where the species was discovered. It highlights the geographic origin of the taxon and acknowledges the rich floristic diversity of the region. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

होया दाउदीएन्सिस सहानी, रोड्डा, पर्टिन व चौलू, गार्डेन बुलेटिन सिंगापुर 77(2):270.2025 (ऐपोसाइनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन विजयनगर (दाउदी), चांगलांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में लगभग 1150 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल विजयनगर, जिसे स्थानीय समुदाय लिसू (योबिन) के लोग दाउदी कहते हैं, पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Hoya dawodiensis Sahani, Rodda, Pertin & Chowlu, Gard. Bull. Singapore 77(2):270.2025 (Apocynaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Vijoynagar (Dawodi), Changlang District, Arunachal Pradesh at 1150 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN).The species epithet is after Dawodi, the name of the type locality inVijoynagar as used by the local community of Lisu (Yobin) people. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

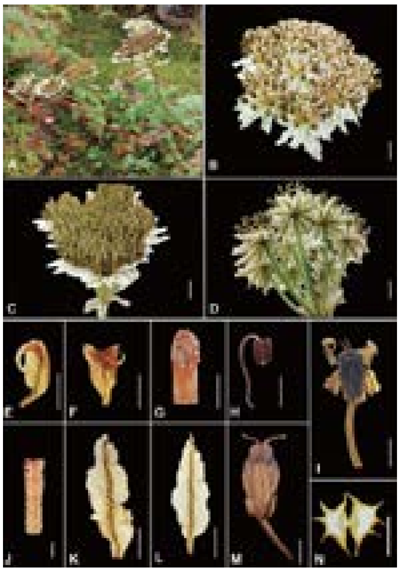

हाइमीनिडियम पिन्नेटम प्रो. भंडारी व भौमिक, जे. जैप. बॉट. 100(2): 125. 2025 (एपिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बाबा पूर्वी सिक्किम, सिक्किम में समुद्रतल से 3981 मी की ऊंचाई पर बाबा मंदिर के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, औद्योगिक अनुभाग, भारतीय संग्रहालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (BSIS) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अतिसंवेदनशील (VU) की श्रेणी में रखा गया है।

Hymenidium pinnatum Pr. Bhandari & Bhaumik, J. Jap. Bot. 100(2): 125. 2025 (Apiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Baba Mandir, East Sikkim, Sikkim at 3981 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Industrial Section Indian Museum, Kolkata, West Bengal (BSIS). The new species is assessed as Vulnerable (VU) following IUCN guidelines.

इम्पेशिएन्स लिनाइ के.एम.पी. कुमार, सी. सतीश व राणा, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04569. 2025 (बालसेमिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नेल्लियम्पथी वन, पलक्कड़ जिला, केरल में समुद्रतल से लगभग 842 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सी.एस.आई.आर. - राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में और समप्ररूप LWG, MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण सन् 1753 में अपने चिरस्मरणीय 'स्पीशीज प्लैन्टेरम' में *इम्पेशिएन्स* वंश को सिद्ध करने वाले आधुनिक वर्गिकी के जनक और द्विपद प्रणाली के प्रस्तावक कार्ल लिनिअस के सम्मान में किया गया है।

Impatiens linnaei K.M.P Kumar, C. Sathesh. & Rana, Nordic J. Bot. e04569. 2025 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Nelliyampathy Forest, Palakkad District, Kerala at 842 m a.s.l. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG), isotypes are in LWG, MH. The specific epithet is in honour of Carolus Linnaeus, the father of modern taxonomy and the proposer of the binomial system of classification who established the genus *Impatiens* in his monumental work 'Species Plantarum' in 1753.

इम्पेशिएन्स मुकुर्थियाना आर. तारणी, एम. मुरुगेसन, वी. रविचंद्रन, अनुसुबा व बी. कार्तिक, इंडियन फॉरेस्टर 151(4): 390: 2025 (बालसेमिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 2300 मीटर की ऊंचाई पर बांगीट्टपल, नीलगिरी जिला, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व, नीलगिरी, तमिलनाडु के भाग 'मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens mukurthiana R. Tharani, M. Murug., V. Ravich., Anusuba & B. Karthik, Indian Forester 151(4): 390: 2025 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Bangitappal, The Nilgiris District, Tamil Nadu at c. 2300 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH). The specific epithet is named after the type locality, Mukurthi National Park, The Nilgiris, a part of Nilgiri Biosphere Reserve, Tamil Nadu. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

इम्पेशिएन्स राजीबियाना चौलू, बोराह व ए. शेनॉय, निलम्बो 67 (1): 11 . 2025 (बालसेमिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन शेरगांव, पश्चिम कामेंग, अरुणाचल प्रदेश में समुद्रतल से लगभग 1900 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ARUN, CAL, GUBH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पूर्वोत्तर भारत सहित भारतीय हिमालय में बालसेमिनेसी कुल को ठीक से समझने में महत्वपूर्ण योगदान के साथ-साथ रोडोडेंड्रोन और सिक्किम के वनस्पतिजात पर उत्कृष्ट कार्य के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिक डॉ. राजीव गोगोई के सम्मान में किया गया है।

Impatiens rajibiana Chowlu, Borah, & A.Shenoy, Nelumbo 67(1): 11. 2025 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Shergaon, West Kameng, Arunachal Pradesh at 1900 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in ARUN, CAL, GUBH. The plant is named in honour of Dr. Rajib Gogoi of the Botanical Survey of India, in recognition of his significant contributions to the understanding of the family Balsaminaceae in the Indian Himalayas, including Northeast India, as well as for his outstanding work on *Rhododendron* and the Flora of Sikkim.

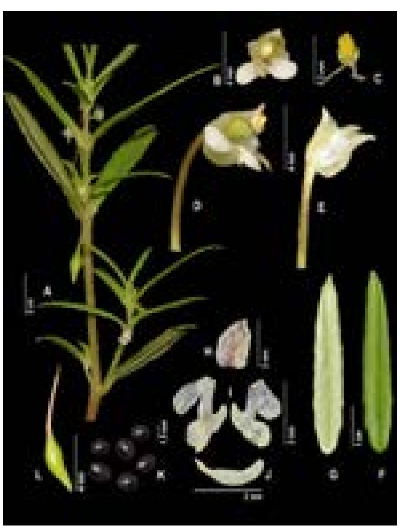

इम्पेशिएंस सेल्वासिंहाइ भरत व करुप्प, ताइवानिया 70(2):335.2025 (बालसेमिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कुद्रेमुख चोटी, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान, चिकमंगलूर जिला, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मदुरा कॉलेज (स्वायत्त), मदुरै, तमिलनाडु के पादपालय (SGH) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण जननीय जीव विज्ञान और पश्चिमी घाटी के स्थानिक वृक्षों की पादप वर्गिकी में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. पी. सेल्वा सिंह रिचर्ड, सह प्राध्यापक, मद्रास क्रिस्टियन कॉलेज, तांबरम, चेन्नई, भारत के सम्मान में किया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens selvasinghii Bharath & Karupp, Taiwania 70(2):335.2025 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kudremukha Peak, Kudremukha National Park, Chikkamagalur District, Karnataka.The holotype is deposited in the herbarium of The Madura College (Autonomous), Madurai, Tamil Nadu (SGH), isotype is in MH. The specific epithet isin honour of Dr P Selva Singh Richard, Associate Professor, The Madras Cristian College, Tambaram, Chennai, India, in recognition of his tremendous contribution to reproductive biology of endemic trees and plant taxonomy of Western Ghats. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

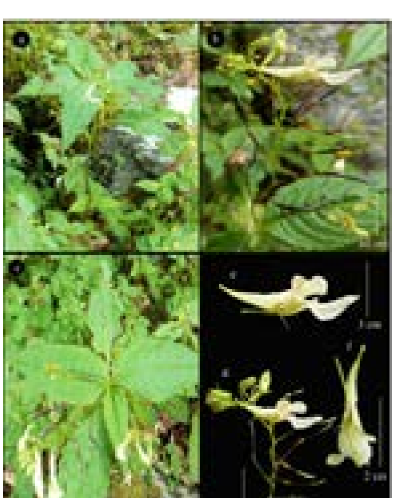

इम्पेशिएन्स शमाई एस. सिंह, फाइटोटैक्सा 728(1):84.2025 (बालसेमिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के तवांग में 3988 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप सीएसआईआर-पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट, असम के पादपालय (NEIST) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पौधों के पारंपरिक ज्ञान और संरक्षण में विशेषकर कठुआ, जम्मू और कश्मीर के इलाके में अद्भुत योगदान के लिए लेखक की मां के सम्मान में किया गया है।

Impatiens shamaii S. Singh, Phytotaxa 728(1): 84. 2025 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made fromTawang, from Arunachal Pradesh at 3988 m altitude. Holotype and isotype are deposited in the herbarium of CSIR-Northeast Institute of Science and Technology, Jorhat, Assam (NEIST).The specific epithet is coined after the author’s mother name for her amazing contribution in traditional knowledge and conservation of plants especially in the area of Kathua, Jammu and Kashmir.

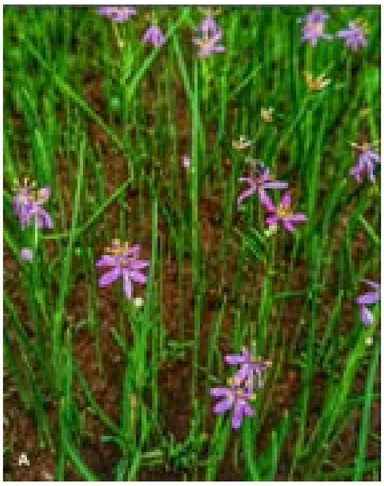

इफिजीनिया देवरुखेन्सिस पी.एस. मोरे व पी.वी. नाइकवाडे, फाइटोटैक्सा 690(1):130.2025 (कोल्चिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ओझरे-देवरुख, रत्नागिरी जिला, महाराष्ट्र में 174 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSI, K, ASP में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Iphigenia devrukhensis P.S.More and P.V.Naikwade, Phytotaxa 690(1): 130. 2025 (Colchicaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ozare-Devrukh, Ratnagiri District, Maharashtra at 174 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSI, K, ASP. The specific epithet refers to the type locality of the species. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

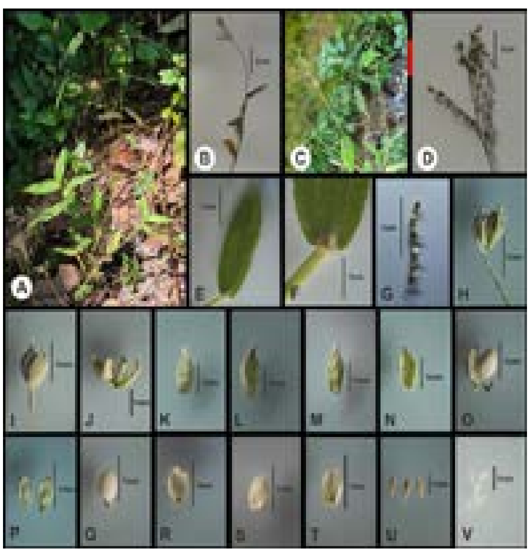

ईसैक्ने कस्पिडेटा वी.एस. अनिल कुमार, दीपा लक्ष्मी व धन्य लक्ष्मी, फिडस रेपर्ट 136(4): 332. 2025 (पोएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2200 मीटर की ऊंचाई पर मन्नावन शोला, अनामुडी शोला राष्ट्रीय उद्यान, कंथल्लूर, इडुक्की जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप यूनिवर्सिटी कॉलेज तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके तुषों के कुशाग्र नोक की आकृति पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Isachne cuspidata V.S. Anil Kumar, Deepa Lekshmi & Dhanya Lekshmi, Feddes Repert.136(4): 332. 2025 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mannavan Shola, Anamudi Shola National Park, Kanthalloor, Idukki District, Kerala at 2200 m elevation. The holotype is deposited in University College Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD). The specific epithet refers to the cuspidate apex of the glumes of the specimens. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

इक्सोरा बावाइ डी. बारो व बावरी, फाइटोटैक्सा 701(3):295.2025 (रूबिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन भेरजन-बोराजन-पदुमोनी वन्यजीव अभयारण्य, तिनसुकिया जिला, असम में 150 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप NEIAFMRH, ARUN में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय पूर्वी हिमालयी वनस्पतिजात के संरक्षण में योगदान के लिए मैसाचुसेट्स-बोस्टन विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान के विख्यात प्राध्यापक कमलजीत एस. बावा के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधित संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Ixora bawae D. Baro & Bawri, Phytotaxa 701(3):295.2025 (Rubiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Bherjan-Borajan-Padumoni Wildlife Sanctuary, Tinsukia district, Assam at 150 m elevation. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in NEIAFMRH, ARUN. The specific epithet honours Prof. Kamaljit S. Bawa, Distinguished Professor of Biology, University of Massachusetts-Boston for his contribution to the conservation of the Indian Eastern Himalayan Flora. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

इक्सोरा गाडगिलियाना बालन व रोबी, ऐडेनसोनिया 47(4):75.2025 (रूबिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन उरुम्बिक्करा, इडुक्की, केरल में समुद्रतल से लगभग 1200 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल के पादपालय (KFRI) में और समप्ररूप BAM, MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारत के जैव विविधता हॉटस्पॉट पश्चिमी घाट के संरक्षण में योगदान के लिए प्रसिद्ध भारतीय पारिस्थितिकीविज्ञ प्रो. माधव धनंजय गाडगिल के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Ixora gadgiliana Balan & Robi, Adansonia 47(4):75.2025 (Rubiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Urumbikara, Idukki, Kerala *c.* 1200 m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium of Kerala Forest Research Institute, Kerala (KFRI), isotypes are in BAM, MH. The specific epithet is named in honour of Prof. Madhav Dhananjaya Gadgil, a renowned Indian ecologist, in recognition of his contributions towards the conservation of Western Ghats, one of the biodiversity hotspots in India. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

कोइनिगिया अरुणाचलेन्सिस बी. हाजोंग व पी. भराली, नॉर्डिक जे. बॉट. 04750. 2025 (पॉलीगोनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तवांग, तवांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में लगभग 4157 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में एवं समप्ररूप ASSAM में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Koenigia arunachalensis B. Hajong & P. Bharali, Nordic J. Bot. e04750. 2025 (Polygonaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made fromTawang, Tawang District, Arunachal Pradesh at 4157 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM.The specific epithet is after type state. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

लैजीनेन्ड्रा प्रदीपियाना पूजा, मिथुन व रतीश, फाइटोटैक्सा 730(2):201.2025 (ऐरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मडाक्कीमाला, वायनाड जिला, केरल में समुद्रतल से लगभग 800 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप मालाबार वनस्पति उद्यान, कोझिकोड, केरल के पादपालय (MBGH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पादप जैव विविधता संरक्षण में बहुमूल्य योगदान के लिए डॉ. एन एस प्रदीप, प्रधान वैज्ञानिक, केएससीएसटीई- मालाबार वनस्पति उद्यान और पादप विज्ञान संस्थान, कोझिकोड, केरल के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Lagenandra pradeepiana Pooja, Mithun & Ratheesh, Phytotaxa 730(2): 201. 2025 (Araceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Madakkimala, Wayanad District, Kerala at 800 m a.s.l. The holotype and isotype are deposited in the Herbarium, Malabar Botanical Garden, Kozhikode, Kerala (MBGH).The species epithet is in honour of Dr. N. S. Pradeep, Principal Scientist, KSCSTE-Malabar Botanical Garden and Institute for Plant Sciences, Kozhikode, Kerala, for his valuable contributions to plant biodiversity conservation. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

लेडेबोरिया मावेलियाइ वी. सुरेश, सोजन व अंबिका, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04567. 2025 (ऐस्पैरागेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन स्नेहम चैरिटेबल ट्रस्ट, चुल्लियार डैम, मुथालामड़ा, पलक्कड़ जिला, केरल के पास समुद्रतल से लगभग 191 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गॉवर्न्मेंट विक्टोरिया कॉलेज पलक्कड़, केरल (GVCH) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण केरल के पौराणिक असुर राजा '*मावेली* (महाबली)' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Ledebouria mavelii V. Suresh, Sojan & Ambika, Nordic J. Bot. e04567. 2025 (Asparagaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Sneham Charitable Trust, Chulliyar Dam, Muthalamada, Palakkad District, Kerala at 191 m a.s.l. The holotype is deposited in Government Victoria College Palakkad, Kerala (GVCH), isotype is in MH. The specific epithet '*mavelii*' is after 'Mahavali' also known as Maveli, the legendary demon king of Kerala. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

लेपीडेगैथिस कुरनूलेन्सिस राजा कुल्लैयिस्वामी व सरोजिनीदेवी, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04808. 2025 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से लगभग 370 मी की ऊंचाई पर कुरनूल हवाई अड्डा, ओरवाकल, कुरनूल जिला, आंध्र प्रदेश के पास चट्टानी पठार से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप BSID, CAL, SKU, HDNA में संगृहीत है। इस नवीन वनस्पति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Lepidagathis kurnoolensis Raja Kullayisw. & Sarojin. Nordic J. Bot. e04808. 2025 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from rocky plateau, near Kurnool Airport, Orvakallumandal, Kurnool District, Andhra Pradesh at 370 m a.s.l. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype are in BSID, CAL, SKU, HDNA. The specific epithet refers to the type locality. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

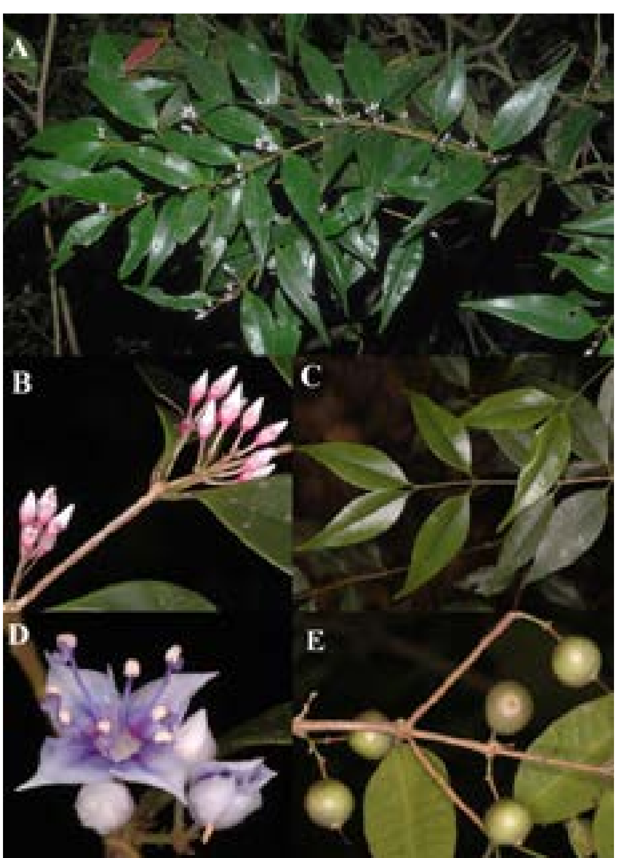

मेमीसिलोन कूर्गेन्सिस एस.एस. श्रोत्री, टी.यू. ठाकरे व एन.वी. पेज, एडिनबर्ग जे. बॉट. 82, 2062: 2. 2025 (मेलास्टोमैटेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन केर्ति आरक्षित वन, कोडागु ज़िला, कर्नाटक में समुद्रतल से 500 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप JCB में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल कूर्ग (कोडागु) ज़िला, कर्नाटक राज्य के नाम पर आधारित है, जहाँ से इसका वर्णन किया गया है और भौगोलिक रूप से अभी तक केवल इसी क्षेत्र तक सीमित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अस्थायी तौर पर संकटग्रस्त (NT) की श्रेणी में रखा गया है।

Memecylon coorgensis S.S. Shrotri, T.U. Thackeray & N.V. Page, Edinburgh J. Bot. 82, 2062: 2. 2025 (Melastomataceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kerti Reserved Forest, Kodagu District, Karnataka at 500 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype is in JCB. The specific epithet refers to the Coorg (Kodagu) district of the state of Karnataka, where the species is described from and hitherto geographically restricted to. This species is provisionally assessed as Near Threatened (NT) following IUCN guidelines.

मिलिउसा बेडडोमी सुकदेब बेरा, सुजाना व कार्तिग., नॉर्डिक जे. बॉट. ई04906. 2025 (ऐनोनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कैकाटी वन, नेल्लियामपति, पलक्कड़ जिला, केरल में समुद्रतल से लगभग 950 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण दक्षिण भारत के पादपी अध्ययन और इस प्रजाति के पहले संग्रह में योगदान के लिए ब्रिटिश वनस्पतिशास्त्री और प्रकृतिवादी रिचर्ड हेनरी बेडडोम (1830 - 1911) के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Miliusa beddomei Sukdeb Bera, Sujana & Karthig., Nordic J. Bot. e04906. 2025 (Annonaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kaikaty Forest, Nelliyampathy, Palakkad District, Kerala at 950 m a.s.l.The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype is in CAL. The specific epithet is in honour of Richard Henry Beddome (1830–1911), a British botanist and naturalist for his contributions to floristic study of Southern India and first collection of this new species.The new species is provisionally assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

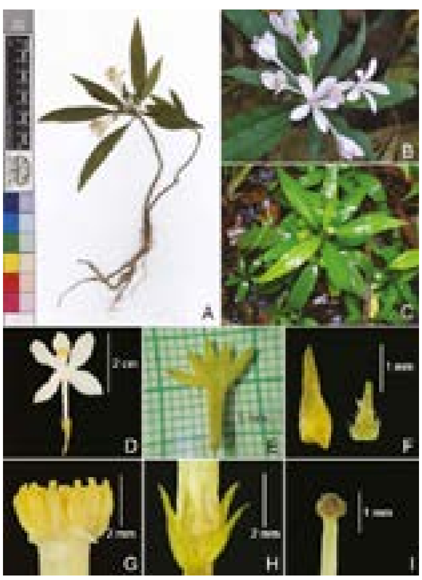

मुनरोनिया असमिका एस.दे व भौमिक, गार्डेन बुलेटिन सिंगापुर 77(2):260.2025 (मीलिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दीमा हसाओ जिला, पश्चिम पानीमूर, असम में कोपिली नदी के तल में लगभग 145 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSIS, CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'असम' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Munronia assamica S.Dey & Bhaumik, Gard. Bull. Singapore 77(2): 260. 2025 (Meliaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kopili River Bed, Dima Hasao District, West Panimur, Assam at 145 m altitude.The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BSIS, CAL.The species epithet is derived from its place of origin, Assam. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

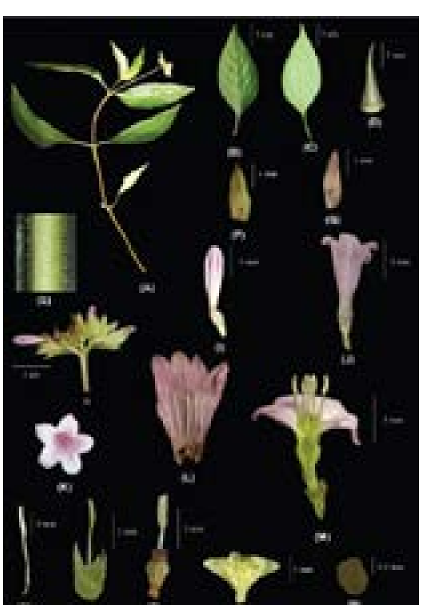

ओफिओराइज़ा एकाइनेटा एबिन, श्रीहरि व जोबी, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04979.2025 (रूबिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन देविकुलम, इडुक्की जिला, केरल के पास घास के मैदान और सदाबहार वन के बीच संक्रमिका क्षेत्र में समुद्रतल से लगभग 1630 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप CALI, DSAH, STC में संगृहीत है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त ‹एकाइनेटा› इसके तरुण तने के कंटकी रोम को दर्शाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Ophiorrhiza echinata Ebin, Sreehari & Joby, Nordic J. Bot. e04979. 2025 (Rubiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from ecotone region between grass land and evergreen forest near Devikulam, Idukki District, Kerala at 1630 m a.s.l. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype are in CALI, DSAH, STC. The specific epithet 'echinata', refers to the echinate hairs on the young stem. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

पैरासौस्पोहुबिया गोरेन्सिस पटगर, बेटागेरी व कोटरेशा, फाइटोटैक्सा 708(3):281.2025 (आरोबैंकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हंडिगन, गोरीगुड्डा लेटराइट पठार, उत्तर कन्नड़ जिला, कर्नाटक में समुद्रतल से लगभग 84 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (UASB) में और समप्ररूप HKSCD में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण हंडिगन, कुमटा, उत्तर कन्नड़ जिला, कर्नाटक में प्रसिद्ध गोरीश्वर मंदिर वाले गोरीगुड्डा लेटराइट पठार के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Parasouspohubia gorensis Patgar, Betageri & Kotresha, Phytotaxa 708(3):281.2025 (Orobanchaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Handigon, Goregudda Lateritic Plateau, Uttara Kannada District, Karnataka at 84 m a.s.l. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka (UASB), isotype is in HKSCD. The specific epithet is derived from Lateritic plateau ‘Goregudda’ with a famous temple Goreshwara from Handigon, Kumta, Uttara Kannada district, Karnataka. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

पेडिकुलैरिस लोलाबिएन्सिस एम.एन. भट्ट, बी सिंह, एम. तबस्सुम व एस. कुमारी, ताइवानिया 70(2):309.2025 (ऑरोबैंकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन माछिल, लोलाब घाटी, कुपवाड़ा जिला, जम्मू और कश्मीर में समुद्रतल से लगभग 2361 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जानकी अम्मल पादपालय, भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान, जम्मू-तवाई, जम्मू और कश्मीर (RRLH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल सुरम्य 'लोलाब घाटी' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Pedicularis lolabiensis M.N. Bhat, B. Singh, M. Tabassum & S. Kumari, Taiwania 70(2): 309. 2025 (Orobanchaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Machil, Lolab Valley, Kupwara District, Jammu and Kashmir, at 2361 m a.m.s.l. The holotype is deposited in the Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir (RRLH). The specific epithet is named after its type locality, the picturesque ‘Lolab Valley’. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

पेडिक्यूलैरिस राजेशियाना आरती गर्ग, फाइटोटैक्सा 702(2):155.2025 (ओरोबैंकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हिमाचल प्रदेश में रोहतांग दर्रे की पहाड़ी ढलानों से 4390 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप BSD में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण भारतीय मूल के लोकप्रिय मर्दाना नाम 'राजेश', जिसका अर्थ है राजाओं का 'भगवान', पर आधारित है, जो लेखिका के पति राजेश गर्ग जी के सम्मान में उनके अटूट समर्थन के लिए किया गया है । आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Pedicularis rajeshiana Arti Garg, Phytotaxa 702(2):155.2025 (Orobanchaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Rohtang pass hill slopes, Himachal Pradesh at 4390 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes is in BSD. The specific epithet is derived from the popular masculine name of Indian origin ‘Rajesh’ meaning ‘Lord of Kings’, to honour the undaunting support of the author’s husband Rajesh Garg. The new species is provisionally assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

फैलीनॉप्सिस क्वाड्रीडेन्टेटा एम.खानाल व कुमार, फाइटोटैक्सा 704(2):197.2025 (ऑर्किडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पोटिन, लोअर सुबनसिरी, अरुणाचल प्रदेश में 1034 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ARUN में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके ओष्ठक और स्तंभ के संयोजन पर चार दाँत जैसे उपांगों की उपस्थिति को दर्शाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) की श्रेणी में रखा गया है।

Phalaenopsis quadridentata M. Khanal & Kumar, Phytotaxa 704(2):197.2025 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Potin, Lower Subansiri, Arunachal Pradesh at 1034 m altitude.The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes is in ARUN. The specific epithet refers to the presence of 4 tooth-like appendages at the junction of labellum and column. The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

फीनिक्स रॉक्सबर्गाइ जे. जैकब, एन. मोहनन, करियप्पा व ई.एस.एस. कुमार, फाइटोटैक्सा 715(1):92.2025 (ऐरेकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण परिसर, हावड़ा, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल के पादपालय (TBGT) में और समप्ररूप KFRI, MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय वनस्पति विज्ञान के जनक सर विलियम रॉक्सबर्ग के सम्मान में किया गया है।

Phoenix roxburghii J.Jacob, N.Mohanan, Kariyappa & E.S.S.Kumar, Phytotaxa 715(1): 92. 2025 (Arecaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from BSI Campus, Howrah, West Bengal.The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT), isotypes are in KFRI, MH. The specific epithet is in honour of Sir William Roxburgh, the father of Indian Botany.

पिंडा मुखर्जियाना सी. रेखा, प्रशांत, गंगुर्डे व मनुदेव, नॉर्डिक जे. बॉट. 2025 (एपिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तोरणा किला, पुणे जिला, महाराष्ट्र में समुद्रतल से लगभग 600 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सेंटर फॉर पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज एंड रिसर्च, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जोसेफ कॉलेज (स्वायत्त) देवगिरी, कालीकट, केरल (DEV) में और समप्ररूप CALI, MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय एपिएसी की वर्गिकी में विस्तृत योगदान के लिए भारतीय वनस्पतिशास्त्री स्वर्गीय डॉ. प्रशांत कुमार मुखर्जी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ साइंस, कलकत्ता विश्वविद्यालय के सम्मान में किया गया है।

Pinda mukherjeeana C. Rekha, Prasanth, Gangurde & Manudev, Nordic J. Bot. e04766. 2025 (Apiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Torna Fort, Pune District, Maharashtra at 600 m a.s.l. The holotype is deposited in Centre for Post Graduate Studies and Research, Department of Botany, St. Joseph's College (Autonomous) Devagiri, Calicut, Kerala (DEV), isotypes are in CALI, MH. The specific epithet is in honour of late Indian Botanist Dr. Prasanta Kumar Mukherjee, University college of Science, University of Calcutta for his extensive contributions to the taxonomy of Indian Apiaceae.

पइपर किमिनेन्सिस गजुरेल, टी. याकांग व एस. काशुंग, फाइटोटैक्सा 689(2):270.2025 (पाइपरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला में लगभग 800 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ARUN में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल किमिन, पापुम पारे जिला, अरुणाचल प्रदेश के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न(CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Piper kiminensis Gajurel, T. Yakang & S. Kashung, Phytotaxa 689(2): 270. 2025 (Piperaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Papum Pare District, Kimin Forest, Arunachal Pradesh at 800 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ARUN. The specific epithet is based on the type locality of Kimin in the Papum Pare district of Arunachal Pradesh. The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

पोगोस्टेमोन अनामुडिकम सुजानापाल, कनागराज व रोबी, फाइटोटैक्सा 734(1):114.2025 (लैमिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अनामुडी हिल्स, एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, इडुक्की जिला, केरल में लगभग 2460 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, केरल के पादपालय (KFRI) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल दक्षिण भारत के पश्चिमी घाट क्षेत्र के सबसे ऊंची चोटी 'अनामुडी पहाड़ियों' के नाम आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Pogostemon anamudicum Sujanapal, Kanagaraj & Robi, Phytotaxa 734(1):114.2025 (Lamiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Anamudi Hills, Eravikulam National Park, Idukki District, Kerala at *c.*2460 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Kerala Forest Research Institute, Kerala (KFRI), isotype is in MH.The new species is named after the type locality, Anamudi hills, which is the highest peak in theWestern Ghats part of South India. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

पॉलीकार्पाइया बोराइ ए.एन. चौधरी, पाटिल व एस. आर्य, फाइटोटैक्सा 689(1):154.2025 (कैरियोफिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रालेगण सिद्धि, पारनेर तहसील, अहमदनगर जिला, महाराष्ट्र में 500 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (BSI) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण पुणे जिले के शिरूर तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा में योगदान के लिए शिरूर शिक्षण प्रसारक मंडल का चंदमल ताराचंद बोरा कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, शिरूर के संस्थापक के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Polycarpaea borae A.N.Chaudhari, Patil & S. Arya, Phytotaxa 689(1):154.2025 (Caryophyllaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ralegansiddhi, Parner Tehsil, Ahmednagar District, Maharashtra at 500 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The specific epithet honours the Shri Chandmal Tarachand Bora. He was the founder of Shirur Shikshan Prasarak Mandal's Chandmal Tarachand Bora College of Arts Commerce and Science, Shirur. He had contributed for the education in rural region of Shirur tehsil of Pune district. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

पोरटूलाका भारत अंबर श्रीवास्तव, एन. चौहान, एस.एस.दाश व सुशील के.सिंह, फाइटोटैक्सा 213.2025:(2)705 (पोर्टूलैकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गलताजी, जयपुर जिला, राजस्थान में 490 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून, उत्तराखंड (BSD) में और समप्ररूप CAL में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके उत्पत्ति स्थल ‹भारत› के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Portulaca bharat Amber Srivast., N.Chauhan, S.S.Dash & Sushil K.Singh, Phytotaxa 705(2): 213. 2025 (Portulacaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Galtaji, Jaipur district, Rajasthan at 490 m altitude. Holotype is deposited in Botanical Survey of India, NorthernRegional Centre, Dehradun, Uttarakhand (BSD), isotype is in CAL. The specific epithet refers to ‘Bharat’, the name of the country of its origin. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

प्रिमुला इंडिका बी. हाजोंग व पी. भराली, फाइटोटैक्सा 714(1):95.2025 (प्रिमुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दिबांग घाटी, अरुणाचल प्रदेश में मायोदिया से हुनली के रास्ते में समुद्रतल से 2553 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप NEIST में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश ‘इंडिया’ के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Primula indica B. Hajong & P. Bharali, Phytotaxa 714(1): 95. 2025 (Primulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mayodiya to Hunli Road, Dibang valley, Arunachal Pradesh at 2553 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in NEIST. The species epithet is derived from type country name India. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

प्रिमुला लेपचा धर्मित लेपचा, हर्ष सिंह व ए. क्षेत्री, फाइटोटैक्सा 732(1):84.2025 (प्रिमुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नागा फॉरेस्ट ब्लॉक, नागा, उत्तरी सिक्किम, सिक्किम में 3255 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम के पादपालय (SU) में और समप्ररूप BSHC में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण सिक्किम, पूर्वी हिमालय के लेपचा समुदाय से संबंधित दो पादप संग्राहकों ‘रोमू लेपचा व रिबू लेपचा’ के सम्मान में किया गया है।

Primula lepcha Dharmit Lepcha, Harsh Singh & A. Chettri, Phytotaxa 732(1):84.2025 (Primulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Naga Forest Block, Naga, North-Sikkim, Sikkim at 3255 m altitude.The holotype is deposited in the herbarium of Sikkim University, Sikkim (SU), isotype is in BSHC. The specific epithet is in honour of two plant collectors Rhomoo Lepcha and Ribu Lepcha belonging to the Lepcha community of Sikkim, Eastern Himalaya.

प्रिमुला लौंगिस्टेमिना बी.हजोंग, हर्ष सिंह व पी.भराली, फाइटोटैक्सा 715(3):288.2025 (प्रिमुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हुनली, दिबांग घाटी, अरुणाचल प्रदेश में 1750 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप ASSAM में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके लंबे पुंकेसरों के असामान्य लक्षण पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अल्प संकटग्रस्त (LC) की श्रेणी में रखा गया है।

Primula longistamina B.Hajong, Harsh Singh & P.Bharali, Phytotaxa 715(3): 288. 2025 (Primulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Hunli, Dibang valley, Arunachal Pradesh at 1750 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM.The new species is named after its unusual feature of long stamens.The new species is provisionally assessed as Least Concern (LC) following IUCN guidelines.

सैमोजीटोन टायलरियाइ भेलम व मगोत्रा, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04488. 2025 (एपिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन परलादपुर, जम्मू जिला, जम्मू और कश्मीर में समुद्रतल से लगभग 250 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जानकी अम्मल पादपालय, भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान, जम्मू-तवी, जम्मू और कश्मीर (RRLH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पादप वर्गिकी, जीव-भूगोल और उद्भव पर योगदान के लिए प्रतिष्ठित स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री डॉ. टोरब्योर्न टायलर के सम्मान में किया गया है।

Psammogeton tylerii Bhellum & Magotra, Nordic J. Bot. e04488. 2025 (Apiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Parlhadpur, Jammu District, Jammu and Kashmir at 250 m a.s.l. The holotype is deposited in the Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir (RRLH). The specific epithet is in honour of Dr. Torbjorn Tyler an eminent Swedish Botanist for his contribution to plant taxonomy, biogeography and evolution.

स्युडुवेरिया लिविंगस्टोनियाना सुकदेब बेरा व कार्तिगेयन, फाइटोटैक्सा 718(1): 72. 2025 (ऐनोनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सैडल पीक राष्ट्रीय उद्यान, उत्तरी अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 10 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण द्वितीय लेखक सहित असंख्य छात्रों को वनस्पति विज्ञान की शिक्षा, प्रेरणा और मार्गदर्शन देने की निष्ठा के लिए मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत के भूतपूर्व प्राध्यापक व वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष सी. लिविंगस्टोन के सम्मान में किया गया है। आई.यू. सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) की श्रेणी में रखा गया है।

Pseuduvaria livingstoneana Sukdeb Bera & Karthig., Phytotaxa 718(1):72.2025 (Annonaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Saddle Peak National Park, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands at 10 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype is in CAL. This species is named in honour of C. Livingstone, former Professor and Head of the Department of Plant Biology and Plant Biotechnology at Madras Christian College, Chennai, Tamil Nadu, India, in recognition of his dedication in teaching botany, inspiring and mentoring numerous students, including the second author. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

स्करुला नेओराइंडिका एल.जे. सिंह, वी रंजन, अनंत कुमार व जी. कृष्णा, ताइवानिया 70(3):460.2025 (लोरेन्थैसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रूका, नेओरा घाटी राष्ट्रीय उद्यान, कालिम्पोंग, पश्चिम बंगाल में समुद्रतल से 1829.7 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Scurrula neoraindica L.J. Singh, V. Ranjan, Anant Kumar & G. Krishna, Taiwania 70(3): 460.2025 (Loranthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ruka, Neora Valley National Park, Kalimpong, West Bengal at 1829.7 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The new species has been named after the type locality. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

स्माइलेक्स अगस्त्यमालाना नीतू, रोबी व वी.पी. थॉमस, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04676. 2025 (स्माइलैकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पोंगलपारा, अगस्त्यमाला, केरल में समुद्रतल से लगभग 1450 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कैथोलिक कॉलेज, पतनमतिट्टा, केरल के पादपालय (CATH) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल अगस्त्यमाला पहाड़ी, पश्चिमी घाटी के नाम पर आधारित है।

Smilax agasthyamalana Neethu, Robi & V.P. Thomas, Nordic J. Bot. e04676. 2025 (Smilacaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Pongalapara, Agasthyamala, Kerala at c. 1450m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium ofCatholicate College, Pathanamthitta, Kerala (CATH), isotype is in MH.The specific epithet is after type locality *i.e.*Agasthyamala Hills of Western Ghats.

सोलेनम पांडेई एल.जे. सिंह व कसाना, फीडस रेपर्ट 136(3): 202-217 2025 (सोलेनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गोल पहाड़, मध्य अंडमान द्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) और समप्ररूप PBL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पादप वर्गीकरण विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. अरुण कुमार पांडे के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Solanum pandeyi L.J. Singh & Kasana, Feddes Repert.136(3): 202-217 2025 (Solanaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Goal Pahad, Middle Andaman Island, Andaman & Nicobar Islands. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotype is at PBL. The species epithet is named in honor of Prof. Arun Kumar Pandey, Department of Botany, University of Delhi, India, for his significant contributions to plant systematics. The new species is assessed as Data Deficient (DD) based on the IUCN categories and criteria.

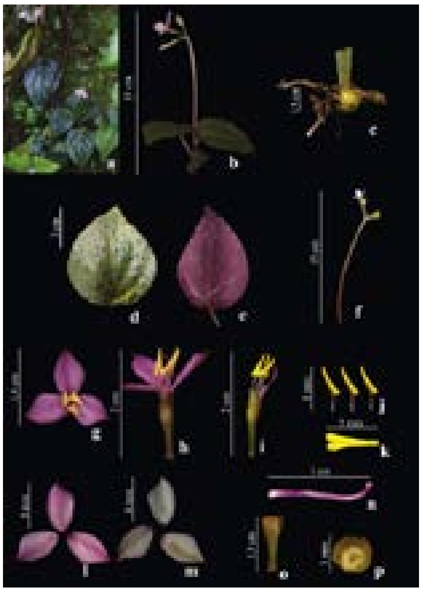

सोनेरिला बाबाबुदनगिरिएन्सिस करदकट्टी व कक्कलमेली, जे. थ्रेट. टैक्सा 17(4): 26918. 2025 (मेलास्टोमैटेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बाबा बुदनगिरि, चिकमंगलुरु, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के पादपालय (UASB) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल चिकमंगलुरु जिला, कर्नाटक के 'बाबा बुदनगिरि' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकडायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Sonerila bababudangiriensis Karadakatti & Kakkalameli, J. Threat. Taxa 17(4): 26918. 2025 (Melastomataceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Baba Budangiri, Chikmangaluru, Karnataka. The holotype is deposited in the herbarium of University of Agriculture Sciences, Bangalore (UASB). The specific epithet refers to the type locality that is Bababudangiri, from Chikkamagaluru District, Karnataka. The new species may be assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

सोनेरिला चारमाडिएन्सीस करदकट्टी व कक्कलमेली, फाइटोटैक्सा 717(1):90.2025 (मेलास्टोमैटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चारमाडी घाट, चिकमंगलुरु, दक्षिण कन्नड़ जिला, कर्नाटक में समुद्रतल से 783 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (UASB) में और समप्ररूप KSCD में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के क्षेत्र के नाम पर आधारित है जो दक्षिण कन्नड़ से चिकमगलूर जिला, कर्नाटक तक फैला है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Sonerila charmadiensis Karadakatti & Kakkalameli, Phytotaxa 717(1):90.2025 (Melastomataceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Charmadi Ghat, Chikmangaluru, Dakshina Kannada District, Karnataka at 783 m a. s. l. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka (UASB), isotype is in KSCD. The specific epithet refers to the type locality found in the region that passes through Dakshina Kannada to Chikmagalur District, Karnataka.The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

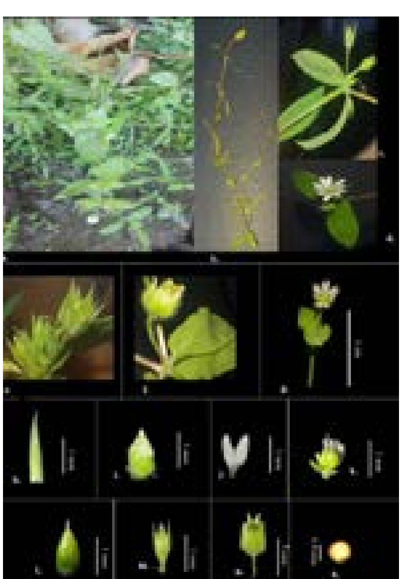

स्टीलेरिया नागाइ सिंधु आर्या व वी.एस.ए. कुमार, फाइटोटैक्सा 693(4):271.2025 (कैरियोफिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कोहिमा, नागालैंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप यूनिवर्सिटी कॉलेज तिरुवनंतपुरम, केरल (UCBD) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण नागालैंड राज्य, जहां सबसे पहले इसका संग्रह किया गया था, की नागा जनजाति के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Stellaria nagae Sindhu Arya & V.S.A Kumar, Phytotaxa 693(4): 271. 2025 (Caryophyllaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kohima, Nagaland.The holotype and isotype are deposited in University College Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD).The specific epithet honours the Naga tribe of the state Nagaland from where the specimenwas collected for the first time.The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

स्ट्रोबिलेन्थीज जाइगेन्टिया चौलू, आर. मैती व एस.एस. दाश, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04621. 2025 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हुनली, लोअर दिबांग वैली जिला, अरुणाचल प्रदेश में समुद्रतल से लगभग 1270 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में और समप्ररूप ARUN, CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इनके बहुत बड़े आकार पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Strobilanthes gigantea Chowlu, R. Maity & S.S. Dash, Nordic J. Bot. e04621. 2025 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Hunli, LowerDibang Valley District, Arunachal Pradesh at 1270 m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN), isotypes are in ARUN, CAL. The specific epithet refers to the very large size of the new species. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

स्ट्रोबिलेन्थीज रितेशियाइ के. चौलू, ए. शेनॉय व जी. सुखरामानी, इंडियन जे. फोरेस्ट 48(1): 79. 2025 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से1600 मीटर की ऊंचाई पर चयांगताजो गांव, पूर्वी कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर के पादपालय (ARUN) में और समप्ररूप CAL में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण वर्गिकी और पादप आणविक वर्गीकरण विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए भारतीय पादप वर्गिकीविज्ञ, अगरकर अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ.रितेश कुमार चौधरी के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) श्रेणी में रखा गया है।

Strobilanthes riteshii K.Chowlu, A.Shenoy & G. Sukhramani, Indian J. Forest. 48(1): 79. 2025 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Chayantajo Village, East Kameng District, Arunachal Pradesh at 1600 m asl. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN), isotype is in CAL. The specific epithet is in honour of the Indian plant taxonomist Dr. Ritesh Kumar Choudhary, a scientist at Agharkar Research Institute, for his contributions in the field of taxonomy and molecular systematics of plants. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

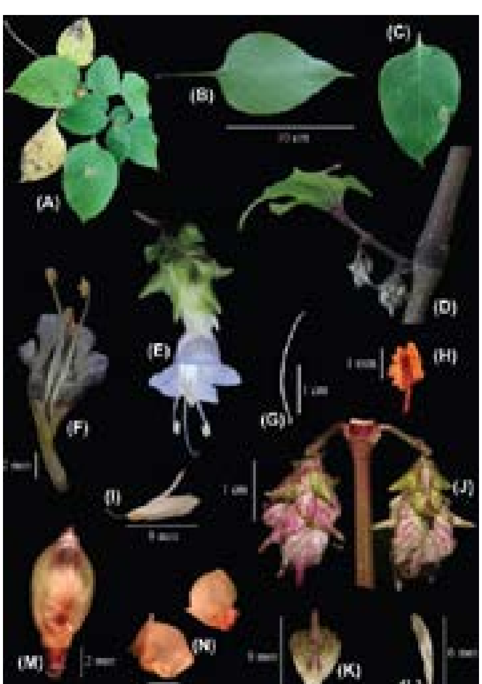

स्ट्रोबिलेन्थीज शरावतीएन्सिस एम.एस.सविनय, बी.श्रेयस व बी.एस. श्रीलोका, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04888. 2025 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अंबारगुड्डा शोला ग्रासलैंड, शिमोगा जिला, सागर तालुक, कर्नाटक में समुद्रतल से लगभग 917.55 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (UASB) में और समप्ररूप SMI में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण पश्चिम की ओर बहने वाली शरावती नदी के नाम पर आधारित है, जो अपने घाटी परिदृश्य, विविध प्राकृतवास और वनस्पतियों के लिए प्रसिद्ध है। इस नवीन प्रजाति का संग्रह इसके जलागम क्षेत्र से ही किया गया। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Strobilanthes sharavathiensis M.S.Savinaya, B.Shreyas & B.S.Shreeloka, Nordic J. Bot. e04888. 2025 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Ambaragudda Shola Grassland Patch, Shivamogga District, Sagar Taluk, Karnataka at 917.55 m a.s.l. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka (UASB), isotype is in SMI.The specific epithet is after the west-flowing Sharavathi river, known for its valley landscapes, diverse habitat and vegetation. The new species was discovered within its catchment area. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

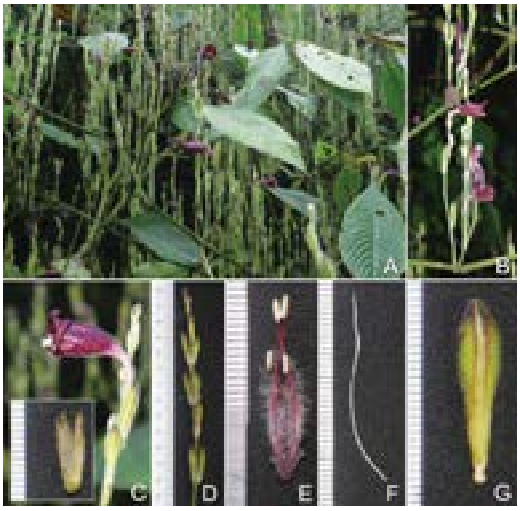

स्ट्रोबिलेन्थीज शेरडुकपेनोरम डी. बोराह व जे.आर.आई. वुड, गार्डेन बुलेटिन सिंगापुर 77(1):142.2025 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में खेलॉन्ग के निकट लगभग 1000 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप असम में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल में मूल रूप से वास करने वाले शेरडुकपेन समुदाय के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Strobilanthes sherdukpenorum D.Borah & J.R.I.Wood, Gard. Bull. Singapore 77(1): 142. 2025 (Acanthaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Eaglenest Wildlife Sanctuary, near Khellong, West Kameng District, Arunachal Pradesh at *c.* 1000 m altitude.The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in ASSAM.The specific epithet refers to the Sherdukpen people who were the original inhabitants of the land where the species was collected and thrives. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

स्वर्शिया नेक्टेरीकोन्नेटस हर्ष सिंह, धर्मित लेपचा, बी. हाजोंग व ए. छेत्री, फाइटोटैक्सा 726(2):83.2025 (जेस्नीरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तारा धो, म्योंग, उत्तरी सिक्किम, सिक्किम में 3512 मी की ऊंचाई पर दलदली अल्पाइन घास के मैदान से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम के पादपालय (SU) में और समप्ररूप BHSC में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसकी पंखुड़ियों के आधार पर मौजूद अनोखे सहजात मकरंद कोष की उपस्थिति को दर्शाता है।

Swertia nectariconnatus Harsh Singh, Dharmit Lepcha, B.Hajong & A.Chettri, Phytotaxa 726(2): 83. 2025 (Gesneriaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on swampy alpine grasslands, Tara Dho, Myong,North Sikkim, Sikkim at 3512 m altitude.The holotype is deposited in the herbarium of Sikkim University, Sikkim (SU), isotypes are in BHSC. The species epithet refers to the presence of unique connate nectaries at the base of the petals.

सिज़ीजियम तिरुनेलवेलिएनम अंजना व रामास., जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्सिटी 18: 956. 2025 (मर्टेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1302 मीटर की ऊंचाई पर कलक्कड़ मुंडनथुराई टाइगर रिज़र्व, अपर कोडयार, तिरुनेलवेली जिला, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबतूर, तमिलनाडु (MH) में और समप्ररूप GUD में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Syzygium tirunelvelianum Anjana & Ramas., Journal of Asia-Pacific Biodiversity 18: 956. 2025 (Myrtaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kalakkad Mundanthurai Tiger Reserve, Upper Kodayar, Tirunelveli District, Tamil Nadu at 1302 m elevation. The holotype is deposited in the Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH) and the isotype is in GUD. The specific epithet is named after its type locality, Tirunelveli district of Tamil Nadu, India. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

टैरेक्सेकम डाइल्यूकुलोरम विकास कुमार, किर्श्नर व स्टेपेनेक, फाइटोटैक्सा 720(3):268.2025 (ऐस्टेरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चूना मागो, तवांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में से लगभग 4000 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-हिमालय जैव संसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश (PLP) में और समप्ररूप PLP, BSD में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण अरुणाचल के शाब्दिक अर्थ (उषा-दीप्त पर्वत) के संबंध में भोर, सवेरा को दर्शाता है।

Taraxacum diluculorum Vik. Kumar, Kirschner & Štĕpánek, Phytotaxa 720(3):268.2025 (Asteraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from ChunaMago, Tawang District, Arunachal Pradesh, *c*. 4000 m a.s.l.The holotype is deposited in CSIR-Instituteof Himalayan Bioresource Technology, Palampur, Himachal Pradesh (PLP), isotypes are in PLP, BSD. The specific epithet refers to dawn, daybreak, in connection with the meaning of Arunachal (Dawn-Lit Mountain).

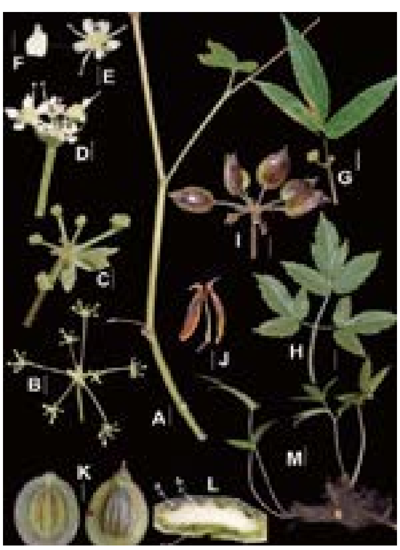

टेट्राटीनियम मुन्नारेन्से करुप्पूसामी, भरत व वी. रविचंद्रन, जे. जैप. बॉट. 100(4): 319. 2025 (एपिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लॉकहार्ट गैप, इडुक्की ज़िला, केरल में समुद्रतल से 1719 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मदुरा कॉलेज (स्वायत्त), मदुरै, तमिलनाडु के पादपालय (SGH) में और समप्ररूप MH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Tetrataenium munnarense Karupp., Bharath & V. Ravich., J. Jap. Bot. 100(4): 319. 2025 (Apiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Lockhart gap, Idukki District, Kerala at 1719 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of The Madura College (Autonomous), Madurai, Tamil Nadu (SGH), isotype is in MH. The specific epithet is named after the type locality. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

टेट्राटीनियम श्रीरंगाइ सी. रेखा, गोसावी, मनुदेव व दलवी, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04546. 2025 (एपिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चौकुळ पठार रोड, चौकुळ गांव, सिंधुदुर्ग जिला, महाराष्ट्र में समुद्रतल से लगभग 250 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल के पादपालय (CALI) में और समप्ररूप DEV, BSI, MH, SUK में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण पादप वर्गिकी और पश्चिमी घाटी की स्थानिक प्रजातियों के संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारतीय वनस्पतिशास्त्री प्रो. श्रीरंग रामचंद्र यादव, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र के सम्मान में किया गया है।

Tetrataenium shrirangii C. Rekha, Gosavi, Manudev & Dalavi, Nordic J. Bot. e04546. 2025 (Apiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Chaukul Plateau Road, Chaukul Village, Sindhudurg District, Maharashtra at 250 m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium of Department of Botany, Calicut University,Malappuram, Kerala (CALI), isotypes are in DEV, BSI, MH, SUK. The specific epithet is in honour of Indian Botanist Prof. Shrirang Ramchandra Yadav, Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra for his outstanding and extensive contributions to the field of plant taxonomy and the conservation of endemic species of the Western Ghat.

टोरेनिया गोवालपारेन्सिस एन. नाथ, शिल्पा रॉय, के बसुमतारी व एम. नाथ, फाइटोटैक्सा 684(2):276.2025 (लिंडर्निएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दिघली, धूपधारा, गोवालपारा जिला, असम में समुद्रतल से लगभग 50 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप व समप्ररूप गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल गोवालपारा जिला, असम के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Torenia goalparensis N. Nath, Shilpa Roy, K. Basumatary & M. Nath, Phytotaxa 684 (2): 276. 2025 (Linderniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Dighali, Dhupdhara, Goalpara District, Assam at 50 m a.s.l. The holotype and isotype are deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). The specific epithet refers to the type locality, Goalpara district of Assam. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

उनियाला केरलेन्सिस ई.एस.एस.कुमार व शरीफ, फाइटोटैक्सा 689(2):278.2025 (ऐस्टरेसी)
इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अट्टयार, तिरुवनंतपुरम जिला, केरल में लगभग 700 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल के पादपालय (TBGT) में और समप्ररूप MH, TBGT में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य केरल के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Uniyala keralensis E.S.S.Kumar & Shareef, Phytotaxa 689(2): 278. 2025 (Asteraceae)
This species has been discovered and described based on the collection made from Attayar, Thiruvananthapuram District, Kerala, at *c.* 700 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT), isotypes are in MH, TBGT. The new species is named after Kerala state, where the type locality of the new taxon belongs. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

यूट्रीक्युलेरिया कुमटेन्सिस कनोज, पटगर, बेटागेरी व कोटरेशा, फाइटोटैक्सा 712(1): 68. 2025 (लेन्टीबुलेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मिर्जन फोर्ट, मिर्जन, कुमटा तालुक, उत्तर कन्नड़ जिला, कर्नाटक में समुद्रतल से 84 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (UASB) में और समप्ररूप HKSCD में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'कुमटा तालुक' के नाम पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Utricularia kumtensis Kanoj, Patgar, Betageri, & Kotresha, Phytotaxa 712(1): 68. 2025 (Lentibulariaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mirjan Fort, Mirjan, Kumta Taluk, Uttara Kannada District, Karnataka at 84m a.s.l. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka (UASB), isotype is in HKSCD.The specific epithet isderived from 'Kumta taluk' where the type specimen was collected. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

ज्यूक्सीन सीतारामियाइ बेटागेरी, एस. व कोटरेशा, के., एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन बॉटनी 8 (1): 153. 2025 (ऑर्किडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अंशी राष्ट्रीय उद्यान, उत्तर कन्नड़ जिला, कर्नाटक में नज्जी गांव के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस, बंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (UASB) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रख्यात वर्गिकीविज्ञ वाई.एन. सीताराम, वनस्पति विज्ञान विभाग, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कलबुर्गी, कर्नाटक, भारत के सम्मान में किया गया है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है।

Zeuxine seetharamii Betageri, S. & Kotresha, K., Asian Journal of Research in Botany 8 (1): 153. 2025 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from near Nujji Village, Anshi National Park, Uttarkannada District, Karnataka. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka (UASB). Specific epithet is named after an eminent taxonomist Y. N. Seetharam of the Department of Botany, Gulbarga University, Kalaburagi, Karnataka, India. The new species is provisionally assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.

ज्यूक्सीन योन्जोनियाना राजेंद्र योन्ज़ोन, फाइटोटैक्सा 712(2):187:2025 (ऑर्किडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सामालबंग बस्ती, सामालबंग ग्राम पंचायत, कालिम्पोंग ब्लॉक I, कलिम्पोंग जिला, दार्जिलिंग हिमालय, पश्चिम बंगाल में 1011 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप CAL, VICBOT में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण सामाल बस्ती के ‹तमांग› जनजाति समुदाय की उप जनजाति ‘योन्ज़ोन’ के नाम पर आधारित है।

Zeuxine yonzoneana Rajendra Yonzone, Phytotaxa 712(2):187.2025 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Samalbong Busty, Samalbong Gram Panchayat, Kalimpong Block I, District Kalimpong, Darjeeling Himalaya, West Bengal at 1011 m altitude.The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in CAL, VICBOT. The specific epithet refers to the ‘Tamang’ Tribe community of Sub Tribe ‘Yonzone’of Samalbusty.

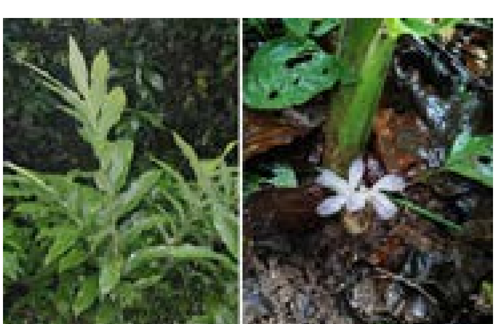

जिन्जिबर जगन्नाथियाइ एस.सी. साहू व एस. प्रियदर्शिनी, फाइटोटैक्सा 683(3):290.2025 (जिन्जिबेरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कुलिपला, सिमलीपाल बायोस्फीयर रिजर्व (एसबीआर), ओडिशा में लगभग 758 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप CAL, RRLB में संगृहीत है। चूंकि इस प्रजाति का संग्रह 07.07.2024 को ‘रथयात्रा’ के दिन किया गया था, इसलिए इसका नामकरण ओडिशा के सबसे बड़े देवता ‘भगवान जगन्नाथ’ के सम्मान में किया गया है।

Zingiber jagannathii S.C. Sahu & S. Priyadarshini, Phytotaxa 683(3):290.2025 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from *Kulipala*, Similipal Biosphere Reserve (SBR), Odisha at 758 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in CAL, RRLB.The specific epithet honours Lord Jagannath, the Supreme God of Odisha, since it was collected on the day of Car Festival on 07.07.2024.

नवीन प्रभेद / New Variety

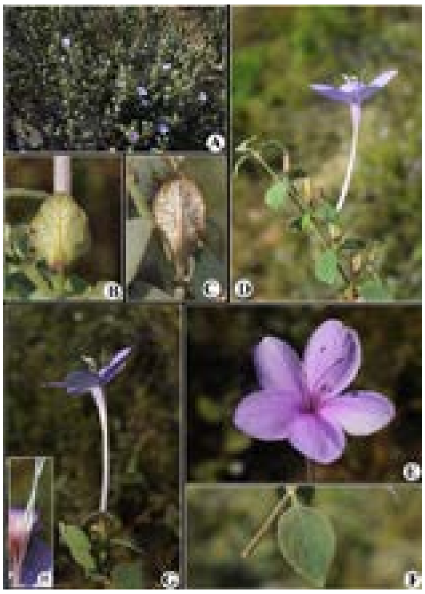

बार्लेरिया लॉन्गिफेरा प्रभेद **रोजिया,** भरत, रमेश, परमेश., जी. रवि व करुप्पसामी, जे. इंडियन बॉट. सोस.105(1): 33. 2025 (ऐकेन्थेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन पर्वतगिरी, वारंगल, तेलांगना से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मदुरा कॉलेज (स्वायत निकाय), मदुरै, तमिलनाडु (SGH) में और समप्ररूप BSID में संगृहीत है। इस प्रभेद का नामकरण इसके पुष्प के रंग पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रभेद को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है।

Barleria longiflora var. **rosea** Bharath, Ramesh, Paramesh., G. Ravi & Karupp., J. Indian bot. Soc. 105(1): 33. 2025 (Acanthaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Parvathagiri, Warangal, Telangana. The holotype is deposited in the herbarium of The Madura College (Autonomous), Madurai, Tamil Nadu (SGH), isotype is in BSID. The specific epithet is named after flower colour. The new variety is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

बैसेला ऐल्बा प्रभेद **स्कैन्डेन्स** सौभिक दास, फाइटोटैक्सा 731(1): 83. 2025 (बैसेलेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन भांगर, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल में समुद्रतल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रभेद का नामकरण पादप की विशिष्ट आरोही प्रवृत्ति पर आधारित है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रभेद को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Basella alba var. **scandens** Saubhik Das, Phytotaxa 731(1): 83. 2025 (Basellaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Bhangar, South 24 parganas, West Bengal at sea level. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). Varietal epithet refers to typical twining habit of the plant. The new variety is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

आइपोमिया कैरिका प्रभेद **ऐपेंडिक्यूलेटा** अनसूया, जी.आर. शिवमूर्ति, एम. मुरली, एम.सी. त्रिवेणी व के.एन. अमृतेश, प्लां साइं टुडे 12(3): 5. 2025 (कॉन्वोल्वुलेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सिंधनूर, रायचूर जिला, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलरूप वनस्पति विज्ञान अध्ययन विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मानसगंगोत्री, मैसूर, कर्नाटक के पादपालय (UOMMGM) में संगृहीत है। इस प्रभेद के नामकरण में प्रयुक्त "ऐपेंडिक्यूलेटा" एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है "उपांग" या "जोड़" जो दलपुंज के पक्ष जैसे उपांगों को दर्शाता है।

Ipomoea cairica var. **appendiculata** Anasuya, G.R. Shivamurthy, M. Murali, M.C. Thriveni & K.N. Amruthesh, Pl. Sci. Today 12(3): 5. 2025 (Convolvulaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Sindhanur, Raichur district, Karnataka. The holotype is deposited in the herbarium of the Department of Studies in Botany, University of Mysore, Manasagangotri, Mysuru, Karnataka (UOMMGM). The varietal name “appendiculata” is a Latin word meaning “appendage” or “addition” referring to wing-like appendages of corolla.

लूफा एजिप्टिआका प्रभेद **ऐल्बा** आर.सी. मिश्रा, ऐडनसोनिया 47(17): 314. 2025 (कुकुरबिटेसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन मलकानगिरी जिला, ओडिशा में मलकानगिरी ब्लॉक के पास के गांव से 180 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (ICAR-NBPGR), नई दिल्ली में और समप्ररूप CAL में संगृहीत है। इस प्रभेद का नामकरण इसके बीजों के सफेद रंग को दर्शाता है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस नवीन प्रभेद को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है।

Luffa aegyptiaca var. **alba** R.C.Misra, Adansonia 47(17): 314. 2025 (Cucurbitaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from nearby village, Malkangiri Block, Malkangiri District, Odisha at 180 m elevation. The holotype is deposited in Indian Council of Agricultural Research-National Bureau of Plant Genetic Resources (ICAR-NBPGR), New Delhi, isotype is in CAL. Varietal epithet refers to the white colour of seeds. The new variety is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

मीसा रुगोसा प्रभेद **क्लार्की** धत्चनामूर्ति व देवनाथ, फाइटोटैक्सा 683(1): 580. 2025 (प्रिमुलेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन खुंघो, सेनापति जिला, मनिपुर में 2380 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप फाउंडेशन फॉर रिवाईटलाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशन, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (FRLH) में और समप्ररूप CAL, FRLH में संगृहीत है। इस प्रभेद का नामकरण भारतीय उपमहाद्वीप के मिर्सिनेसी पर विशेष योगदान के लिए सी.बी. क्लार्क के सम्मान में किया गया है।

Maesa rugosa var. **clarkei** Dhatchan. & Devanath., Phytotaxa 683(1): 580. 2025 (Primulaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Khungho, Senapathi District, Manipur at 2380 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Foundation of Revitalisation of Local Health Tradition, Bengaluru, Karnataka (FRLH), isotypes are in CAL, FRLH. The varietal epithet is in honour of C.B. Clarke for his remarkable contribution to the Indian subcontinent Myrsinaceae.

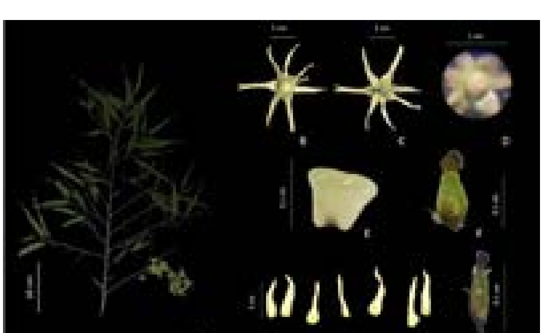

मोनून लॉन्गिफोलियम प्रभेद **ऐंगुस्टिफोलियम** कंगना व कसाना, डिस्क. प्ला.2(202): 6. 2025 (ऐनोनेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन नार्थ कैम्पस, यूनिवर्सिटी क्षेत्र, मध्य जिला, दिल्ली से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप दिल्ली विश्वविद्यालय (DUH) और समप्ररूप DUH, BSD में संगृहीत हैं।

Monoon longifolium var. **angustifolium** Kangana & Kasana, Disc. Pl. 2(202): 6 .2025 (Annnaceae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from North Campus, University Area, Central District, Delhi. The holotype is deposited in the herbarium of University of Delhi (DUH), isotypes are in DUH, BSD.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

नवीन वंशगत अभिलेख / New Genus Record

एस्केमुकर्जिया मलिक व सेनगुप्ता (पॉलीगोनेसी)

पूर्वतः चीन और नेपाल से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार क्रमशः लबदाह खासमहल, दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल में 1600 मी की ऊंचाई पर से और बड़ापाथिंग, पूर्वी सिक्किम (पाकयोंग जिला), सिक्किम में 1500 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम (BSHC) में संगृहीत है। इसे नोरबू शेरपा, बिशाल छेत्री, सृजना मांगर, गीतमणि छेत्री व राजीब गोगोई नीलंबो 67(1):73.2025 में प्रकाशित किया है।

Eskemukerjea Malick & Sengupta (Polygonaceae)

This genus earlier known from China and Nepal has been reported for the first time based on the collection made from Labdah Khasmahal, Darjeeling District, West Bengal at 1600 m altitude and from Barapathing, East Sikkim (Pakyong District), Sikkim at 1500 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC). This has been published by Norbu Sherpa, Bishal Chettri, Srijana Mangar, Geetamani Chhetri & Rajib Gogoi in Nelumbo 67(1): 73. 2025.

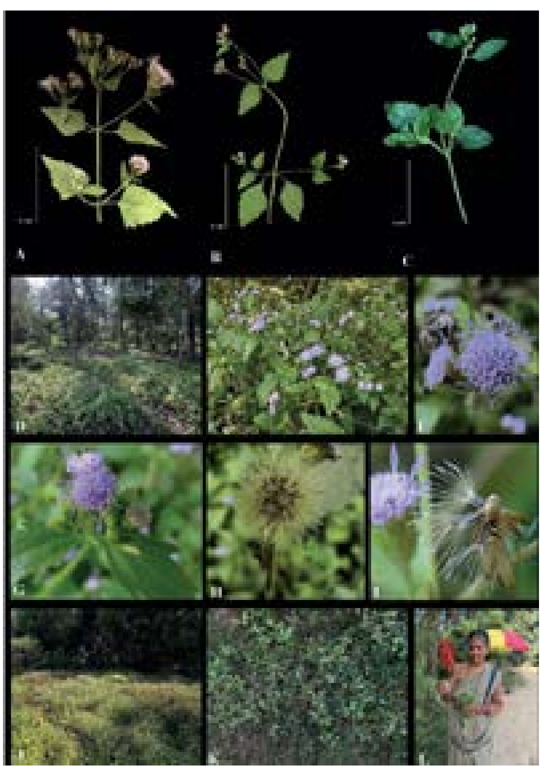

प्रैक्सेलिस कैसिनी (ऐस्टेरेसी)

पूर्वतः दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार बागुरान जलपाई समुद्र तट, पूर्वी मिदनापुर जिला, पश्चिम बंगाल में 6 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे रविशंकर सेनगुप्ता, साक्षी कुमारी, अमित राज सिंह, विष्णु प्रसाद साहू, श्रेया बनर्जी, सुनीपा कमिलिया व सुधांशु शेखर दाश ने नीलंबो 67(2):107. 2025 में प्रकाशित किया है।

Praxelis Cass. (Asteraceae)

This genus earlier known from South America has been reported for the first time based on the collection made from Boguran Jalpai Sea Beach, East Midnapore District, West Bengal at 6 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Rabishankar Sengupta, Sakshi Kumari, Amit Raj Singh, Bishnu Prasad Sahoo, Shreya Banerjee, Sunipa Kamilya & Sudhansu Sekhar Dash in Nelumbo 67(2): 107. 2025

पैडब्रूजिया मिकेल (फैबेसी)

पूर्वतः चीन, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम से ज्ञात इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 1000 मी की ऊंचाई पर खुयाम खुलें, चंदेल ज़िला, मणिपुर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम (AUSCH) में संगृहीत है। इस प्रजाति को एल.एम. चानू व डी. भट्टाचार्य ने रीडिया 35(2): 124, 2025 में प्रकाशित किया है।

Padbruggea Miq. (Fabaceae)

This genus earlier known from China, Laos, Myanmar, Thailand and Vietnam has been reported for the first time based on the collection made from Khuyam khulen, Chandel District, Manipur, at c. 1000 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and in Assam University, Silchar, Assam (AUSCH). This has been published by L.M. Chanu & D. Bhattacharyya in Rheedea 35(2): 124. 2025

नवीन प्रजातिगत अभिलेख / New Species Record

एम्बलिऐन्थॉपसिस बर्मानिका वाई.एच. तान व एच.बी. डिंग (प्रिमुलेसी)

पूर्वतः म्यांमार से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उल्टापानी (नाहरानी), कोकराझार जिला, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम के पादपालय (BUBH) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस प्रजाति को अत्यधिक संकटापन्न (CR) श्रेणी में रखा गया है। इसे संस्वरंग बसुमतारी व संजीब बरुआ ने वेजिटोस https://doi.org/10.1007/s42535-023-00785-0 में प्रकाशित किया है।

Amblyanthopsis burmanica Y.H. Tan & H.B. Ding (Primulaceae)

This species earlier known from Myanmar has been reported for the first time based on the collection made from Ultapani (Naharani), Kokrajhar, Assam. The specimen is deposited in the Herbarium of Bodoland University, Kokrajhar, Assam (BUBH). The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines. It has been published by Sanswrang Basumatary & Sanjib Baruah in Vegetos https://doi.org/10.1007/s42535-023-00785-0.

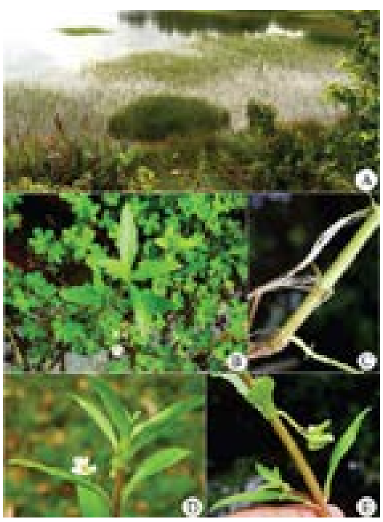

बेकोपा ऐक्वेटिका ऑबलेट (प्लैन्टैजिनेसी)

पूर्वतः त्रिनिदाद से दक्षिणी उष्णकटिबंधीय अमेरिका : बोलिविया, उत्तरी ब्राजील, उत्तर-पूर्व ब्राजील, दक्षिण-पूर्व ब्राजील, पश्चिम-मध्य ब्राजील, फ्रेंच गुयाना, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद- टोबैगो और वेनेजुएला से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न स्थलों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, पोर्ट ब्लेयर के पादपालय (PBL) में संगृहीत है। इसे मिदिगेसी अनिल कुमार, अपूर्ब कुमार दास, पंकज अरविन्द ढोले, गौतम अनुज एक्का, चन्द्रकासन सिवापेरुमन व लाल जी सिंह ने जर्नल ऑफ द अंडमान साइंस एशोसिएशन 30(2): 139. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bacopa aquatica Aubl. (Plantaginaceae)

The species earlier known from Trinidad to S. Tropical America: Bolivia, Brazil North, Brazil Northeast, Brazil Southeast, Brazil West-Central, French Guiana, Guyana, Suriname, Trinidad-Tobago,Venezuela has been reported for the first time from India based on the collection made from different locations of Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). This has been published by Midigesi Anil Kumar, Apurba Kumar Das, Pankaj Arvind Dhole, Gautam Anuj Ekka, Chandrakasan Sivaperuman & Lal Ji Singh in Journal of the Andaman Science Association 30(2): 139. 2025.

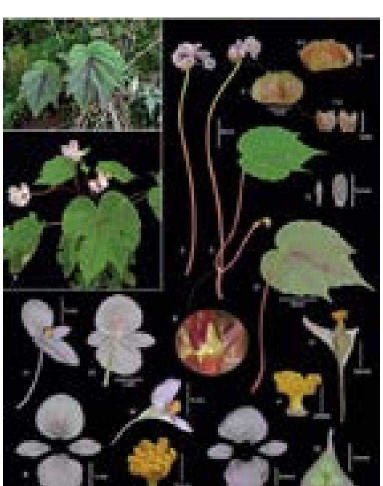

बिगोनिआ लेप्टोप्टेरा एच.हारा (बिगोनिएसी)

पूर्वतः चीन और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार क्रमशः पूर्वी सिक्किम (बीएसआई-प्रायोगिक वनस्पति उद्यान, गंगटोक में 1700 मी की ऊंचाई पर कृष्ट, पश्चिम सिक्किम (पहा खोला इन्वार्ड ट्रेकिंग के पास युक्सोम से बाखिम की ओर फर्स्ट ब्रिज तक;) और उत्तरी सिक्किम (शिपगीयर के पास सैफो, उत्तर सिक्किम, 1770 मीटर) सहित सिक्किम के विभिन्न हिस्सों से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम (BSHC) में संगृहीत है। इसे नोरबू शेरपा, पलजोर टी. लेप्चा, गीतामनी छेत्री व राजीव गोगोई ने नीलंबो 67(2):80.2025 में प्रकाशित किया है।

Begonia leptoptera H.Hara (Begoniaceae)

This species earlier known from China and Nepal has been reported for the first time based on the collection made from different parts of Sikkim including East Sikkim (BSI-Experimental Botanic Garden, Gangtok, 1700 m [in cultivation], West Sikkim (Yuksom to First Bridge towards Bakhim; near Paha Khola-inward trekking) and North Sikkim (Saffo near Shipgyer, North Sikkim, 1770 m). The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC). This has been published by Norbu Sherpa, Palzor T. Lepcha, Geetamani Chhetri & Rajib Gogoi in Nelumbo 67(2):80.2025.

बाइस्टोर्टा कोरिएसिया (सैम.) योनेकुरा व एच.ओहाशी (पॉलीगोनेसी)

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मध्यमहेश्वर घाटी, रुद्रप्रयाग जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप गढ़वाल विश्वविद्यालय पादपालय, श्रीनगर, उत्तराखंड (GUH) में संगृहीत है। इसे सुनीत सिंह, जे.पी. मेहता व अनंत कुमार ने नेशल एकेड. साई. लेट. 48: 99. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bistorta coriacea (Sam.) Yonek. & H.Ohashi (Polygonaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Madhmaheshwar Valley, Rudraprayag, Uttarakhand. The specimens are deposited in the Garhwal University Herbarium, Srinagar, Uttarakhand (GUH). This has been published by Sunit Singh, J.P. Mehta & Anant Kumar in Natl. Acad. Sci. Lett. 48: 99. 2025.

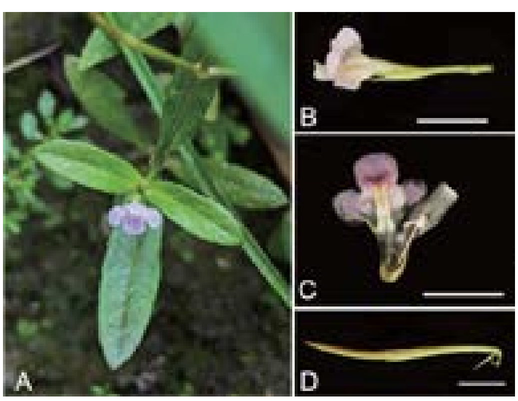

बोन्नाया मल्टीफ्लोरा बोनती (लिंडर्निएसी)

पूर्वत: थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और मलेशिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार दार्जिलिंग ज़िला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप नॉर्थ बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल के पादपालय (NBU) में संगृहीत है। इस प्रजाति को अरात्रिक पाल व मनोरंजन चौधरी ने जे. जैप. बॉट. 100(4): 351. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bonnaya multiflora Bonati (Linderniaceae)

This species earlier known from Thailand, Laos, Cambodia, Vietnam, and Malaysia has been reported for the first time based on the collection made from Darjeeling District, West Bengal. The specimens are deposited in the herbarium of University of North Bengal, Siliguri, West Bengal (NBU). This has been published by Aaratrik Pal & Monoranjan Chowdhury in J. Jap. Bot. 100(4): 351. 2025.

कैरेपा गिआनेन्सिस ऑब्लेट (मीलिएसी)

पूर्वत: ब्राज़ील, कोलंबिया, कोस्टारिका, डोमिनिकन गणराज्य, इक्वाडोर, फ्रेंच गुयाना, ग्वाडेलोप, गुयाना, हैती, होंडुरास, पनामा, पेरू, प्यूर्टो रिको, सूरीनाम, त्रिनिदाद व टोबैगो तथा वेनेज़ुएला से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार बरदा हिल्स, पोरबंदर, गुजरात, भारत से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एल. जे. स्कूल ऑफ़ एप्लाइड साइंस, अहमदाबाद के निजी पादपालय में संगृहीत है। इस प्रजाति को वैष्णवी आर. ओदेदरा व निर्मल एस सहाय ने प्ला साइ टूडे 12(4): 7 (2025) में प्रकाशित किया है।

Carapa guianensis Aublet (Meliaceae)

This species earlier known from Brazil, Colombia, Costa Rica, Dominican Republic, Ecuador, French Guiana, Guadeloupe, Guyana, Haiti, Honduras, Panama, Peru, Puerto Rico, Surinam, Trinidad and Tobago and Venezuela has been reported for the first time based on the collection made from Barda Hill, Porbandar, Gujarat, India. The voucher specimens are deposited in the personal herbarium at the Department of Biotechnology, L J School of Applied Science, Ahmedabad. This has been published by Vaishnavi R Odedra & Nirmal S Sahay in Pl. Sci. Today 12(4): 7. 2025.

काइरोस्टाइलिस टॉरटिलेसिनिया सी. एस. लिओ (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः ताइवान, चीन और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 400 मीटर की ऊंचाई पर पोमा गांव, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश से और 1100 मीटर की ऊंचाई पर बंग बस्ती, कालिम्पोंग, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप क्रमशः जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान; पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (GBPNIHE-NERC) के पादपालय में और भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे मधुसूदन खनाल, शुभदीप सरकार, संतोष कुमार राय, देवेंद्र कुमार व अभिषेक भट्टाचर्जी ने फेडस रेपर्ट 136(1): 5. 2025 में प्रकाशित किया है।

Cheirostylis tortilacinia C. S. Leou (Orchidaceae)

The species earlier known from Taiwan, China and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Poma Village, Itanagar, Arunachal Pradesh at *c*. 400 m altitude and from Bong Busty, Kalimpong, West Bengal *c*. 1100 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of G.B. Pant National Institute of Himalayan Environment; North-East Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (GBPNIHE-NERC) and in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) respectively. This has been published by Madhusudhan Khanal, Shuvadip Sarkar, Santosh Kumar Rai, Devendra Kumar, Avishek Bhattacharjee in Feddes Repert. 136(1): 5. 2025.

क्रॉफर्डिया डेलावेई फ्रैंचेट (जेन्शिएनेसी)

पूर्वत: चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3200 मी की ऊंचाई पर लाल एने हिल्स, पापुम पारे ज़िला, अरुणाचल प्रदेश में एबे जेरिंग के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति को आर. मैती व एस.एस. दाश ने रीडिया 34(4): 19. 2025 में प्रकाशित किया है।

Crawfurdia delavayi Franch. (Gentianaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time based on the collection made from Lal Ane Hills, near Abe Jering, Papum Pare District, Arunachal Pradesh at 3200 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by R. Maity & S.S. Dash in Rheedea 34(4): 19. 2025.

सिलिंड्रोलोबस मोटुओएन्सिस एक्स. एच. जिन व जे.डी. या (ऑर्किडेसी)

पूर्वत: चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1300 मी की ऊंचाई पर मिशमी हिल्स, लोअर दिबांग घाटी जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप 'द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ़ ईस्टर्न हिमालय', असम के पादपालय (TOSEHIM) में संगृहीत है। इस प्रजाति को के. गोगोई व पी. मेगा ने रीडिया 35(2): 67, 2025 में प्रकाशित किया है।

Cylindrolobus motuoensis X.H. Jin & J.D. Ya (Orchidaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time based on the collection made from Mishmi Hills, Lower Dibang Valley District, Arunachal Pradesh at an elevation of 1300 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of The Orchid Society of Eastern Himalaya, Assam (TOSEHIM). This has been published by K. Gogoi & P. Mega in Rheedea 35(2): 67. 2025.

साइपीरस बाइपार्टिटस टोरे (साइपेरेसी)

पूर्वतः चीन, दक्षिण-मध्य अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार सोनभद्र, उत्तर प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप डथी पादपालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश (DUTHIE) में संगृहीत है। इसे राहुल, सत्य नारायण व प्रभात कुमार ने इंडियन फोरेस्टर 151(1): 73. 2025 में प्रकाशित किया है।

Cyperus bipartitus Torr. (Cyperaceae)

The species earlier known from China, South-Central America has been reported for the first time from India based on the collection made from Sonbhadra, Uttar Pradesh. The specimens are deposited in the Duthie Herbarium, University of Allahabad, Prayagraj, Uttar Pradesh (DUTHIE). This has been published by Rahul, Satya Narain & Prabhat Kumar in Indian Forester 151(1): 73. 2025.

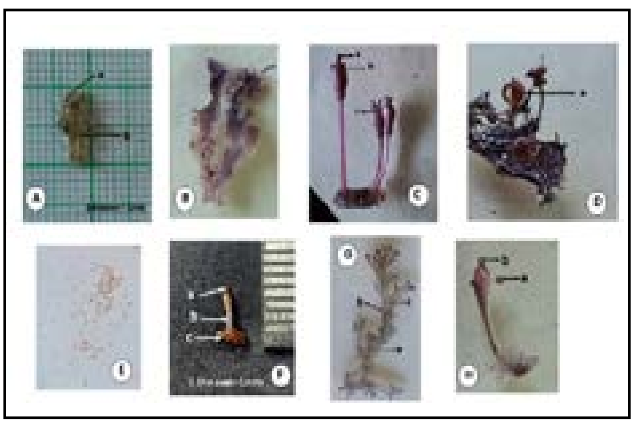

डाल्जेलिया उबोनेन्सिस एम. काटो (पोडोस्टेमेसी)

पूर्वतः थाईलैंड, वियतनाम और लाओस से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पतनमतिट्टा जिला, केरल में रन्नी वन प्रभाग के वडसेरिक्कारा रेंज में पम्पा नदी की सहायक नदी कल्लार से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल के पादपालय (KUBH) में संगृहीत है। इसे फौजिया हिलाल व जितेश कृष्णन राधाकृष्णन नायर ने बायोसाइंसेज बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च एशिया 22(2): 536.2025 में प्रकाशित किया है।

Dalzellia ubonensis M. Kato (Podostemaceae)

The species earlier known from Thailand, Vietnam, Laos has been reported for the first time from India based on the collection made from Kallar River, a tributary of the Pampa River in the Vadasserikkara Range of the Ranni Forest Division, Pathanamthitta District, Kerala. The specimens are deposited in the herbarium of University of Kerala, Thiruvananthapuram, Kerala (KUBH). This has been published by Fouzia Hilal & Jithesh Krishnan Ramakrishnan Nair in Biosciences Biotechnology Research Asia 22(2): 536.2025.

डिडाइमोकार्पस मेडोगेन्सिस वाई.टी. वांग (जेस्नीरिएसी)

पूर्वतः दक्षिण पूर्व तिब्बत (मेडोग जियान) से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 1137 मीटर की ऊंचाई पर शि योमी जिला, अरुणाचल प्रदेश में मेचुका के रास्ते में और समुद्रतल से 1109 मीटर की ऊंचाई पर लोअर दिबांग घाटी जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय में संगृहीत है। इसे मोमांग ताराम, दीपांकर बोराह, हुई ताग व एंटोन वेबर ने वेजिटोस https://doi.org/10.1007/s42535-024-00829-z में प्रकाशित किया है।

Didymocarpus medogensis W.T.Wang (Gesneriaceae)

This species earlier known from South East Tibet (Medog Xian) has been reported for the first time based on the collection made on the way to Mechuka, Shi Yomi District, Arunachal Pradesh at 1137 m a.m.s.l. and from Lower Dibang Valley District, Arunachal Pradesh at 1109 m a.m.s.l. The specimens are deposited in the Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and in the Herbarium of Rajiv Gandhi University, Doimukh, Arunachal Pradesh. This has been published by Momang Taram, Dipankar Borah, Hui Tag & Anton Weber in Vegetos https://doi.org/10.1007/s42535-024-00829-z.

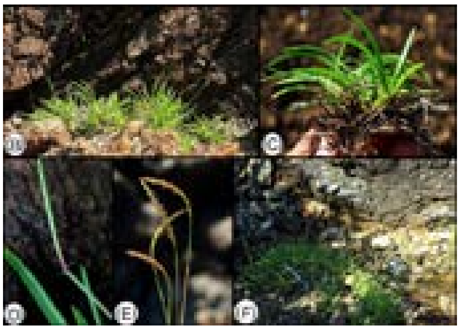

इरेमोक्लोआ सिलिऐरिस (लिनिअस) मेरिल (पोएसी)

पूर्वतः बांग्लादेश, कंबोडिया, दक्षिण-केंद्रीय चीन, दक्षिण-पूर्व चीन, हैनान, लाओस, लेसर सुंडा द्वीप समूह, मलाया, म्यांमार, न्यू गिनी, फिलीपींस, क्वींसलैंड, सुलावेसी, सुमात्रा, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार दक्षिण अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में साउथ सिंक द्वीप (बाकरा द्वीप) के मध्य भाग के पश्चिमी हिस्से से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, पोर्ट ब्लेयर के पादपालय (PBL) में संगृहीत है। इसे मिदिगेसी अनिल कुमार, गौतम अनुज एक्का, पंकज अरविन्द ढोले व लाल जी सिंह ने फेडस रेपर्ट. 136(2): 60. 2025 में प्रकाशित किया है।

Eremochloa ciliaris (L.) Merr. (Poaceae)

The species earlier known from Bangladesh, Cambodia, China South-Central, China Southeast, Hainan, Laos, Lesser Sunda Is., Malaya, Myanmar, New Guinea, Philippines, Queensland, Sulawesi, Sumatera, Taiwan, Thailand, Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Western side in the middle part of South Cinque Island (Bakara Island), South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). This has been published by Midigesi Anil Kumar, Gautam Anuj Ekka, Pankaj Arvind Dhole & Lal Ji Singh in Feddes Repert. 136(2): 60. 2025.

एस्केमुकर्जिया मेगाकार्पम (एच. हारा) एच. हारा (पॉलीगोनेसी)

पूर्वतः चीन और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार क्रमश: लबदाह खासमहल, दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल में 1600 मी की ऊंचाई पर से और बड़ापाथिंग, पूर्वी सिक्किम (पाकयोंग जिला), सिक्किम में 1500 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम (BSHC) में संगृहीत है। इसे नोरबू शेरपा, बिशाल छेत्री, सृजना मांगर, गीतमणि छेत्री व राजीब गोगोई ने नीलंबो 67(1):73.2025 में प्रकाशित किया है।

Eskemukerjea megacarpum (H.Hara) H.Hara (Polygonaceae)

This species earlier known from China and Nepal has been reported for the first time based on the collection made from LabdahKhasmahal, Darjeeling District, West Bengal at 1600 m altitude and from Barapathing, East Sikkim (Pakyong District), Sikkim at 1500 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC). This has been published by Norbu Sherpa, Bishal Chettri, Srijana Mangar, Geetamani Chhetri & Rajib Gogoi in Nelumbo 67(1): 73. 2025.

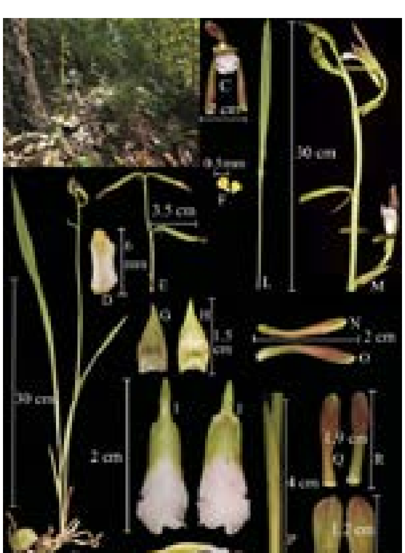

यूलोफ़िया सियामेन्सिस रॉल्फ़ के बाद डाउनी (ऑर्किडेसी)

पूर्वत: चीन, म्यांमार और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुंद्रतल से 650 मी की ऊंचाई पर सिरिसाय, नामची ज़िला, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालयी क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम (BSHC) में संगृहीत है। इस प्रजाति को प्रमोद राय, संतोष कुमार राय, प्रकाश लिम्बू व सुधिज़ोंग लुकसोम ने एक्टा फाइटोटैक्स. जियोबॉट. 76(1): 67. 2025 में प्रकाशित किया है।

Eulophia siamensis Rolfe ex Downie (Orchidaceae)

This species earlier known from China, Myanmar and Thailand has been reported for the first time based on the collection made from Sirisay, Namchi District, Sikkim at 650 m a.s.l. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC). This has been published by Pramod Rai, Santosh Kumar Rai, Prakash Limboo & Sudhizong Lucksom in Acta Phytotax. Geobot. 76(1): 67. 2025.

गैस्ट्रोचिलस पेचेई राइचेनबैक कुंत्जे (ऑर्किडेसी)

पूर्वत: म्यांमार से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार विजयनगर, चांगलांग ज़िला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ़ ईस्टर्न हिमालय, असम के पादपालय (TOSEHIM) में संगृहीत है। इस प्रजाति को विनय कुमार साहनी, मिनोम पर्टिन व ख्यांजीत गोगोई ने लैंकेस्टेरियाना 25(2): 78. 2025 में प्रकाशित किया है।

Gastrochilus pechei (Rchb.f.) Kuntze (Orchidaceae)

This species earlier known from Myanmar has been reported for the first time based on the collection made from Vijoynagar, Changlang District, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the herbarium of The Orchid Society of Eastern Himalaya, Assam (TOSEHIM). This has been published by Vinay Kumar Sahani, Minom Pertin & Khyanjeet Gogoi in Lankesteriana 25(2): 78. 2025.

गैस्ट्रोडिया फ्लेविलेबेला एस.एस. यिंग (ऑर्किडेसी)

पूर्वत: ताइवान और तिब्बत से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 2400 मी की ऊंचाई पर बारसे रोडोडेंड्रोन अभयारण्य, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को संकटापन्न (EN) श्रेणी में रखा गया है। इस प्रजाति को किंगशुक सरकार, मधुसूदन खनाल, शुभदीप सरकार, संतोष कुमार राय, सैयद अब्दुल हकीम अशरफ, के.एस. सारिगा, देवांजल बोरा व अनिमेष सेन ने फेडडेस रेपर्ट. 136(4): 290. 2025 में प्रकाशित किया है।

Gastrodia flavilabella SS Ying (Orchidaceae)

This species earlier known from Taiwan and Tibet has been reported for the first time based on the collection made from Barsey Rhododendron Sanctuary, Sikkim, *c.* 2400 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines. This has been published by Kingsuk Sarkar, Madhusudhan Khanal, Shuvadip Sarkar, Santosh Kumar Rai, Syed Abdul Hakeem Ashraf, K.S. Sariga, Devanjal Bora & Animesh Sen in Feddes Repert. 136(4): 290. 2025.

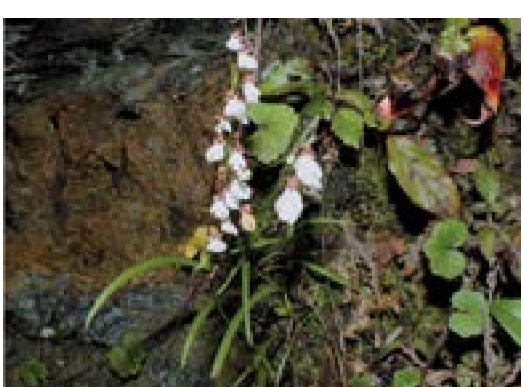

हेमिपिलिया बेसिफोलिएटा (फिनेट) वाई. तांग व एच. पेंग (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः दक्षिण-मध्य चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मायोदिया, लोअर दिबांग घाटी, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडो के अनुसार, इस नवीन प्रजाति को अति संवेदनशील (VU) श्रेणी में रखा गया है। इसे कृष्णा चौलू, जाम्बे शेरिंग, अब्बारेड्डी नागेश्वराव राव, के.अहमद कबीर व अजित राय ने बायोडाइव. रेज. कंजर्व 78: 1. 2025 में प्रकाशित किया है।

Hemipilia basifoliata (Finet) Y.Tang & H.Peng (Orchidaceae)

The species earlier known from South-Central China has been reported for the first time from India based on the collection made from Mayodia, Lower Dibang Valley, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). The species is assessed as Vulnerable (VU) following IUCN guidelines. This has been published by Krishna Chowlu, Jambey Tsering, Abbareddy Nageswarao Rao, K. Ahmed Kabeer & Ajit Ray in Biodiv. Res. Conserv. 78: 1. 2025.

हेंकेलिया फॉरेस्टियाइ (जे. एंथोनी) डी.जे. मिडलटन व माइकल मोलर (जेस्नीरिएसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 1455 मीटर की ऊंचाई पर मायोदिया, लोवर दिबांग घाटी, अरुणाचल प्रदेश और समुद्रतल से 1762 मीटर की ऊंचाई पर तातो, शि योमी जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में और राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय में संगृहीत है। इसे मोमांग तराम, दीपांकर बोराह, हुई ताग व एंटोन वेबर ने वेजिटोस https://doi.org/10.1007/s42535-024-00905-4 में प्रकाशित किया है।

Henckelia forrestii (J. Anthony) D.J. Middleton & Mich. Möller. (Gesneriaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time based on the collection made from Mayudia, Lower Dibang Valley, Arunachal Pradesh at 1455 m a.m.s.l. and from Tato, Shi Yomi district, Arunachal Pradesh at 1762 m a.m.s.l. The specimens are deposited in the Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN) and in the Herbarium of Rajiv Gandhi University, Doimukh, Arunachal Pradesh. This has been published by Momang Taram, Dipankar Borah & Hui Tag in Vegetos https://doi.org/10.1007/s42535-024-00905-4.

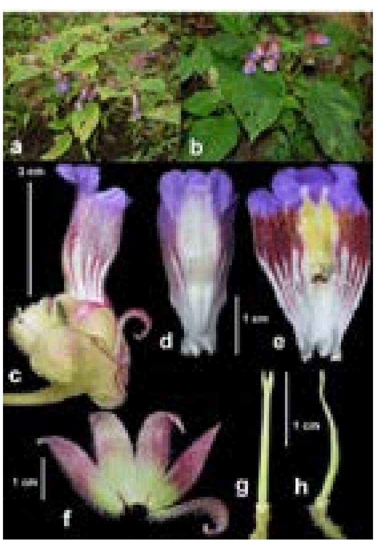

हेंकेलिया इन्फन्डीबुलीफॉर्मिस (वाई.टी.वांग) डी.जे. मिडलटन व माइकल मोलर (जेस्नीरिएसी)

पूर्वतः दक्षिण पूर्व तिब्बत से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 550 मीटर की ऊंचाई पर ऊपरी सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में गेकु से काटन के रास्ते में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय में संगृहीत है। इसे मोमांग तराम, दीपांकर बोराह, हुई ताग व एंटोन वेबर ने वेजिटोस https://doi.org/10.1007/s42535-024-00905-4 में प्रकाशित किया है।

Henckelia infundibuliformis (W. T. Wang) D. J. Middleton & Mich. Möller (Gesneriaceae)

This species earlier known from South East Tibet has been reported for the first time based on the collection made from Geku to Katan Road, Upper Siang District, Arunachal Pradesh at 550 m a.m.s.l. The specimens are deposited in the Herbarium of Rajiv Gandhi University, Doimukh, Arunachal Pradesh. This has been published by Momang Taram, Dipankar Borah & Hui Tag in Vegetos https://doi.org/10.1007/s42535-024-00905-4.

हेराक्लियम किंगडोनाइ एच. वोल्फ (एपिएसी)

पूर्वत: चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3,300–3,750 मी की ऊंचाई पर सारामाती पर्वत शिखर, नागालैंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, औद्योगिक अनुभाग, भारतीय संग्रहालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (BSIS) में संगृहीत है। इस प्रजाति को शांतनु दे, मोआकुम, प्रियंका भंडारी व मानस भौमिक ने एक्टा फाइटोटैक्स. जियोबॉट. 76(2): 153. 2025 में प्रकाशित किया है।

Heracleum kingdonii H. Wolff (Apiaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time based on the collection made from Saramati Mountain Top, Nagaland at 3,300–3,750 m elevation. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and in Botanical Survey of India, Industrial Section Indian Museum, Kolkata, West Bengal (BSIS). This has been published by Santanu Dey, Moaakum, Priyanka Bhandari & Manas Bhaumik in Acta Phytotax. Geobot. 76(2): 153. 2025.

हेटेरेन्थेरा रेनीफॉर्मिस रुइज़ व पावों (पोंटडेरिएसी)

पूर्वत: मध्य और पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका से लेकर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अमेरिका तक ज्ञात तथा बुल्गारिया, ग्रीस, हवाई, इटली, पुर्तगाल और स्पेन में प्राकृतिककृत इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 133 मी की ऊंचाई पर गढ़चिरौली ज़िला, महाराष्ट्र में बारहमासी सरिता व्येंकटपुर के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (BSI) में और शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र के पादपालय (SUK) में संगृहीत है। इस प्रजाति को वी.आई.कहलकर, पी.वी. पाटे, ए. मीणा व आर.एस. गोवेकर ने रीडिया 35(4): 255, 2025 में प्रकाशित किया है।

Heteranthera reniformis Ruiz & Pav. (Pontederiaceae)

This species earlier known from Central and Eastern U.S.A. to tropical and subtropical America and naturalized in Bulgaria, Greece, Hawaii, Italy, Portugal, Spain has been reported for the first time based on the collection made near perennial stream of Vyenkatapur, Gadchiroli District, Maharashtra at 133 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI) and in Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra (SUK). This has been published by V.I. Kahalkar, P.V. Pate, A. Meena & R.S. Govekar in Rheedea 35(4): 255. 2025.

हिबिस्कस ग्लैन्डुलिफ़ेरस क्रैब (मालवेसी) फेडडेस रेपर्ट. 136(3): 170.2025

पूर्वत: कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पश्चिम बंगाल के बांकुरा में एकतेश्वर शिव मंदिर के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। यह प्रजाति भारत के विभिन्न भागों जैसे जम्मू और कश्मीर (श्रीनगर), झारखंड (हजारीबाग), पश्चिम बंगाल (बांकुरा, हावड़ा व कोलकाता) में भी पाई जाती है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (BSI) में संगृहीत है। इस प्रजाति को जगदीश वी. दलवी, मयूर वाई. कांबले, जेटी स्वामी, दीप चक्रवर्ती व देवेंद्र सिंह ने फेडडेस रेपर्ट. 136(3): 170. 2025 में प्रकाशित किया है।

Hibiscus glanduliferus Craib (Malvaceae) Feddes Repert. 136(3): 170. 2025

This species earlier known from Cambodia, Laos, Thailand and Vietnam has been reported for the first time based on the collection made near Ekteswar Siva Temple, Bankura, West Bengal. The species is also found in different parts of India *viz*. Jammu & Kashmir (Srinagar), Jharkhand (Hazaribagh), West Bengal (Bankura, Howrah, and Kolkata. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). This has been published by Jagdish V. Dalavi, Mayur Y. Kamble, Jetti Swamy, Deep Chakraborty & Devendra Singh in Feddes Repert. 136(3): 170. 2025.

हिबिस्कस सिडीफॉर्मिस बैलन (मालवेसी)

पूर्वत: मेडागास्कर, नामीबिया, नाइजर, चाड, केन्या, जिम्बाब्वे, जाम्बिया, नाइजीरिया, सेनेगल, सूडान, सोमालिया, तंजानिया और एशिया (ओमान व यमन) से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार गोदसर गांव और भुजियो पहाड़ी, भुज तालुक, कच्छ जिला, गुजरात से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप केएसकेवी कच्छ विश्वविद्यालय, भुज, गुजरात के पादपालय (KSKVKU) में और वंदे वसुंधरा साइंटिफिक्स, राजकोट, गुजरात में संगृहीत है। इस प्रजाति को काज़बानू सुमरा, किशन प्रजापति, चिंतन भट्ट व पौरव मेहता ने फेडडेस रेपर्ट 136(1):49.2025. में प्रकाशित किया है।

Hibiscus sidiformis Baill. (Malvaceae)

This species earlier known from Madagascar, Namibia, Niger, Chad, Kenya, Zimbabwe, Zambia, Nigeria, Senegal, Sudan, Somalia, Tanzania and in Asia (Oman and Yemen) has been reported for the first time based on the collection made from Godsar Village and Bhujiyo Hill, Bhuj Taluka, Kachchh District, Gujarat. The specimens are deposited in the herbarium of KSKV Kachchh University, Bhuj, Gujarat (KSKVKU) and in Vande Vasundhara Scientifics, Rajkot, Gujarat. This has been published by Kazbanu Sumra, Kishan Prajapati, Chintan Bhatt & Paurav Mehta in Feddes Repert. 136(1): 49. 2025.

होया चिंगहुंगेंसिस (सियांग व पी.टी. ली) एम.जी. गिल्बर्ट, पी.टी. ली व डब्ल्यू.डी. स्टीवंस (ऐपोसाइनेसी)

पूर्वत: चीन, लाओस, म्यांमार और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1140 मी की ऊंचाई पर लोंगडिंग ज़िला, अरुणाचल प्रदेश में वाक्का गाँव के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में संगृहीत है। इसे के. चौलू, ए. पर्टिन, ए. शेनॉय, ए. राय व के.ए.ए. कबीर ने रीडिया 35(2): 82. 2025 में प्रकाशित किया है।

Hoya chinghungensis (Tsiang & P.T. Li) M.G. Gilbert, P.T. Li & W.D. Stevens (Apocynaceae)

This species earlier known from China, Laos, Myanmar and Vietnam has been reported for the first time based on the collection made near Wakka Village, Longding District, Arunachal Pradesh at 1140 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by K. Chowlu, A. Pertin, A. Shenoy, A. Ray & K.A.A. Kabeer in Rheedea 35(2): 82. 2025.

होया यिंगजियानेन्सिस जे.एफ. झांग, एल.बाई, एन.एच. शिया व जेड.क्यू.पेंग (ऐपोसाइनेसी)

पूर्वतः चीन और म्यांमार से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार विजय नगर, चांगलांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में 1666 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में संगृहीत है। इसे वी.के. साहनी, एम. पर्टिन, के. चौलू व एम. रोड्डा ने गार्डेन बुलेटीन सिंगापुर 77(2):273.2025 में प्रकाशित किया है।

Hoya yingjiangensis J.F.Zhang, L.Bai, N.H.Xia & Z.Q.Peng (Apocynaceae)

This species earlier known from China and Myanmar has been reported for the first time based on the collection made from Vijoynagar, Changlang District, Arunachal Pradesh at 1666 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by V.K. Sahani, M. Pertin, K. Chowlu & M. Rodda in Gard. Bull. Singapore 77(2): 273. 2025.

कुप्फेरिया कैटेरी (टी.एन.हो) एड्रियन फ़ेवरे (जेन्शिएनेसी)

पूर्वत: नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3900 मी की ऊंचाई पर पंच पोखरी, उत्तरी सिक्किम, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के पादपालय (CUH) में संगृहीत है। इसे ए.के. हलदर, बी.के. झा, एस. चक्रवर्ती व डी. मैती ने रीडिया 35(3): 129, 2024 में प्रकाशित किया है।

Kuepferia chateri (T.N.Ho) Adr.Favre (Gentianaceae)

This species earlier known from Nepal has been reported for the first time based on the collection made on the way to Panchpokhri, North Sikkim, Sikkim at 3900 m altitude. The specimens are deposited in Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). This has been published by A.K. Halder, B.K. Jha, S. Chakrobortty & D. Maity in Rheedea 35(3): 129. 2024.

लिपारिस मेन्जिएंसिस जे.डी या व लेई चाई (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः दक्षिण-मध्य चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मायोदिया, लोअर दिबांग वैली, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में संगृहीत है। इसे कृष्णा चौलू, अब्बारेड्डी नागेश्वरा राव, चंद्रमोहन कोलागनी व सीमंता ताइड इंडियन जे.फॉरेस्ट. 48(2): 143. 2025 में प्रकाशित किया है।

Liparis mengziensis J.D.Ya & Lei Cai (Orchidaceae)

The species earlier known from South-Central China has been reported for the first time from India based on the collection made from Mayudia, Lower Dibang Valley, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by Krishna Chowlu, Abbareddy Nageswara Rao, Chandramohan Kolagani1& Simanta Taid in Indian J. Forest. 48(2): 143. 2025.

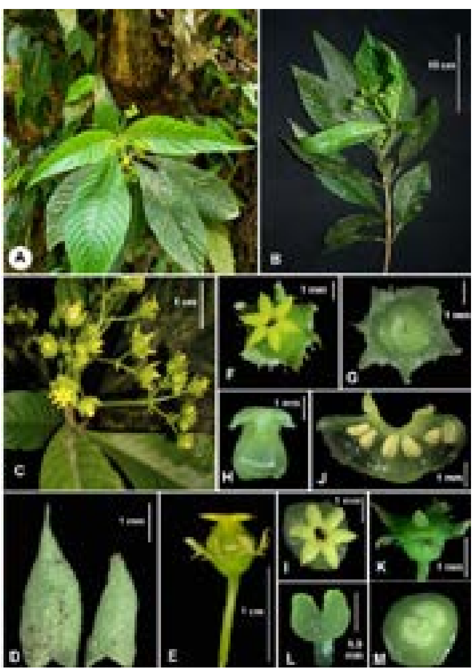

माइसिटिया मलयाना (जी.डॉन) क्रैब (रूबिएसी)

पूर्वतः बांग्लादेश, बोर्नियो, मलय और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 92 मी की ऊंचाई पर छैलेंग्ता आर.एफ., कंचनपुर, उत्तरी त्रिपुरा ज़िला, त्रिपुरा से से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है। इस प्रजाति को बोरा, दीपांकर बोरा व बादल कुमार दत्ता ने फेडडेस रेपर्ट. 136(4): 341. 2025 में प्रकाशित किया है।

Mycetia malayana (G.Don) Craib (Rubiaceae)

This species earlier known from Bangladesh, Borneo, Malaya and Thailand. has been reported for the first time based on the collection made from Chhailengta R.F., Kanchanpur, North Tripura District, Tripura at 92 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines. This has been published by Dixit Bora, Dipankar Borah & Badal Kumar Datta in Feddes Repert. 136(4): 341. 2025.

ओफिओराइज़ा जैपोनिका ब्लूम (रूबिएसी)

पूर्वतः चीन, जापान, ताइवान और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2,435 मी की ऊंचाई पर शिरुई चोटी, उखरुल, मणिपुर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जैव संसाधन एवं स्थायी विकास संस्थान तक्येलपत, इंफाल, मणिपुर (IBSD) में संगृहीत है। इसे नगाशेपाम मालेमंगानबी चानू, पेइमिचोन लैंगकैन, थोंगैम नौरेनपाई खंगनबा व थोंगम बिशेश्वरी ने जे. थ्रेट टैक्सा 17(4): 26932. 2025 में प्रकाशित किया है।

Ophiorrhiza japonica Blume (Rubiaceae)

This species earlier known from China, Japan, Taiwan, and Vietnam has been reported for the first time based on the collection made from Shirui Peak, Ukhrul, Manipur at 2,435 m altitude. The specimens are deposited in the Institute of Bioresources and Sustainable Development Takyelpat, Imphal, Manipur (IBSD). This has been published by Ngasheppam Malemnganbi Chanu, Peimichon Langkan, Thongam Nourenpai Khanganba & Thongam Biseshwori in J. Threat. Taxa 17(4): 26932. 2025.

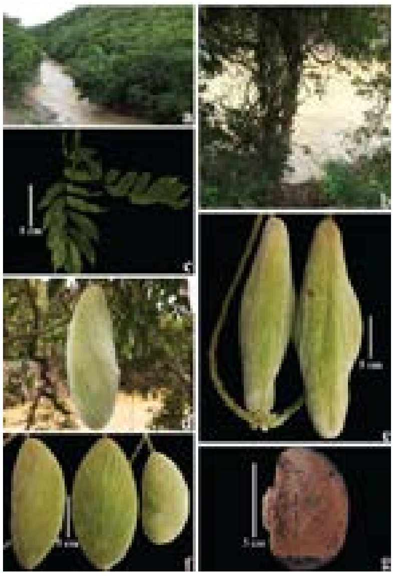

पैडब्रूजिया फिलिपीज (डन) क्रैब (फैबेसी)

पूर्वत: चीन, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 1000 मी की ऊंचाई पर खुयाम खुलें, चंदेल ज़िला, मणिपुर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम (AUSCH) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंडों के अनुसार, इस प्रजाति को संकटग्रस्त (NT) श्रेणी में रखा गया है। इसे एल.एम. चानू व डी. भट्टाचार्य ने रीडिया 35(2): 124, 2025 में प्रकाशित किया है।

Padbruggea filipes (Dunn) Craib (Fabaceae)

This species earlier known from China, Laos, Myanmar, Thailand and Vietnam has been reported for the first time based on the collection made from Khuyam khulen, Chandel District, Manipur, at *c.* 1000 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and in Assam University, Silchar, Assam (AUSCH). The species is assessed as Near Threatened (NT) following IUCN guidelines. This has been published by L.M. Chanu & D. Bhattacharyya in Rheedea 35(2): 124. 2025.

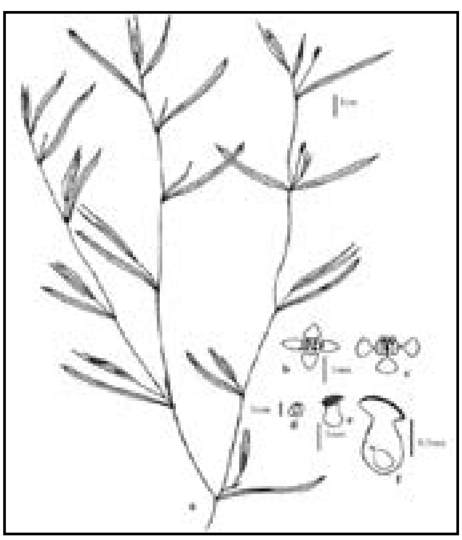

पोटामोजेटोन बर्चटोल्डियाइ फीबर (पोटामोजेटोनेसी)

पूर्वत: एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और उत्तरी अफ्रीका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जम्मू और कश्मीर के विभिन्न स्थानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पादप वर्गीकरण केंद्र, वनस्पति विज्ञान प्रभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत है। इस प्रजाति को ए.एच. गनी, जेड.ए. रेशी, बी.ए. वफ़ाई व ए.ए. खुरू ने रीडिया 35(4): 262, 2025 में प्रकाशित किया है।

Potamogeton berchtoldii Fieb. (Potamogetonaceae)

This species earlier known from Asia, Europe, North America and northern Africa has been reported for the first time based on the collection made from different locations of Jammu and Kashmir. The specimens are deposited in the herbarium of Centre of Plant Taxonomy, Division of Botany, University of Kashmir, Srinagar, Jammu & Kashmir (KASH). This has been published by A.H. Ganie, Z.A. Reshi, B.A.Wafai & A.A. Khuroo in Rheedea 35(4): 262. 2025.

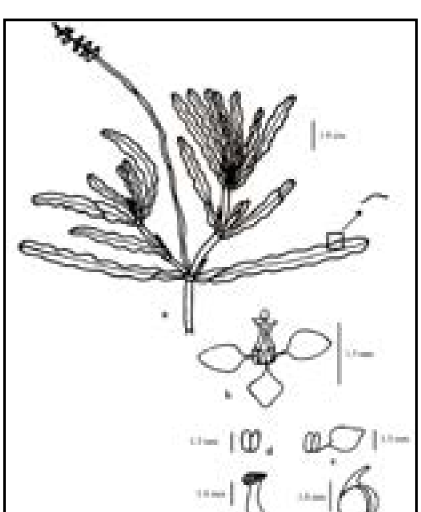

पोटामोजेटोन क्रिस्पस लिनिअस (पोटामोजेटोनेसी)

पूर्वत: एशिया, यूरोप और अफ्रीका से ज्ञात तथा उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका में लगाई गई इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जम्मू और कश्मीर के विभिन्न स्थानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पादप वर्गीकरण केंद्र, वनस्पति विज्ञान प्रभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत है। इसे ए.एच. गनी, जेड.ए. रेशी, बी.ए. वफ़ाई और ए.ए. खुरू ने रीडिया 35(4): 265, 2025 में प्रकाशित किया है।

Potamogeton crispus L. (Potamogetonaceae)

This species earlier known from Asia, Europe, Africa and introduced into North America and South America has been reported for the first time based on the collection made from different locations of Jammu and Kashmir. The specimens are deposited in the herbarium of Centre of Plant Taxonomy, Division of Botany, University of Kashmir, Srinagar, Jammu & Kashmir (KASH). This has been published by A.H. Ganie, Z.A. Reshi, B.A. Wafai & A.A. Khuroo in Rheedea 35(4): 265. 2025.

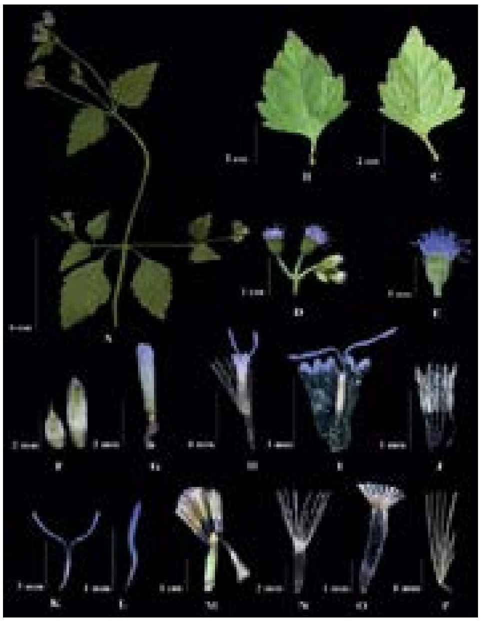

प्रैक्सेलिस क्लीमैटीडिया (हाइरोनिमस के बाद कुंत्जे) आर.एम. किंग व एच. रॉबिन्सन (ऐस्टेरेसी)

पूर्वतः दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार बागुरान जलपाई समुद्र तट, पूर्वी मिदनापुर जिला, पश्चिम बंगाल में 6 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय (CAL), हावड़ा, पश्चिम बंगाल में संगृहीत है। इसे रविशंकर सेनगुप्ता, साक्षी कुमारी, अमित राज सिंह, विष्णु प्रसाद साहू, श्रेया बनर्जी, सुनीपा कामिल्या व सुधांशु शेखर दाश ने नीलंबो 67(2):107.2025 में प्रकाशित किया है।

Praxelis clematidea (Hieron. ex Kuntze) R.M. King & H. Rob. (Asteraceae)

This species earlier known from South America has been reported for the first time based on the collection made from BoguranJalpai Sea Beach, East Midnapore District, West Bengal at 6 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Rabishankar Sengupta, Sakshi Kumari, Amit Raj Singh, Bishnu Prasad Sahoo, Shreya Banerjee, Sunipa Kamilya & Sudhansu Sekhar Dash in Nelumbo 67(2): 107. 2025.

टोरेनिया कॉन्कलर लिंडले (लिंडर्निएसी)

मूल रूप से हांगकांग से वर्णित और चीन (ताइवान सहित) में व्याप्त तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों लाओस, म्यांमार और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) और गुवाहाटी विश्वविद्यालय पादपालय, गुवाहाटी, असम (GUBH) की सामग्रियों के पुनरीक्षण के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप का संग्रह असम और मेघालय से किया गया था। इस प्रजाति को ए. पाल व एम. चौधरी ने तुर्कज़ानिनोविया 28, 3: 8. 2025 में प्रकाशित किया है।

Torenia concolor Lindl. (Linderniaceae)

This species earlier known from Southeast Asia, originally described from Hong Kong and is known to be distributed in China (incl. Taiwan), Laos, Myanmar and Vietnam has been reported for the first time based on material revision at Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and Gauhati University Herbarium, Guwahati, Assam (GUBH). The specimens were collected from Assam and Meghalaya. This has been published by A. Pal & M. Chowdhury in Turczaninowia 28, 3: 8. 2025.

जाइगोफिलम कॉक्सीनियम लिनिअस (जाइगोफिलेसी)

पूर्वत: मिस्र, इरिट्रिया, इराक और पाकिस्तान तथा कुवैत, लेबनान-सीरिया, फिलिस्तीन, सऊदी अरब, सूडान और यमन जैसे खाड़ी देशों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कंडला, गांधीधाम, कच्छ जिला, गुजरात से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शुष्क क्षेत्र क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर, राजस्थान (BSJO) में संगृहीत है। इसे आर.ए. पोपटानी, वी.यू. चौहान, जे.बी. भट्ट, बी.आर. परडवा व वी. विजयकुमार ने रीडिया 35(1): 34. 2025 में प्रकाशित किया है।

Zygophyllum coccineum L. (Zygophyllaceae)

This species earlier known from Egypt, Eritrea, Iraq, and Pakistan, and the Gulf States like Kuwait, Lebanon-Syria, Palestine, Saudi Arabia, Sudan, and Yemen has been reported for the first time based on the collection made from Kandla, Gandhidham, Kachchh District, Gujarat. The specimens are deposited in the Botanical Survey of India, Arid Zone Regional Center, Jodhpur, Rajasthan (BSJO). This has been published by R.A. Poptani, V.U. Chauhan, J.B. Bhatt, B.R. Paradva & V. Vijaykumar in Rheedea 35(1): 34. 2025.

उपजातिगत अभिलेख / New Sub-Species Record

आइलेक्स फ़ार्जेसियाइ उपजाति **मेलैनोट्राइका** (मेरील) एस. एंड्रूज़ (ऐक्विफ़ोलिएसी)

पूर्वत: दक्षिण-मध्य चीन, म्यांमार और तिब्बत से ज्ञात इस उपजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1741 मी की ऊंचाई पर कोज़ीरकोरी वन, सेनापति ज़िला, मणिपुर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप फाउंडेशन ऑफ़ रिवाइटलाइज़ेशन ऑफ़ लोकल हेल्थ ट्रेडिशन्स, बेंगलुरु, कर्नाटक के पादपालय (FRLH) में संगृहीत है। आई.यू.सी.एन. के मानदंड़ों के अनुसार, इसे अपर्याप्त आंकड़ायुक्त (DD) की श्रेणी में रखा गया है। इसे प्रजाति को एन. धत्चनमूर्ति, के. देवनाथन, पी. राजा व एस. नूरुन्निसा बेगम ने रीडिया 35(1): 25. 2025 में प्रकाशित किया है।

Ilex fargesii subsp. **melanotricha** (Merr.) S.Andrews (Aquifoliaceae)

This sub-species earlier known from China South-Central, Myanmar and Tibet has been reported for the first time based on the collection made from Koziir Korii Forest, Senapati District, Manipur at 1741 m altitude. The specimens are deposited in the herbarium of Foundation of Revitalisation of Local Health Tradition, Bengaluru, Karnataka (FRLH). The sub-species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines. This has been published by N. Dhatchanamoorthy, K. Devanathan, P. Raja & S. Noorunnisa Begum in Rheedea 35(1): 25. 2025.

रूबस इडियस उपजाति **स्ट्रिगोसस** (मिकौक्स) फॉक (रोसेसी)

पूर्वत: उत्तरी अमेरिका, यूरोप, उत्तरी और पूर्वी एशिया से ज्ञात इस उपजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 3248 मी की ऊंचाई पर त्रागबल, राजदान टॉप, बांदीपोरा, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप पादप वर्गीकरण केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (KASH) में संगृहीत है। इसे एस.ए. सूफी, टी. इस्लाम, एस.ए. ज़रगर, ए.एच. मलिक, एम.ए. मुगल व ए.ए. खुरू ने रीडिया 34(4): 108, 2025 में प्रकाशित किया है।

Rubus idaeus subsp. **strigosus** (Michx.) Focke (Rosaceae)

This sub-species earlier known from North America, Europe, northern and eastern Asia has been reported for the first time based on the collection made from Tragbal, Razdan Top, Bandipora, Jammu and Kashmir at 3248 m a.s.l. The specimens are deposited in the herbarium of Centre of Plant Taxonomy, Division of Botany, University of Kashmir, Srinagar, Jammu & Kashmir (KASH). This has been published by S.A. Sofi, T. Islam, S.A. Zargar, A.H. Malik, M.A. Mugal & A.A. Khuroo in Rheedea 34(4): 108. 2025.

प्रभेदगत अभिलेख / New Varietal Record

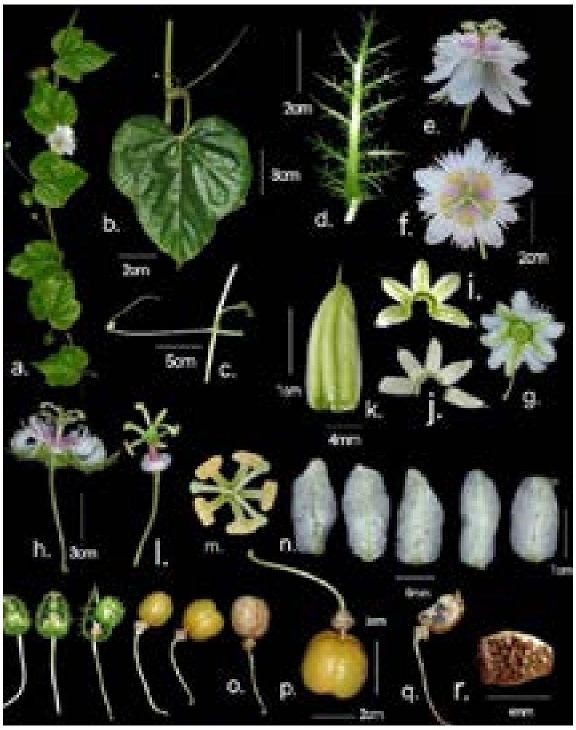

पैसीफ्लोरा वेसीकेरिया प्रभेद **वेसीकेरिया** (पैसीफ़्लोरेसी)

पूर्वत: बहामास, बोलीविया, उत्तरी ब्राज़ील, पूर्वोत्तर ब्राज़ील, दक्षिण-पूर्वी ब्राज़ील, पश्चिम-मध्य ब्राज़ील, कोलंबिया, कोस्टा रिका, क्यूबा, फ्रेंच गुयाना, इक्वाडोर, गुयाना, जमैका, लीवार्ड द्वीप समूह, पनामा, पेरू, प्यूर्टो रिको, सूरीनाम, त्रिनिदाद-टोबैगो, वेनिज़ुएला व विंडवार्ड द्वीप समूह से ज्ञात तथा अल्दाब्रा, बोर्नियो, कैरोलिन द्वीप समूह, कुक द्वीप समूह, फिजी, गिल्बर्ट द्वीप समूह, मारियानास, नाउरू, न्यू कैलेडोनिया, ताइवान, ऑस्ट्रेलिया और एशिया में लगाई गई इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार चालीसगाँव क्षेत्र, जलगाँव ज़िला, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे एन. उन्दिरवाड़े दिलीपकुमार व ए.एस. भुक्तार ने रीडिया 35(1): 29, 2025 में प्रकाशित किया है।

Passiflora vesicaria var. **vesicaria** (Passifloraceae)

This variety earlier known from Bahamas, Bolivia, Brazil North, Brazil Northeast, Brazil Southeast, Brazil West-Central, Colombia, Costa Rica, Cuba, French Guiana, Ecuador, Guyana, Jamaica, Leeward Is., Panama, Peru, Puerto Rico, Suriname, Trinidad-Tobago, Venezuela, Windward islands and introduced to Aldabra, Borneo, Caroline Is., Cook Is., Fiji, Gilbert Is., Marianas, Nauru, New Caledonia, Taiwan, Australia and Asia has been reported for the first time based on the collection made from Chalisgaon region, Jalgaon District, Maharashtra. This has been published by N. Undirwade Dilipkumar & A.S. Bhuktar in Rheedea 35(1): 29. 2025.

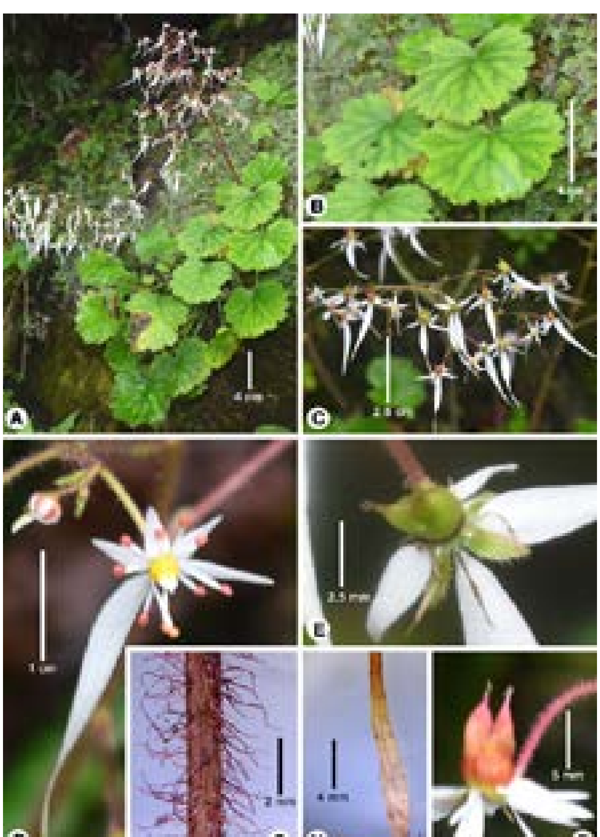

सैक्सीफ्रेगा रुफेसेन्स प्रभेद **रुफेसेन्स** (सैक्सिफ्रैगेसी)

पूर्वतः चीन और म्यांमार से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार **2265** मीटर की ऊंचाई पर खेलिया किंग पर्वतमाला, नोकलक जिला, नागालैंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे शांतनु दे**,** हुसैन ए.बरभुइया, थांगसोई एम. खियामनिउंगन**,** मोआकुम व इम्टिलीला जिंग ने फेडस रेपर्ट**. 136(3): 152. 2025** में प्रकाशित किया है।

Saxifraga rufescens var. **rufescens** (Saxifragaceae)

This species earlier known from China and Myanmar has been reported for the first time based on the collection made from Khelia King Mountain Range, Noklak district, Nagaland at 2265 m altitude. The specimens are deposited in Bhabha Atomic Research Centre, Maharashtra (HBARC). This has been published by Santanu Dey, Hussain A. Barbhuiya, Thangsoi M. Khiamniungan, Moaakum & Imtilila Jing in Feddes Repert.136(3): 152. 2025.

पर्णांग / PTERIDOPHYTES

Polystichum siangense C.Chanda & Fraser-Jenk

Courtesy Chhandam Chanda

पर्णांग (टेरिडोफाइटस) विभिन्न प्रकार के प्रकृतवासों में पाए जाते हैं। पुष्पीय पादपों के लिए प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों में भी पर्णांग (टेरिडोफाइटस) प्राय: सफलतापूर्वक वास करते हैं। भारतीय वनस्पतिजात में पर्णांग लगभग 2.36 प्रतिशत हैं। भारत की कुल वनस्पतिजात में भारतीय पर्णांगों की लगभग 1328 प्रजातियां हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2025 के दौरान, टेरिडोफाइटी अन्वेषण के रूप में अरुणाचल प्रदेश से 02 और केरल से 01 प्रजाति को संकलित किया गया है।

Ferns and fern-allies (Pteridophytes) live in a wide variety of habitats and often succeed in places where environmental factors discourage growth of flowering plants. The Indian ferns account for about 2.36 per cent of the total Indian flora. In the present state of our knowledge India has about 1328 species of ferns and fern-allies. The collated information presented here for the year 2025 includes 02 new pteridophytic novelties from Arunachal Pradesh and 01 from Kerala.

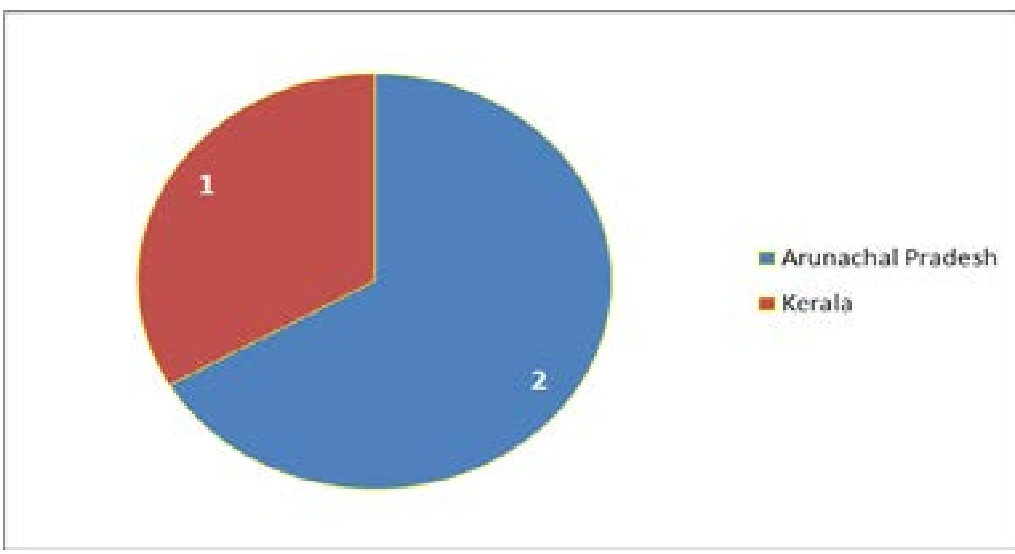

भारतीय राज्यों और संघशासित प्रदेशों से अन्वेषित पर्णांगों की संख्या
NUMBER OF PTERIDOPHYTIC NOVELTIES DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजातियां / New Species

पॉलीस्टाइकम सियांगेन्से सी. चन्दा व फ्रेजर- जेनकिन्स, इंडियन फॉरेस्टर 151(5): 483. 2025 (ड्रायओप्टेरिडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लगभग 1500 मी की ऊंचाई पर दिहांग-दिबांग बायोस्फीयर रिजर्व, ऊपरी सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में सिंगा से ट्यूटिंग के बीच सिंगा गांव के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल अरुणाचल प्रदेश के 'ऊपरी सियांग जिला' के नाम पर आधारित है।

Polystichum siangense C.Chanda & Fraser-Jenk., Indian Forester 151(5): 483. 2025 (Dryopteridaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made near Singa Village, Singa to Tuting, Dihang-Dibang Biosphere Reserve, Upper Siang District, Arunachal Pradesh at c. 1500 m. altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'siangense' has been derived from the name of the district from where it was collected – Upper Siang in Arunachal Pradesh.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

नवीन प्रजातिगत अभिलेख / New Species Record

ड्रायोप्टेरिस पोलिटा रोजेनस्ट. (ड्रायोप्टेरीडेसी)
पूर्वतः चीन, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, न्यू गिनी, फिलीपींस, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मौलिंग राष्ट्रीय उद्यान, दिहांग-दिबांग बायोस्फीयर रिजर्व, सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश के पादपालय (ARUN) में संगृहीत है। इसे सी. चंदा, सी.आर. फ्रेजर-जेनकिन्स व वी.के. रावत ने जे. बॉम्बे नेचु. हिस्ट. सोस. 122(1). 2025 में प्रकाशित किया है।

Dryopteris polita Rosenst. (Dryopteridaceae) This species earlier known from China, Indonesia, Japan, Malaysia, New Guinea, Philippines, Taiwan, Thailand, and Vietnam, has been reported for the first time from India based on collections made from Mouling National Park, Dihang-Dibang Biosphere Reserve, Siang District, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the Herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This report has been published by C. Chanda, C.R. Fraser-Jenkins & V.K. Rawat J. Bombay Nat. Hist. Soc. 122(1). 2025.

ओफिओग्लोसम लैटीफोलियम (प्रांटल) जे.ई. बरोस (ओफिओग्लोसेसी)

पूर्वतः अफ्रीका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार केरल के अलग-अलग स्थानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सेंट थॉमस कॉलेज (स्वायत्त), त्रिशूर, केरल के पादपालय (STC) में संगृहीत है। इसे अफसाना खान, पी.वी. एन्टो, इग्नासियुस एंटोनी व वी.के.श्रीनिवास ने इंडियन फॉरेस्टर 151(4): 366. 2025 में प्रकाशित किया है।

Ophioglossum latifolium (Prantl) J.E. Burrows (Ophioglossaceae)

This species earlier known from Africa has been reported for the first time from India based on collections made from different localities of Kerala. The specimens are deposited in the Herbarium of St. Thomas College (Autonomous) Thrissur, Kerala (STC). This report has been published by Afsana Khan, P.V. Anto, Ignatius Antony & V.K. Sreenivas in Indian Forester 151(4): 366. 2025.

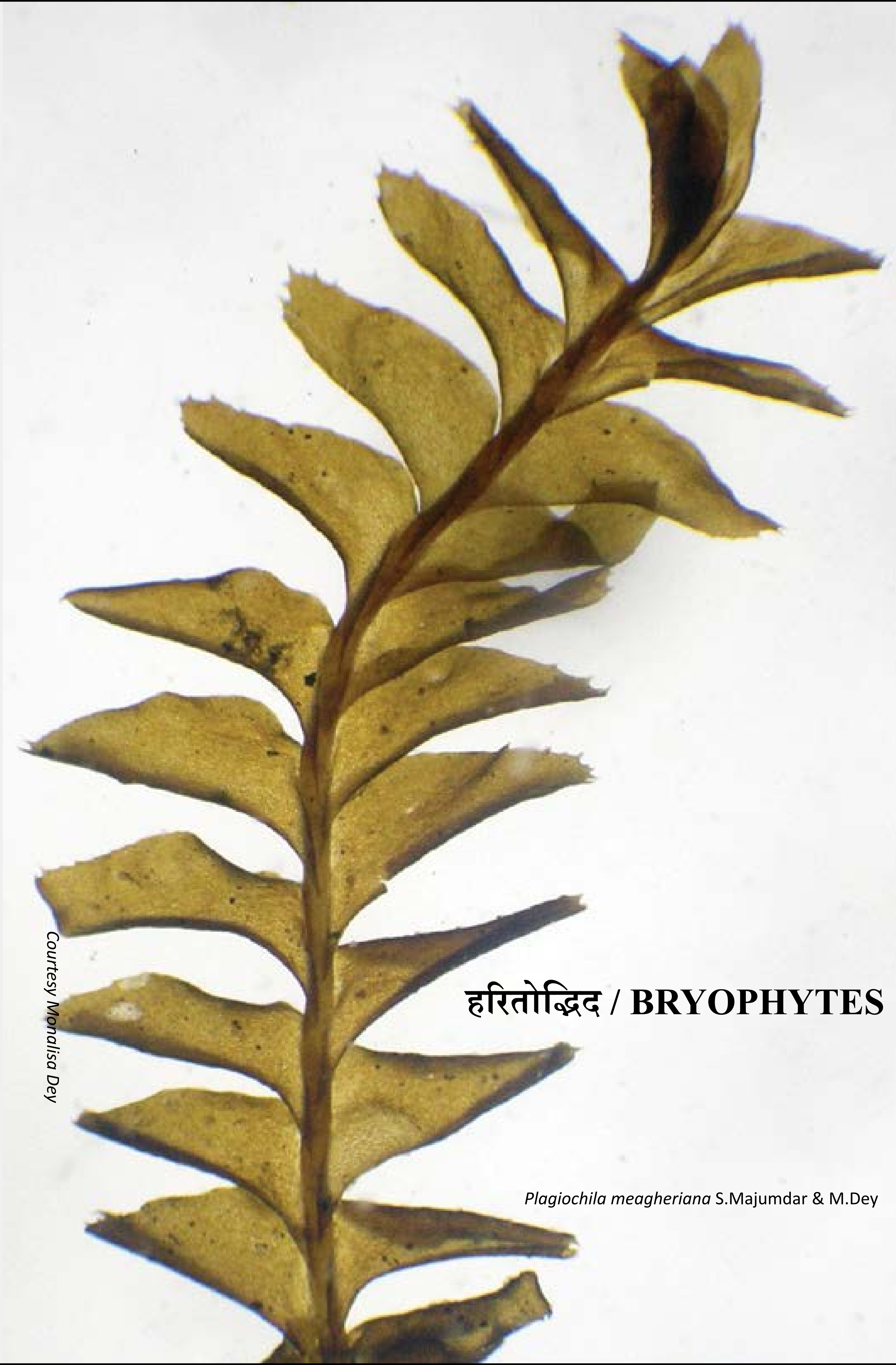

हरितोद्भिद / BRYOPHYTES

Plagiochila meagheriana S.Majumdar & M.Dey

Courtesy Monalisa Dey

वनस्पतिजात में उभयचर के रूप में प्रचलित, हरितोद्भिद हरित पादपों में आवृतबीजी पौधों के बाद दूसरा सबसे बड़ा पादप समूह है। हरितोद्भिद जैव विविधता के रोचक संघटक हैं और ये लगभग सभी जलवायु परिस्थितियों में पाए जाते हैं। यह उन गिने-चुने वनस्पतियों में से हैं जो अंटार्कटिका महाद्वीप में पाई जाती हैं। भारत के कुल वनस्पतिजात में हरितोद्भिद लगभग 5.07 प्रतिशत हैं। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय हरितोद्भिदों की लगभग 2863 प्रजातियां हैं। समय-समय पर नई प्रजातियों के अन्वेषण के साथ इन आंकड़ों में वृद्धि हो रही है। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2025 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 07 प्रजातियों (पश्चिम बंगाल से 03, तमिलनाडु से 02, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह और केरल में से प्रत्येक से 01) तथा भारत में नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 06 प्रजातियों (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 01) को संकलित किया गया है।

Bryophytes, amphibians of the ‘Plant Kingdom’, are the second largest group of green plants next to angiosperms which constitute a fascinating component of biodiversity and widely spread in almost all climatic conditions. They are among the very few groups of plants found in Antarctica. The Indian bryophytes account for about 5.07 percent of the total plant species of India. In the present state of our knowledge, India has about 2863 species of bryophytes. This data is being updated periodically with the discovery of new species. The collated information presented here for the year 2025 includes 07 species (03 from West Bengal, 02 from Tamil Nadu, 01 each from Andaman and Nicobar Islands and Kerala as new to science and 06 species (01 each from Andaman and Nicobar Islands, Andhra Pradesh, Arunachal Pradesh, Meghalaya, Tamil Nadu and West Bengal) described as new distributional novelties.

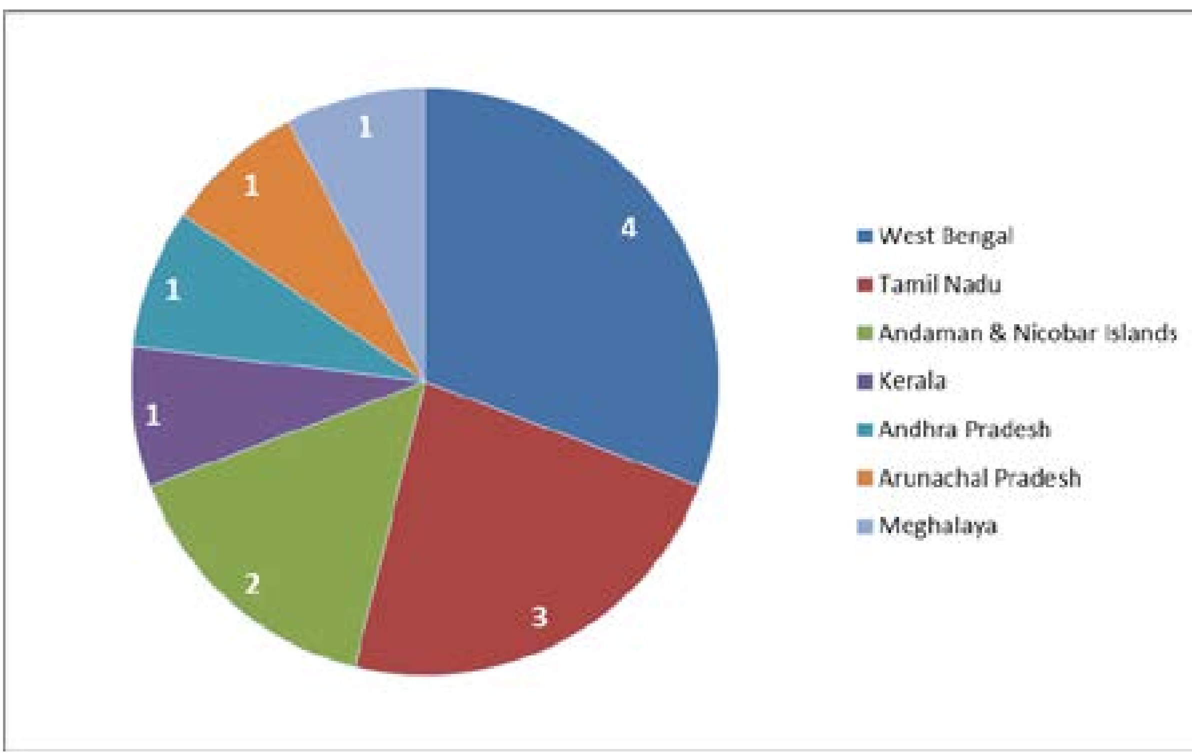

भारतीय राज्यों और संघशासित प्रदेशों से अन्वेषित हरितोद्भिदों की संख्या
NUMBER OF BRYOPHYTES DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजातियां / New Species

ब्रेकिमेनियम डेकरेन्टीफोलिया अ.ई.डी. डैनियल्स, बी. धन्यश्री व जे. आर. स्पेंस, नीलम्बो 67(2): 8. 2025 (ब्राऐसी)

इस शिलावासी प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नाडूहाटी, कोटागिरी, नीलगिरी जिला, तमिलनाडु, पश्चिमी घाट में लगभग 2034 मी की ऊंचाई पर सड़क के किनारे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप SCCN में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसकी पत्तियों की अत्यधिक अधोवर्धी प्रकृति को दर्शाता है।

Brachymenium decurrentifolia A.E.D. Daniels, B. Dhanyasree & J.R. Spence, Nelumbo 67(2): 8. 2025 (Bryaceae)

This saxicolous species has been discovered and described based on the collection made along road-side, Naduhatty, Kotagiri, Nilgiri District, Tamil Nadu, Western Ghats at *c*. 2034 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in SCCN. The specific epithet refers to strongly decurrent nature of leaves.

कोलोलेज्यूनिया देवेन्द्राइ शशि कुमार व डी. सिंह, जर्नल ऑफ https://doi.org/10.1080/03736687.2025.2510166 (लेज्यूनिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 634 मीटर की ऊंचाई पर सैडल पीक पर्वत, लामिया बे, दिगलीपुर, उत्तर अंडमान द्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय हरितोद्भिद के क्षेत्र में हमारे ज्ञान में योगदान देने के लिए प्रख्यात भारतीय ब्रायोविज्ञ डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह, पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक (वैज्ञानिक -'जी'), भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सम्मान में किया गया है।

Cololejeunea devendrae Shashi Kumar & D.Singh, Journal of Bryology https://doi.org/10.1080/03736687.2025.2510166 (Lejeuneaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Saddle Peak Mountains, Lamiya Bay, Diglipur, North Andaman Islands, Andaman and Nicobar Islands at 634 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet has been named after the renowned Indian bryologist Dr Devendra Kumar Singh, former senior scientist (Scientist-G) of the Botanical Survey of India, in recognition of his contribution to our knowledge of the Indian bryoflora.

फिसिडेन्स ब्रुगमैनियाइ ए.ई.डी. डैनियल्स और जेड.एच. विलियम्स, लिंडबर्गिया e026568. 2025 (फिसिडेन्टेसी)

भूमिश्रयी से लेकर आंशिक काष्ठवासी इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से लगभग 1200 मीटर की ऊंचाई पर सिरुमलाई पहाड़ी, कुरांगुपल्लम, डिंडिगुल जिला, तमिलनाडु में निम्नीकृत सदाबहार वनों से किए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप SCCN में संगृहीत हैं। इस प्रजाति का नामकरण फिसिडेन्टेसी कुल पर अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान के लिए नीदरलैंड के प्रख्यात शैवालविज्ञ डॉ.ए.ए. ब्रुगमैन- नानेङ्गा के नाम पर आधारित है।

Fissidens bruggemaniae A.E.D. Daniels & Z.H. Williams, Lindbergia e026568. 2025 (Fissidentaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made as terricolous to partly lignicolous, in degraded evergreen forests, Sirumalai Hills, Kurangupallam, Dindigul District, Tamil Nadu at *c*. 1200 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in SCCN. The specific epithet has been named after the renowned bryologist Dr M.A. Bruggeman-Nannenga, the Netherlands, whose contribution to family Fissidentaceae is highly significant.

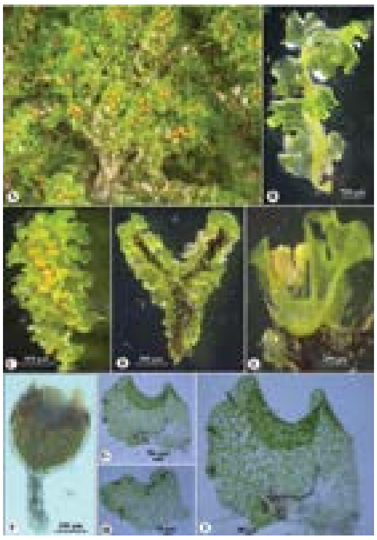

फॉसोम्ब्रोनिया बेंगालेन्सिस शेख आर. इस्लाम, ए.के. मंडल, डी. सिंह व कार्जिल फाइटोटैक्सा 734(3): 290. 2025 (फॉसोम्ब्रोनिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हरिनामारी गाँव, पश्चिम मेदिनीपुर जिला, पश्चिम बंगाल में लगभग 65 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल भारतीय राज्य 'पश्चिम बंगाल' के नाम पर आधारित है।

Fossombronia bengalensis Sk. R. Islam, A.K. Mondal, D. Singh & Cargill, Phytotaxa 734(3): 290. 2025 (Fossombroniaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Harinamari Village, Paschim Medinipur District, West Bengal at *c*. 65 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species is named after the Indian state of West Bengal, from where the species was collected.

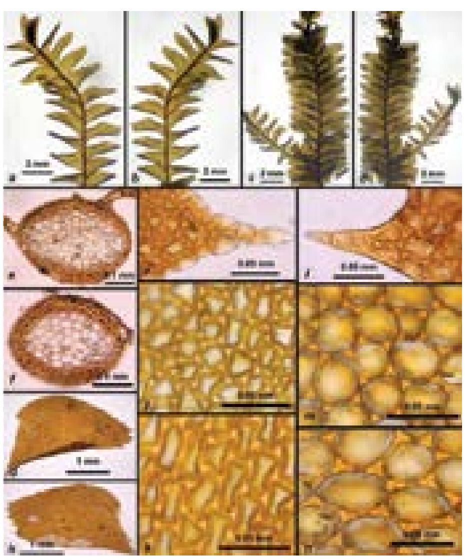

प्लैजिओकाइला मीघेरियाना एस. मजूमदार व एम. दे, फाइटोटैक्सा 714(2): 172. 2025 (प्लैजिओकाइलासी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन लेपचाजगत, दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल, पूर्वी हिमालय में 2283 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलियाई ब्रायोविज्ञ, डॉ. डेविड मीघेर के सम्मान में रखा गया है।

Plagiochila meagheriana S.Majumdar & M. Dey, Phytotaxa 714(2): 172. 2025 (Plagiochilaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Lepchajagat, Darjeeling District, West Bengal, Eastern Himalaya at 2283 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL).The species is named to honour the renowned Australian bryologist, Dr. David Meagher.

स्यूडोपैराफाइसेन्थस घाटेन्सिस साजिथा, मंजू व इनरॉथ, ब्रायो. डाइ. इवॉल. 50(1): 25 2025 (नेकेरेसी)

मेटजरिया फरकेटा के साहचर्य में *सिजीजियम क्यूमिनाइ* पर अधिपादपीय इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से 1000 मीटर की ऊंचाई पर सीथारकुण्ड मार्ग, नेल्लियम्पथी पहाड़ी, पलक्कड जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल के पादपालय (CALI) में और समप्ररूप ZGC में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल दक्षिणी भारत के प्रमुख जैव विविधता हॉटस्पॉट 'पश्चिमी घाट' के नाम पर आधारित है।

Pseudoparaphysanthus ghatensis Sajitha, Manju & Enroth, Bry. Div. Evo. 50(1): 25. 2025 (Neckeraceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Seetharkundu Route, Nelliyampathy Hills, Palakkad District, Kerala at 1000 m a.s.l., epiphytic on *Syzygium cumini* associated with *Metzgeria furcata*. The holotype is deposited in the herbarium of Calicut University, Malappuram, Kerala (CALI), isotype is in ZGC.
The specific epithet is after the Western Ghats, the type locality and one of the hotspots of biodiversity in southern India.

सोलेनोस्टोमा विद्यासागरिएन्सीस शेख आर. इस्लाम, ए.के. मंडल व डी. सिंह, फाइटोटैक्सा 714(2): 172. 2025 (सोलेनोस्टोमेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन विद्याजरा गांव, अजोध्या पहाड़ी, पुरुलिया जिला, पश्चिम बंगाल में लगभग 532 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और समप्ररूप विद्यासागर विश्वविद्यालय के पादपालय में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण 'बंगाली गद्य के जनक' उन्नीसवीं सदी के प्रसिद्ध भारतीय शिक्षाविद और समाज सुधारक पंडित ईश्वर चंद्र बंद्योपाध्याय, जिन्हें ईश्वर चंद्र विद्यासागर के नाम से भी जाना जाता है, के सम्मान में किया गया है।

Solenostoma vidyasagariensis Sk. R. Islam, A.K. Mondal & D. Singh, Phytotaxa 716(3): 216. 2025 (Solenostomataceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Vidyajara Village, Ajodhya Hills, Purulia District, West Bengal, *c.* 532 m altitude.The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in Vidyasagar University Herbarium. The species is named after the renowned Indian educator and social reformer of the nineteenth century Pandit Ishwar Chandra Bandyopadhyay, also known as Ishwar Chandra Vidyasagar, who is considered the 'Father of Bengali Prose'.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

नवीन प्रजातिगत अभिलेख / New Species Record

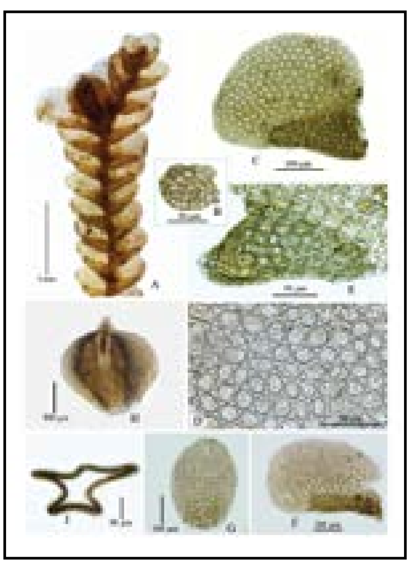

काइलोलेज्यूनिया ओकलुसा (हर्जोग) टी. कोडामा व एन. कितागावा

पूर्वतः इंडोनेशिया (सुमात्रा और बोर्नियो) और फिजी द्वीप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 725 मीटर की ऊंचाई पर सैडल पीक पर्वत, लामिया बे, दिगलीपुर, उत्तर अंडमान द्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे शशि कुमार व देवेंद्र सिंह ने प्लांट आर्काइव्स 25 (सप्लिमेंट 1): 1356. 2025 में प्रकाशित किया है।

Cheilolejeunea oclusa (Herzog) T. Kodama & N. Kitag.

The species earlier known from Indonesia (Sumatra and Borneo) and Fiji Islands has been reported for the first time from India based on the collection made from Shaddle Peak Mountains, Lamiya Bay, Diglipur, North Andaman Island, Andaman & Nicobar Islands at 725 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Shashi Kumar & Devendra Singh in Plant Archives 25(Supplement 1):1356. 2025.

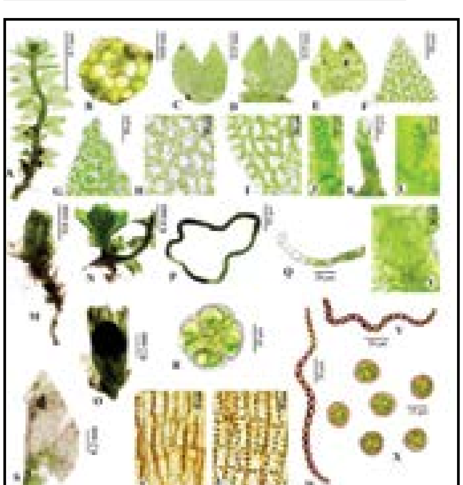

सिलिन्ड्रोकोलिया राइजेन्था (मॉन्ट.) आर. एम. स्कस्टर, (सिफैलोजिएसी)

पूर्वतः उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अमेरिका से ज्ञात इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सिरुमलाई पहाड़ी, डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु, पश्चिमी घाट में 650 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, तमिलनाडु (SCCN) में संगृहीत है। इस प्रजाति को जेड़. एच. विलियम्स, ए. ई. डी. डैनियल व एस. आर. ग्रैडस्टीन ने फाइटोटैक्सा 721(3): 295. 2025 में प्रकाशित किया है।

Cylindrocolea rhizantha (Mont.) R.M. Schust., (Cephaloziellaceae)

This species earlier known from Tropical and subtropical Americah as been discovered and described based on the collection made from Sirumalai Hills, Dindigul District, Tamil Nadu, Western Ghats at 650 m altitude. The specimen is deposited in the herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Tamil Nadu (SCCN). This has been published by Z.H. Williams, A.E.D. Daniels & S.R. Gradstein in Phytotaxa 721(3): 295. 2025.

मेगासिरॉस ग्रैसिलिस (रीचार्ड्ट) स्टेफ.

पूर्वतः आस्ट्रेलिया और न्यू कैलेडोनिया से ज्ञात तथा *चिलोसाइफस पॉलिएंथॉस* (लिनिअस) कोर्डा के साहचर्य में नम और छायादार स्थानों में मिट्टी पर उगने वाली इस प्रजाति का वर्णन लगभग 1600 मीटर की ऊंचाई पर अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले में मेथुम्ना से मेटालियांग के रास्ते में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इसे एस. मजूमदार व डी. के. सिंह ने जर्नल ऑफ ब्रायोलॉजी https://doi.org/10.1080/03736687.2025.2516912 में प्रकाशित किया है।

Megaceros gracilis (Reichardt) Steph.

This species earlier known from Australia and New Caledonia has been discovered and described based on the collection made as terricolous, growing in moist and shady places in association with *Chiloscyphus polyanthos* (L.) Corda on way to Metaliang from Methumna, Anjaw District, Arunachal Pradesh, *c.* 1600 m a.s.l. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). It has been published by S. Majumdar & D. K. Singh in Journal of Bryology https://doi.org/10.1080/03736687.2025.2516912.

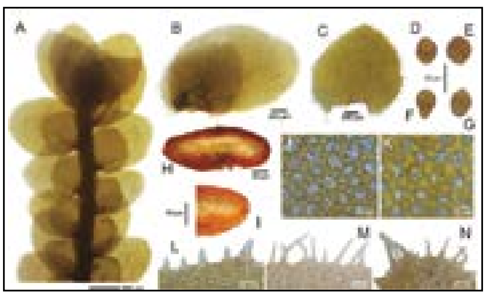

स्कैपेनिया भूटानेन्सिस अमाकावा (स्कैपेनिएसी)

पूर्वतः भूटान, चीन और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन पहली बार दार्जिलिंग क्षेत्र, पश्चिम बंगाल में संदक्फू के पास से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप हत्तोरी बॉटनिकल लेबोरेटरी, जापान (NICH) में संगृहीत है। इसे तियान-शियोंग झेंग ने ऐक्टा फाइटोटैक्स. जियोबॉट. 76(1): 57. 2025 में प्रकाशित किया है।

Scapania bhutanensis Amakawa (Scapaniaceae)

This species earlier known from Bhutan, China, Nepal has been reported for the first time based on the collection made near Sandakphu, Darjeeling Area, West Bengal. The specimens are deposited in Hattori Botanical Laboratory, Japan (NICH). This has been published by Tian-Xiong Zheng in Acta Phytotax. Geobot. 76(1): 57. 2025.

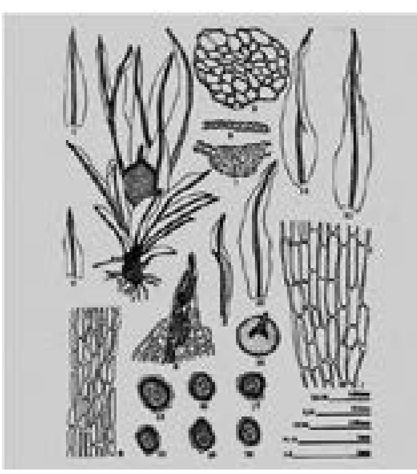

वीशिया पैराजैपोनिका वाई. इनोउ व एच. सुबोता (पोटिएसी)

पूर्वतः जापान से ज्ञात इस नवीन प्रजाति का वर्णन लगभग 692 मीटर की ऊंचाई पर नागर्जुनासागर, राजीव गांधी आरक्षित वन, श्रीशैलम, प्रकाशम, आंध्र प्रदेश में मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इसे प्रियांशु श्रीवास्तव व आशीष के. अस्थाना ने करें. साइ. 128 (12): 1242. 2025 में प्रकाशित किया है।

Weissia parajaponica Y. Inoue & H. Tsubota (Pottiaceae)

The species earlier known from Japan, has been reported for the first time from Nagarjunasagar, Rajiv Gandhi Reserve Forest, Srisailam, Prakasam, Andhra Pradesh, at c. 692 m altitude, on soil. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Priyanshu Srivastava & Ashish K. Asthana in Curr. Sci. 128 (12): 1242. 2025.

याकुशिमाब्रायम टोंकीननेन्से (ब्रदरस व पैरिस) एच.अकियामा (पाइलेसिऐडेलफेसी)

पूर्वतः चीन, जापान, लाओस, थाईलैंड, वियतनाम, प्रायद्विपीय मलेशिया और फिलीपीन्स से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार मेघालय से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे लुओ, ल्यान, अकियामा, हीरोयुकी, हान, वेई, थांग, छी-मिंग, वेई, यू-मेई व अन्य ने हर्जोगिया 38(1): 142. 2025 में प्रकाशित किया है।

Yakushimabryum tonkinense (Broth. & Paris) H.Akiyama (Pylaisiadelphaceae)

The species earlier known from China, Japan, Laos, Thailand, Vietnam, Peninsular Malaysia and the Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made from Meghalaya. This has been published by Luo, Lian, Akiyama, Hiroyuki, Han, Wei, Tang, Qi-Ming, Wei, Yu-Mei & al. in Herzogia 38(1): 142. 2025.

Courtesy T.A.M. Jagadeesh Ram

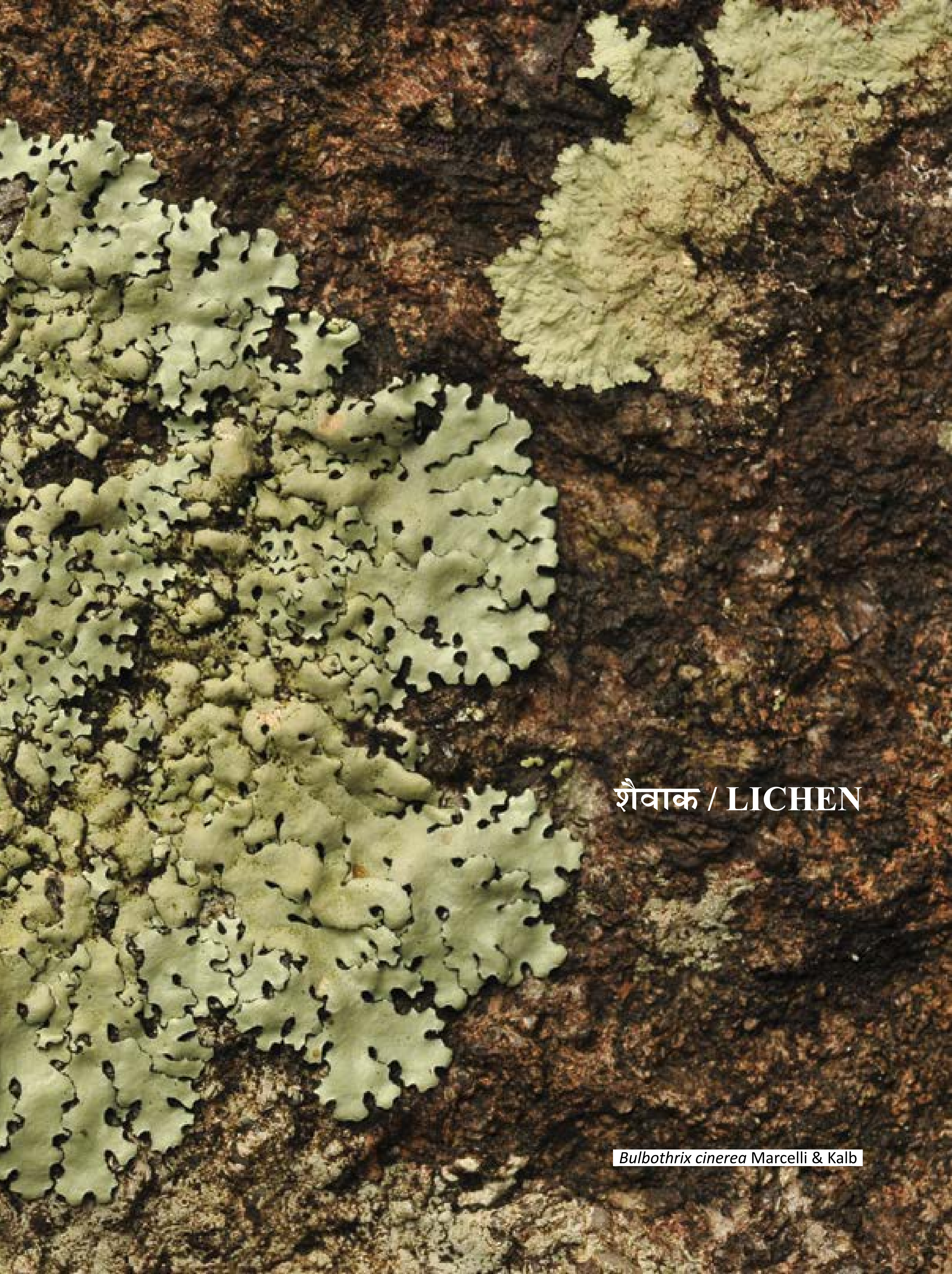

शैवाक / LICHEN

Bulbothrix cinerea Marcelli & Kalb

शैवाक | LICHEN

शैवाक का कवक और सामान्यत: हरे शैवालों अथवा सायनोजीवाणु जैसे प्रकाश संश्लेषी सहयोगी के साथ सहजीवी संबंध होता है। शैवाक सर्वव्याप्त होते हैं। फिर भी इनकी कई प्रजातियां पर्यावरण में हो रही गड़बड़ियों के प्रति संवेदनशील होती हैं और इसलिए ये वायु प्रदूषण के प्रभाव को आंकने में काफी उपयोगी हो सकते हैं। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 5.61 प्रतिशत शैवाक हैं। नवीनतम आकलन के अनुसार, भारतीय शैवाकों की 3213 प्रजातियां हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2025 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 16 प्रजातियों और 01 प्रभेद (उत्तराखंड से 05, केरल से 03, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 02, असम, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक में से प्रत्येक से 01 और उत्तराखंड से 01 प्रभेद) और भारत में नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 03 वंश और 44 प्रजातियों और 01 प्रभेद (गुजरात और उत्तराखंड में से प्रत्येक से 12, तमिलनाडु से 05, जम्मू और कश्मीर से 03, पंजाब से 02, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में से प्रत्येक से 02, अरुणाचल प्रदेश, असम, लद्दाख, मणिपुर, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 01, भारत के अलग-अलग हिस्सों से 01 और गुजरात से 01 प्रभेद) को संकलित किया गया है।

Lichens are symbiotic association of fungus with a photosynthetic partner usually green alga or cyanobacterium. They are widespread. However, many species are sensitive to environmental disturbances and may be useful in assessing the effect of air pollution. The Lichens account for about 5.61 percent of the total Indian Flora. As per the latest estimation, Indian flora represents 3213 species of Lichens. The collated information presented here for the year 2025 includes 16 species and 01 variety (05 from Uttarakhand, 03 from Kerala, 02 each from Andhra Pradesh and West Bengal, 01 each from Assam, Arunachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Karnataka and 01 variety from Uttarakhand) described as new to science from India and 03 genera and 44 species and 01 variety (12 each from Gujarat and Uttarakhand, 05 from Tamil Nadu, 03 from Jammu and Kashmir, 02 from Punjab, 02 reported from both Himachal Pradesh and Uttarakhand, 01 each from Arunachal Pradesh, Assam, Ladakh, Manipur, Maharashtra, Rajasthan and Uttar Pradesh, 01 from Different parts of India and 01 variety from Gujarat) as distributional novelties from India.

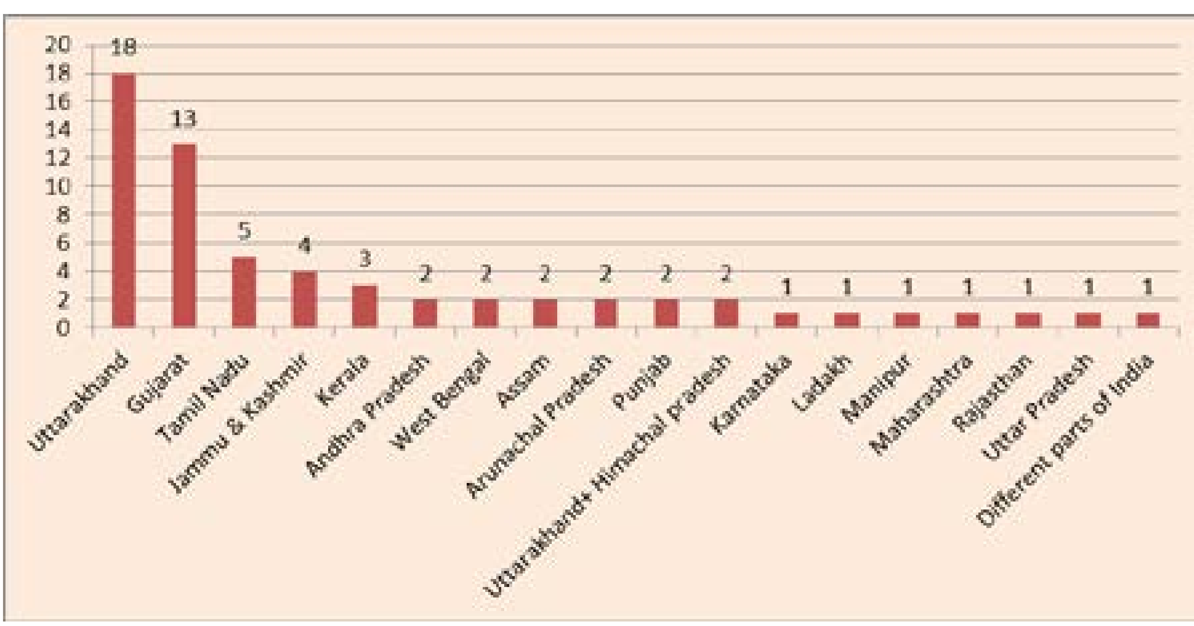

भारतीय राज्यों और संघशासित प्रदेशों से अन्वेषित शैवाक और शैकवासी कवकों की संख्या
NUMBER OF LICHEN AND LICHENICOLOUS FUNGI DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजातियां / New Species

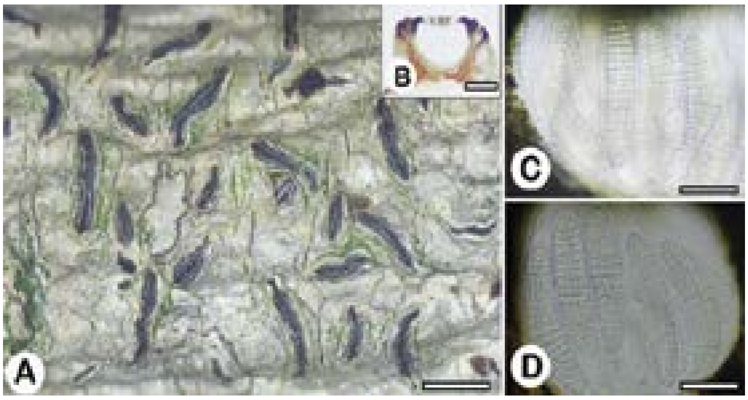

एलोग्रैफा बिनसरेन्सिस आर. अधिकारी, एन. पाल व नायका द ब्रायोलॉजिस्ट 128(3): 552. 2025 (ग्रैफिडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2396 मीटर की उंचाई पर सत्री बीट, बिनसर वन्यजीव अभयारण्य, अल्मोड़ा जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्तिस्थल के नाम पर आधारित है।

Allographa binsarensis R.Adhikari, N.Pal & Nayaka, The Bryologist 128(3): 552. 2025 (Graphidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Satri Beat, Binsar Wildlife Sanctuary, Almora District, Uttarakhand at 2396 m altitude. Holotype is deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The species epithet is based on the name of the type locality.

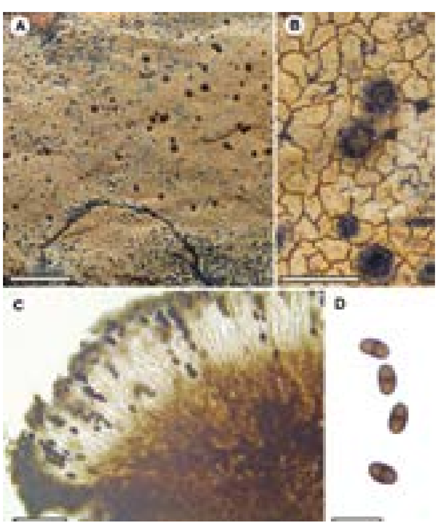

बुईलिया ऑस्ट्रोइन्डिका आर. न्गांगोम, नायका, मोहबे व ए. एम. रेड्डी, फाइटोटैक्सा 681(3): 266. 2025 (कैलीसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन थंबल्लापल्ले, चित्तूर जिला, आंध्र प्रदेश में 1676 मी की ऊंचाई पर सिलिका युक्त चट्टानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश (LWG-LWU) के प्रतिरूप सहित मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में और समप्ररूप LWG में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश 'इंडिया' के नाम पर आधरित है।

Buellia austroindica R. Ngangom, Nayaka, Mohabe & A.M. Reddy, Phytotaxa 681(3): 266. 2025 (Caliciaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on siliceous rock, Thamballepatti, Chittoor District, Andhra Pradesh, at 1676 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh including specimens from Botany Department, University of Lucknow, Uttar Pradesh (LWG-LWU), isotype is in LWG. The specific epithet refers to the type locality of the new species.

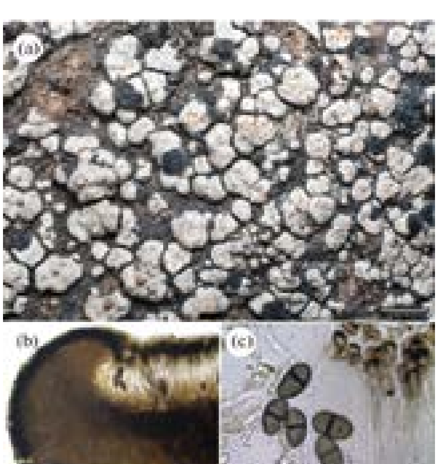

बुईलिया घाटेन्सिस ए.अनिल कुमार, आर. न्गांगोम, एस. जोसेफ, नायका व सेक्विएरा, बायोलॉजी बुलेटिन 52(19): 2. 2025 (कैलीसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1316 मीटर की उंचाई पर मथिकेत्तन शोला राष्ट्रीय उद्यान, इडुक्की, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किय गया है। मूलप्ररूप महाराज कॉलेज, एर्नाकुलम, कोच्चि, केरल (MCH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'पश्चिमी घाट' के नाम पर आधारित है।

Buellia ghattensis A. Anil kumar, R. Ngangom, S. Joseph, Nayaka & Sequiera, Biology Bulletin 52(19): 2. 2025 (Caliciaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mathikettan Shola National Park, Idukki, Kerala at 1316 m altitude. Holotype is deposited at the herbarium of Maharaja's College, Ernakulam, Kochi, Kerala (MCH). The specific epithet refers to the Western Ghats where this species is found.

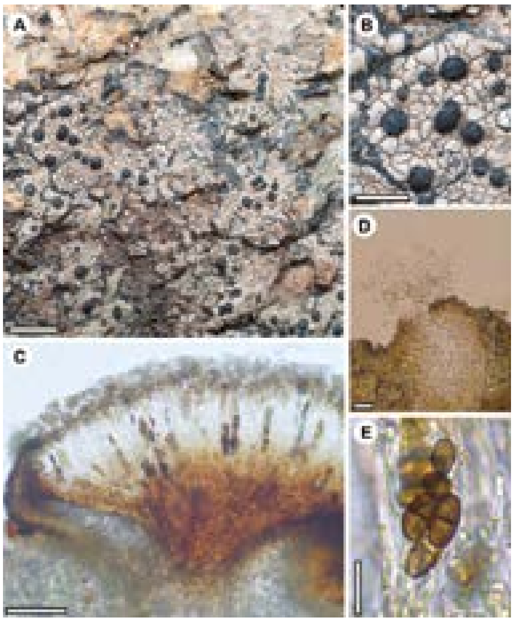

बुईलिया सबहेमिस्फीरिका आर. न्गांगोम, नायका, फाइटोटैक्सा 681(3): 268. 2025 (कैलीसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हज्जाम कल्लू, बैनरघट्टा, बैंगलोर जिला, कर्नाटक में 980 मी की ऊंचाई पर सिलिका युक्त चट्टानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश (LWG-LWU) के प्रतिरूप सहित मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में और समप्ररूप LWG में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके सादृश्य प्रजाति *बी. हेमिस्फीरिका* एस. सिंह व अवस्थी पर आधरित है।

Buellia subhemispherica R. Ngangom & Nayaka, Phytotaxa 681(3): 268. 2025 (Caliciaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on siliceous rock, Hazam Kallu, Bannergatta, Bangalore District, Karnataka, at 980 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh including specimens from Botany Department, University of Lucknow, Uttar Pradesh (LWG-LWU), isotype is in LWG. The specific epithet refers to the similar species *B. hemispherica* S. Singh & Awasthi.

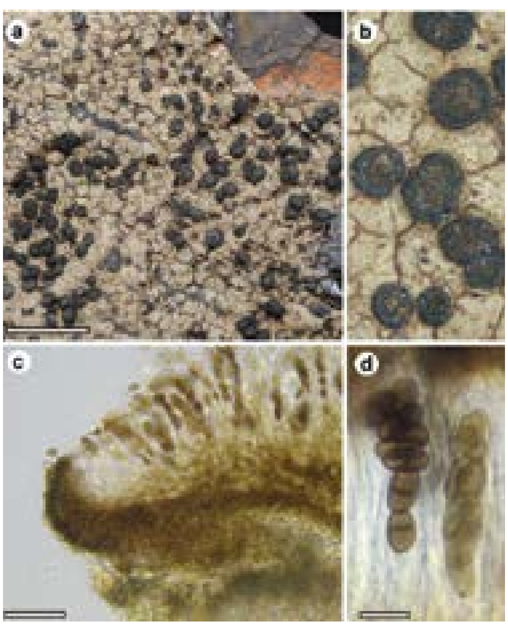

बुईलिया विजागेन्सिस आर. न्गांगोम, नायका, फाइटोटैक्सा 681(3): 268. 2025 (कैलीसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन विशाखापत्तनम, आन्ध्र प्रदेश में काजू बागान के पास सिम्हाचलम क्षेत्र में सिलिका युक्त चट्टानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश (LWG-LWU) के प्रतिरूप सहित मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में और समप्ररूप LWG में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के प्राचीन नाम (विजाग) पर आधरित है।

Buellia vizagensis R. Ngangom & Nayaka, Phytotaxa 681(3): 268. 2025 (Caliciaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on siliceous rock, Simhachalam area near Cashew plantation, Vishakhapatnam, Andhra Pradesh. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh including specimens from Botany Department, University of Lucknow, Uttar Pradesh (LWG-LWU), isotype is in LWG. The specific epithet refers to the old name (Vizag) of the type locality.

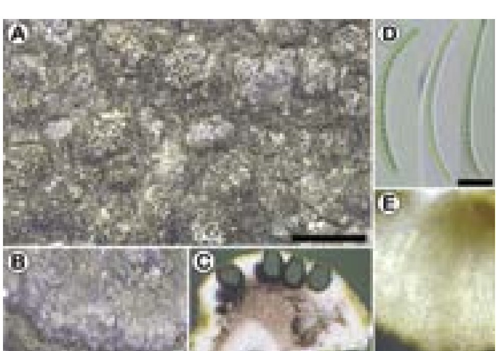

किओडेक्टन सबमॉन्टेनम आर. अधिकारी, नायका व उप्रेति द लाइकेनोलॉजिस्ट 57: 190. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1938 मीटर की उंचाई पर एबॉट माउंट, लोहाघाट, चंपावत जिला, उत्तराखंड में चट्टान पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप सीएसाईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'सबमॉन्टेनम' इसके *किओडेक्टन मॉन्टेनम* के साथ सादृश्य को दर्शाता है।

Chiodecton submontanum R.Adhikari, Nayaka & Upreti, The Lichenologist 57: 190. 2025

This species has been discovered and described based on the collection made from Abbott Mount, Lohaghat, Champawat District, Uttarakhand at 1938 m altitude, on rock. Holotype and isotype are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The species epithet 'submontanum' is based on its close resemblance to *Chiodecton montanum.*

कोइनोगोनियम स्यूडोनेपालेन्से आर. अधिकारी, नायका, एस. बिश्वास व आर. दैमारी, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04376. 2025 (कोइनोगोनिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बारा बालूचर, धुबरी जिला, असम में समुद्रतल से 40 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके *कोइनोगोनियम नेपालेन्से* के साथ सादृश्य को दर्शाता है।

Coenogonium pseudonepalense R. Adhikari, Nayaka, S. Biswas & R. Daimari, Nordic J. Bot. e04376. 2025 (Coenogoniaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Bara Balurchar, Dhubri District, Assam at 40 m a.s.l. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet refers to its similarity with *Coenogonium nepalense*.

कोइनोगोनियम सबमोनीलिफॉर्म आर. अधिकारी, आर. न्गांगोम व नायका, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04376. 2025 (कोइनोगोनिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन होसैनपुर, फरक्का, पश्चिम बंगाल में समुद्रतल से 20 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके *कोइनोगोनियम मोनीलिफॉर्म* के साथ सादृश्य को दर्शाता है।

Coenogonium submoniliforme R. Adhikari, R. Ngangom& Nayaka, Nordic J. Bot. e04376. 2025 (Coenogoniaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Hosainpur, Farakka, West Bengal at 20 m a.s.l. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet refers to its similarity with *Coenogonium moniliforme*.

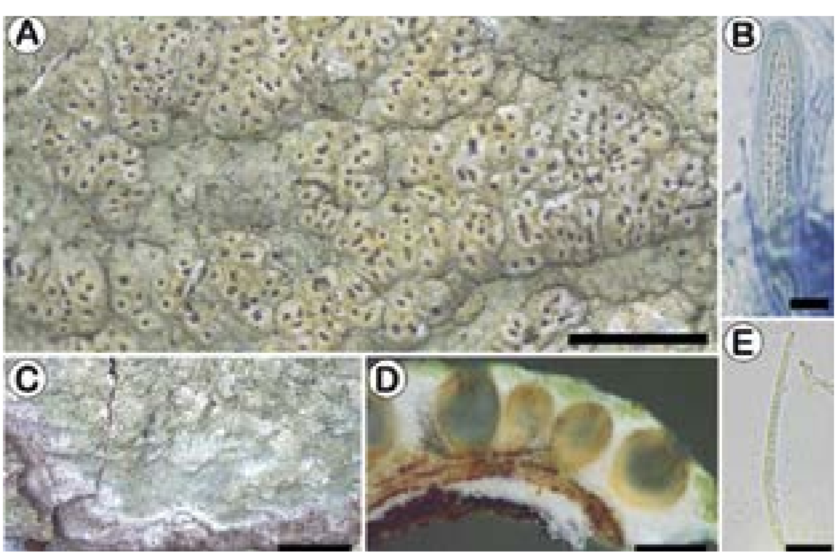

एन्टेरोग्रैफा स्पैरियाइ आर. अधिकारी, नायका व उप्रेति द लाइकेनोलॉजिस्ट 57: 191. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1800 मीटर की उंचाई पर टी एस्टेट क्षेत्र, तेनमलाई, इडुक्की जिला, केरल में मुनार के पास सड़क के किनारे *क्वेर्कस* वृक्ष से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप सीएसाईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण *एन्टेरोग्राफा* वंश पर योगदान के लिए डच शैवाकविज्ञ लॉरेंस बी. स्पैरियस को समर्पित है।

Enterographa sparrii R. Adhikari, Nayaka & Upreti, The Lichenologist 57: 191. 2025

This species has been discovered and described based on the collection made on the bark of *Quercus* trees, along roadside, near Munnar, Tea Estate Area, Thenmallay, Idukki District, Kerala at c. 1800 m altitude. Holotype and isotype are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This species is dedicated to Laurens B. Sparrius, a Dutch lichenologist, for his contribution to the genus *Enterographa.*

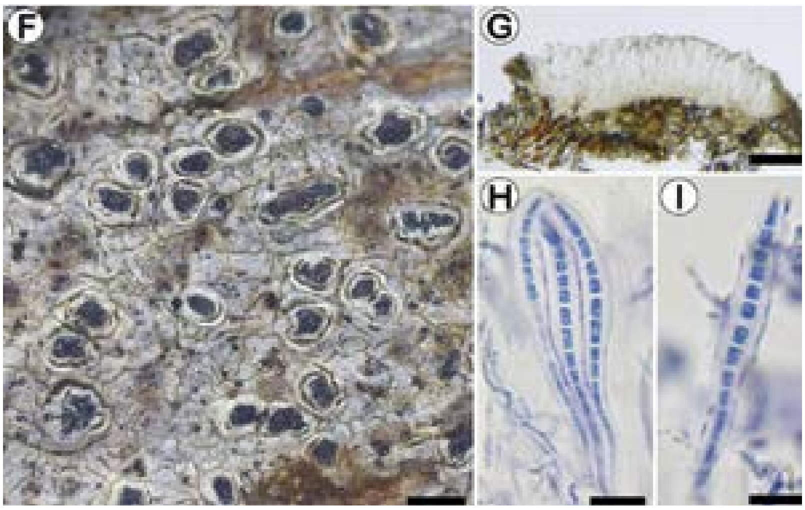

एन्टेरोग्रैफा सबकॉडेटा आर. अधिकारी, नायका व उप्रेति द लाइकेनोलॉजिस्ट 57: 191. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मोहनपुर, नदिया जिला, पश्चिम बंगाल के आईआईएसईआर कोलकाता परिसर में वृक्ष के छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'सबकॉडेटा' इसके *एन्टेरोग्राफा कॉडेटा* के साथ सादृश्य को दर्शाता है।

Enterographa subcaudata R. Adhikari, Nayaka & Upreti, The Lichenologist 57: 191. 2025

This species has been discovered and described based on the collection made on bark, IISER Kolkata Campus, Mohanpur, Nadia District, West Bengal. Holotype is deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The species epithet 'subcaudata' refers to its closeness to *Enterographa caudata.*

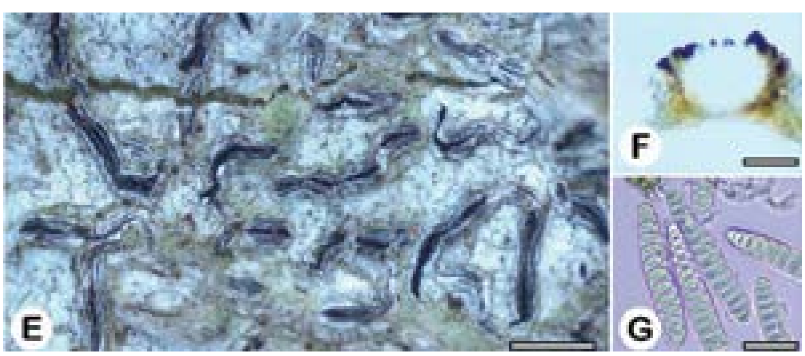

ग्रैफिस ऐल्बोथेलिना आर. अधिकारी व नायका, द ब्रायोलॉजिस्ट 128(3): 552. 2025 (ग्रैफिडेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2500-3000 मीटर की ऊंचाई पर कठलिया गांव, बागेश्वर जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके थैलस के स्पष्ट सफेद रंग पर आधारित है।

Graphis albothallina R.Adhikari & Nayaka, The Bryologist 128(3): 552. 2025 (Graphidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kathaliya Village, Bageshwar District, Uttarakhand at 2500–3000 m altitude. Holotype is deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The species epithet is based on the distinctly white colour of the thallus.

ग्रैफिस मोरिएन्सिस आर. अधिकारी व नायका, द ब्रायोलॉजिस्ट 128(3): 554. 2025 (ग्रैफिडेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1918 मीटर की ऊंचाई पर मोरी गांव, अल्मोड़ा जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्तिस्थल के नाम पर आधारित है।

Graphis moriensis R.Adhikari & Nayaka, The Bryologist 128(3): 554. 2025 (Graphidaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Mori Village, Almora District, Uttarakhand at 1918 m altitude. Holotype is deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The species epithet is based on the type locality.

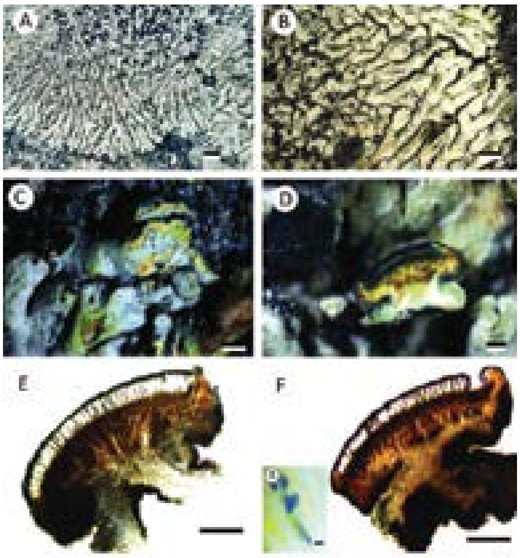

पिक्सिन जानकीयाइ ए. अनिल कुमार व सिक्वेरा, फाइटोटैक्सा 716(1): 66. 2025 (कैलीसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कराडिपारा, मथिकेट्टन शोला राष्ट्रीय उद्यान, इडुक्की जिला, केरल में 1780 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप महाराजा कॉलेज पादपालय, एर्नाकुलम, केरल (MCH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण वनस्पति विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. ई.के. जानकी अम्मल के सम्मान में किया गया है।

Pyxine janakiae A. Anilkumar & Sequiera, Phytotaxa 716(1): 66. 2025 (Caliciaceae)

This new species has been discovered and described based on collection madefrom Karadippara, Mathikettan Shola National Park, Idukki District, Kerala at 1780 m elevation. The holotype is deposited in Maharaja's College Herbarium, Ernakulam, Kerala (MCH). The species is named in honour of Dr. E.K. Janaki Ammal, for her outstanding contributions to Botany.

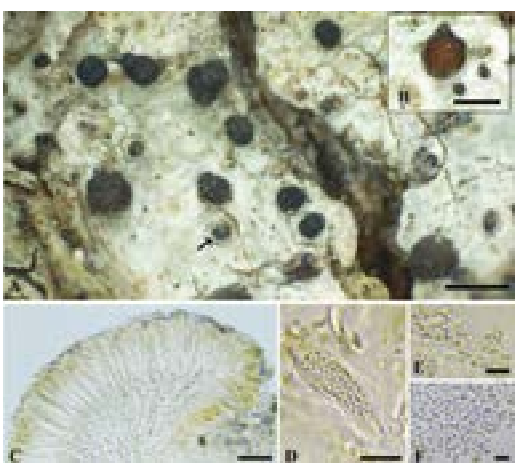

स्ट्रैंगोस्पोरा हिमालयाना विशाल कुमार, उप्रेती, नायक व वाई.पी. शर्मा, फाइटोटैक्सा 694(3): 296. 2025 (स्ट्रैंगोस्पोरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 2540 मी की ऊंचाई पर मरवाह, किश्तवार उच्च तुंगता राष्ट्रीय उद्यान, जम्मू और कश्मीर में छाल पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'हिमालय क्षेत्र' के नाम पर आधारित है।

Strangospora himalayana Vish. Kum., Upreti, Nayaka & Y.P. Sharma, Phytotaxa 694(3): 296. 2025 (Strangosporaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on bark, Marwah, Kishtwar High Altitude National Park, Kishtwar District, Jammu and Kashmir at 2540 m elevation. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet refers to the occurrence of the taxon in the Himalayan region.

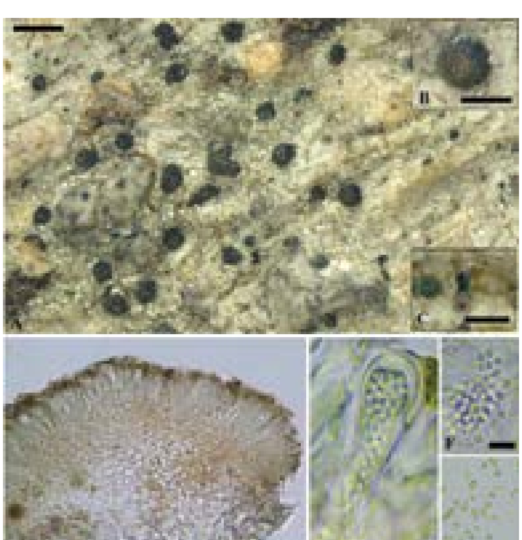

स्ट्रैंगोस्पोरा सबमोरीफॉर्मिस विशाल कुमार, इंगले, नायक, उप्रेती व वाई.पी. शर्मा, फाइटोटैक्सा 694(3): 298. 2025 (स्ट्रैंगोस्पोरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 340 मी की ऊंचाई पर भीमगोडा बैराज, हरिद्वार जिला, उत्तराखंड में छाल पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके *एस. मोरीफॉर्मिस* (ऐक.) स्टीन के साथ बहुत अधिक सादृश्य को दर्शाता है।

Strangospora submoriformis Vish. Kum., Ingle, Nayaka, Upreti & Y.P. Sharma, Phytotaxa 694(3): 298. 2025 (Strangosporaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on bark, near Bhimgoda Barrage, Haridwar District, Uttarakhand at 340m elevation. The holotype is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet refers to its close resemblance with *S. moriformis* (Ach.) Stein.

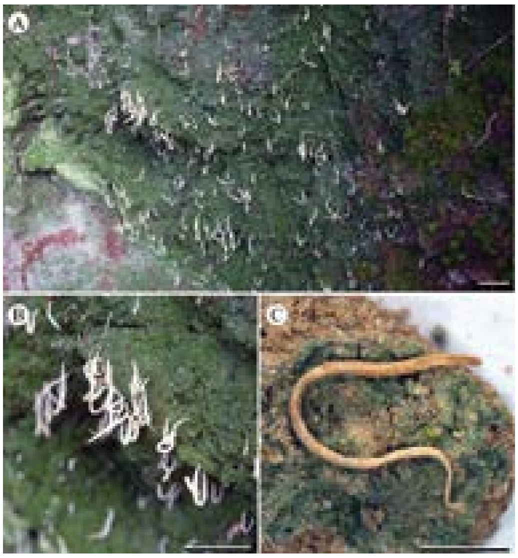

सल्ज़बैकेरोमाइसिस अरुणाचलेन्सिस ए. देबनाथ व नायका, फाइटोटैक्सा 683(3): 194. 2025 (लेपिडोस्ट्रोमैटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1133 मी की ऊंचाई पर खेनेवा, पूर्वी कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में सड़क के किनारे मिट्टी के टीले से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'अरुणाचल प्रदेश' के नाम पर आधारित है।

Sulzbacheromyces arunachalensis A. Debnath and Nayaka, Phytotaxa 683(3): 194. 2025 (Lepidostromataceae)

This new species has been discovered and described based on collection made on roadside soil Mound, Khenewa, East Kameng District, Arunachal Pradesh at 1133 m altitude. The holotype and isotype are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet refers to its type locality Arunachal Pradesh.

नवीन प्रभेद / New Variety

पॉलीकोकम रिनोडिनाइ प्रभेद **गैलिजीनम** वाई. जोशी व एस. बिष्ट, ताइवानिया 70(3): 474. 2025 (पॉलीकोकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 3787 मी की ऊंचाई पर गमशाली गांव, चमोली जिला, उत्तराखंड में गमशाली बुग्याल के रास्ते में शिलावासी *रिनोडिना* प्रजाति से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इस प्रभेद का नामकरण इसकी पिटिका के प्रेणन की विशेषता को दर्शाता है।

Polycoccum rinodinae var. **galligenum** Y. Joshi & S. Bisht, Taiwania 70(3): 474. 2025 (Polycoccaceae)

This new variety has been discovered and described based on collection made fromon saxicolous *Rinodina* sp., in route to Gamsali Bugyal, Gamsali Village, Chamoli District, Uttarakhand at 3787 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). The varietal epithet refers to the induction of galls.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

नवीन वंशगत अभिलेख / New Genus Record

बैगलीटोआ ए. मस्साल. (वेरुकैरिऐसी)

इस शैवाक वंश का वर्णन भारत में पहली बार *बी. बाल्डेन्सिस* (ए. मस्साल.) विज़्दा, *बी.कैल्सिसेडा* (डीसी) गुएदन व क्ल. राउक्स और *बी. लिम्बोरियोइडीज* ए. मस्साल. के आधार पर किया गया है। इसे विशाल कुमार, दलीप कुमार उप्रेती, संजीव नायका, यश पाल शर्मा ने फेडेस रेपर्ट. 136(1): 2. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bagliettoa A. Massal. (Verrucariaceae)

The lichen genus *Bagliettoa* A. Massal. is being reported for the first time from India, based on *B. baldensis* (A. Massal.) Vezda, *B. calciseda* (DC.) Gueidan & Cl. Roux and *B. limborioides* A. Massal. It has been published by Vishal Kumar, Dalip Kumar Upreti, Sanjeeva Nayaka, Yash Pal Sharma in Feddes Repert. 136(1): 2. 2025.

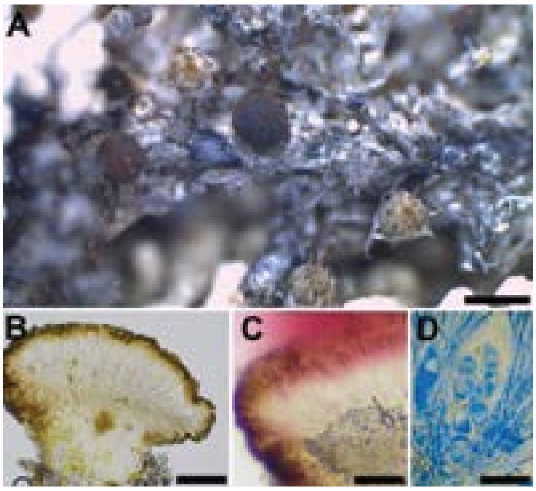

ब्रायोप्लेका सोक्टिंग, फ्रोडेन व अरूप (टेलोसिस्टेसी)

इस शैवाक वंश का वर्णन भारत में पहली बार *बी. टेट्रास्पोरा* के आधार पर किया गया है। इसे राकेश अधिकारी व संजीव नायका ने क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एंड ऐसेस्टमेंट 9(1): 6. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bryoplaca Søchting, Frödén & Arup (Teloschistaceae)

The lichen genus *Bryoplaca* is recorded for the first time from India, which is represented by *B. tetraspora*. It has been published by Rakesh Adhikari & Sanjeeva Nayaka in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 6. 2025

स्ट्रैंगोस्पोरा कॉर्बर

इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार किश्तवार जिला, जम्मू और कश्मीर में *स्ट्रैंगोस्पोरा हिमालयाना* विशाल कुमार, उप्रेती, नायका व वाई.पी. शर्मा तथा हरिद्वार जिला, उत्तराखंड में *स्ट्रैंगोस्पोरा सबमोरीफॉर्मिस* विशाल कुमार, इंगले, नायक, उप्रेती व वाई.पी. शर्मा से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति को विशाल कुमार, कोमल कुमार इंग्ले, दलीप कुमार उप्रेती, संजीव नायक व यशपाल शर्मा ने फाइटोटैक्सा 694(3): 296, 298. 2025 में प्रकाशित किया है।

Strangospora Körb

The genus has been reported for the first time from India based on *Strangospora himalayana* Vish. Kum., Upreti, Nayaka & Y.P. Sharma collected from Kishtwar District, Jammu &Kashmir and *Strangospora submoriformis* Vish. Kum., Ingle, Nayaka, Upreti & Y.P. Sharma collected from Haridwar District, Uttarakhand. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Vishal Kumar, Komal Kumar Ingle, Dalip Kumar Upreti, Sanjeeva Nayaka & Yash Pal Sharma in Phytotaxa 694(3): 296, 298. 2025.

नवीन प्रजातिगत अभिलेख / New Species Record

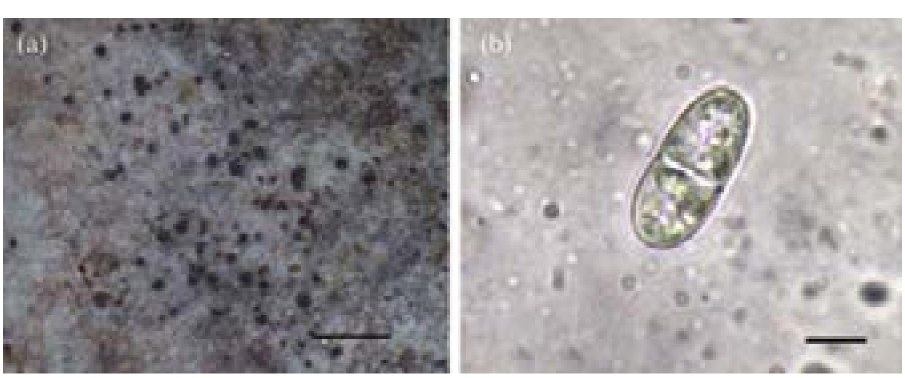

एक्रोकॉर्डिया कोनॉइडिया (फ्र.) क्रब.

पूर्वत: उत्तरी गोलार्द्ध के शीतोष्ण कटिबंधीय क्षेत्र, ब्रिटेन, यूरोप और यू.एस.ए. से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 263 - 353 मीर की ऊंचाई पर पंजाब राज्य के अलग-अलग जिलों में वृक्ष की छाल पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे नैन्सी, पूजा मौर्य, आस्था भाटिया व गौरव के. मिश्रा ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(32): 4. 2025 में प्रकाशित किया है।

Acrocordia conoidea (Fr.) Krb.

The species earlier known from temperate regions of the Northern Hemisphere, Britain, Europe, and the U.S.A. has been reported for the first time from India based on the collection made from different districts of Punjab State and found growing on bark at an elevation of 263–353 m. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Naincy, Pooja Maurya, Astha Bhatia & Gaurav K. Mishra in Biology Bulletin 52(32): 4. 2025.

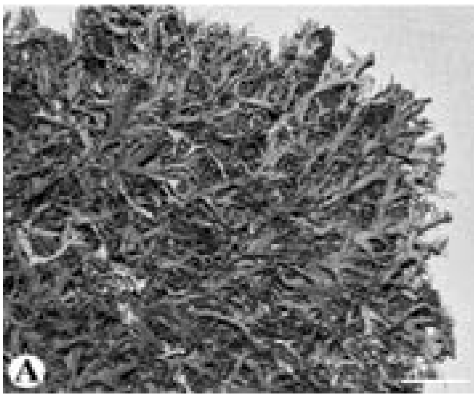

ऐनाप्टीकिया क्राइनैलिस (श्लीचर के बाद शेरेर) विज़्दा के बाद जे. नोवाक (फाइसिएसी)

पूर्वत: उत्तरी अमेरिका में, उत्तरी कैलिफोर्निया से अलास्का तक, न्यूफाउंडलैंड, न्यू इंग्लैंड और ग्रेट लेक्स क्षेत्र से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जम्मू और कश्मीर के अलग-अलग स्थानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य व गौरव के. मिश्रा ने नोवा हेडविजिया 121(1-2): 157. 2025 में प्रकाशित किया है।

Anaptychia crinalis (Schleich. ex Schaer.) Vězda ex J. Nowak (Physciaceae)

The species earlier known from North America, from northern California to Alaska, Newfoundland, New England and the Great Lakes area has been reported for the first time from India based on the collection made from different locations of Jammu and Kashmir. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG, LWG-AWAS, LWG-LWU). This has been published by Pooja Maurya & Gaurav K. Mishra in Nova Hedwigia 121(1-2): 157. 2025.

ऐनाप्टीकिया एल्बर्जियाना (साताला) पोएल्ट (फाइसिएसी)

पूर्वत: पश्चिमी उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी एशिया और मध्य यूरेशिया तथा तुर्की से लेकर पश्चिमी चीन तक के शुष्क भागों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2800 मी की ऊंचाई पर जुम्मा, चमोली जिला, उत्तराखंड में मिट्टी पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य व गौरव के. मिश्रा ने नोवा हेडविजिया 121(1-2): 158. 2025 में प्रकाशित किया है।

Anaptychia elbursiana (Szatala) Poelt (Physciaceae)

The species earlier known from semi-arid to arid parts of Western North America, Western Asia, and Central Eurasia, from Turkey to Western China has been reported for the first time from India based on the collection made from Jumma, Chamoli District, Uttarakhand, at 2800 m altitude, on soil. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pooja Maurya & Gaurav K. Mishra in Nova Hedwigia 121(1-2): 158. 2025.

ऐनाप्टीकिया इथियोपिका स्विंसको व क्रोग (फाइसिएसी)

पूर्वत: पूर्वी अफ्रीका के इथियोपिया पहाड़ों और चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जम्मू और कश्मीर के अलग-अलग स्थानों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG, LWG-LWU) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य व गौरव के. मिश्रा ने नोवा हेडविजिया 121(1-2): 158. 2025 में प्रकाशित किया है।

Anaptychia ethiopica Swinscow & Krog (Physciaceae)

The species earlier known from mountains of Ethiopia of East Africa and China has been reported for the first time from India based on the collection made from different locations of Jammu and Kashmir. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG, LWG-LWU). This has been published by Pooja Maurya & Gaurav K. Mishra in Nova Hedwigia 121(1-2): 158. 2025.

ऐनाप्टीकिया रोमेरी पोएल्ट (फाइसिएसी)

पूर्वत: काकेशस और मध्य एशिया के शुष्क पर्वतीय क्षेत्रों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार 3932 मी की ऊंचाई पर हेमिस (मिट्टी पर) में और हेमिस राष्ट्रीय उद्यान, रुंबक घाटी, हुसिंग, लेह जिला (चट्टानों पर), लद्दाख से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य व गौरव के. मिश्रा ने नोवा हेडविजिया 121(1-2): 160. 2025 में प्रकाशित किया है।

Anaptychia roemeri Poelt (Physciaceae)

The species earlier known from arid mountainous regions of the Caucasus and Central Asia has been reported for the first time from India based on the collection made from Hemis, at 3932 m altitude (on soil), and from Hemis National Park, Rumbak valley, Husing, Leh District (on rocks), Ladakh. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pooja Maurya & Gaurav K. Mishra in Nova Hedwigia 121(1-2): 160. 2025.

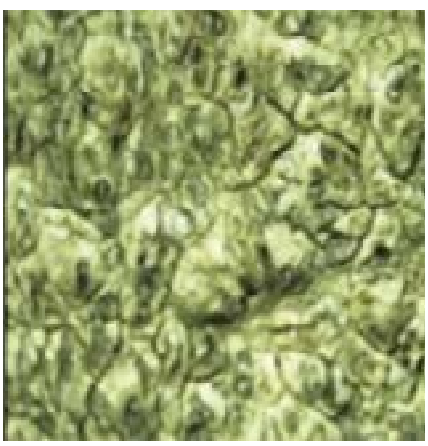

आर्थोनिया सेक्सलोकुलैरिस जहलब्रुकनर (आर्थोनिएसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कच्छ की खाड़ी, गुजरात में समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) के भाग समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और समुद्री अभयारण्य से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे भास्कर पुंजानी, जयेश रावल, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एन्ड ऐसेसमेंट 9(1): 11. 2025 में प्रकाशित किया है।

Arthonia sexlocularis Zahlbr. (Arthoniaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Marine National Park and Sanctuary (MNPS), part of the MPA along the Gulf of Kachchh, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Bhasker Punjani, Jayesh Raval, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 11. 2025.

आर्थोनिया स्टीलैरिस क्रेम्प.

पूर्वतः दक्षिण कोरिया, समशीतोष्ण यूरोप (नॉर्वे, इटली, ब्रिटेन, आयरलैंड, स्कॉटलैंड), मैकरोनेशिया (पुर्तगाल) और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार धाबा, जामनगर जिला, गुजरात से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे कोमल कुमार इंग्ले, सिल्जो जोसेफ, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने नेश. एकेड साई. लेट. 48: 115. 2025 में प्रकाशित किया है।

Arthonia stellaris Kremp.

The species earlier known from South Korea, Temperate Europe (Norway, Italy, Britain, Ireland, Scotland), Macaronesia (Portugal) and North America has been reported for the first time from India based on the collection made from Dhaba, Jamnagar District, Gujarat. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Komal Kumar Ingle, Siljo Joseph, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Natl. Acad. Sci. Lett. 48: 115. 2025.

आर्थोनिया वेरिया (ऐकेरियस) नाइलैंडर (आर्थोनिएसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कच्छ की खाड़ी, गुजरात में समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) के भाग समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और समुद्री अभयारण्य से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे भास्कर पुंजानी, जयेश रावल, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एन्ड ऐसेसमेंट 9(1): 11. 2025 में प्रकाशित किया है।

Arthonia varia (Ach.) Nyl. (Arthoniaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Marine National Park and Sanctuary (MNPS), part of the MPA along the Gulf of Kachchh, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Bhasker Punjani, Jayesh Raval, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 11. 2025.

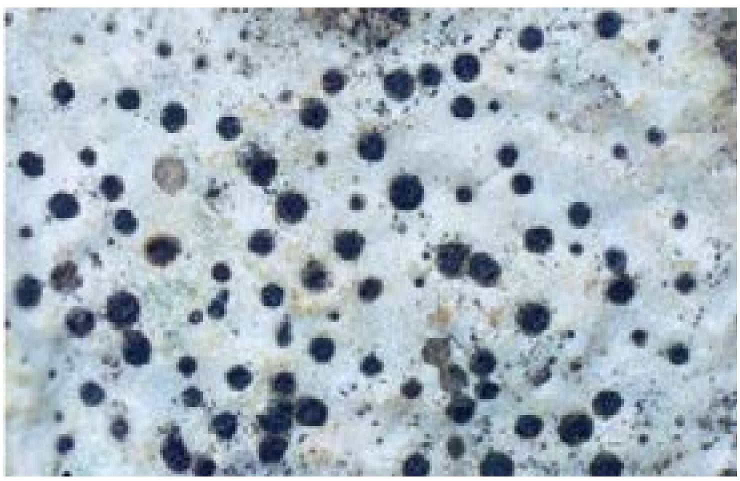

बैगलीटोआ बाल्डेन्सिस (ए. मस्साल.) विज़्दा (वेरुकैरिऐसी)

पूर्वत: ब्रिटेन और आयरलैंड, स्वीडन, मध्य और दक्षिण यूरोप, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पोलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार अट्ठा मोड़, नैनीताल जिला, उत्तराखंड में केनफील्ड हॉस्टल के रास्ते में चट्टानों से तथा 1985 मी की ऊंचाई पर करोल टिब्बा, पांडव गुफा, सोलन जिला, हिमाचल प्रदेश से किए गए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे विशाल कुमार, दलीप कुमार उप्रेती, संजीव नायका व यश पाल शर्मा ने फेडस रेपर्ट. 136(1): 2. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bagliettoa baldensis (A. Massal.) Vězda (Verrucariaceae)

The species earlier known from Britain and Ireland, Sweden, Central and South Europe, Australia, New Zealand, Poland has been reported for the first time from India based on the collection made from rocks collected on way to Kenfield Hostel, Attha Mod, Nainital District, Uttarakhand and from Karal Tibba, Pandav Cave, Solan District, Himachal Pradesh at 1985 m elevation. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Vishal Kumar, Dalip Kumar Upreti, Sanjeeva Nayaka, Yash Pal Sharma in Feddes Repert. 136(1): 2. 2025.

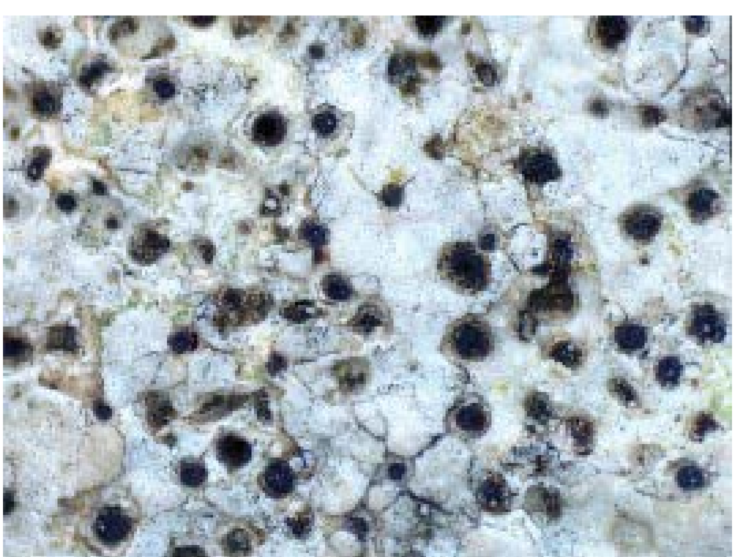

बैगलीटोआ कैल्सिसेडा (डीसी.) गुएदन व क्ल. राउक्स

पूर्वत: न्यूजीलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, मध्य और दक्षिणी यूरोप, अफ्रिका, एरिजोना और एशिया, जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, और इंग्लैण्ड, अर्मेनिया, तुर्की और पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अलग-अलग स्थानों से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे विशाल कुमार, दलीप कुमार उप्रेती, संजीव नायका व यश पाल शर्मा ने फेडस रेपर्ट. 136(1): 3. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bagliettoa calciseda (DC.) Gueidan & Cl. Roux (Verrucariaceae)

The species earlier known from New Zealand, Sweden, Norway, Finland, Central and southern Europe, Africa, Arizona and Asia, Germany, France, United Kingdom, and England, Armenia, Turkey and Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from different locations of Himachal Prades and Uttarakhand. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Vishal Kumar, Dalip Kumar Upreti, Sanjeeva Nayaka, Yash Pal Sharma in Feddes Repert. 136(1): 3. 2025.

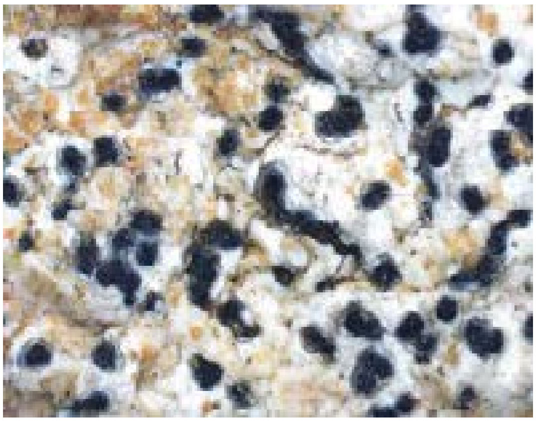

बैगलीटोआ लिम्बोरिओइडीज ए. मस्साल. (वेरुकैरिऐसी)

पूर्वत: आस्ट्रिया, क्रोएशिया, जर्मनी, और इटली से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3200 मी की ऊंचाई पर किब्बर नाला, किश्तवाड़ हाई एल्टीट्यूड नेशनल पार्क, किश्तवाड़ जिला, जम्मू-कश्मीर में चट्टानों पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे विशाल कुमार, दलीप कुमार उप्रेती, संजीव नायका व यश पाल शर्मा ने फेडस रेपर्ट. 136(1): 3. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bagliettoa limborioides A. Massal. (Verrucariaceae)

The species earlier known from Austria, Croatia, Germany, and Italy has been reported for the first time from India based on the collection made from Kibber Nallah, Kishtwar High Altitude National Park, Kishtwar District, Jammu and Kashmir, on rocks, at 3200 m elevation. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Vishal Kumar, Dalip Kumar Upreti, Sanjeeva Nayaka, Yash Pal Sharma in Feddes Repert. 136(1): 4. 2025.

ब्रायोप्लेका टेट्रास्पोरा (नाइलैंडर) सोक्टिंग, फ्रोडेन व अरूप (टेलोसिस्टेसी)

पूर्वत: अंटार्कटिका, डेनमार्क, फ्रांस, आस्ट्रिया, जर्मनी, इटली, स्विट्जरलैंड, उत्तरी अमेरिका, रूस, स्वालबार्ड और तिब्बत से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3800 मी की ऊंचाई पर बागेश्वर जिला, उत्तराखंड में मैकटोली ग्लेशियर बेस कैम्प में मॉस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे राकेश अधिकारी व संजीव नायका ने क्रिप्टोगैम बायोडायवर्सिटी एन्ड असेस्मेंट 9(1): 6. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bryoplaca tetraspora (Nyl.) Søchting, Frödén & Arup (Teloschistaceae)

The species earlier known from Antarctica, Denmark, France, Austria, Germany, Italy, Switzerland, North America, Russia, Svalbard and Tibet has been reported for the first time from India based on the collection made on moss from Maiktoli Glacier Base Camp, Bageshwar District, Uttarakhand at 3800 m elevation. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Rakesh Adhikari & Sanjeeva Nayaka in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 6. 2025.

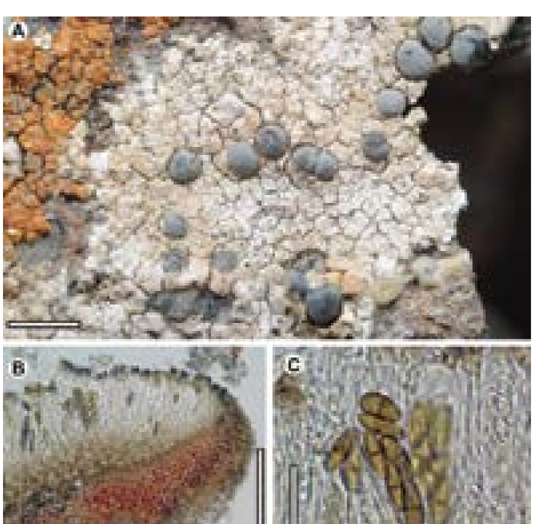

बुईलिया सिनैबारिना यू. ग्रूब. (कैलिसिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार चतुश्रृंगी पहाड़ी, पुणे शहर, महाराष्ट्र में 560 मी की ऊंचाई पर और पार्वती नदी घाटी, हिमाचल प्रदेश में मणिकरण से पुलगा के रास्ते में पार्वती सेतु से ठीक पहले 1950 मी की ऊंचाई पर चट्टान पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश (LWG-LWU) के प्रतिरूप सहित अन्य प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति को रोशनी कुमार न्गांगोम, संजीव नायक, सतीश मोहबे व ए. मधुसूधना रेड्डी ने फाइटोटैक्सा 681 (3): 271. 2025 में प्रकाशित किया है।

Buellia cinnabarina U. Grube. (Caliciaceae)

The species earlier known from the Australia has been reported for the first time from India based on the collection made on rock, Chatushrungi Hill, Pune City, Maharashtra at 560 m. altitude and on way to Pulga from Manikaran just before bridge on Parbati, Parbati River Valley, Himachal Pradesh at 1950 m altitude. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) including specimens from Botany Department, University of Lucknow, Uttar Pradesh (LWG-LWU). It has been published by Roshinikumar Ngangom, Sanjeeva Nayaka, Satish Mohabe & A. Madhusudhana Reddy in Phytotaxa 681 (3): 271. 2025.

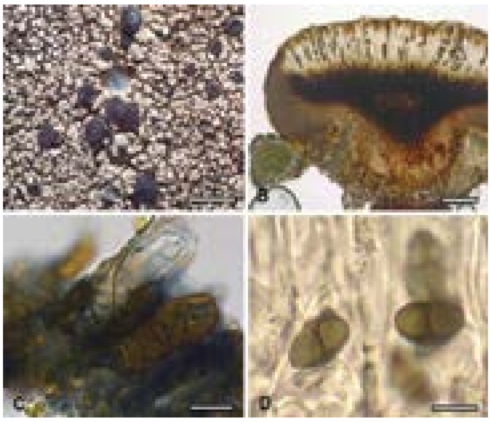

बुईलिया पैपीलोसा मुलर आर्गोविएंसिस (कैलीसिएसी)

पूर्वत: पैराग्वे और अल्बर्टा से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1585 मी की ऊंचाई पर बागेश्वर जिला, उत्तराखंड में सोंग से लोहारखेत के रास्ते में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे नेहा पाल, राकेश सिंह अधिकारी, रोशिनी कुमार न्गांगोम, संजीव नायका व प्रेम प्रकाश ने कवका 61(4): 141. 2025 में प्रकाशित किया है।

Buellia papillosa Müll. Arg. (Caliciaceae)

The species earlier known from Paraguay and Alberta has been reported for the first time from India based on the collection made en route to Loharkhet from Saung, Bageshwar District, Uttarakhand at 1585 m altitude. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Neha Pal, Rakesh Singh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Sanjeeva Nayaka & Prem Prakash in KAVAKA 61(4): 141. 2025.

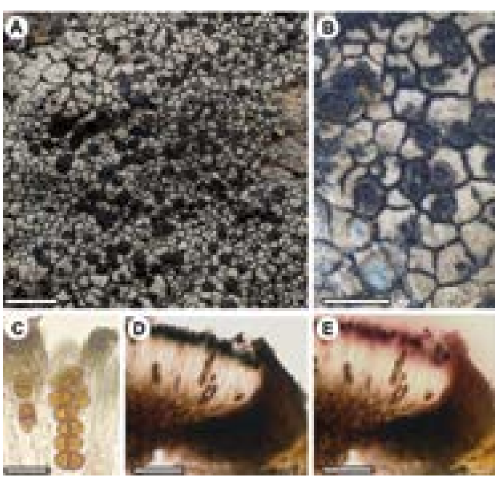

बुईलिया स्पूरिया (स्कैरर) ऐंजी. (कैलिसिएसी)

पूर्वतः उत्तरी, दक्षिणी और पूर्वी गोलार्ध से एक प्रकार की सिलिका युक्त चट्टान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार लगभग 500 से 1600 मी की ऊंचाई के बीच उष्णकटिबंधीय से उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है और यह *ऐस्पिसिलिया* और *लेकैनोरा* प्रजातियों के साथ उगती हुई पाई गई। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति को रोशनी कुमार न्गांगोम, संजीव नायक, सतीश मोहबे व ए. मधुसूधना रेड्डी ने फाइटोटैक्सा 681 (3): 272. 2025 में प्रकाशित किया है।

Buellia spuria (Schaer.) Anzi. (Caliciaceae)

The species earlier known on a variety of siliceous rock from Northern Hemisphere, southern and eastern hemisphere has been reported for the first time from India based on the collection made from tropical to subtropical regions between elevation 500 to 1600 m and found growing along with species of *Aspicilia* and Lecanora. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) including specimens from Botany Department, University of Lucknow, Uttar Pradesh (LWG-LWU). It has been published by Roshinikumar Ngangom, Sanjeeva Nayaka, Satish Mohabe & A. Madhusudhana Reddy in Phytotaxa 681 (3): 272. 2025.

बल्बोथ्रिक्स सिनेरिआ मार्सेली व काल्ब

पूर्वतः ब्राज़ील से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 472 मी की ऊंचाई पर लोअर कोडयार, कन्याकुमारी वन्यजीव अभयारण्य, अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिजर्व, कन्याकुमारी जिला, तमिलनाडु में कोडयार नदी के किनारे चट्टानों पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस प्रजाति को जॉर्ज एन. मैथ्यू व टी.ए.एम. जगदीश राम ने नीलम्बो 67(1): 19. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bulbothrix cinerea Marcelli & Kalb

The species earlier known from Brazil has been reported for the first time from India based on the collections made on rocks along Kodayar River, Lower Kodayar, Kanyakumari Wildlife Sanctuary, Agasthyamalai Biosphere Reserve, Kanyakumari District, Tamil Nadu at elev. 472 m. This has been published by George N. Mathew & T.A.M. Jagadeesh Ram in Nelumbo 67(1): 19. 2025.

कोइनोगोनियम ल्यूकिंगाई वाई. जोशी, गगारिना, जे.पी. हल्दा व हूर (कोइनोगोनिएसी)

पूर्वतः दक्षिण कोरिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुंद्रतल से 3900 मी की ऊंचाई पर केरल विश्वविद्यालय परिसर, कारियावट्टम, तिरुवनंतपुरम, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति को राकेश सिंह अधिकारी, रोशनी कुमार न्गांगोम, सुपर्णा बिश्वास, रेबेका दैमारी व संजीव नायका ने नॉर्डिक जे. बॉट. ई04376. 2025 में प्रकाशित किया है।

Coenogonium lueckingii Y. Joshi, Gagarina, J.P. Halda & Hur (Coenogoniaceae)

The species earlier known from South Korea has been reported for the first time from India based on the collections made from Kerala University Campus, Karyavattom, Thiruvananthapuram, Kerala at 40 m a.s.l. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Rakesh Singh Adhikari, Roshini kumar Ngangom, Suparna Biswas, Rebecca Daimari, Sanjeeva Nayaka in Nordic J. Bot. e04376. 2025.

कोइनोगोनियम पिनेटी (श्रैडर के बाद ऐकेरियस) ल्यूकिंग व लुम्बश (कोइनोगोनिएसी)

पूर्वतः समशीतोष्ण क्षेत्रों से और कभी-कभार उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 2440 मी की ऊंचाई पर बागेश्वर जिला, उत्तराखंड में खाती गांव से जटोली के रास्ते में तथा समुद्रतल से 2000-2700 मी की ऊंचाई पर धाकुरी और जटोली के बीच सुंदरढुंगा ग्लेशियर के रास्ते में किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति को राकेश सिंह अधिकारी, रोशनीकुमार न्गांगोम, सुपर्णा बिश्वास, रेबेका दैमारी व संजीव नायका ने नॉर्डिक जे. बॉट. ई04376. 2025 में प्रकाशित किया है।

Coenogonium pineti (Schrad. ex Ach.) Lucking and Lumbsch (Coenogoniaceae)

The species earlier known from temperate regions of the world and rarely from tropics has been reported for the first time from India based on the collections made en route to Jatoli from Khati Village at 2440 m a.s.l. and en toute to Sunderdhunga Glacier, Between Dhakuri and Jatoli at 2000-2700 m a.s.l., Bageshwar District, Uttarakhand. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Rakesh Singh Adhikari, Roshinikumar Ngangom, Suparna Biswas, Rebecca Daimari, Sanjeeva Nayaka in Nordic J. Bot. e04376. 2025.

डिरिना इमर्सा मुलर आर्गोविएंसिस

पूर्वतः चीन, यूरोप, यूएसए और यमन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार भादु, पोशीत्रा, ओखामंडल तालुका और असोटा, जामनगर जिला, गुजरात से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे कोमल कुमार इंग्ले, सिल्जो जोसेफ, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने नेश. एकेड साई. लेट. 48: 117. 2025 में प्रकाशित किया है।

Dirina immersa Mull. Arg.

The species earlier known from China, Europe, USA and Yemen has been reported for the first time from India based on the collections made from Bhadu, Poshitra, Okhamandal Taluka and Asota, Kalyanpur Taluka, Jamnagar district, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Komal Kumar Ingle, Siljo Joseph, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Natl. Acad. Sci. Lett. 48: 117. 2025.

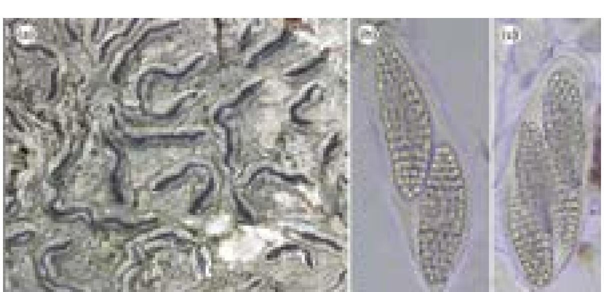

ग्रैफिस ऐन्टिलेरम वैनिनो

पूर्वत: ग्वाडेलूप, डोमिनिका, फ्लोरिडा, सेंट लूसिया, ब्राजील, इक्वाडोर और नेपाल से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2396 मी की ऊंचाई पर सत्री बीट, बिनसर वन्यजीव अभ्यारण्य, अल्मोड़ा जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे नेहा पाल, राकेश अधिकारी, संजीव नायका व प्रेम प्रकाश ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(33): 2. 2025 में प्रकाशित किया है।

Graphis antillarum Vain.

The species earlier known from Guadeloupe, Dominica, Florida, Saint Lucia, Brazil, Ecuador and Nepal has been reported for the first time from India based on the collection made from Satri Beat, Binsar Wildlife Sanctuary, Almora District, Uttarakhand at 2396 m elevation. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Neha Pal, Rakesh Adhikari, Sanjeeva Nayaka & Prem Prakash in Biology Bulletin 52(33): 2. 2025.

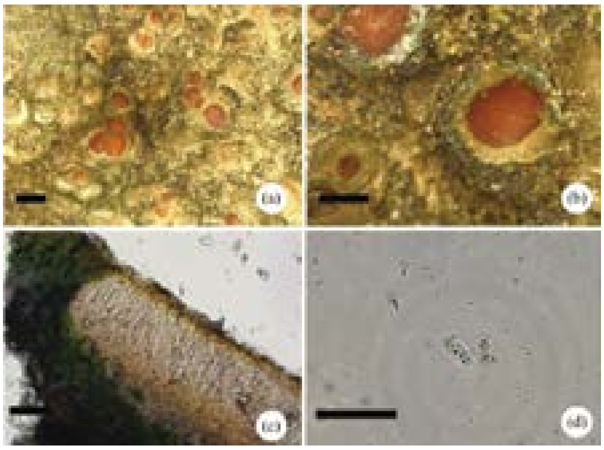

हेपिया एग्लूटिनेटा ए. मस्साल.

पूर्वत: ब्राजील, कनाडा, चेकिया, डॉमिनिकन रिपब्लिक, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीक, इटली, मेक्सिको, नामिबिया, नॉर्वे, रसियन फेडरेशन, दक्षिण अफ्रिका, स्पेन, स्वीडन, स्वीट्ज़रलैंड, ट्यूनीशिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और संयुक्त राज्य अमेरिका के छोटे दूरस्थ द्वीपों से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 416 मी की ऊंचाई पर चंबल के बीहड़, बरौली, इटावा जिला, उत्तर प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे संजीव नायका, गौरव के. मिश्रा, शिवेंद्र पी. सिंह व आदर्श द्विवेदी ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(257): 4. 2025 में प्रकाशित किया है।

Heppia adglutinata A. Massal.

The species earlier known from Brazil, Canada, Czechia, Dominican Republic, France, Germany, Greece, Italy, Mexico, Namibia, Norway, Russian Federation, South Africa, Spain, Sweden, Switzerland, Tunisia, United States of America and United States of Minor Outlying Islands has been reported for the first time from India based on the collection made from Chambal Ravines, Barauli, Etawah District, Uttar Pradesh at 416 m altitude. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Sanjeeva Nayaka, Gaurav K. Mishra, Shivendra P. Singh & Adarsh Dwivedi in Biology Bulletin 52(257): 4. 2025.

हाइपोट्रेकाइना मेजरिस (वेनियो) हेल

पूर्वतः मेडागास्कर, नेपाल, पापुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1325 मी की ऊंचाई पर अपर कोडयार, कलक्कड़-मुंडनथुराई टाइगर रिज़र्व, तिरुनेलवेली जिला, अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिजर्व, तमिलनाडु से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रजाति को जॉर्ज एन. मैथ्यू व टी.ए.एम. जगदीश राम ने नीलम्बो 67(1): 20. 2025 में प्रकाशित किया है।

Hypotrachyna majoris (Vain.) Hale

The species earlier known from Madagascar, Nepal, Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on the collections made from Upper Kodayar, Kalakad- Mudanthurai Tiger Reserve, Tirunelveli District, Agasthyamalai Biosphere Reserve, Tamil Nadu at elev. 1325 m. This has been published by George N. Mathew & T.A.M. Jagadeesh Ram in Nelumbo 67(1): 20. 2025.

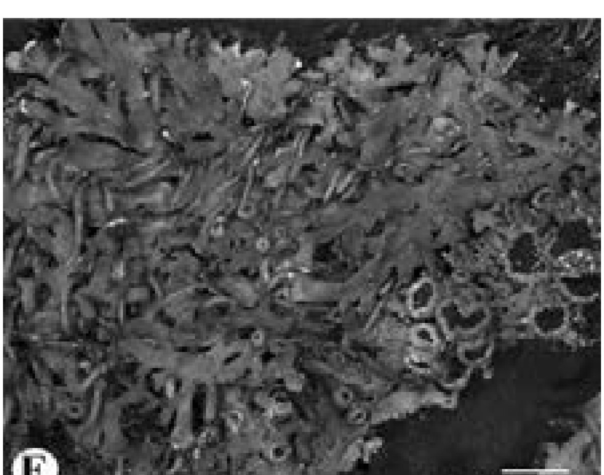

कुरोकाविया पामुलेटा (मीशो) एस. वाई. कोंड्रात्युक (फाइसिएसी)

पूर्वत: उत्तरी अमेरिका से लेकर पूर्वी एशिया तक ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3400 मी की ऊंचाई पर नंदा देवी वन्यजीव अभयारण्य, लांचा थैली, चमोली जिला, उत्तराखंड में चट्टान पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे पूजा मौर्य व गौरव के. मिश्रा ने नोवा हेडविजिया 121(1-2): 163. 2025 में प्रकाशित किया है।

Kurokawia palmulata (Michx.) S.Y. Kondr. (Physciaceae)

The species earlier known from North America to Eastern Asia has been reported for the first time from India based on the collection made on way to Nanda Devi Biosphere Reserve, Ladncha Thaili, Chamoli District, Uttarakhand, at 3400 m altitude, on rock. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pooja Maurya & Gaurav K. Mishra in Nova Hedwigia 121(1-2): 163. 2025.

लेकैनोग्रैफा लिंसिया (स्मिथ.) एजिया व टोरंटे

पूर्वतः इटली, स्पेन, डेनमार्क, स्वीडेन, कोलंबिया, मेक्सिको, यूएसए और यमन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार भेसबीड, मुंडेगा और पाथापीर द्वीप, समुद्री राष्ट्रीय उद्यान, जामनगर जिला, गुजरात से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे कोमल कुमार इंग्ले, सिल्जो जोसेफ, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने नेश. एकेड साईं. लेट. 48: 117. 2024 में प्रकाशित किया है।

Lecanographa lyncea (Sm.) Egea & Torrente

The species earlier known from Italy, Spain, Denmark, Sweden, Colombia, Mexico, USA and Yemen has been reported for the first time from India based on the collections made from Bhesbid, Mundega and Pathapir Islands, Marine National Park, Jamnagar District, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Komal Kumar Ingle, Siljo Joseph, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Natl. Acad. Sci. Lett. Natl. Acad. Sci. Lett. 48: 117. 2024.

लेकैनोग्रैफा लिन्सियोइडीज (मुलर आर्गोविएंसिस) इजीया व टोरेंटे (लेकैनोग्रैफेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कच्छ की खाड़ी, गुजरात में समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) के भाग समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और समुद्री अभयारण्य से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे भास्कर पुंजानी, जयेश रावल, संजीव नायका व व दलीप कुमार उप्रेती ने क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एन्ड ऐसेसमेंट 9(1): 12. 2025 में प्रकाशित किया है।

Lecanographa lynceoides (Müll. Arg.) Egea & Torrente (Lecanographaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Marine National Park and Sanctuary (MNPS), part of the MPA along the Gulf of Kachchh, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Bhasker Punjani, Jayesh Raval, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 12. 2025.

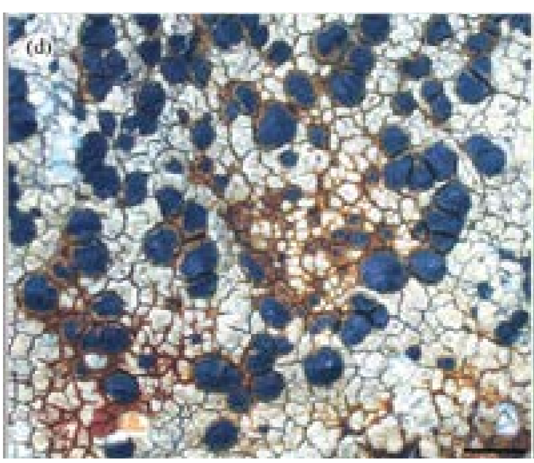

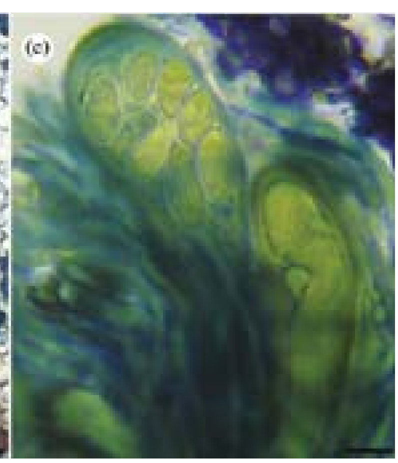

लेसीडिया लैक्टिया फ्लॉर्क के बाद शेरर

पूर्वतः एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, चीन, रोमानिया, पॉलैंड और स्पेन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3800 मी की ऊंचाई पर मैकटोली ग्लेशियर बेस कैम्प, बागेश्वर जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे नेहा पाल, राकेश अधिकारी, संजीव नायका व प्रेम प्रकाश ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(33): 2. 2025 में प्रकाशित किया है।

Lecidea lactea Flörke ex Schaer.

The species earlier known from Asia, Europe, North America, China, Romania, Poland and Spain has been reported for the first time from India based on the collection made from Maiktoli Glacier Base Camp, Bageshwar District, Uttarakhand at 3800 m elevation. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Neha Pal, Rakesh Adhikari, Sanjeeva Nayaka & Prem Prakash in Biology Bulletin 52(33): 2. 2025.

लेप्रैन्था सिनेरियोप्रुइनासा (शेरर) कोर्ब.

पूर्वतः आस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, पोलैंड, नॉर्वे और स्वीडन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार खिजड़िया पक्षी अभयारण्य, समुद्री राष्ट्रीय उद्यान, जामनगर जिला, गुजरात से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे कोमल कुमार इंग्ले, सिल्जो जोसेफ, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने नेश. एकेड साईं. लेट. 48: 117. 2024 में प्रकाशित किया है।

Leprantha cinereopruinosa (Schaer.) Korb.

The species earlier known from Australia, South Korea, Germany, Poland, Norway and Sweden has been reported for the first time from India based on the collection made from Khijadiya Bird Sanctuary, Marine National Park, Jamnagar District, Gujarat. The specimen is deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Komal Kumar Ingle, Siljo Joseph, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in National Natl. Acad. Sci. Lett. 48: 117. 2024.

लेत्रूईशिया स्पाइरेलिस हाफेलनर (ब्रिगेन्टीएसी)

पूर्वत: मध्य और दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत से पहली बार 1304 मीटर की ऊंचाई पर अपर कोडयार, कलक्काड़-मुंडनतुरई टाइगर रिजर्व, तिरुनेलवेली जिला, अगस्त्यमलाई वन्यजीव अभयारण्य, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे जॉर्ज एन मैथ्यू और जगदीश राम ने इंडियन ज. फोरेस्ट 48(1): 106. 2025 में प्रकाशित किया है।

Letrouitia spiralis Hafellner (Brigantiaeaceae)

The species earlier known from Central and South America has been reported for the first time from India based on the collection made from Upper Kodayar, Kalakad-Mudanthurai Tiger Reserve, Tirunelveli District, Agasthyamalai Biosphere Reserve, Tamil Nadu at 1304 m altitude. This has been published by George N. Mathew & T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. Forest. 48(1): 106. 2025.

लेट्रॉशिया सबवल्पाइना (नाइलैंडर) हाफेलनर (ब्रिगेन्शिएसी)

पूर्वत: एशिया (श्रीलंका), अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका और आस्ट्रेलिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 531 मी की उंचाई पर मुथल्लारु, कलक्काड़-मुंडनतुरई टाइगर रिजर्व, तिरुनेलवेली जिला, अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिजर्व, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे जॉर्ज एन. मैथ्यू व जगदीश राम ने इंडियन ज. फॉरेस्ट. 48(1): 106. 2025 में प्रकाशित किया है।

Letrouitia subvulpina (Nyl.) Hafellner (Brigantiaeaceae)

The species earlier known from Asia (Sri Lanka), Africa, South America and Australia has been reported for the first time from India based on the collection made from Muthallaru, Kalakad-Mudanthurai Tiger Reserve, Tirunelveli District, Agasthyamalai Biosphere Reserve, Tamil Nadu at 531 m altitude. This has been published by George N. Mathew & T.A.M. Jagadeesh Ram in Indian J. Forest.48(1): 106. 2025.

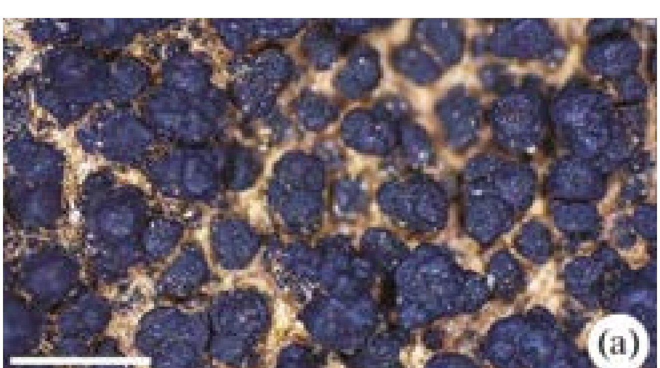

लाइकिनेला अमेरिकाना हेनसेन

पूर्वत: संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 396 मी की ऊंचाई पर रोडी, चित्तौड़गढ़, राजस्थान में गांधी सागर बांध से 15 किलोमीटर पहले चंबल के बीहड़ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे संजीव नायका, गौरव के. मिश्रा, शिवेंद्र पी. सिंह व आदर्श द्विवेदी ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(257): 4. 2025 में प्रकाशित किया है।

Lichinella americana Henssen

The species earlier known from United States of America and Mexico has been reported for the first time from India based on the collection made from Chambal Ravines, 15 km before Gandhi Sagar Dam, Rodi, Chittorgarh, Rajasthan at 396 m altitude. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Sanjeeva Nayaka, Gaurav K. Mishra, Shivendra P. Singh & Adarsh Dwivedi in Biology Bulletin 52(257): 4. 2025.

ओपेग्रैफा ग्रैफिडिजा नाइलैंडर (रोसेलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कच्छ की खाड़ी, गुजरात में समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) के भाग समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और समुद्री अभयारण्य से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे भास्कर पुंजानी, जयेश रावल, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एन्ड ऐसेसमेंट 9(1): 13. 2025 में प्रकाशित किया है।

Opegrapha graphidiza Nyl. (Roccellaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Marine National Park and Sanctuary (MNPS), part of the MPA along the Gulf of Kachchh, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Bhasker Punjani, Jayesh Raval, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 13. 2025.

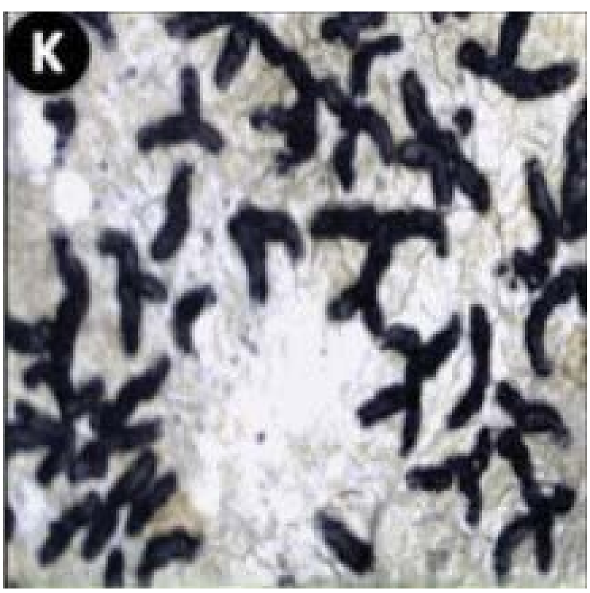

ओपेग्रैफा माइक्रोस्पोरा मुलर आर्गोविएंसिस (रोसेलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कच्छ की खाड़ी, गुजरात में समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) के भाग समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और समुद्री अभयारण्य से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे भास्कर पुंजानी, जयेश रावल, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एन्ड ऐसेसमेंट 9(1): 13. 2025 में प्रकाशित किया है।

Opegrapha microspora Müll. Arg. (Roccellaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Marine National Park and Sanctuary (MNPS), part of the MPA along the Gulf of Kachchh, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Bhasker Punjani, Jayesh Raval, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 13. 2025.

ओपेग्राफा रुफेसेन्स पर्सून (रोसेलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कच्छ की खाड़ी, गुजरात में समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) के भाग समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और समुद्री अभयारण्य से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे भास्कर पुंजानी, जयेश रावल, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एन्ड ऐसेसमेंट 9(1): 13. 2025 में प्रकाशित किया है।

Opegrapha rufescens Pers. (Roccellaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Marine National Park and Sanctuary (MNPS), part of the MPA along the Gulf of Kachchh, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Bhasker Punjani, Jayesh Raval, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 13. 2025.

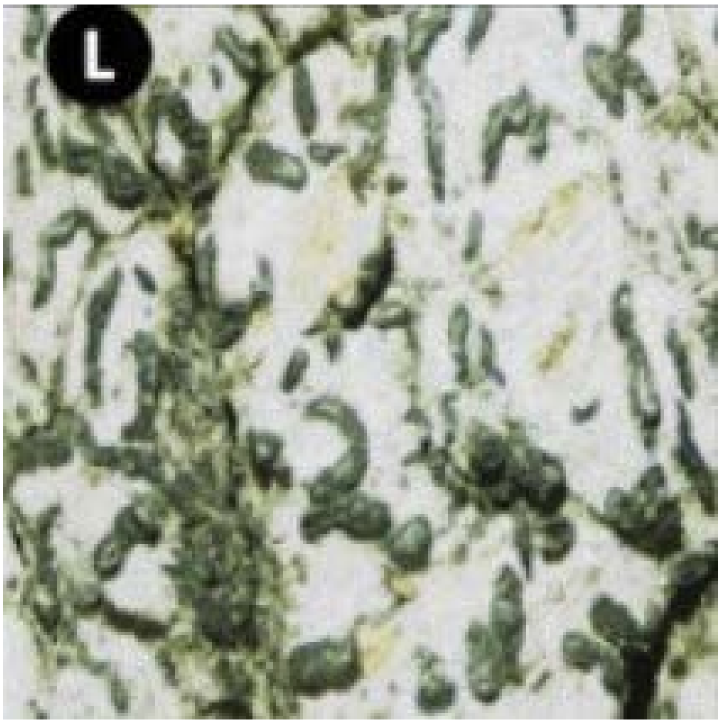

ओपेग्राफा सबसेंट्रीफ्यूगा नाइलैंडर (रोसेलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार कच्छ की खाड़ी, गुजरात में समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) के भाग समुद्री राष्ट्रीय उद्यान और समुद्री अभयारण्य से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे भास्कर पुंजानी, जयेश रावल, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने क्रिप्टोगैम बायोडाइवर्सिटी एन्ड ऐसेसमेंट 9(1): 13. 2025 में प्रकाशित किया है।

Opegrapha subcentrifuga Nyl. (Roccellaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made from Marine National Park and Sanctuary (MNPS), part of the MPA along the Gulf of Kachchh, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Bhasker Punjani, Jayesh Raval, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Cryptogam Biodiversity and Assessment 9(1): 13. 2025.

पैरालेकैनोग्रैफा ग्रुमुलोसा (ड्यूफोर) एर्ट्ज व टेहलर

पूर्वतः इटली, स्पेन, मोरक्को और यूएसए से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार गुजरात में भेसबीड, पिरोटन द्वीप और चेनेडा द्वीप, समुद्री राष्ट्रीय उद्यान, जामनगर जिला तथा बगड़ द्वीप, कच्छ जिला से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे कोमल कुमार इंग्ले, सिल्जो जोसेफ, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने नेश. एकेड साई. लेट. 48: 117. 2024 में प्रकाशित किया है।

Paralecanographa grumulosa (Dufour) Ertz & Tehler

The species earlier known from Italy, Spain, Morocco and USA has been reported for the first time from India based on the collections made from Bhesbid, Pirotan and Cheneda Islands, Marine National Park of Jamnagar District and Bagad Island of Kutch District, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Komal Kumar Ingle, Siljo Joseph, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Natl. Acad. Sci. Lett. 48: 117. 2024.

पार्मोट्रेमा मोर्डनियाइ (हेल) हेल

पूर्वतः अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, मध्य अमेरिका और दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 623 मी की ऊंचाई पर मारामलाई, कन्याकुमारी वन्यजीव अभयारण्य, अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिजर्व, कन्याकुमारी जिला, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस प्रजाति को जॉर्ज एन. मैथ्यू व टी.ए.एम. जगदीश राम ने नीलम्बो 67(1): 22. 2025 में प्रकाशित किया है।

Parmotrema mordenii (Hale) Hale

The species earlier known from Africa, North, Central and South America has been reported for the first time from India based on the collections made from Maramalai, Kanyakumari Wildlife Sanctuary, Agasthyamalai Biosphere Reserve, Kanyakumari District, Tamil Nadu at elev. 623 m. This has been published by George N. Mathew & T.A.M. Jagadeesh Ram in Nelumbo 67(1): 22. 2025.

फायलोप्सोरा पिक्सिनोइडीज (नाइलैंडर) किस्टेनिच, टिमडल, बेंडिक्सबी व एस. एकमैन (रैमालाइनेसी)

पूर्वत: बोलिविया, ब्राजील, कोलम्बिया, कोस्टा रिका, क्यूबा, ग्वाटेमाला, गुयाना, हैती, लाइबेरिया, पेरू, थाईलैंड, त्रिनिदाद और टोबैगो, संयुक्त राज्य अमेरिका और जिम्बाब्वे से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 188 मी की ऊंचाई पर उल्टापानी, कोकराझार जिला, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे पुंगबिली इस्लारी, संजीव नायका, विशाल कुमार, सिल्जो जोसेफ, दलीप कुमार उप्रेती व रेबेका दैमारी ने जे. बैम्बू रैटन 24(1): 3. 2025 में प्रकाशित किया है।

Phyllopsora pyxinoides (Nyl.) Kistenich, Timdal, Bendiksby & S. Ekman (Ramalinaceae)

The species earlier known from Bolivia, Brazil, Colombia, Costa Rica, Cuba, Guatemala, Guyana, Haiti, Liberia, Peru, Thailand, Trinidad & Tobago, USA, Zimbabwe has been reported for the first time from India based on the collection made from Ultapani, Kokrajhar District, Assam at 188 m altitude The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pungbili Islary, Sanjeeva Nayaka, Vishal Kumar, Siljo Joseph, Dalip Kumar Upreti & Rebecca Daimari in J. Bamboo Rattan 24(1): 3. 2025.

पॉलीकोकम नाइग्रोस्पोरम एतायो (पॉलीकोकेसी)

पूर्वतः इक्वाडोर व स्पेन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उत्तराखंड के चमोली जिले के दो स्थानों अर्थात मलारी गांव में 3350 मी की ऊंचाई पर और फोर प्वाइंट के पास सुमना के रास्ते में 2909 मी की ऊंचाई पर चट्टान निवहित बुईलिया ईथेलिया के थैलस से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति को योगेश जोशी, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने ताइवानिया 70(3): 477. 2025 में प्रकाशित किया है।

Polycoccum nigrosporum Etayo (Polycoccaceae)

The species earlier known from Ecuador and Spain has been reported for the first time from India based on the collections made on thallus of Buellia aethalea colonising rock from two places of Chamoli District, Uttarakhand *viz.* Malari Village, at 3350 m altitude and on way to Sumna, near Four Point at 2909 m altitude. The specimens are deposited in the Herbarium of University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Taiwania 70(3): 477. 2025.

पॉलीकोकम रिनोडिनाइ वैन डेन बूम (पॉलीकोकेसी)

पूर्वतः कैनरी द्वीप समूह, कैवलो द्वीप समूह, फ्रांस, रूस और स्पेन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार बद्रीनाथ, माना घाटी चमोली जिला, उत्तराखंड के दो स्थानों अर्थात माता मूर्ति मंदिर के पास 3228 मी की ऊंचाई पर और वसुधरा फॉल्स के रास्ते में 3735 मी की ऊंचाई पर रिनोडिना प्रजातियों के थैलस से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति को योगेश जोशी, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने ताइवानिया 70(3): 477. 2025 में प्रकाशित किया है।

Polycoccum rinodinae van den Boom (Polycoccaceae)

The species earlier known from Canary Islands, Cavallo Islands, France, Russia and Spain has been reported for the first time from India based on the collections made on thallus of *Rinodina* sp from two places of Badrinath, Mana Valley, Chamoli District, Uttarakhand *viz.* near mata Murti Temple at 3228 m altitude and on way to Vasudhara Falls at 3735 m altitude. The specimens are deposited in the Herbarium of University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Taiwania 70(3): 477. 2025.

पॉलीकौकम रूबेलियनाइ कैलाटायुड व वी. ऐटिएन्ज़ा (पॉलीकोकेसी)

पूर्वतः बोलीविया, इटली, कोरिया व स्पेन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 2633 मी की ऊंचाई पर नारायण आश्रम, धारचूला, पिथौरागढ़ जिला, उत्तराखंड के पास नियोब्राउनलिएला सिनैबारिना निवहित चट्टानों के थैलस पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति को योगेश जोशी, सुनीता बिष्ट, पूजा बंसल व शिम्मी मीणा ने ताइवानिया 70(3): 477. 2025 में प्रकाशित किया है।

Polycoccum rubellianae Calat. & V. Atienza (Polycoccaceae)

The species earlier known from Bolivia, Italy, Koreaand Spain has been reported for the first time from India based on the collections made on thallus of Neobrownliella cinnabarina colonising rocks near Narayan Ashram, Dharchula, Pithoragarh District, Uttarakhand at 2633 m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL). It has been published by Yogesh Joshi, Sunita Bisht, Pooja Bansal & Shimmi Meena in Taiwania 70(3): 477. 2025.

पोरिना कोआर्क्टेटा पी.एम. मैकार्थी व एच. हराडा

पूर्वत: माइक्रोनेशिया, मारियाना द्वीप समूह और एग्रीहान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 530-537 मी की ऊंचाई पर भमरोटा, पठानकोट जिला, पंजाब में चट्टान पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे नैन्सी, पूजा मौर्य, आस्था भाटिया व गौरव के. मिश्रा ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(32): 5. 2025 में प्रकाशित किया है।

Porina coarctata P.M. McCarthy & H. Harada

The species earlier known from Micronesia, the Mariana Islands, and Agrihan has been reported for the first time from India based on the collection made from Bhamrota Village, Pathankot District, Punjab, at 530–537 m altitude, on rock. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Naincy, Pooja Maurya, Astha Bhatia & Gaurav K. Mishra in Biology Bulletin 52(32): 5. 2025.

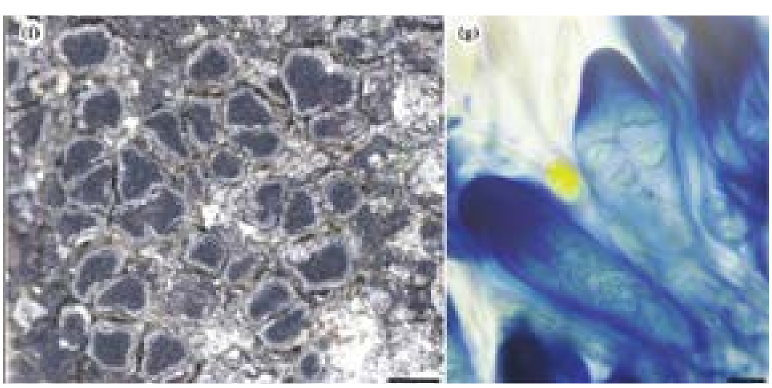

पाइरेनोडेस्मिया ऐल्बोवैरीगेटा बी. डी लेस्डेन

पूर्वत: चीन, ईरान और तुर्की, पश्चिमी उत्तरी अमेरिका और न्यू मेक्सिको से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 3800 मी की ऊंचाई पर मैकटोली ग्लेशियर बेस कैम्प, बागेश्वर जिला, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) में संगृहीत है। इसे नेहा पाल, राकेश अधिकारी, संजीव नायका व प्रेम प्रकाश ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(33): 2. 2025 में प्रकाशित किया है।

Pyrenodesmia albovariegata B. de Lesd.

The species earlier known from China, Iran and Turkey, western North America and New Mexico has been reported for the first time from India based on the collection made from Maiktoli Glacier Base Camp, Bageshwar District, Uttarakhand at 3800 m elevation. The specimens are deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Neha Pal, Rakesh Adhikari, Sanjeeva Nayaka & Prem Prakash in Biology Bulletin 52(33): 2. 2025.

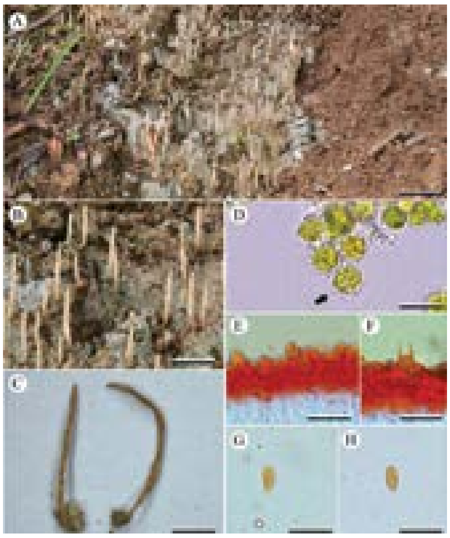

सल्ज़बैकेरोमाइसिस बाइकलर डोंग लियु, ली एस. वांग व गोफिनेट (पॉलीकोकेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार उत्तर-पूर्वी भारत के विभिन्न राज्यों अर्थात अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर और नागालैंड में 78 और 1099 मी की ऊंचाई के बीच किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति को अम्बिकेश देबनाथ, संजीव नायका, सिलजो जोसेफ व रोशनी कुमार न्गांगोम ने फाइटोटैक्सा 683 (3): 197. 2025 में प्रकाशित किया है।

Sulzbacheromyces bicolor Dong Liu, Li S. Wang & Goffinet (Polycoccaceae)

The species earlier known from the China has been reported for the first time from India based on the collection made from different states of North Eastern India *viz.* Arunachal Pradesh, Assam, Manipur, and Nagaland between 78 and 1099 m elevation. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Ambikesh Debnath1, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Roshinikumar Ngangom in Phytotaxa 683 (3): 197. 2025.

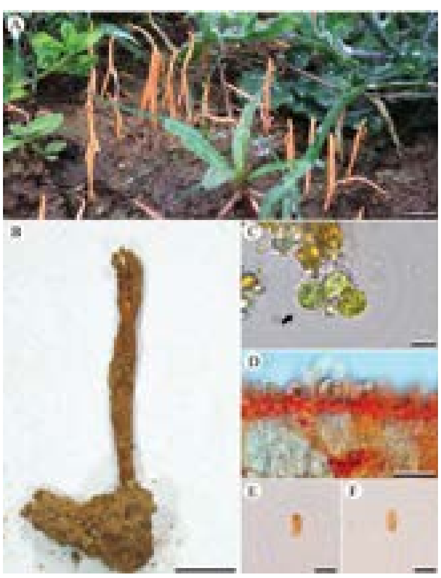

सल्ज़बैकरोमाइसेस यूनानेन्सिस डोंग लियु, ली एस. वांग व गोफिनेट (पॉलीकोकेसी)

पूर्वतः चीन और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार ईएमआरसी परिसर क्षेत्र, हेंगबुंग, सेनापति जिला, मणिपुर में 1158 मी ऊंचाई पर मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पादपालय (LWG) में संगृहीत है। इस प्रजाति को अम्बिकेश देबनाथ, संजीव नायक, सिलजो जोसेफ व रोशनी कुमार न्गांगोम ने फाइटोटैक्सा 683 (3): 197. 2025 में प्रकाशित किया है।

Sulzbacheromyces yunnanensis Dong Liu, Li S. Wang & Goffinet (Polycoccaceae)

The species earlier known from the China and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made on soil, EMRC campus area, Henbung, Senapati District, Manipur at 1158 m elevation.The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Ambikesh Debnath, Sanjeeva Nayaka, Siljo Joseph & Roshinikumar Ngangom in Phytotaxa 683 (3): 197. 2025.

नवीन प्रभेदगत अभिलेख / New Varietal Record

आर्थोनिया वेरिया प्रभेद **स्टेनोग्रैफेला** वैनिनो

पूर्वतः फिलीपींस, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रभेद का वर्णन भारत में पहली बार असोटा और खिजड़िया पक्षी अभयारण्य, जामनगर जिला, समुद्री राष्ट्रीय उद्यान, गुजरात से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (LWG) के पादपालय में संगृहीत है। इसे कोमल कुमार इंग्ले, सिल्जो जोसेफ, संजीव नायका व दलीप कुमार उप्रेती ने नेश. एकेड साई. लेट. 48: 115. 2025 में प्रकाशित किया है।

Arthonia varia var. **stenographella** Vain.

The variety earlier known from Philippines, South Korea and Thailand has been reported for the first time from India based on the collections made from Asota and Khijadiya Bird Sanctuary, Jamnagar District, Marine National Park, Gujarat. The specimens are deposited in the Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). It has been published by Komal Kumar Ingle, Siljo Joseph, Sanjeeva Nayaka & Dalip Kumar Upreti in Natl. Acad. Sci. Lett. 48: 115. 2025.

Courtesy Sudipta Kumar Das

Desertifilum adhikarii Sudipta K. Das, S. Mahanandia & L. Singh

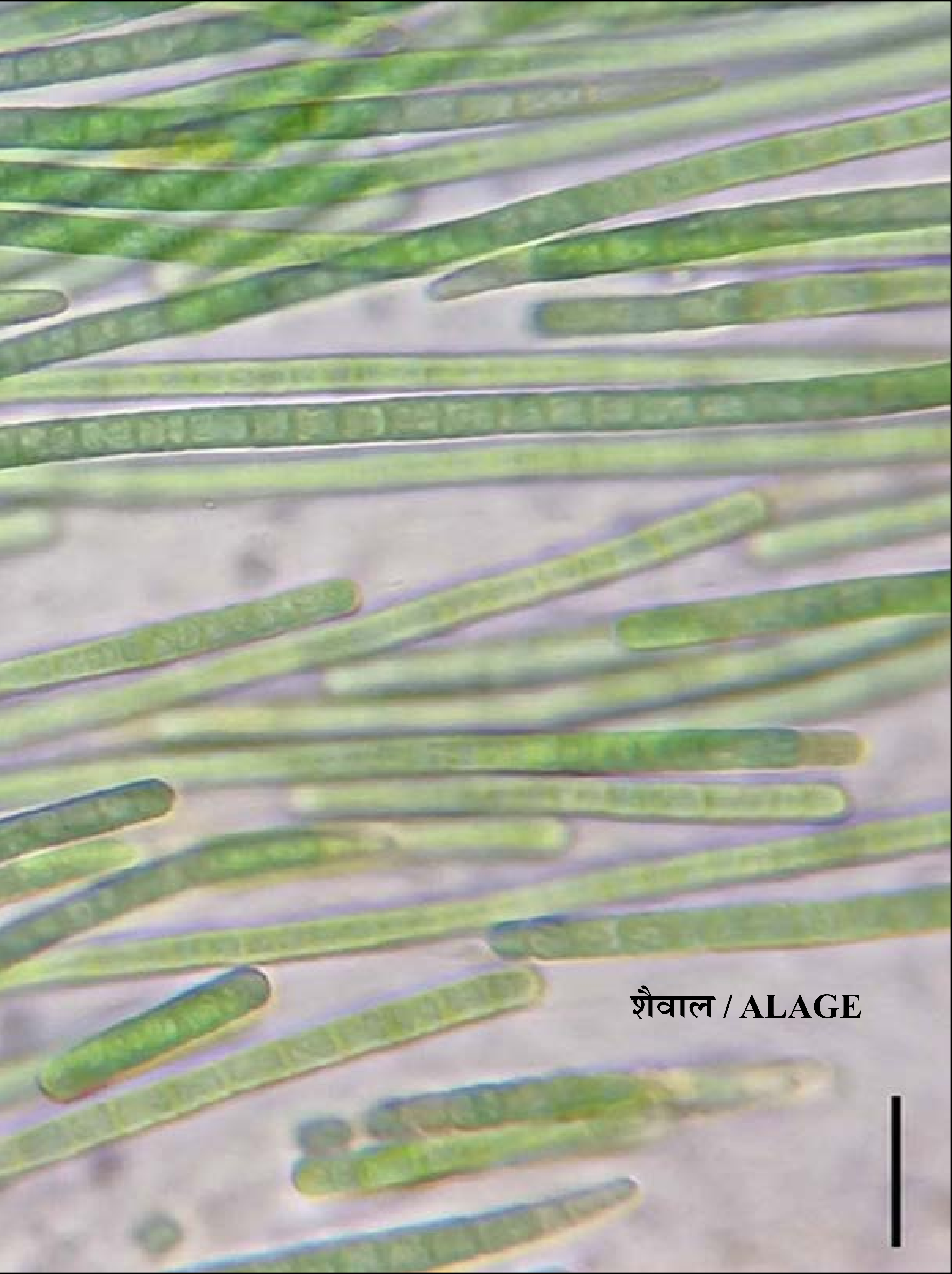
शैवाल / ALAGE

शैवाल एककोशिक से बहुकोशिक संरचना वाले सरल, प्ररूपी रूप से स्वपोषी जीवों का विशाल और विविधतापूर्ण समूह है। यद्यपि शैवाल विश्व स्तर पर दोहन का शिकार हो रहे हैं, फिर भी हाल के वर्षों में भारत में इस पादप समूह पर शोध के दायरे में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 16.22 प्रतिशत शैवाल हैं। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय शैवालों की लगभग 9139 प्रजातियां हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2025 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 1 वंश और 18 प्रजातियों और 01 प्रभेद (त्रिपुरा से 04, असम से 03, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में से प्रत्येक से 02, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 01, असम से 01 प्रभेद) और भारत में नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 01 वंश, 02 प्रजातियों (अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में से प्रत्येक से 01) और सिक्किम से 01 प्रभेद को संकलित किया गया है।

Algae are the large and diverse group of simple, typically autotrophic organisms from unicellular to multicellular forms. Though algae are becoming more and more open to exploitation worldwide, knowledge on this group in India is increasing tremendously in recent times. The Indian algae account for about 16.22 percent of the total plant species of India. In the present state of our knowledge, India has about 9139 species of algae. The collated information presented here for the year 2025, includes 01 genus, 18 species and 01 variety (04 from Tripura, 03 from Assam, 02 each from Madhya Pradesh and Maharashtra, 01 each from Karnataka, Kerala, Odisha, Sikkim, Tamil Nadu, Uttarakhand and Uttar Pradesh, 01 variety from Assam) as new to science from India and 01 genus, 02 species (01 each from Arunachal Pradesh and Sikkim) and 01 variety from Sikkim as new distributional novelties.

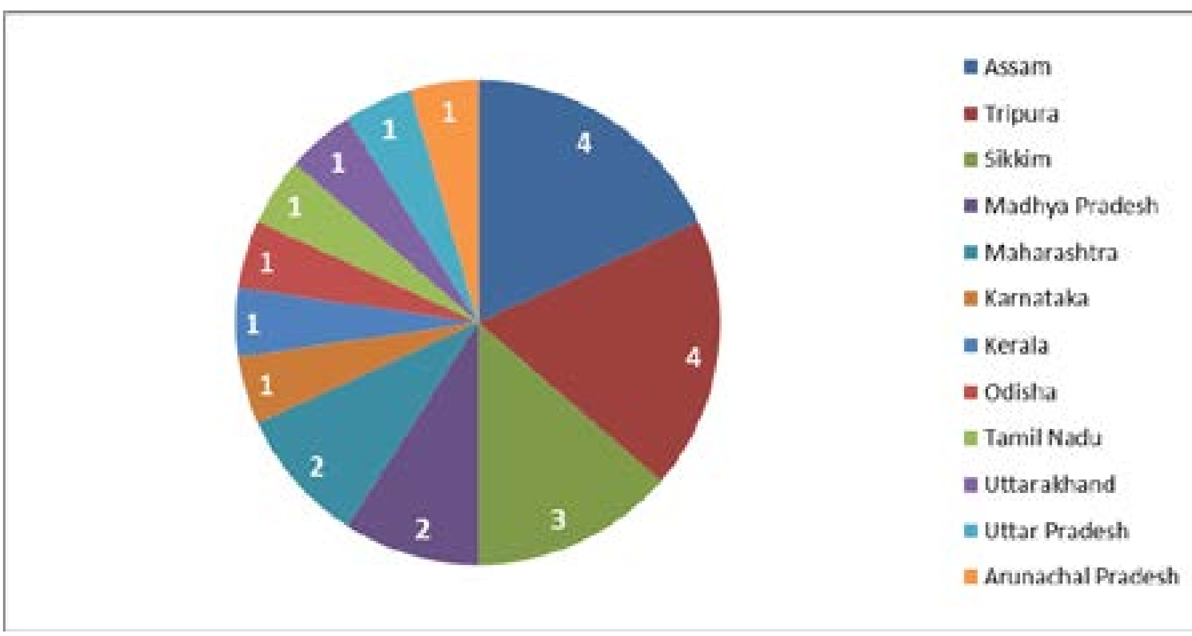

भारतीय राज्यों और संघशासित प्रदेशों से अन्वेषित शैवालों की संख्या
NUMBER OF ALGAE DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन वंश / New Genus

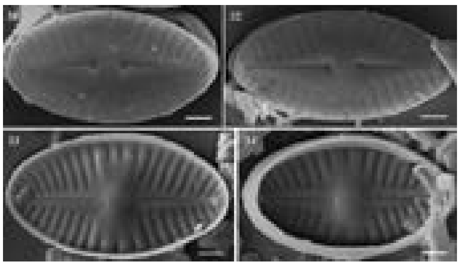

इंडोप्लेटेसा सेप्लिक, राधाकृष्णन, कार्तिक व कुलिकोवस्की, फाइटोटैक्सा 694(2): 165. 2025. (नोडुलेरिएसी)

सिक्किम से संगृहीत पूर्वत: *प्लेटेसा आर्बोरिया* के नाम से अभिनिर्धारित इस नवीन वंश का वर्णन प्ररूप प्रजाति *इंडोप्लेटेसा आर्बोरिया* के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (AHMA) में परिरक्षित है। इस नवीन वंश का नामकरण इसके प्रारंभिक नाम (प्लेटेसा) और प्राप्ति स्थल 'इंडो' धातु के मेल पर आधारित है।

Indoplatessa Tseplik, Radhakrishnan, Karthick & Kulikovskiy, Phytotaxa 694(2): 165. 2025. (Nodulariaceae)

The new genus is described with the type species *Indoplatessa arborea*, which was earlier identified as *Platessa arborea*, based on the collections made from Sikkim. The holotype is preserved in the diatom collection of Agharkar Research Institute Herbarium, Pune, Maharashtra (AHMA). The generic epithet is the amalgamation of initial designation of the genus (Platessa) with the root Indo-, signifying India.

नवीन प्रजातियां / New Species

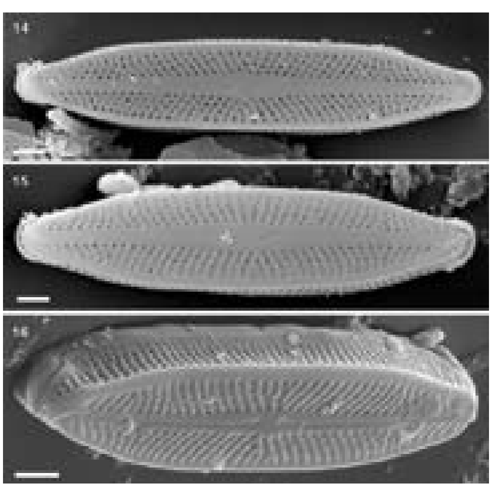

ऐडलेफिया मावल पी. नायक व बी. कार्तिक, नोवा हेडविजिया 120 (1-4): 32. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अम्बावणे गांव, मुलशी, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के डायटम संग्रह (AHMA) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण मराठी भाषा से लिए गए एक विशेषणात्मक संज्ञा 'मावल' पर आधारित है जो पश्चिमी घाट की दो समानांतर पूर्वी शाखाओं के बीच स्थित भूभाग के नाम को दर्शाता है।

Adlafia maval P. Nayak & B. Karthick, Nova Hedwigia 120 (1-4): 32. 2025

The species is discovered and described from Ambavane Village, Mulshi, Maharashtra. The holotype is deposited in the Diatom Collection of Agharkar Research Institute Herbarium (AHMA). The specific epithet 'Maval', derieved from the Marathi language, is a noun in apposition and refers to the name of the landscape situated between the two parallel eastern spurs of the Western Ghats.

ऐलिनोस्टॉक फस्कम सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86: 103873(5). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बोरमोटोरिया, गुवाहाटी, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'फस्कम' प्रयोगशाला में विकसित संवर्ध में भूरे रंग की परत बनने की विशेषता को दर्शाता है।

Aliinostoc fuscum Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res. 86: 103873(5). 2025

The species is discovered and described from Bormotoria, Guwahati, Assam. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet 'fuscum' refers to the formation of brownish coloured mats in laboratory grown cultures.

क्लाइमैकोनीस हेटरोपोलैरिस सी. राधाकृष्णन, वी. गोकुल, कोशियोलेक व बी.कार्तिक डायटम रिसर्च https://doi.org/10.1080/0269249X.2025.2534369 (बर्कलेएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कोडी बेंग्रे, कर्नाटक से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप डायटम कलेक्शन, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (AHMA) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके विशिष्ट विषमध्रुवी कपाट की आकृति पर आधारित है।

Climaconeis heteropolaris C. Radhakrishnan, V. Gokul, Anish, Kociolek & B. Karthick, Diatom Research https://doi.org/10.1080/0269249X.2025.2534369 (Berkeleyaceae)

The species is discovered and described from Kodi Bengre, Karnataka. Holotype is deposited at the Diatom Collection, Agharkar Research Institute Herbarium, Pune, Maharashtra (AHMA). The species epithet derives from its characteristic heteropolar valve shape.

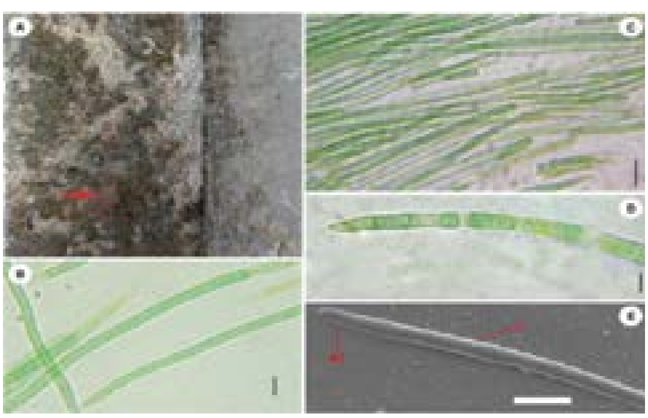

डेजर्टिफ़िलम अधिकारियाइ सुदीप्ता के. दास, एस. महानंदिया व एल. सिंह, प्लांट साइंस टुडे 12(1): 5. 2025 (डेज़र्टीफिलेसी)

सायनोबैक्टीरिया की इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दासपुर, बलांगीर के सुरदा गाँव में स्थित सुरदा शिव मंदिर परिसर में पत्थर की मूर्ति पर पतली काली परत के रूप में उगी हुई संग्रह के आधार पर किया गया है। सक्रिय रूप से वृद्धि करते हुए संवर्ध सायनोबैक्टीरियल संवर्ध संग्रह केंद्र, वनस्पति विज्ञान विभाग, बुनियादी विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में संदर्भ वाउचर/विभेद संख्या BOT/CBSH/67 के साथ अनुरक्षित हैं। इस नवीन प्रजाति का नामकरण ओडिशा और भारत के अन्य भागों से उप-वायवीय सायनोबैक्टीरिया के अन्वेषण में योगदान के लिए प्रो. शिब प्रसाद अधिकारी के सम्मान में किया गया है।

Desertifilum adhikarii Sudipta K. Das, S. Mahanandia & L. Singh, Plant Science Today 12(1): 5. 2025 (Desertifilaceae)

This species of cyanobacteria has been discovered and described based on the collection found growing as a thin blackish crust on a stone sculpture in the premises of Surda Shiv temple, located in Surda village of Dasapur, Balangir. The actively growing culture is maintained at the cyanobacterial culture collection at the Department of Botany, College of Basic Science and Humanities, Odisha University of Agriculture and Technology, Bhubaneswar, with reference Voucher /Strain no.BOT/CBSH/67. The specific epithet is named in honour of Prof. Siba Prasad Adhikary, for his contribution towards the exploration of sub-aerial cyanobacteria from Odisha and other parts of India.

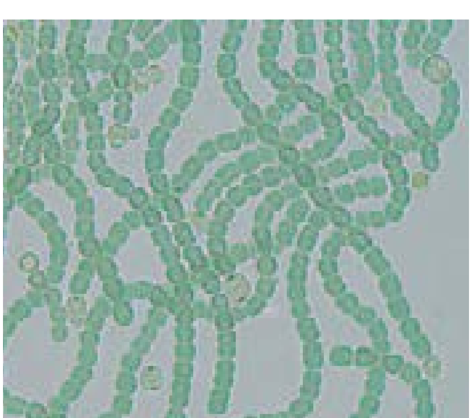

देशिकाचार्या ब्रह्मपुत्राइ सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86:103873(4). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन उज़ान बाज़ार, गुवाहाटी, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल की समीपवर्ती 'ब्रह्मपुत्र नदी' के नाम पर आधारित है।

Desikacharya brahmaputrae Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res.86: 103873(4). 2025

The species is discovered and described from Uzanbazar, Guwahati, Assam. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet refers to the Brahmaputra River, adjacent to which the sample was isolated.

देशिकाचार्या कीमेन्टिकोला सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86: 103873(4). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कैलाशहर, त्रिपुरा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण कंक्रीट की दीवारों पर इसकी सहज वृद्धि की क्षमता पर आधारित है।

Desikacharya caementicola Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res. 86: 103873(4). 2025

The species is discovered and described from Kailashahar, Tripura. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet refers to its ability to grow naturally on concrete walls.

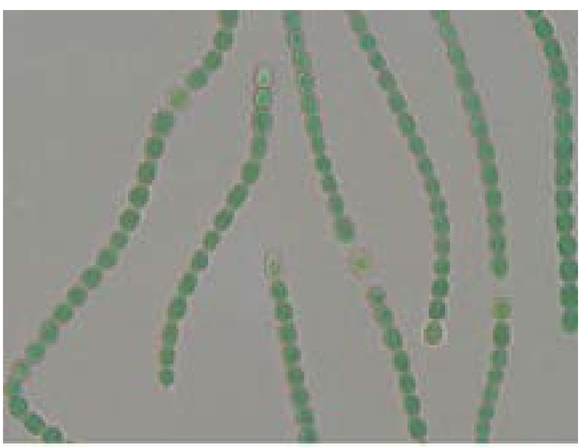

देशिकाचार्या फैसीकुलेटम सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86: 103873(3). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कैलाशहर, त्रिपुरा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'फैसीकुलेटम' इसके समानांतर पुलों में त्वचा रोम के बनने की विशेषता को दर्शाता है।

Desikacharya fasciculatum Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res. 86: 103873(3). 2025

The species is discovered and described from Kailashahar, Tripura. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet 'fasciculatum' refers to the formation of trichomes in parallel bundles.

देशिकाचार्या ग्लोबेटा सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86: 103873(4). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रंगाउटी गाँव, उनाकोटी जिला, त्रिपुरा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'ग्लोबेटा' प्राकृतिक वातावरण में इसमें कंदुक बनने की विशेषता को दर्शाता है।

Desikacharya globata Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res. 86: 103873(4). 2025

The species is discovered and described from Rangauti Village, Unakoti District, Tripura. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet 'globata' refers to the formation of balls in the natural environment

देशिकाचार्या ग्रैन्डीस्पोरा सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86: 103873(5). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पचमढ़ी, होशंगाबाद, मध्य प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके बड़े आकार की बीजाणुओं पर आधारित है।

Desikacharya grandispora Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res. 86: 103873(5). 2025

The species is discovered and described from Pachmarhi, Hosangabad, Madhya Pradesh. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet refers to large sized akinetes.

देशिकाचार्या नाइटेन्स सागरिका पाल, ए.सराफ़ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86: 103873(3). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कैलाशहर, त्रिपुरा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'नाइटेन्स' इसके विकास के उत्तर चरणों में चमकीले श्लेष्मक परत के बनने को दर्शाता है।

Desikacharya nitens Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res. 86: 103873(3). 2025

The species is discovered and described from Kailashahar, Tripura. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet 'nitens' refers to the formation of lustrous shiny mucilaginous mat in later stages of growth.

देशिकाचार्या पचमढ़ीएन्सिस सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86: 103873(4). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पचमढ़ी, होशंगाबाद, मध्य प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व, मध्य प्रदेश के नाम पर आधारित है।

Desikacharya pachmarhiensis Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res. 86: 103873(4). 2025

The species is discovered and described from Pachmarhi, Hosangabad, Madhya Pradesh. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet refers to the Pachmarhi Biosphere Reserve, Madhya Pradesh, from where the sample was isolated.

डेस्मोनोस्टॉक गुवाहाटीएन्सिस सागरिका पाल, ए. सराफ व प्रश. सिंह, ऐल्गल रिस. 86: 103873(5). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नीलाचल पहाड़ी, गुवाहाटी, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'गुवाहाटी शहर' के नाम पर आधारित है।

Desmonostoc guwahatiensis Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh, Algal Res. 86: 103873(5). 2025

The species is discovered and described from Nilachal Hills, Guwahati, Assam. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet corresponds to the city of Guwahati from where the sample was collected.

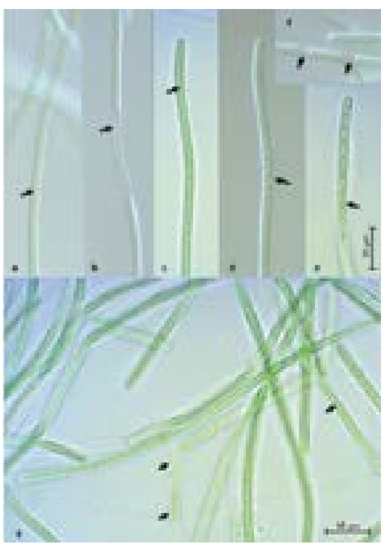

एग्बिनेमा भारतेन्सिस जे.एम. भगत, ऐल्गल रिस. 90: 104256 (4). 2025 (ओकुलैटेलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नेरुल, नवी मुंबई, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप ब्लैटर पादपालय, सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई (BLAT) में संगृहीत हैं। इसका नामकरण इसके भौगोलिक उद्गम स्थल इंडिया के पारंपरिक नाम 'भारत' पर आधारित है।

Egbenema bharatensis J.M. Bhagat, Algal Res. 90: 104256 (4). 2025 (Oculatellaceae)

The species is discovered and described from Nerul, Navi Mumbai, Maharashtra. Holotype and isotype are deposited at the Blatter Herbarium, St. Xavier's College, Mumbai (BLAT). The species epithet bharatensis refers to 'Bharat', the traditional name for India, indicating the geographical origin of the strain.

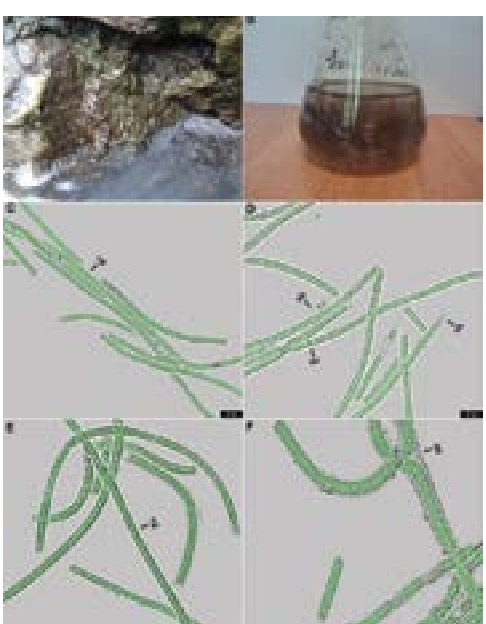

इलाईनेला रिंगाई एम. भंडारी, एस. सोनम, आर. नेगी, पी. सिंह, आर. के. सिंह व पी. के. दधीच, फाइटोटैक्सा 718(3): 165. 2025

सायनोजीवाणु की इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रिंगी हॉट स्प्रिंग, तपोवन, उत्तराखंड में समुद्रतल से 2944 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इलाईनेला रिंगाई के सक्रिय रूप से पनप रहे संवर्ध सीसीयूबीजीएए जर्मप्लाज्म, आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), दिल्ली में परिरक्षित है। स्ट्रेन का सूखा प्रतिरूप गढ़वाल विश्वविद्यालय पादपालय, श्रीनगर, उत्तराखंड (HNBGU) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल रिंगी हॉट स्प्रिंग, तपोवन, उत्तराखंड के नाम पर आधारित है।

Elainella ringii M. Bhandari, S. Sonam, R. Negi, P. Singh, R. K. Singh et P. K. Dadheech, Pytotaxa 718(3): 165. 2025

This species of cyanobacteria has been discovered and described based on the collection made from Ringi Hot Spring, Tapovan, Uttarakhand, at an elevation of 2944 m a.s.l. The actively growing culture of Elainella ringii has been preserved in CCUBGA Germplasm, ICAR-Indian Agricultural Research Institute (IARI), Delhi. Dry specimen of the strain is deposited in Garhwal University herbarium, Srinagar, Uttarakhand (HNBGU).The specific epithet is named after the type locality Ringi hot spring, Tapovan, Uttarakhand.

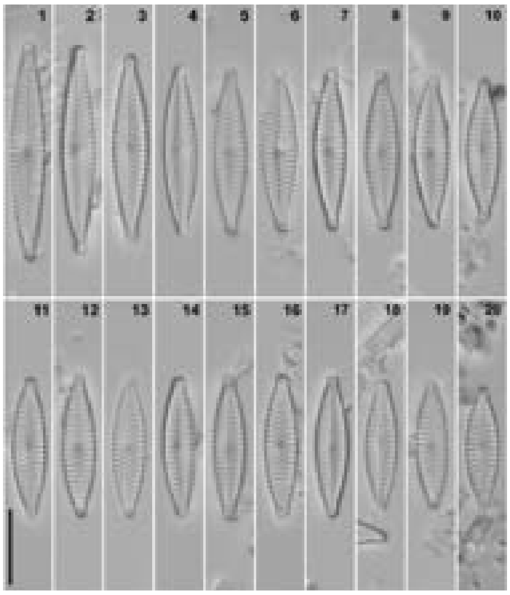

एन्साइयोनेमा मेघमलाईएन्से वी. विग्नेशकुमार, ए. विग्नेशकुमार, सी.राधाकृष्णन, बी. कार्तिक व एस. नागराज, फाइटोटैक्सा 715(1): 83. 2025 (बैसिलेरियोफाइसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मेघमलाई झील, मेघमलाई, थेनी, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अगरकर अनुसंधान संस्थान पादपालय (AHMA) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल तमिलनाडु के पर्वतीय क्षेत्र 'मेघमलाई' के नाम पर आधारित है।

Encyonema meghamalaiense V.Vigneshkumar, A.Vigneshwaran, C. Radhakrishnan, B.Karthick & S.Nagaraj, Phytotaxa 715(1): 83. 2025 (Bacillariophyceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Meghamalai Lake, Meghamalai, Theni, Tamil Nadu.The holotype is deposited in the Agharkar Research Institute Herbarium (AHMA).The species epithet is derived from 'Meghamalai' the mountainous region inTamil Nadu, where this species was discovered.

नॉस्टोक सिक्किमेन्से सागरिका पाल व प्रश. सिंह, एफइएमएस माइक्रोबायोल. लेट. 372: एफएनएएफ037(8). 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रेशी नदी, सिक्किम से किए गए संग्रह पर आधारित है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण 'सिक्किम' के नाम पर आधारित है जहां से इसके नमूने को पृथक किया गया है।

Nostoc sikkimense Sagarika Pal & Pras. Singh, FEMS Microbiol. Lett. 372: fnaf037(8). 2025

The species is discovered and described from Reshi River, Sikkim. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet represents to Sikkim, from where the strain was isolated.

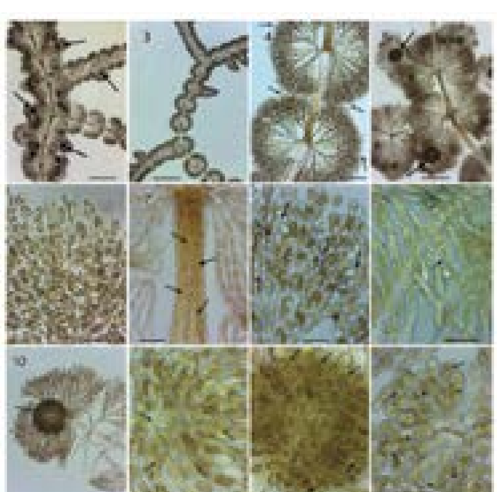

शीएथिया रोजमलायेन्सिस जयालक्ष्मी व जॉन, फाइकोलोजिया 64(1): 84-90. 2025 (बेट्रेकोस्पर्मेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन रोजमला, शेनदुरनी वन्यजीव अभयारण्य, केरल में प्राकृतिक वन धारा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कालीकट विश्विद्यालय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्विद्यालय, कोझिकोड़, केरल (CALI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'रोजमला' के नाम पर आधारित है।

Sheathia rosemalayensis Jayalakshmi & John, Phycologia 64(1): 84-90. 2025. (Batrachospermaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from natural forest stream at Rosemala, Shendurney Wildlife Sanctuary, Kerala. The holotype is deposited in the Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI). The specific epithet 'rosemalayensis' represents Rosemala, the place of collection.

स्पाइरिरेस्टिस हाइड्रोटेरेस्ट्रिस प्रश. सिंह, जे. फाइकोल. 2025 (टॉलीपोथ्रिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन खानापट्टी गांव, जौनपुर, उत्तर प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप उपापचयी रूप से निष्क्रिय अवस्था में ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तर प्रदेश (GCC) में परिरक्षित है। इस प्रजाति का नामकरण बहुवर्षी गीली मिट्टी को दर्शाता है जहां से इसे पृथक किया गया है।

Spiriestis hydroterrestris Pras. Singh, J. Phycol. 2025 (Tolypothrichaceae)

The species is discovered and described from Khanapatti Village, Jaunpur, Uttar Pradesh. The holotype is preserved in metabolically inactive form in Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh (GCC). The specific epithet represents to perennial wet soil, from which it was isolated.

नवीन प्रभेद / New Variety

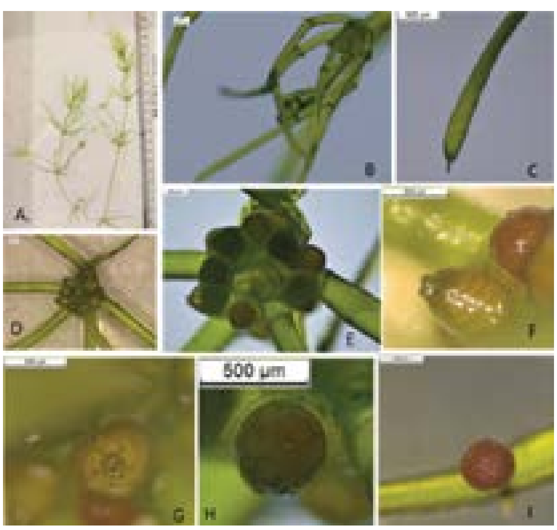

कैरा कोरेलाइना प्रभेद **कामरूपेन्सिस** पी.पी. बरुआ, एस. भट्टाचार्जी, एन. कलिता व बी. बोरुआ, जे. थ्रेट. टैक्सा 17(8): 27379. 2025 (कैरैसी)

इस प्रभेद का अन्वेषण व वर्णन मत्स्यपालन एवं जैव विविधता केंद्र, कामरूप ज़िला, असम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इस प्रभेद का नामकरण इसके संग्रह स्थल 'कामरूप ज़िले' के नाम पर आधारित है।

Chara corallina var. **kamrupensis** P.P. Baruah, S. Bhattacharjee, N. Kalita & B. Boruah, J. Threat. Taxa 17(8): 27379. 2025 (Characeae)

This variety has been discovered and described based on the collection made from Aquaculture and Biodiversity Centre, Kamrup District, Assam. The holotype is deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). The varietal epithet is derived from its collection site Kamrup District.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

नवीन वंशगत अभिलेख / New Genus Record

नेमैलियोनॉप्सिस स्कुजा (थोरिएसी)

इस वंश का वर्णन भारत में पहली बार सिले, पूर्वी सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश से संगृहीत प्रतिनिधि प्रजाति *नेमैलिअनोप्सिस शॉयाइ* स्कुजा के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावडा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहित है। इसे इलाया पेरुमल यू. व पलनीसामी ने एशियन जे. बायोल 21(6): 101. 2025 में प्रकाशित किया है।

Nemalionopsis Skuja (Thoreaceae)

This genus has been reported for the first time from India based on the representative species Nemalionopsis shawii Skuja. collected from Sile, East Siang District, Arunachal Pradesh. The specimens are housed in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Elaya Perumal U. & M. Palanisamy in Asian J. Biol. 21(6): 101. 2025.

नवीन प्रजातिगत अभिलेख / New Species Record

बल्बोकीट डाओका गॉथियर-लिवरे (ईडोगोनिएसी)

पूर्वतः अफ्रीका से ज्ञात इस शैवाल प्रजाति का वर्णन पहली बार युमथांग घाटी, सिक्किम हिमालय के उच्च तुंगता जलस्रोत से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। सूक्ष्मदर्शी स्लाइड सुंदरबन हाजी देशरात कॉलेज पादपालय में संगृहीत है। इसे मानसी मंडल ने जे. जैप. बॉट. 100(4): 367, 2025 में प्रकाशित किया है।

Bulbochaete dioca Gauthier-Lièvre (Oedogoniaceae)

This species earlier known from Africa has been reported for the first time based on the collection made from high-altitude water body of Yumthang Valley, Sikkim Himalaya. Microscopic Slides are deposited in Sundarban Hazi Desarat College Herbarium. This has been published by Manasi Mandal in J. Jap. Bot. 100(4): 367. 2025.

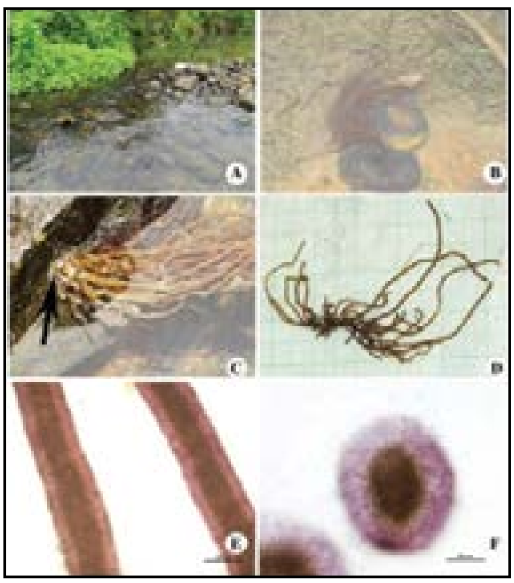

नेमैलिअनोप्सिस शॉयाइ स्कुजा (थोरिएसी)

पूर्वत: लुइसियाना, उत्तर कैरोलिना, इंडोनेशिया, फिलीपींस, चीन, जापान, नेपाल, हवाई द्वीपसमूह और जापान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार सिले, पूर्वी सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावडा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहित है। इसे इलाया पेरुमल यू. व पलनीसामी ने एशियन जे. बायोल 21(6): 102. 2025 में प्रकाशित किया है।

Nemalionopsis shawii Skuja (Thoreaceae)

This species earlier known from Louisiana, North Carolina, Indonesia, Philippines, China, Japan, Nepal, Hawaiian Islands and Japan and has been reported for the first time from India based on the collection made from Sile, East Siang District, Arunachal Pradesh. The specimens are housed in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Elaya Perumal U. & M. Palanisamy in Asian J. Biol. 21(6): 102. 2025.

नवीन प्रभेदगत अभिलेख / New Varietal Record

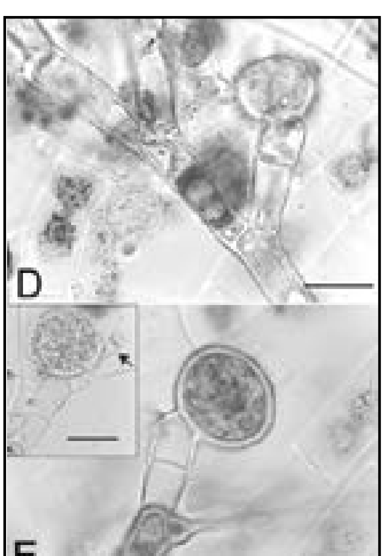

बल्बोकीट साइनेन्सिस प्रभेद **सबपिरीफॉर्मिस** सी.-सी.जाओ (ईडोगोनिएसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस शैवाल प्रभेद का वर्णन पहली बार युमथांग घाटी, सिक्किम हिमालय के उच्च तुंगता जलस्रोत से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। सूक्ष्मदर्शी स्लाइड सुंदरबन हाजी देशरात कॉलेज पादपालय में संगृहीत है। इसे मानसी मंडल ने जे. जैप. बॉट. 100(4): 369. 2025 में प्रकाशित किया है।

Bulbochaete sinensis var. **subpyriformis** C.-C.Jao (Oedogoniaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time based on the collection made from high-altitude water body of Yumthang Valley, Sikkim Himalaya. Microscopic Slides are deposited in Sundarban Hazi Desarat College Herbarium. This has been published by Manasi Mandal in J. Jap. Bot. 100(4): 369. 2025.

कवक / FUNGI

Auricularia tropica Su. Datta & K. Das

कवक | FUNGI

प्रकृति में कार्बनिक पदार्थों के विघटन में विश्व भर में व्याप्त कवक की महत्वपूर्ण भूमिका है। कवक पोषण चक्र के लिए अपरिहार्य हैं। वर्षों से इनका उपयोग एक खाद्य स्रोत के रूप में तथा विभिन्न खाद्य सामग्रियों को किण्वित करने में होता रहा है। अब ये प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) का भी महत्वपूर्ण स्रोत बन गए हैं। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 28.46 प्रतिशत कवक हैं। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारतीय कवकों की लगभग 16079 प्रजातियां हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2025 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 03 वंशों (मेघालय, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 01), 57 प्रजातियों (उत्तराखंड से 13, महाराष्ट्र से 10, केरल से 09, तमिलनाडु से 05, मेघालय से 04, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 03, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह और उत्तर प्रदेश में से प्रत्येक से 02, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, झारखंड और लद्दाख में से प्रत्येक से 01) तथा भारत में नवीन वितरणपरक अभिलेख के रूप में 01 वंश (महाराष्ट्र) और 36 प्रजातियों (अरुणाचल प्रदेश से 08, केरल से 04, जम्मू और कश्मीर, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 03, असम, गोवा, मघालय और सिक्किम में से प्रत्येक से 02, कर्नाटक, लद्दाख, ओडिशा, पुदुचेरी और तमिलनाडु में से प्रत्येक से 01, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और सिक्किम में से प्रत्येक से 01, पुदुचेरी और तमिलनाडु से 01) को संकलित किया गया है।

Fungi distributed worldwide, perform an essential role in nature by decomposing organic matter and are indispensable in nutrient cycling. They have long been used as source of food and in fermentation of various food products and now they are an important source of antibiotics. The Indian fungi account for about 28.46 per cent of the total plant species of the India. As per latest data India has about 16079 species of fungi. The collated information presented here for year 2025 includes 03 new genera (01 each from Meghalaya, Uttarakhand and Uttar Pradesh), 57 new species (13 from Uttarakhand, 10 from Maharashtra, 09 from Kerala, 05 from Tamil Nadu, 04 from Meghalaya, 03 each from Himachal Pradesh and West Bengal, 02 each from Andaman and Nicobar Islands and Uttar Pradesh, 01 each from Arunachal Pradesh, Goa, Haryana, Jammu and Kashmir, Jharkhand and Ladakh) described as new to science from India while 01 new genus (Maharashtra) and 36 species (08 from Arunachal Pradesh, 04 from Kerala, 03 each from Jammu and Kashmir, Maharashtra and West Bengal, 02 each from Assam, Goa, Meghalaya and Sikkim, 01 each from Karnataka, Ladakh, Odisha, Puducherry and Tamil Nadu, 01 is from Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir and Sikkim, 01 is from Puducherry and Tamil Nadu) as new distributional novelties.

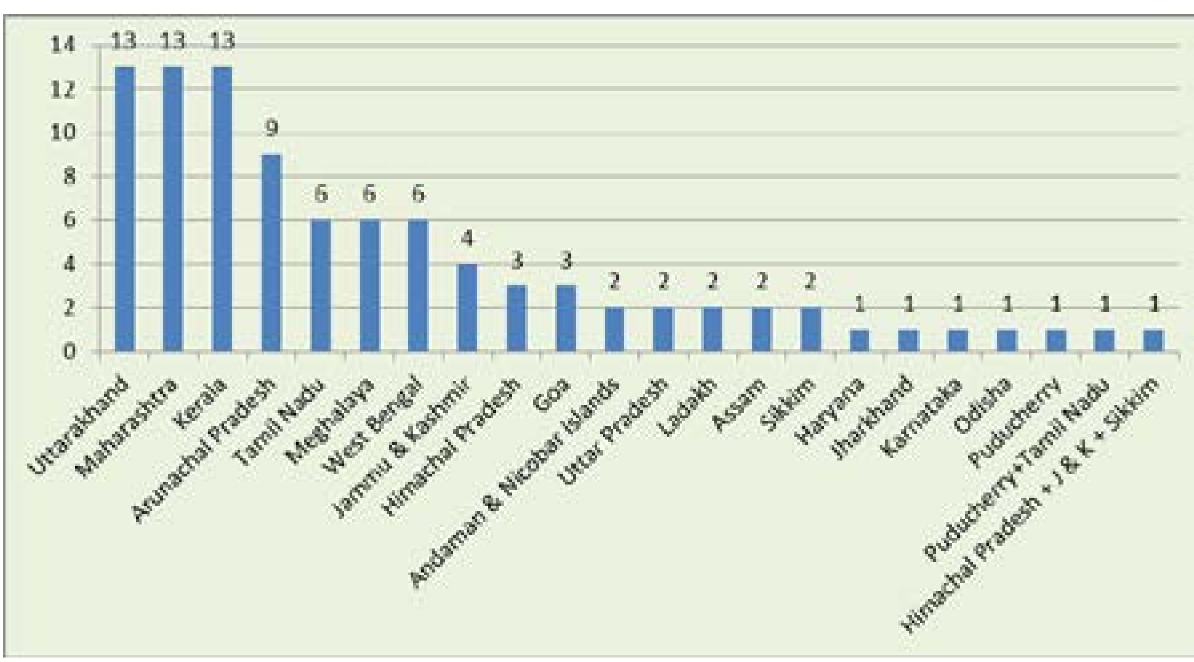

भारतीय राज्यों और संघशासित प्रदेशों से अन्वेषित कवकों की संख्या
NUMBER OF FUNGI DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन वंश / New Genus

पैरासिनमेलिसिया प्रतिभा, भट व प्रभुगांवकर, फाइटोटैक्सा 732(1):72.2025 (फियोस्फीरीएसी)

इस नवीन वंश का अन्वेषण व वर्णन मौसिनराम, खासी पहाड़ी, मेघालय में *किमोनोकैलेमस ग्रिफिथिएनस* के मृत कल्म से संगृहीत प्ररूप प्रजाति *पैरासिनेमेलिसिया खासियाना* प्रतिभा, भट व प्रभुग. के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप क्रिप्टोगैमी इंडियाई ओरिएंटलिस (HCIO), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्था, नई दिल्ली के पादपालय में, समप्ररूप ASSAM में जबकि अनप्ररूप भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस नवीन वंश का नामकरण *सिनेमेलिसिया* वंश से इसके सादृश्य के आधार पर किया गया है।

Parasynnemellisia Pratibha, Bhat & Prabhug., Phytotaxa 732(1):72.2025 (Phaeosphaeriaceae)

The new genus has been discovered and described based on the type species *Parasynnemellisia khasiana* Pratibha, Bhat & Prabhug collected from dead culms of *Chimonocalamus griffithianus*, Mawsynram, Khasi Hills, Meghalaya. The holotype is deposited in Herbarium of Cryptogamae Indiae Orientalis (HCIO), IARI, New Delhi, isotype is in ASSAM whereas the ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The generic epithet refers to its similarity with genus Synnemellisia.

सिंगरोबोलेटस के. दास, सु. दत्ता, ए. घोष व विज़िनी, ताइवानिया 70(1):150.2025 (बोलेटेसी)

इस नवीन वंश का अन्वेषण व वर्णन बानियाकुंड, रुद्रप्रयाग जिला, उतराखंड में समुद्रतल से लगभग 2557 मी की उंचाई पर प्ररूप प्रजाति *सिंगरोबोलेटस हिमालयानस* के दास, सु. दत्ता, ए. घोष व विज़िनी के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस वंश का नामकरण मशरूम वर्गिकी में अमूल्य योगदान के लिए रॉल्फ सिंगर की स्मृति में और विशिष्ट 'मांसल रंध्राभिका मशरूम' समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले वंश 'बोलेटस' से सादृश्य के आधार पर किया गया है।

Singeroboletus K. Das, Su. Datta, A. Ghosh & Vizzini, Taiwania 70(1): 150. 2025 (Boletaceae)

The new genus has been discovered and described based on the type species *Singeroboletus himalayanus* K. Das, Su. Datta, A. Ghosh & Vizzini collected from Baniakund, Rudraprayag District, Uttarakhand, at 2557 m elevation. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). 'Singero' commemorates Rolf Singer for his invaluable contribution to mushroom taxonomy and 'boletus' refers to the resemblance to the genus Boletus, representing the iconic 'fleshy poroid mushroom' group.

यूवेब्रौनोमाइसीस गार्गी सिंह व राघव सिंह, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन 16: 204. 2025 (माइकोस्फिरेलेसी)

इस नवीन काचाभ और फीके जैतूनी भूरे रंग वाले हाइपोमाइसीट कवक वंश का अन्वेषण व वर्णन कुसुम्ही वन, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में *टिनोस्पोरा कॉर्डीफ़ोलिया* की पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस कवक का मूल संग्रह सन 1950 में पटना, बिहार (भारत) से हुआ था और इसे *रैमुलेरिया टिनोस्पोराइ* (थिरुमलाचर व लेसी 1951) के रूप में वर्णित किया गया था। हालाँकि, डीएनए जातिवृत्तीय डेटा के अभाव के कारण *आर.टिनोस्पोराइ* का सही वंशीय स्थान अनसुलझा रहा। आकृतिक विशेषताओं के आधार पर वंशानुगत संबंधों को निर्धारित करने की सीमाओं को देखते हुए, जातिवृत्तीय अध्ययनों से पता चला है कि यह कवक माइकोस्फिरेलेसी के किसी भी मौजूदा वंश के साथ मेल नहीं खाता है। प्ररूप प्रजाति '*यूवेब्रौनोमाइसीस टिनोस्पोराइ*' के आधार पर *यूवेब्रौनोमाइसीस* को नवीन वंश के रूप में प्रस्तावित किया गया है। व्यापक जातिवृत्तीय साक्ष्यों और कोनिडिओजेनस लोकाई तथा हिला की परासंरचना से इस प्रस्ताव को बल मिलता है, जो इसे विशिष्ट विकासक्रम वंश परंपरा को रेखांकित करते हैं। इसका नामकरण मार्टिन-लूथर विश्वविद्यालय, जर्मनी के विश्व विख्यात कवकविज्ञ प्रो डॉ. यूवे ब्राउन के सम्मान में किया गया है।

Uwebraunomyces Gargee Singh & Raghv. Singh, Fungal Systematics and Evolution 16: 204. 2025 (Mycosphaerellaceae)

This genus has been discovered and described based on the collection made from Kusumhi Forest, Gorakhpur, Uttar Pradesh, a hyaline to pale olivaceous brown hyphomycetous fungus was found on leaves of *Tinospora cordifolia*. This fungus was originally collected in Patna, Bihar (India), in 1950 and described as *Ramularia tinosporae* (Thirumalachar & Lacy 1951). However, the true generic placement of R. tinosporae remained unresolved due to the absence of DNA phylogenetic data. Given the limitations of morphological traits for determining generic relationships, phylogenetic studies revealed that this fungus does not align with any existing genus in the Mycosphaerellaceae. Consequently, a new genus, Uwebraunomyces, is proposed based on type species *Uwebraunomyces tinosporae* to accommodate this fungus. This proposal is supported by comprehensive phylogenetic evidence and the ultrastructure of conidiogenous loci and hila, which highlight this distinct evolutionary lineage. The generic epithet is in honour of Prof. dr Uwe Braun (Martin-Luther-Universität, Germany), a globally renowned mycologist.

नवीन प्रजातियां / New Species

ऐमेनिटा ब्रूनीपिरैमिडेलिस महमूद, वाई. पी. शर्मा व के. वर्मा, ताइवानिया 70(1):133.2025 (ऐमेनिटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बनियाकुंड, रुद्रप्रयाग जिला, उत्तराखंड में 2645 मी की ऊंचाई पर *ऐबीज* और *क्वेर्कस* वृक्षों वाले समशीतोष्ण हिमालयी वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया। मूलप्ररूप ऐमेनिटेरम रूजवेन्टेंसिस, न्यू जर्सी, यूएसए के पादपालय (RET) में और समप्ररूप गढ़वाल विश्वविद्यालय, उत्तराखंड के पादपालय (GUH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसकी सतह पर गहरे भूरे रंग के छत्र और पिरैमिडी किणक को दर्शाता है।

Amanita brunneipyramidalis Mehmood, Y. P. Sharma & K. Verma, Taiwania 70(1):133.2025 (Amanitaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection madein temperate forests with trees of *Abies* and *Quercus*, Baniyakund, Rudraprayag District, Uttarakhand at 2645 m elevation. The holotype is deposited in Herbarium of Amanitarum Rooseveltensis, New Jersey, USA (RET); isotype is in Garhwal University Herbarium, Uttarakand (GUH). The specific epithet refers the dark brown pileus and pyramidal warts on the surface.

ऐस्पर्जिलस धकेफलकराइ राजेश कुमार, हरिकृष्णन व विसागी, फाइटोटैक्सा 695(1):64.2025 (ऐस्पर्जिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन अनियारम, कन्नूर, केरल में *ऐन्थूरियम एंड्रिऐनम* (मूल परिवेशी) के साहचर्य वाली मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में और अनप्ररूप सजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय औद्योगिक सूक्ष्म जीव विज्ञान और जैव ऊर्जा अनुसंधान में बहुमूल्य योगदान के के लिए डॉ. प्रशांत के. धकेफलकर (निदेशक, एमएसीएस आगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे) के सम्मान में किया गया है।

Aspergillus dhakephalkarii Rajeshk., Harik. & Visagie, Phytotaxa 695(1): 64. 2025 (Aspergillaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from soil associated with Anthurium andraeanum (rhizosphere) from Aniyaram, Kannur, Kerala.The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet is after Dr. Prashant K. Dhakephalkar (Director, MACS Agharkar Research Institute, Pune) for his invaluable contributions to Indian industrial microbiology and bioenergy research.

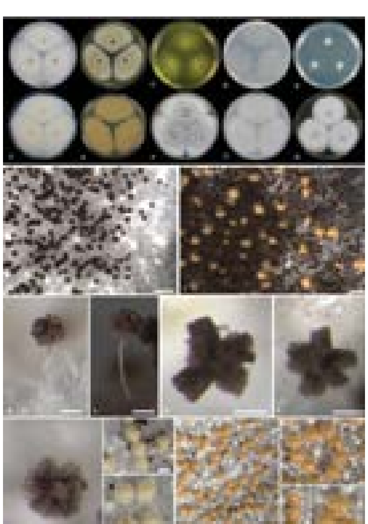

ऐस्पर्जिलस पैट्रीसियाविल्टशायराइ राजेश कुमार, हरिकृष्णन व विसागी, फाइटोटैक्सा 695(1):64.2025 (ऐस्पर्जिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मुलशी, पुणे, महाराष्ट्र से एकत्र की गई मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है और अनप्ररूप सजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण "फॉरेंसिक विज्ञान की रानी" प्रो. पैट्रीसिया ई. जे. विल्टशायर के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने पहली बार अपराधों को सुलझाने में कवकी बीजाणुओं के प्रयोग की शुरुआत की, पहले ये किंग्स कॉलेज लंदन, फिर यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूनाइटेड किंगडम और अभी द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन से जुड़ी हुई हैं।

Aspergillus patriciawiltshireae Rajeshk., Harik. & Visagie, Phytotaxa 695(1):64.2025 (Aspergillaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from soil collected from Mulshi, Pune, Maharashtra. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet is after Prof. Patricia E. J. Wiltshire, "the queen of forensic science" who first started to use fungal spores in solving crimes, and was formerly based at Kings College London, then University College London, United Kingdom, and now The University of Southampton.

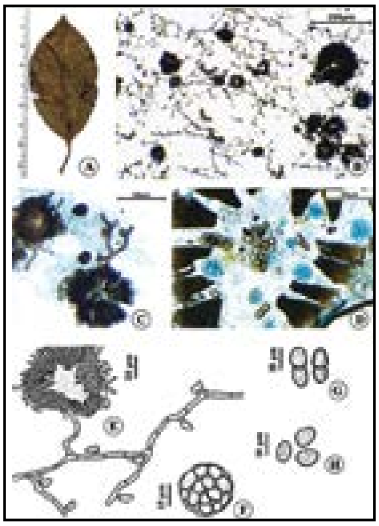

ऐस्टेरिना चंद्रहासाइ पी.डी. नाटेकर, एम.आर. भिसे व एस.वी. कंभार, फाइटोटैक्सा 711(1):91.2026 (ऐस्टेरिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन देवधे, रत्नागिरी, महाराष्ट्र में 285 मी की ऊंचाई पर *फ्लेकौरशिआ इंडिका* (निकोलस लारेंट बर्मन) मेरील (सैलीकेसी) की सजीव पत्तियों पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण प्रसिद्ध सेवानिवृत्त कवक विज्ञानी प्रोफेसर चंद्रहास पाटिल, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के सम्मान में किया गया है।

Asterina chandrahasaii P.D. Natekar, M.R. Bhise & S.V. Kambhar, Phytotaxa 711(1):91.2026(Asterinaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection madeon living leaves of Flacourtia indica (Burm. f.) Merr. (Salicaceae), Devadhe, Ratnagiri,Maharashtra at 285 m elevation. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH).This specific epithet is named in honour of Dr. Chandrahas Patil, a distinguished retired professor of mycology from Shivaji University,Kolhapur.

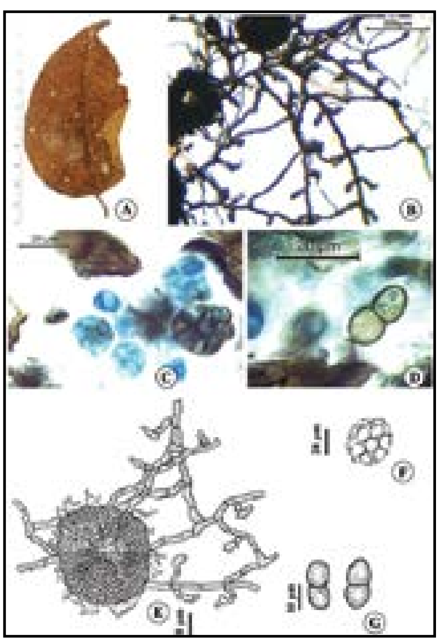

ऐस्टेरिना थिटेई पी.डी. नाटेकर, एम.आर. भिसे व एस. वी. कंभार, फाइटोटैक्सा 711(1):90.2025 (ऐस्टेरिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन खरेपटन, सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र में 68 मी ऊंचाई पर *जैस्मिनम मालाबेरिकम* वाइट (ओलिएसी) की सजीव पत्तियों पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के प्रसिद्ध सेवानिवृत्त कवक विज्ञानी प्रोफेसर डॉ. अनंत थिटे के सम्मान में किया गया है।

Asterina thitei P.D. Natekar, M.R. Bhise & S.V. Kambhar, Phytotaxa 711(1):90. 2025 (Asterinaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on living leaves of *Jasminum malabaricum* Wight (Oleaceae), Kharepatan, Sindhudurg,Maharashtra at 68 m altitude.The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH).This specific epithet is named in honour of Dr. Anant Thite, a renowned retired mycology professor from Shivaji University, Kolhapur.

औरीकुलेरिया अंडमानिका सु. दत्ता व के. दास, नीलम्बो 67(1):3.2025 (औरीकुलेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बाराटांग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में समुद्रतल से 2 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Auricularia andamanica Su. Datta & K. Das, Nelumbo 67(1): 3. 2025 (Auriculariaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Baratang, Andaman & Nicobar Islands at 2 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the type locality.

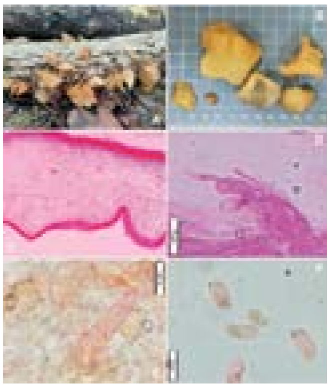

औरीकुलेरिया ट्रॉपिका सु. दत्ता व के. दास, नीलम्बो 67(1):5.2025 (औरीकुलेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन एजेसी बोस भारतीय वनस्पति उद्यान, हावड़ा जिला, पश्चिम बंगाल में समुद्रतल से 10 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में इसकी व्याप्ति पर आधारित है।

Auricularia tropica Su. Datta & K. Das, Nelumbo 67(1):5.2025 (Auriculariaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from AJC Bose Indian Botanic Garden, Howrah district, West Bengal at 10 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to its occurrence in tropical region.

ब्रिजियोपोरस कनादियाइ ए. परिहार व हेम्ब्रम, करें. साइ. 128(12): 1235. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1991 मीटर की ऊंचाई पर शेरगांव, रूपा तहसील, पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश के एक निकटवर्ती वन में *ऐबीज* वृक्ष के मृत लट्ठे से किए गए संग्रह के आधार पर किय गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय बृहत कवक के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय कवकविज्ञ कनाद दास के सम्मान में किया गया है।

Bridgeoporus kanadii A. Parihar and Hembrom, Curr.Sci.128(12): 1235. 2025

This species has been discovered and described based on the collection made on a standing dead log of Abies tree, Nearby Forest, Shergaon Village, Rupa Tehsil, West Kameng District, Arunachal Pradesh, at 1991m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species is named in honour of Indian mycologist Kanad Das for his valuable contribution to Indian macrofungi.

कैलोनेक्ट्रिया ऐक्यूमिनेटा एन. बंसल, ए. रानी व एस. पांडे, प्ल.पैथोल 10.1111/पीपीए.14066: 5 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन देहरादून,उत्तराखंड में *यूकेलिप्टस कैमल्डुलेन्सिस* की पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और स्ट्रेन वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड (FRI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके द्वारा बनाए गए नुकीले छत्रिकावृंत के फैलाव को दर्शाता (ऐक्यूमिनेटा एक लैटिन विशेषण है जिसका अर्थ 'नुकीला', 'तेज' या 'लंबा और पतला' होता है) है।

Calonectria acuminata N. Bansal, A. Rani & S. Pandey, Pl. Pathol. 10.1111/ppa.14066: 5 2025.

The new species has been discovered and described based on the collection made from the leaves of *Eucalyptus camaldulensis* Dehnh., collected from Dehradun, Uttarakhand. The holotype and strain are deposited in Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakand (FRI). The specific epithet is in reference to the tapered stipe extensions (acuminata is a Latin adjective meaning 'pointed', 'sharpened or 'tapering') produced by this fungus.

कैलोनेक्ट्रिया इलेइओकार्पी एन.रानी व एस. पांडे, जे.एप्ल. रिस. मेड. एरोमैट. प्लां. 44(100614): 6. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन देहरादून, उत्तराखंड में *इलेइओकार्पस स्फिरिकस* (गार्टन) हीर की पर्णचित्ती से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और स्ट्रेन वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड (FRI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Calonectria elaeocarpi N. Bansal, A. Rani & S. Pandey, J. Appl. Res. Med. Aromat. Pl. 44(100614): 6. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made from the leaf spots on *Elaeocarpus sphaericus* (Gaertn.) Heer, collected from Dehradun, Uttarakhand. The holotype and strain are deposited in Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand (FRI). The specific epithet is in reference to the host genus.

कैलोनेक्ट्रिया यूकेलिप्टोरम एन.नेगी, रामकृष्णा व एस. पांडे इंट. माइक्रोबायोल 28: 1093. 2024

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सोनीपत, हरियाणा में *यूकेलिप्टस* प्रजाति की पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और स्ट्रेन वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड (FRI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Calonectria eucalyptorum N. Negi, Ramkrishna & S. Pandey, Int. Microbiol. 28: 1093. 2024

The new species has been discovered and described based on the collection made from the leaves of *Eucalyptus* sp., collected from Sonipat, Haryana. The holotype and strain are deposited in Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand (FRI). The specific epithet is in reference to the host genus.

कैंडोलेओमाइसस ग्रिगेलिस पी.के. नयना व सी.के. प्रदीप, फाइटोटैक्सा 691(1):40.2025 (सैथाइरिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन चिम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य, त्रिशूर जिला, केरल में 75 मीटर की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप कवक विज्ञान पादपालय, जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल (TBGT) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके संघचारी प्रकृति को दर्शाता है।

Candolleomyces gregalis P.K. Nayana & C.K. Pradeep, Phytotaxa 691(1): 40. 2025 (Psathyrellaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on Chimmini Wildlife Sanctuary, Thrissur District, Kerala at 75 m altitude. The holotype is deposited in the Mycological herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet refers to the gregarious habit of the new species.

सर्कोस्पोरा पामेटी रजवाड़, राघव. सिंह व श. कुमार, फंगल डाइवर्सिटी 10.1007/s13225-025-00560-3. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर, वाराणसी शहर, उत्तर प्रदेश में *डिप्लोसाइक्लोस पामेटस* (कुकुरबिटेसी) की जीवित पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक पादपालय, पुणे महाराष्ट्र (AMH) में; अनप्ररूप संवर्ध भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी प्रजाति के नाम पर आधारित है।

Cercospora palmati Rajwar, Raghv. Singh & Sh. Kumar, Fungal Diversity 10.1007/s13225-025-00560-3. 2025.

The new species has been discovered and described based on the collection made from the living leaves of *Diplocyclos palmatus* (Cucurbitaceae), collected from Banaras Hindu University (BHU) campus, Varanasi City, Uttar Pradesh. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune Maharashtra (AMH); ex-type culture deposited is in National Fungal Culture Collection of India, Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra, (NFCCI). The specific epithet is in reference to that of host species.

कोलिबायॉप्सिस हिमालयेन्सिस चौधरी, उनियाल व वाई. पी. शर्मा, लिलोआ 62(2): 425–436. 2025

एकल या संघचारी कोलिबिया मशरूम *की इस नवीन प्रजाति का* अन्वेषण व वर्णन चमोली जिला, उत्तराखंड के मंडल क्षेत्र में *क्वेर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* और *रोडोडेंड्रॉन आर्बोरीटम* के मिश्रित वन में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है।

Collybiopsis himalayensis Choudhary, Uniyal and Y.P. Sharma, Lilloa 62(2): 425–436. 2025.

This collyboid mushroom collected from Mandal Region of Chamoli District of Uttarakhand growing solitary to gregarious, under mixed forest of *Querus leucotrichophora* and *Rhododendron arboretum*. The holotype was deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the geographical origin of the studied collection in the Northwestern Himalayan range.

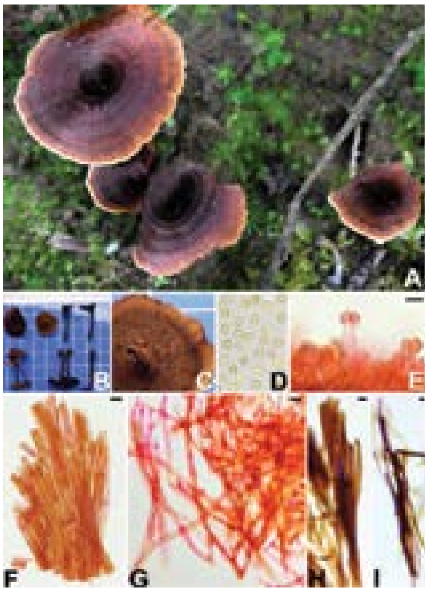

कोलट्रिशिया शर्माइ चौधरी व उनियाल, ताइवानिया 70(1):82.2025 (हाइमीनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दिदना ट्रेक, कुलिंग, लोहाजंग, चमोली जिला, उत्तराखंड में 2463 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय हिमालय क्षेत्र में बृहत कवक के वर्गीकरण विज्ञान में अमूल्य योगदान के लिए डॉ. यश पाल शर्मा के सम्मान में किया गया है।

Coltricia sharmae Choudhary & Uniyal, Taiwania 70(1): 82. 2025 (Hymenochaetaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from DidnaTrek, Kuling, Lohajung,Chamoli District, Uttarakhand at 2463 m elevation. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL).The specific epithetis in honor of Dr. Yash Pal Sharma for his invaluable contribution to the systematics of macrofungi in the Indian Himalayan region.

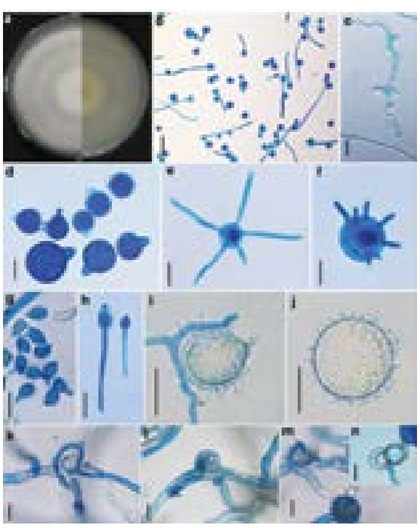

कोनिडिओबोलस श्रीनिवासिनीयाइ के.एस. पवार, पी.एन. सिंह, एस.के. सिंह, फाइटोटैक्सा 682(2):154.2025 (कोनिडिओबोलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पुणे, महाराष्ट्र के वेतल पहाड़ी पर पौधों के कुड़े के ढेर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में और अनप्ररूप सजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण कवक विज्ञान के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए भारतीय कवकविज्ञ एम.सी. श्रीनिवासन के सम्मान में किया गया है।

Conidiobolus srinivasanii K.S. Pawar, P.N. Singh, S.K. Singh, Phytotaxa 682(2):154.2025 (Conidiobolaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from plant litter, Vetal Hill, Pune, Maharashtra. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet is named after M.C. Srinivasan, Indian mycologist, to honour his immense contribution in the field of mycology.

क्यूफोफिलस ऑरियस के.पी.डी. लता व एम.के. वर्षा, फाइटोटैक्सा 721(3):269.2025 (क्यूफोफिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कालीकट विश्वविद्यालय परिसर, मलप्पुरम जिला, केरल में 55 मी की ऊंचाई पर मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल के पादपालय (CALI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छत्र के सुनहरे रंग को दर्शाता है।

Cuphophyllus aureus K. P. D. Latha & M. K. Varsha, Phytotaxa 721(3):269.2025 (Cuphophyllaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on soil from Calicut University Campus, Malappuram District, Kerala at 55 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Department of Botany, Calicut University,Malappuram, Kerala (CALI). Specific epithet refers to the golden colour of the pileus.

एकाइडनोडेला कोनेरियाइ सौम्या प्रसाद व जी.आर.अर्चना, जे. माइकोपैथोल. रिस 63(4): 910. 2025 (ऐस्टेरिनेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन पुलिक्कुन्नू श्री धर्म शास्था मंदिर कावु, पनांगडु, केरल में *कोनेरस* प्रजाति (कोनेरेसी) की पत्तियों पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप श्री नारायणा कॉलेज, कोल्लम, केरल के पादपालय (SNCH) में और समप्ररूप SCGH में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी प्रजाति के नाम पर आधारित है।

Echidnodella connarii Soumya Prasad & G.R. Archana, J. Mycopathol. Res. 63(4): 910. 2025 (Asterinaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on leaves of *Connarus* sp. (Connaraceae), Pulikunnu Sree Dharma Shastha Temple Kavu, Panangadu, Kerala. The holotype is deposited in the Sree Narayana College Herbarium, Kollam, Kerala (SNCH), isotype is in SCGH. The species epithet refers to the host species.

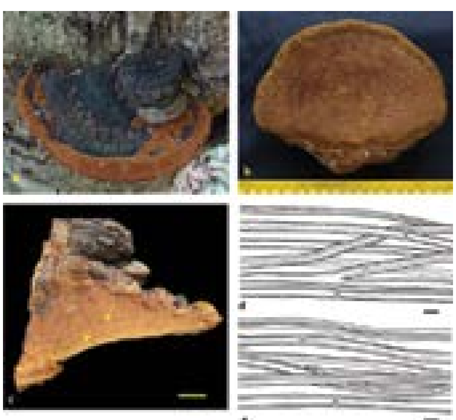

फल्विफोमीज शैलशिखरा एस. गुनासीलन, ई. अरुमुगम व एम.कालियापेरुमल, फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z (हाइमीनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन थेनमलई, जवाधु हिल्स, तिरुवन्नामलाई जिला, तमिलनाडु में जीवित आवृतबीजी वृक्ष *(ऐल्बिजिया एमारा)* पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु (MUBL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण संस्कृत शब्द 'शैलशिखर' पर आधारित है जो जवाधु हिल्स के शिखर को दर्शाता है।

Fulvifomes shailashikhara S. Gunaseelan, E. Arumugam & M. Kaliyaperumal, Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z (Hymenochaetaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on living angiosperm tree (*Albizia amara*), Thenmalai, Jawadhu Hills, Thiruvannamalai District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The species epithet 'shailashikhara' is a Sanskrit word that refers to 'mountain top' of Jawadhu hills.

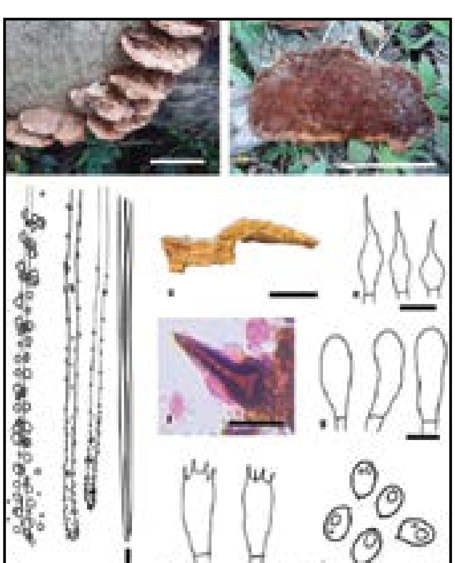

फुस्कोपोरिया इंडिका एम. कलियापेरुमल, एस. गुनासीलन व के. केज़ो, माइकोकीज 125: 153. 2025 (हाइमीनोकीटेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन में यरकौड, सेलम जिला, तमिलनाडु में कठोर लकड़ी पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Fuscoporia indica M. Kaliyaperumal, S. Gunaseelan & K. Kezo, MycoKeys 125: 153. 2025 (Hymenochaetaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on hardwood, Yercaud, Salem District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet is after type country India.

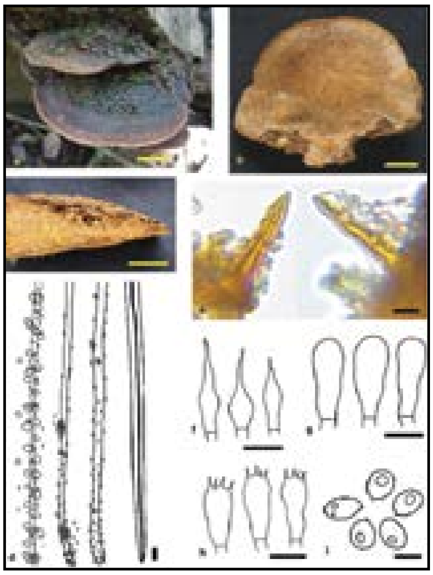

फुस्कोपोरिया सिरुमलाईएन्सिस ई. अरुमुगम, एस. गुनासीलन व एम. कलियापेरुमल, माइकोकीज 125: 156. 2025 (हाइमीनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सिरुमलाई, डिंडीगुल जिला, तमिलनाडु में कठोर लकड़ी पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'सिरुमलाई' के नाम पर आधारित है।

Fuscoporia sirumalaiensis E. Arumugam, S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal, MycoKeys 125: 156. 2025 (Hymenochaetaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on hardwood, Sirumalai, Dindigul District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet refers type locality 'Sirumalai'.

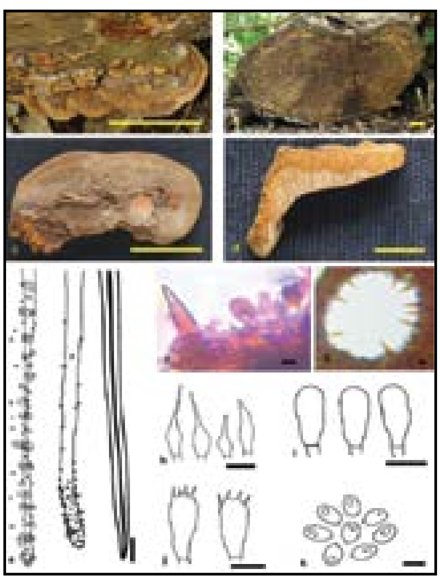

फुस्कोपोरिया टर्मिनेलियानाइ ई. अरुमुगम, एस. गुनासीलन व एम. कलियापेरुमल, माइकोकीज 125:158.2025 (हाइमीनोकीटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वेल्लीमलई , कल्लाकुरिची जिला, तमिलनाडु में *टर्मिनेलिया बेलेरिका* की मृत लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण परपोषी वृक्ष *टर्मिनेलिया बेलेरिका* के नाम पर आधारित है, जिससे इस कवक का संग्रह किया गया था।

Fuscoporia terminalianae E. Arumugam, S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal, MycoKeys 125: 158. 2025 (Hymenochaetaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on dead wood (*Terminalia bellerica*) from Vellimalai, Kallakurichi District, Tamil Nadu. The holotype is deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). The specific epithet refers the host tree *Terminalia bellerica* on which the fungus was collected.

जाइरोडान शर्माइ सु. दत्ता, के. दास व विज़िनी, ताइवानिया 70(4):635.2025 (पैक्सिलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बिनसर वन्यजीव अभयारण्य, अल्मोड़ा जिला, उत्तराखंड में 2332 मी की ऊंचाई पर मंदिर के रास्ते में वन विश्राम गृह के नीचे *ऐलनस नेपालेन्सिस* वाले समशीतोष्ण मिश्रित वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारत के बोलेटोइड कवक पर योगदान के लिए जे.आर. शर्मा के सम्मान में किया गया है।

Gyrodon sharmae Su. Datta, K. Das & Vizzini, Taiwania 70(4): 635. 2025 (Paxillaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made in temperate mixed forest under *Alnus nepalensis*, below forest rest house on way to temple, Binsar Wildlife Sanctuary, Almora District, Uttarakhand at 2332 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL).The specific epithet refers to J.R. Sharma for his contribution to boletoid fungi of India.

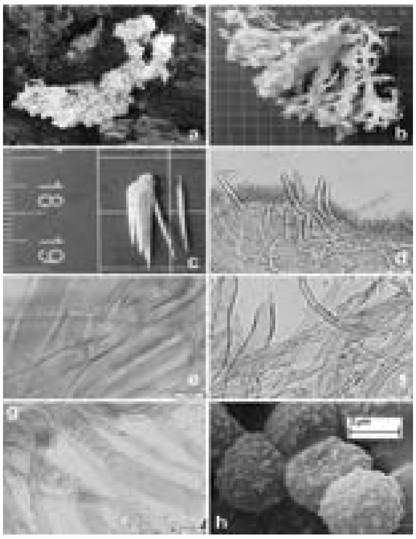

हेरिसियम इंडिकम सु. दत्ता व के. दास, नीलम्बो 67(2):4.2025 (हेरिसीएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन धुर और धकुरी के बीच ट्रेकिंग मार्ग, बागेश्वर जिला, उत्तराखंड में 2538 मी की ऊंचाई पर समशीतोष्ण हिमालयी वन में *क्वेर्कस* प्रजाति के सड़ते हुए स्तंभ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Hericium indicum Su. Datta & K. Das, Nelumbo 67(2): 4. 2025 (Hericiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on decaying trunk of *Quercus* sp. in temperate Himalayan Forest, Trekking route between Dhur and Dhakuri, Bageshwar District, Uttarakhand at 2538 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the type country.

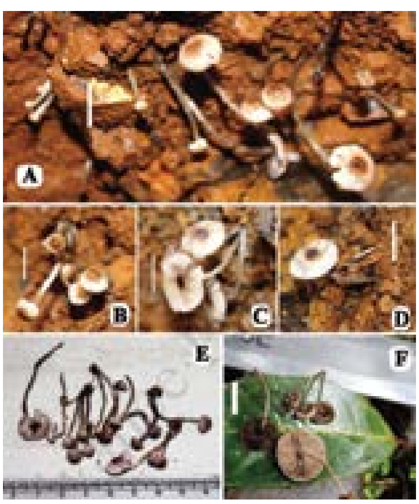

हाइमीनेगैरिकस इंडिकस पी.बी.पाटिल, एस.ए. वैद्या, एन.पी.पाटिल व एस.के.मौर्य, माइकोसाइंस 66: 2. 2025 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से 800 मीटर की ऊंचाई पर माथेरान हिल्स, रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्तिस्थल के देश 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Hymenagaricus indicus P.B. Patil, S.A. Vaidya, N.P. Patil & S.K. Maurya, Mycoscience 66: 2. 2025 (Agaricaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Matheran Hills, Raigad District, Maharashtra at 800 m a.s.l. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The species epithet refers to the name of the country 'India' where the holotype was collected.

हाइफोलोमा दार्जिलिंगेन्सिस जे.तमांग व के. अचार्या, फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z (स्ट्रोफेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 1999 मीटर की ऊंचाई पर लव रोड, दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और समप्ररूप कलकत्ता विश्वविद्यालय पादपालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (CUH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Hypholoma darjeelingensis J. Tamang & K. Acharya, Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z (Strophariaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Love Road, Darjeeling District, West Bengal at 1999 m elevation. The holotype and isotype are deposited in the Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). The species epithet refers to the type locality.

लैकेरिया फ्राइसियाइ चौधरी, उनियाल व वाई. पी. शर्मा, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04617.2025 (हिडनैन्जिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन देवस्थली, लोहाजंग, चमोली जिला, उत्तराखंड में समुद्रतल से 2168 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण कवक विज्ञान में बहुमूल्य योगदान के लिए डॉ. एलियास मैग्नस फ्राइस के सम्मान में किया गया है।

Laccaria friesii Choudhary, Uniyal & Y.P Sharma, Nordic J. Bot. e04617.2025 (Hydnangiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Devsthali, Lohajung, Chamoli District, Uttarakhand at 2168 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL).The specific epithet is in honour of Dr. Elias Magnus Fries for his invaluable contribution to Mycology.

लैक्टिफ्लूस ऐल्बिसिरेटस के. वर्मा, उनियाल व वाई. पी. शर्मा, न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ बॉटनी 63: 1518–1529. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन राजौरी जिला, जम्मू और कश्मीर, भारत के दरहाल क्षेत्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। यह प्रजाति *लैक्टिफ्लूस* अनुभाग के *लैक्टिफ्लूस वोलेमस* संकुल की है और यह *क्वेर्कस ल्यूकोट्राइकोफोरा* के नीचे उगती हुई पाई गई। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण हल्के पीले, मोम जैसे सफेद बेसिडियोमाटा पर आधारित है।

Lactifluus albiceratus K. Verma, Uniyal & Y.P. Sharma, New Zealand Journal of Botany 63: 1518–1529. 2025

Lactifluus albiceratus was collected from Darhal Region in Rajouri District of Jammu and Kashmir, India. The species belongs to the *Lactifluus volemus* complex of *Lactifluus* sect. *Lactifluus* and was found growing under *Quercus leucotrichophora*. The holotype Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to pale yellow waxy white basidiomata.

लैक्टिफ्लूस खासिएनस डी. चक्र., ए. घोष व डी. टुडू, फाइटोटैक्सा 716(4):275.2025 (रसुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन खेह पोमारो, पूर्वी खासी पहाड़ी जिला, मेघालय में 1646 मी की उंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय के पादपालय (ASSAM) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'खासी हिल्स, मेघालय' के नाम पर आधारित है।

Lactifluus khasianus D. Chakr., A. Ghosh & D. Tudu, Phytotaxa 716(4): 275. 2025 (Russulaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Kseh Pomaaro, East Khasi Hills District, Meghalaya at 1646 m altitude. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Surveyof India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM).Specific epithet refers to the type locality, Khasi Hills, Meghalaya.

लेपियोटा केरलेन्सिस जे.आर. पाइयॉस व टी.के.ए. कुमार, नॉर्डिक जे. बॉट. ई4648.2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन इदिमुझिक्कल, मलप्पुरम जिला, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुरुवायूरप्पन कॉलेज, जामोरिन, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के राज्य 'केरल' के नाम पर आधारित है।

Lepiota keralensis J.R. Pious & T.K.A. Kumar, Nordic J. Bot. e4648.2025

The new species has been discovered and described based on the collection made from Idimuzhikkal, Malappuram District, Kerala. The holotype is deposited in the Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet refers to the type state 'Kerala'.

मैरस्मियस इंडिकस चौधरी, उनियाल व वाई. पी. शर्मा, नॉर्डिक जे. बॉट. ई04851.2025 (मैरस्मिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मण्डल, गोपेश्वर, चमोली, उत्तराखंड में समुद्रतल से 1900 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Marasmius indicus Choudhary, Uniyal & Y.P. Sharma, Nordic J. Bot. e04851.2025 (Marasmiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Mandal, Gopeshwar, Chamoli, Uttarakhand at 1900 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the type country India.

मैरस्मियस स्यूडोजैस्मिनोडोरस ए.के.दत्ता, पी. चट्टोपाध्याय व स्वर्णेंदु चंद्र, ब्रिटोनिया https://doi.org/10.1007/s12228-025-09836-z (मैरस्मिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 79 मीटर की उंचाई पर रुपगंज, पश्चिम बर्धमान जिला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुवाहाटी विश्वविद्यालय पादपालय, गुवाहाटी, असम (GUBH) में संगृहीत है। इसके नामकरण में प्रयुक्त 'स्यूडो' अर्थात 'नकली' और 'जैस्मिनोडोरस', *एम. जैस्मिनोडोरस* के साथ इसके समानता को दर्शाता है जबकि वास्तव में यह *एम. जैस्मिनोडोरस* से भिन्न है।

Marasmius pseudojasminodorus A.K. Dutta, P. Chattopadhyay & Swarnendu Chandra, Brittonia https://doi.org/10.1007/s12228-025-09836-z (Marasmiaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Rupganj, Paschim Bardhaman District, West Bengal at 79 m altitude. The holotype is deposited in Gauhati University Herbarium, Guwahati, Assam (GUBH). The epithet 'pseudo' means 'false', and 'jasminodorus' refers to the fact that 'it is similar to, but distinct from M. jasminodorus'

मिलैनोल्यूका देवथलेन्सिस चौधरी, उनियाल व वाइ.पी. शर्मा, फेड्डेस रेपर्ट. 136(4): 3.2025

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन देवस्थली, चमोली जिला, उत्तराखंड में 2244 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Melanoleuca deothalensis Choudhary, Uniyal & Y. P. Sharma, Feddes Repert. 136(4): 3. 2025

This species has been discovered and described based on the collection made from Devasthali, Chamoli District, Uttarakhand at 2244 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is after type locality.

मिलैनोल्यूका द्रासिना चौधरी, महमूद व वाइ.पी. शर्मा, फेड्डेस रेपर्ट. 136(4): 8.2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन द्रास, कारगिल, लद्दाख में 3013 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Melanoleuca drassina Choudhary, Mehmood & Y. P. Sharma, Feddes Repert. 136(4): 8. 2025

This species has been discovered and described based on the collection made from Drass, Kargil, Ladakh at 3013 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is after type locality.

माइक्रोप्सेलियोटा सबअम्बोनेटा पी.बी.पाटिल, एस.ए. वैद्या, वी.के. हिले व एन.पी.पाटिल, माइकोसाइंस 66: 2. 2025 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से 800 मीटर की ऊंचाई पर माथेरान हिल्स, रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त उपसर्ग 'सब'- (लैटिन) का अर्थ है 'लगभग' या 'निकट' और 'अम्बोनेटा' उस प्रजाति से संबंधित है जिससे यह नवीन पादप प्रजाति काफी मिलती-जुलती है।

Micropsalliota subumbonata P.B. Patil, S.A. Vaidya, V. K. Hile & N.P. Patil, Mycoscience 66: 2. 2025 (Agaricaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Matheran Hills, Raigad District, Maharashtra at 800 m a.s.l. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The prefix 'sub'-(L.) means 'almost' or 'close' and 'umbonata' pertains to the epithet of the species that this novel taxon closely resembles.

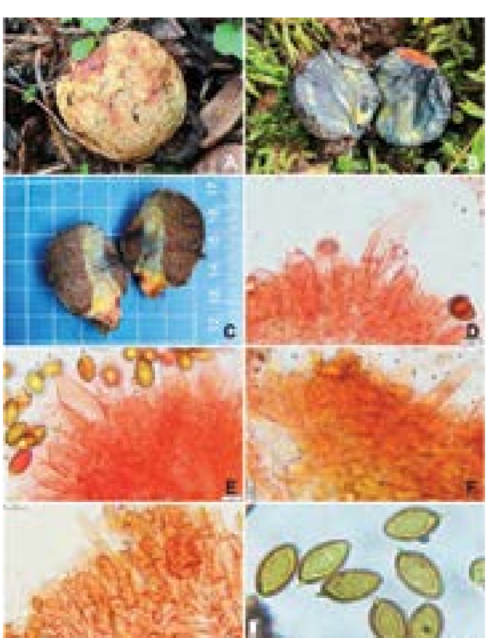

नियोबोलेटस एंजियोकार्पस सु. दत्ता, के. दास व विज़िनी, ताइवानिया 70(1):133.2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन हाटू पहाड़ी, शिमला जिला, हिमाचल प्रदेश में 3105 मी की ऊंचाई पर उप-अल्पाइन वन में *क्वेर्कस* प्रजाति से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके बंद बेसिडियोमाटा में उत्पन्न हाइमेनियम को दर्शाता है।

Neoboletus angiocarpus Su. Datta, K. Das & Vizzini, Taiwania 70(1):133.2025

The new species has been discovered and described based on the collection made in subalpine forest under Quercus sp., Hattu Hill, Shimla District, Himachal Pradesh at 3105 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the hymenium produced in an enclosed basidiomata.

नीग्रोग्रैना अंडमानिका एस. रक्षित व वी.वी.शर्मा, मायकोल. प्रोग्र. 24 (24): 7. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मांजेरी मैंग्रोव, अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में *लुम्निटजेरा लिटोरिया* (जैक) वोइगट की सड़ी-गली लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक पादपालय, पुणे महाराष्ट्र (AMH) में और अनप्ररूप संवर्ध माइक्रोबियल टाइप कल्चर कलेक्शन और जीन बैंक, सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी (इमटैक), चंडीगढ़ (MTCC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Nigrograna andamanica S. Rakshit & V.V. Sarma, Mycol. Progr. 24 (24): 7. 2025

The new species has been discovered and described based on the collection made from decaying wood of *Lumnitzera littorea* (Jack) Voigt, collected from Manjeri mangrove, Andaman, Andaman & Nicobar Islands. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune Maharashtra (AMH); ex-type culture is deposited in Microbial Type Culture Collection and Gene Bank, CSIR-Institute of Microbial Technology (IMTECH), Chandigarh (MTCC). The specific epithet is in reference to the type locality.

ओपेग्रैफा एकैरोस्पोरी वाई. जोशी, ताइवानिया 70(4):699.2025 (ओपेग्रैफेसी)

इस नवीन शैकवासी प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन गमशाली गांव, चमोली जिला, उत्तराखंड में गमशाली बुग्याल के रास्ते में 3749 मी की ऊंचाई पर *एकैरोस्पोरा फस्का* के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के पादपालय (RUB) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण परपोषी शैवाक वंश *एकैरोस्पोरा* के नाम पर आधारित है।

Opegrapha acarosporae Y. Joshi, Taiwania 70(4):699.2025 (Opegraphaceae)

The new lichenicolous species has been discovered and described based on the collection made, on thallus of *Acarospora fusca*, on way to Gamshali Bugyal, Gamshali Village, Chamoli District, Uttarakhand at 3749 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium of University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan (RUBL).The specific epithet is named after Acarospora, the host lichen genus.

पैरामाइरोथीसियम कमालियाइ श. कुमार, फर्साना, मुफीदा, राघव. सिंह व महादेवक. आर्काइव्स ऑफ माइक्रोबायोलॉजी 207: 42. 2025 (स्टैकीबोट्रिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची, त्रिशूर, केरल में *मैटौरिया ऐज़ूरीया* (पर्यायनाम : *ओटेकैन्थस कैरुलियस*) (प्लैन्टैजिनेसी) की जीवित पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची, त्रिशूर, केरल के पादपालय (MHKFRI) और अनप्ररूप जीवित संवर्ध केरल वन अनुसंधान संस्थान के माइक्रोबियल कल्चर कलेक्शन के पादपालय (KFRIMCC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण कवक वर्गिकी विशेष रूप से सर्कोस्पोरोइड कवक के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के भूतपूर्व प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष प्रो. कमाल के सम्मान में किया गया है।

Paramyrothecium kamalii Sh. Kumar, Farsana, Mufeeda, Raghv. Singh & Mahadevak., Archives of Microbiology 207: 42. 2025 (Stachybotryaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made on living leaves of Matourea azurea (syn: *Otacanthus caeruleus*) (Plantaginaceae), Kerala Forest Research Institute, Peechi, Thrissur, Kerala. The holotype is deposited in Mycological Herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi, Thrissur, Kerala (MHKFRI) and ex-type living culture is in KFRI Microbial Culture Collection (KFRIMCC). The specific epithet is named in honour of Prof. Kamal, Former Professor and Head, Department of Botany, DDU Gorakhpur University, India for his outstanding contribution to the field of fungal taxonomy especially cercosporoid fungi.

पैरामायरोथीसियम स्ट्रिकनी श.कुमार व राघव. सिंह, फंगल डाइवर्सिटी 10.1007/s13225-025-00560-3. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन आरलम वन्यजीव अभयारण्य, कन्नूर, केरल में *स्ट्रिक्नॉस डाल्जेलियाइ* सी.बी. क्लार्क (लोगेनिएसी) की जीवित पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप और अनप्ररूप संवर्ध केरल वन अनुसंधान संस्थान, त्रिशूर, केरल (KFRI) में संगृहीत है। समप्ररूप AMH में और अनसमप्ररूप संवर्ध भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वंश के नाम पर आधारित है।

Paramyrothecium strychni Sh. Kumar & Raghv. Singh, Fungal Diversity 10.1007/s13225-025-00560-3. 2025

The new species has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Strychnos dalzellii* C.B. Clarke (Loganiaceae), collected from Aralam Wildlife Sanctuary, Kannur, Kerala. The holotype and ex-type culture are deposited in Kerala Forest Research Institute, Thrissur, Kerala (KFRI). The isotype is in AMH; ex-isotype culture is deposited in National Fungal Culture Collection of India, Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra, (NFCCI). The specific epithet is in reference to the host genus.

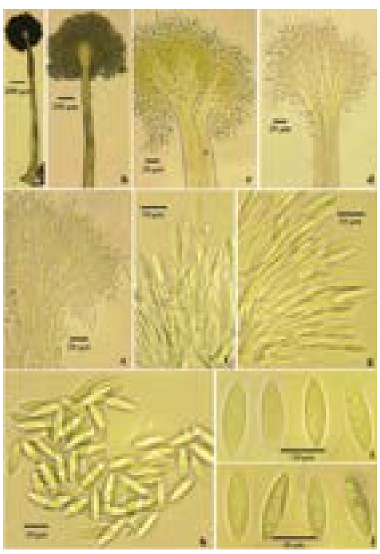

पैरासिनेमेलिसिया खासियाना प्रतिभा, भट व प्रभुग, फाइटोटैक्सा 732(1):72.2025 (फियोस्फीरीएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन मौसिनराम, खासी पहाड़ी, मेघालय में *किमोनोकैलेमस ग्रिफिथिएनस* के मृत कल्म से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप क्रिप्टोगैमी इंडियाई ओरिएंटलिस (HCIO), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्था, नई दिल्ली के पादपालय में, समप्ररूप ASSAM में जबकि अनप्ररूप भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'खासी पहाड़ी' के नाम पर आधारित है।

Parasynnemellisia khasiana Pratibha, Bhat & Prabhug., Phytotaxa 732(1):72.2025 (Phaeosphaeriaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead culms of *Chimonocalamus griffithianus*, Mawsynram, Khasi Hills, Meghalaya. The holotype is deposited in Herbarium Cryptogamae Indiae Orientalis (HCIO), IARI, New Delhi, isotype is in ASSAM whereas the ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet refers refers to the place of collection, Khasi hills.

पेंजिगोमाइसिस इंडिकस रश्मि दुबे व जश, जे. बॉम्बे नेच सोस 122(1): 44. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 914 मीटर की ऊंचाई पर बोंडला वन्यजीव अभयारण्य, पोंडा तालुका, उत्तरी गोवा में मृत बांस के तने से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पुणे, महाराष्ट्र (BSI) के पादपालय में संगृहीत है। इसका नामकरण इसके प्राप्तिस्थल 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Penzigomyces indicus Rashmi Dubey & Jash, J. Bombay Nat. Hist. Soc. 122(1): 44. 2025

This species has been discovered and described based on the collection made on dead bamboo stem, Bondla Wildlife Sanctuary, Ponda Taluka, North Goa, Goa at 914 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The specific epithet is named after India, the country of collection.

फ्लेगमेसिअम दिदनाएन्से ए. बोस व के. दास, नॉर्डिक जे. बॉट. ई0552.2025 (कॉर्टीनेरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन दिदना वन, चमोली जिला, उत्तराखंड में समुद्रतल से लगभग 2600 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'दिदना वन' के नाम पर आधारित है।

Phlegmacium didnaense A. Bose & K. Das, Nordic J. Bot. e0552.2025 (Cortinariaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Didna Forest, Chamoli District, Uttarakhand at 2600 m a.s.l. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the type locality 'Didna Forest'

स्यूडोसर्कोस्पोरा ट्राइफोलियोरम एस. राजवार, राघवेंद्र सिंह व शंभु कुमार, फाइटोटैक्सा 681(2):174.2025 (माइकोस्फीरेलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वाराणसी, बीएचयू परिसर, उत्तर प्रदेश में *ग्रोना ट्राइफ्लोरा* (लिनिअस) एच. ओहाशी व के. ओहाशी (फैबेसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है, समप्ररूप MH-BHU में और अनप्ररूप सजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी प्रजाति के नाम पर आधारित है।

Pseudocercospora trifoliorum S. Rajwar, Raghv. Singh & Sham. Kumar, Phytotaxa 681(2): 174. 2025 (Mycosphaerellaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on living leaves of *Grona triflora* (L.) H. Ohashi & K. Ohashi (Fabaceae) from Varanasi, BHU campus, Uttar Pradesh. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH), isotype is in MH-BHU and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet is derived from the name of host species.

रसुला देवदाराइ डी. चक्रवर्ती व ए. घोष, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस 37(2): 156. 2025 (रसुलेसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन कालाटोप, चम्बा, हिमाचल प्रदेश में 3013 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण इसके परपोषी वृक्ष '*सीड्रस देओदार*' के नाम पर आधारित है।

Russula deodarae D. Chakr. & A. Ghosh, Int. J. Plant Soil Sci. 37(2): 156. 2025 (Russulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Kalatop, Chamba, Himachal Pradesh at 2423 m elevation. The holotype is deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). Specific epithet refers to *Cedrus deodara* (Pinaceae), the host tree.

रसुला स्यूडोविरेसेन्स एन.रॉय, ए.के.दत्ता व तांती, फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z (रसुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से 1365 मीटर की ऊंचाई पर उमशिंग मावकइनरोह, पूर्वी खासी हिल्स जिला, मेघालय में *पाइनस केसिया* वृक्ष के नीचे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुवाहाटी विश्विद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण *आर. विरेसेन्स* से इसके आकृतिक सादृश्य पर आधारित है।

Russula pseudovirescens N. Roy, A.K. Dutta & Tanti, Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z (Russulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made under *Pinus kesiya* tree, Umshing Mawkynroh, East Khasi Hills District, Meghalaya at 1365 m a.s.l. The holotype is deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). The species epithet 'pseudovirescens' refers to the morphological similarity to R. virescens.

रसुला राजमहलेन्सिस ए.घोष, हेम्ब्रम व डी. चक्र., आर्क. करें. रिस. इंट. 25(3). 174. 2025 (रसुलेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 62 मीटर की ऊंचाई पर पार्टी पहाड़ गांव, उल्घुतु क्षेत्र, दुर्गापुर पंचायत, साहिबगंज जिला, राजमहल पहाड़ियां, झारखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय के पादपालय (ASSAM) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल झारखंड राज्य के 'राजमहल पहाडियों' के नाम पर आधारित है।

Russula rajmahalensis A. Ghosh, Hembrom & D. Chakr., Arch. Curr. Res. Int. 25(3). 174. 2025 (Russulaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Village of Partee Pahar, Ulghutu Area, Durgapur Panchayat, Sahibganj District, Rajmahal hills, Jharkhand at 62 m elevation. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The specific epithet refers to the Rajmahal hills of the state Jharkhand (India), the type locality.

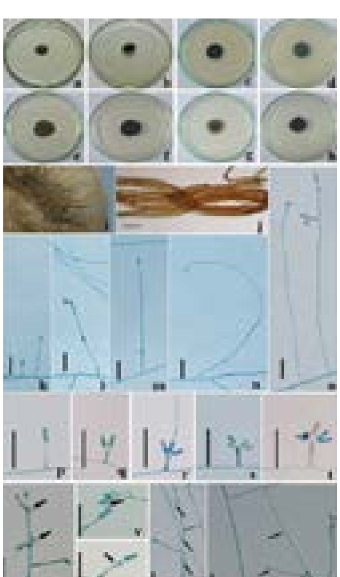

स्कोलेकोबेसिडियम लौरेंशियाइ एम. सुथार, एस.के. सिंह व पी.एन. सिंह, फाइटोटैक्सा 711(2):175.2025 (सिम्पोवेन्चुरिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन ताम्हिनी घाट, महाराष्ट्र में जीवांश से भरपूर मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है और अनप्ररूप सजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण सूक्ष्मजैविक वर्णक के अध्ययन में योगदान के लिए रियूनियन द्वीप विश्वविद्यालय, फ्रांस के प्रतिष्ठित प्रोफेसर लॉरेंट डुफोसी के सम्मान में किया गया है।

Scolecobasidium laurentii M. Suthar, S.K. Singh & P.N. Singh, Phytotaxa 711(2):175.2025 (Sympoventuriaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from detritus rich soil, Tamhini Ghats, Maharashtra. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet is dedicated to Professor Laurent Dufossé, a distinguished Professor from Reunion Island University, France, to commemorate his contributions to the study of microbial pigments.

सिंगरोबोलेटस हिमालयेनस के. दास, सु. दत्ता, ए. घोष व विज़िनी, ताइवानिया 70(1):152.2025 (बोलेटेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन बनियाकुंड, रुद्रप्रयाग जिला, उत्तराखंड में 2557 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'हिमालय' के नाम पर आधारित है।

Singeroboletus himalayanus K. Das, Su. Datta, A. Ghosh & Vizzini, Taiwania 70(1):152.2025 (Boletaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Baniakund, Rudraprayag District, Uttarakhand, at 2557 m elevation. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL).The specific epithet refers to the Himalaya where the type locality is located.

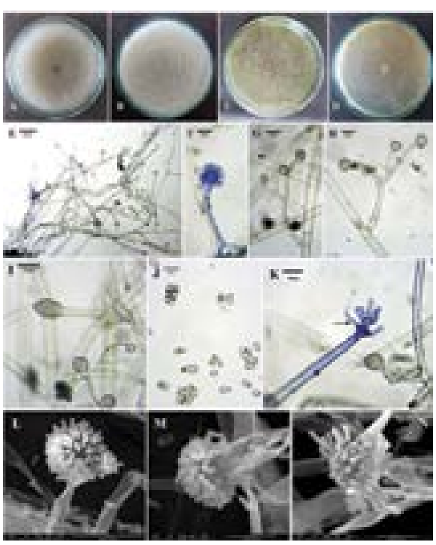

सिनसिफैलेस्ट्रम बागूलियाइ यादव लाल साहब, सिंह पी.एन. व ए.एल. सैंटियागो, फाइटोटैक्सा 691(2):191.2025 (सिनसिफैलेस्ट्रेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन उल्हासनगर ठाणे, श्रीमती सी.एच.एम कॉलेज, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में और अनप्ररूप सजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण अवकाशप्राप्त प्राध्यापक डॉ. रवींद्र जी. बागूल के 80वें जन्मदिवस पर वनस्पति विज्ञान और कवक विज्ञान में उनके 35 वर्षों के योगदान को सम्मान देने के लिए किया गया है।

Syncephalastrum bagoolii Yadav Lal Sahab, Singh P.N. & A.L. Santiago, Phytotaxa 691(2): 191. 2025 (Syncephalastraceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Ulhasnagar Thane, Smt. C.H.M College, Maharashtra.The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet refers to the name of Emeritus Prof. Dr. Ravindra G. Bagool in honour of his 80thBirthday and his 35 year's contribution to Botany and Mycology.

थैक्सटेरोगैस्टर थिंदियाइ ए. बोस व डी. चक्रवर्ती, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस 37(2): 183. 2025 (कॉर्टिनेरिएसी)

इस प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन सोहरा, मेघालय में समुद्रतल से 1321 मी की ऊंचाई पर *कैस्टेनॉप्सिस* प्रजाति के नीचे की मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण भारतीय माइकोबायोटा में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. के. एस. थिंद के सम्मान में किया गया है।

Thaxterogaster thindii A. Bose & D. Chakr., Int. J. Plant Soil Sci. 37(2): 183. 2025 (Cortinariaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Sohra, Meghalaya at 1321 m a.s.l., on the soil under *Castanopsis* sp. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is after Dr K.S. Thind for his significant contributions to Indian mycobiota.

ट्राइकोलोस्पोरम तमिलनाडुएन्से कुमार एम., एग्नेस के. ए. व निवेथा एम., फाइटोटैक्सा 690(2):257.2025 (ऐस्प्रोइनोसाइबेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन तिरुपत्तूर (अलंगायम), तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Tricholosporum tamilnaduense Kumar M, Agnes K. A & Nivetha M, Phytotaxa 690(2): 257. 2025 (Asproinocybaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made from Tirupattur (Alangayam), Tamil Nadu. The specific epithet is after the type location.

ट्यूबर एशियाटिकम एन. शर्मा व तपवाल, ताइवानिया 70(2):203.2025 (ट्यूबरेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन नारकंडा, हिमाचल प्रदेश में 2708 मी की ऊंचाई पर *ऐबीज पिंड्रो* वाले शीतोष्ण से लेकर उप-अल्पाइन वनों में किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल एशिया महाद्वीप के नाम पर आधारित है।

Tuber asiaticum N. Sharma & Tapwal, Taiwania 70(2):203.2025 (Tuberaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made in temperate to subalpine forests under Abies pindrow, Narkanda, Himachal Pradesh at 2708 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet refers to the continent Asia where the type locality is present.

विशनियाकोजाइमा इंडिका अंजिता थॉमस व टी.के.ए कुमार, पर्सूनिया 54: 578. 2025

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन 150 मी की ऊंचाई पर कक्कड़, कोझिकोड जिला, केरल में मृत टहनियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप गुरुवायूरप्पन कॉलेज, जामोरिन, कोझीकोड, केरल (ZGC) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल के देश 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Vishniacozyma indica Anjitha Thomas & T.K.A. Kumar, Persoonia 54: 578. 2025

The new species has been discovered and described based on the collection made from dead twigs, collected from Kakkad, Kozhikode District, Kerala at 150 m elevation. The holotype is deposited in Zamorin's Guruvayurappan College, Kozhikode, Kerala (ZGC). The specific epithet is in reference to the country of collection *i.e.* India.

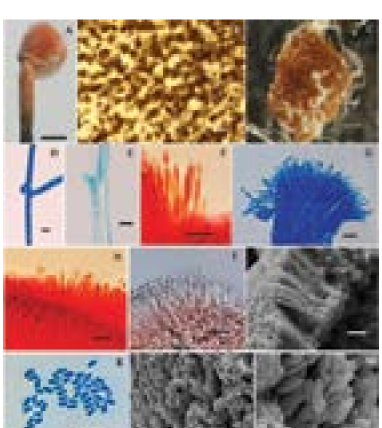

वैटिया लखनपालाइ एस. राणा. व एस.के. सिंह, फाइटोटैक्सा 700(3):272.2025 (कॉर्टीसिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन आजरा, कोल्हापुर, महाराष्ट्र में मृत लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण भारतीय बेसिडयोमाइकोटा में बहुमूल्य योगदान के लिए प्रोफेसर टी.एन. लखनपाल के सम्मान में किया गया है।

Waitea lakhanpalii S. Rana, and S.K. Singh, Phytotaxa 700(3): 272. 2025 (Corticiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on dead wood from Ajara, Kolhapur, Maharashtra. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH). This specific epithet is in honour of Professor T.N. Lakhanpal for his extraordinary contribution to Indian Basidiomycota.

जैन्थेगैरिकस निग्रोस्क्वैमोसस पी.बी.पाटिल, एस.ए.वैद्या, एन.पी.पाटिल व एस.के.मौर्य, माइकोसाइंस 66: 2. 2025 (एगैरिकेसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन समुद्रतल से 800 मीटर की ऊंचाई पर माथेरान हिल्स, रायगढ़ जिला, महाराष्ट्र से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके छत्र की सतह पर मौजूद काली पालिका को दर्शाता है।

Xanthagaricus nigrosquamosus P.B. Patil, S.A. Vaidya, N.P. Patil & S.K. Maurya, Mycoscience 66: 6. 2025 (Agaricaceae)

This species has been discovered and described based on the collection made from Matheran Hills, Raigad District, Maharashtra at 800 m a.s.l. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AMH). The species epithet refers to the black squamules on the pileus surface.

जियूगुओझांगिया सह्याद्रिएन्सिस राजेशकुमार, ओ.पी. श्रुति, रेब्लोवा व आर.एफ. कास्टानेडा, फाइटोटैक्सा 711(3):270.2025 (स्यूडोबर्कलिऐस्मिएसी)

इस नवीन प्रजाति का अन्वेषण व वर्णन वाझाचल वन प्रभाग, पोकलापारा, केरल में *ऑकलेंड्रा* प्रजाति की सड़ी-गली टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है और अनप्ररूप सजीव संवर्धन भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इस प्रजाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल पश्चिमी घाट के संस्कृत नाम ‹सह्याद्रि› पर आधारित है।

Xiuguozhangia sahyadriensis Rajeshk., O.P. Sruthi, Réblová & R.F. Castañeda, Phytotaxa 711(3):270.2025 (Pseudoberkleasmiaceae)

The new species has been discovered and described based on the collection made on decaying twig of *Ochlandra* sp.,Vazhachal Forest Division, Pokalappara, Kerala. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). The specific epithet is derived from the Sanskrit name for the Western Ghats, 'Sahyadri' where the fungus was collected.

नवीन वितरणपरक अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

नवीन वंशगत अभिलेख / New Genus Record

ब्लैकवेलोमाइसस स्पैटेफोरा व लुएंगसा-आर्ड (कॉर्डिसिपीटेसी)

पूर्वतः ब्राज़ील, पापुआ न्यू गिनी, संयुक्त राज्य अमेरिका, कोलंबिया, थाईलैंड, डोमिनिका, क्यूबा, चेकिया, दक्षिण अफ्रीका, एस्टोनिया, इक्वाडोर, प्यूर्टो रिको, जापान और कोरिया से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पाचल, तहसील राजापुर, रत्नागिरी जिला, महाराष्ट्र में मिट्टी में छुपे हुए लार्वा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे अंजली राजेंद्र पाटिल, स्नेहल सुधीर बिरंजे, महेश यशवंत बोर्डे व योगेश सदाशिव पाटिल ने जे. थ्रैट. टैक्सा 17(3): 26715. 2025 में प्रकाशित किया है।

Blackwellomyces Spatafora & Luangsa-ard (Cordycipitaceae)

The genus earlier known from Brazil, Papua New Guinea, United States of America, Colombia, Thailand, Dominica, Cuba, Czechia, South Africa, Estonia, Ecuador, Puerto Rico, Japan, and Korea has been reported for the first time from India based on the collection made on larvae buried in soil, Pachal, Tehsil Rajapur, Ratnagiri District, Maharashtra. This has been published by Anjali Rajendra Patil, Snehal Sudhir Biranje, Mahesh Yashwant Borde & Yogesh Sadashiv Patil in J. Threat. Taxa 17(3): 26715. 2025.

नवीन प्रजातिगत अभिलेख / New Species Record

एगैरिकस निविओग्रैनुलेटस लिंडा जे. चेन**,** आर.एल. झाओ**,** कैलक व के.डी. हाइड (एगैरिकेसी)

पूर्वतः थाईलैंड, चीन और सिंगापुर से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जालूकबाड़ी, कामरूप मेट्रो ज़िला, असम में समुद्रतल से लगभग 78 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इसे पी. चट्टोपाध्याय व ए.के.दत्ता ने कवका 61(2): 73, 2025 में प्रकाशित किया है।

Agaricus niveogranulatus Linda J. Chen, R.L. Zhao, Callac & K.D. Hyde (Agaricaceae)

The species earlier known from Thailand, China, and Singapore has been reported for the first time from India based on the collection made from Jalukbari, Kamrup Metro District, Assam at 78.0 m a.s.l. The specimens are deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). This has been published by P. Chattopadhyay & A.K. Dutta in KAVAKA 61(2): 73. 2025.

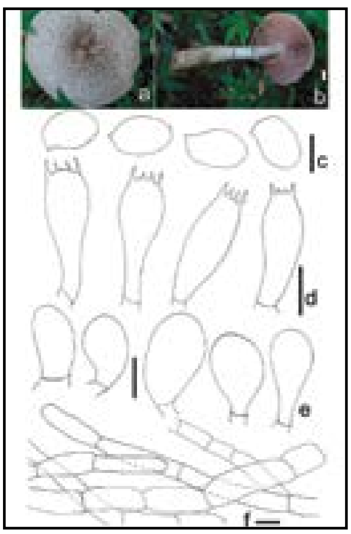

एगैरिकस पैलिडोब्रुनियस आर.एल. झाओ (एगैरिकेसी)

पूर्वतः चीन और थाईलैंड से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 790 मीटर की ऊंचाई पर जलुकबारी, कामरूप महानगर जिला से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इसे अरुण कुमार दत्ता व पिनाकी चट्टोपाध्याय ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Agaricus pallidobrunneus R.L. Zhao (Agaricaceae)

The species earlier known from China and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Jalukbari, Kamrup Metro District at 79.0 m a.s.l. The specimens are deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). This has been published by Arun Kumar Dutta & Pinaki Chattopadhyay in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन लेप्टेस्कम (स्पेगाज़िनी) जू, रोजर्स व शे

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 395 मी की ऊंचाई पर पूर्वी सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश के सिकंग बोगगो इको-टूरिज्म क्षेत्र के उष्णकटिबंधीय वन में अज्ञात वृक्ष की टहनियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्विद्यालय के कवक पादपालय में और अजरेकर कवक पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इसे गौतम दत्ता व आर.के. सिंह ने न्यूज़ीलैंड जर्नल ऑफ बॉटनी 63(1): 66–77. 2025 में प्रकाशित किया है।

Annulohypoxylon leptascum (Speg.) Ju, Rogers & Hsieh

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from unknown tree twigs, collected from tropical forest of Sikang Boggo Eco Tour Region, East Siang District, Arunachal Pradesh at 395 m elevation. The specimens are deposited in the fungal herbarium of the Department of Botany, Rajiv Gandhi University and Ajrekar Mycological Herbarium Pune, Maharashtra (AMH). This has been published by Gautam Dutta & R.K. Singh New Zealand Journal of Botany 63(1): 66–77. 2025.

ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन माइक्रोबोवी लारिसा निकोलेयेवा वासिलियेवा, एस. एल. स्टीफेंसन व के. डी. हाइड

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 125 मी की ऊंचाई पर पूर्वी सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश में पोबा आरक्षित वन के उष्णकटिबंधीय वन में मृत वृक्ष की टहनियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। । प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्विद्यालय के कवक पादपालय में और अजरेकर कवक पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इसे गौतम दत्ता व आर.के. सिंह ने न्यूज़ीलैंड जर्नल ऑफ बॉटनी 63(1): 66–77. 2025 में प्रकाशित किया है।

Annulohypoxylon microbovei Lar. N. Vassiljeva, S.L. Stephenson & K.D. Hyde

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from dead tree twigs, collected from tropical forest of Poba Reserve Forest, East Siang District, Arunachal Pradesh at 125 m elevation. The specimens are deposited in the fungal herbarium of the Department of Botany, Rajiv Gandhi University and Ajrekar Mycological Herbarium Pune, Maharashtra (AMH). This has been published by Gautam Dutta & R.K. Singh New Zealand Journal of Botany 63(1): 66–77. 2025.

ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन नाइटेन्स (सेसाटी) जू, रोजर्स व शे

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1580 मी की ऊंचाई पर पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में टेंगा घाटी के उपोष्णकटिबंधीय वन में एक बड़े वृक्ष के तने से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्विद्यालय के कवक पादपालय में और अजरेकर कवक पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इसे गौतम दत्ता व आर.के. सिंह ने न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ बॉटनी 63(1): 66–77. 2025 में प्रकाशित किया है।

Annulohypoxylon nitens (Ces.) Ju, Rogers & Hsieh

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from large tree trunk, collected from sub-tropical forest of Tenga Valley, West Kameng District, Arunachal Pradesh at 1580 m elevation. The specimens are deposited in the fungal herbarium of the Department of Botany, Rajiv Gandhi University and Ajrekar Mycological Herbarium Pune, Maharashtra (AMH). This has been published by Gautam Dutta & R.K. Singh New Zealand Journal of Botany 63(1): 66–77. 2025.

ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन सबएफ्यूसम (स्पेगाज़िनी) ह्लादकी व ए. आई. रोमेरो

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से - दोईमुख, पापुम पारे में 572 मी की ऊंचाई पर उष्णकटिबंधीय वन से; 1588 मी की ऊंचाई पर टेंगा घाटी, पश्चिम कामेंग जिला में उपोष्णकटिबंधीय वन से; 1629 मी की ऊंचाई पर पर ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिम कामेंग जिला में उपोष्णकटिबंधीय वन से तथा 2062 मी की ऊंचाई पर शेरगांव, पश्चिम कामेंग जिला में शीतोष्ण वन से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्विद्यालय के कवक पादपालय में और अजरेकर कवक पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इसे गौतम दत्ता व आर.के. सिंह ने न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ बॉटनी 63(1): 66–77. 2025 में प्रकाशित किया है।

Annulohypoxylon subeffusum (Speg.) Hladki & A.I. Romero

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from different parts of Arunachal Pradesh- from tropical forest of Doimukh, Papumpare at 572 m elevation; sub-tropical forest of Tenga valley, West Kameng District at 1588 m elevation; sub-tropical forest of Eagle Nest Wildlife Sanctuary, West Kameng District at 1629 m elevation; temperate forest of Shergaon, West Kameng District at 2062 m elevation. The specimens are deposited in the fungal herbarium of the Department of Botany, Rajiv Gandhi University and Ajrekar Mycological Herbarium Pune, Maharashtra (AMH). This has been published by Gautam Dutta & R.K. Singh New Zealand Journal of Botany 63(1): 66–77. 2025.

ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन विरिडिस्ट्रेटम सर व कुहनर्ट

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1792 मी की ऊंचाई पर पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश में बोमडिला के शीतोष्ण वन में एक अज्ञात मृत पेड़ की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्विद्यालय के कवक पादपालय में और अजरेकर कवक पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में संगृहीत है। इसे गौतम दत्ता व आर.के. सिंह ने न्यूजीलैंड जर्नल ऑफ बॉटनी 63(1): 66–77. 2025 में प्रकाशित किया है।

Annulohypoxylon viridistratum Sir & Kuhnert

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from bark of unidentified dead tree, collected from temperate forest of Bomdila, West Kameng District, Arunachal Pradesh at 1792 m elevation. The specimens are deposited in the fungal herbarium of the Department of Botany, Rajiv Gandhi University and Ajrekar Mycological Herbarium Pune, Maharashtra (AMH). This has been published by Gautam Dutta & R.K. Singh New Zealand Journal of Botany 63(1): 66–77. 2025.

एन्थूरस ब्राउनियाइ जे.एम. मेंड., (फैलेसी)

पूर्वतः फिलीपींस और ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 273 फीट की ऊंचाई पर भुवनेश्वर, ओडिशा में अजीब प्रकार की दुर्गंध वाली लाल मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे मलय पृथ्वीराज साहू, प्रभात कुमार दास, अरविंद परिहार, विनयकुमार हल्लूर, सुप्रिया साहू, समरेंद्र नारायण मल्लिक, यशस्विनी राउत व सीताराम प्रसाद पंडा ने प्लांट साइंस टुडे 12(4): 4. 2025 में प्रकाशित किया है।

Anthurus brownii J.M. Mend., (Phallaceae)

The species earlier known from Philippines and Australia has been reported for the first time from India based on the collection made on the red soil with a typical foul smell from Bhubaneswar, Odisha at 273 ft a.s.l. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Malay Prithwiraj Sahoo, Prabhat Kumar Das, Arvind Parihar, Vinaykumar Hallur, Supriya Sahu, Samarendra Narayan Mallick, Yasaswinee Rout and Sitaram Prasad Panda in Plant Science Today 12(4): 4. 2025.

ऐपियोस्पोरा एक्यूटिऐपिका (सेनानायके व के.डी. हाइड) एक्स.जी. तियान व तिबप्रोम्मा

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 17 मी की ऊंचाई पर गोवा में महादेई से बोंडला के रास्ते में बांस के कल्म से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिम क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (BSI) में संगृहीत है। इसे रश्मि दुबे व एस. जश ने कवका 61(4): 136. 2025 में प्रकाशित किया है।

Apiospora acutiapica (Senan. & K.D. Hyde) X.G. Tian & Tibpromma

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from bamboo culms, collected on the way from Mhadei to Bondla, Goa at 17 m elevation. The specimen is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune Maharashtra (BSI). This has been published by Rashmi Dubey & S. Jash in KAVAKA 61(4): 136. 2025.

ऐपियोस्पोरा मलेशियाना (क्रूस) पिंटोस व पी. अल्वाराडो

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 727 मी की ऊंचाई पर महादेई वन्यजीव अभयारण्य, गोवा के वनमार्ग में बांस के कल्म से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिम क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र के पादपालय (BSI) में संगृहीत है। इसे रश्मि दुबे व एस. जश ने कवका 61(4): 136. 2025 में प्रकाशित किया है।

Apiospora malaysiana (Crous) Pintos & P. Alvarado

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from bamboo culms, collected from Glade, Mhadei Wildlife Sanctuary, Goa at 727 m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). This has been published by Rashmi Dubey & S. Jash in KAVAKA 61(4): 136. 2025.

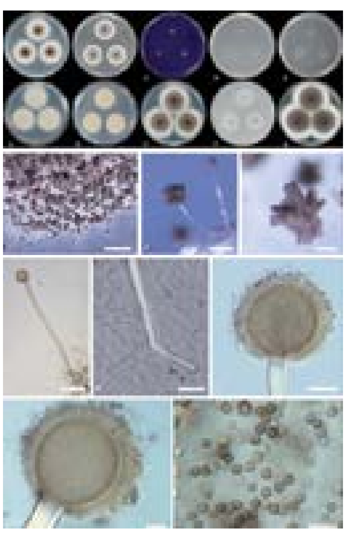

ऐस्पर्जिलस एक्यूलिएटीनस नूनीम (ऐस्पर्जिलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार अनियारम, केरल में *मराया कोइनिंगाई* (मूल परिवेशी) के साहचर्य वाले मृदा से किए गए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में तथा अनप्ररूप भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इसे कुनियिल हरिकृष्णन, कुन्हीरामन सी. राजेशकुमार, रवींद्र एम. पाटिल, राजेश जीवन व कोबस एम. विसागी ने फाइटोटैक्सा 695(1):71.2025 में प्रकाशित किया है।

Aspergillus aculeatinus Noonim (Aspergillaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on soil associated with *Murraya koenigii* (rhizosphere) from Aniyaram, Kerala.The specimens are deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). This has been published by Kuniyil Harikrishnan, Kunhiraman C. Rajeshkumar, Ravindra M. Patil, RajeshJeewon & Cobus M. Visagie inPhytotaxa 695(1): 71. 2025

ऐस्पर्जिलस ब्रुनियोवायोलेसिअस बटिस्टा व एच. माइया (ऐस्पर्जिलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार वेल्हे-मानगांव, महाराष्ट्र में मिट्टी से किए गए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप अजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र (AMH) में तथा अनप्ररूप भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, पुणे, महाराष्ट्र (NFCCI) में संगृहीत है। इसे कुनियिल हरिकृष्णन, कुन्हीरामन सी. राजेशकुमार, रवींद्र एम. पाटिल, राजेश जीवन व कोबस एम. विसागी ने फाइटोटैक्सा 695(1): 74 .2025 में प्रकाशित किया है।

Aspergillus brunneoviolaceus Bat. & H. Maia (Aspergillaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on soil, Velhe-Mangaon, Maharashtra. The specimens are deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra (AMH) and ex-type culture is deposited in the National Fungal Culture Collection of India, Pune, Maharashtra (NFCCI). This has been published by Kuniyil Harikrishnan, Kunhiraman C. Rajeshkumar, Ravindra M. Patil, Rajesh Jeewon & Cobus M. Visagie in Phytotaxa 695(1): 74. 2025.

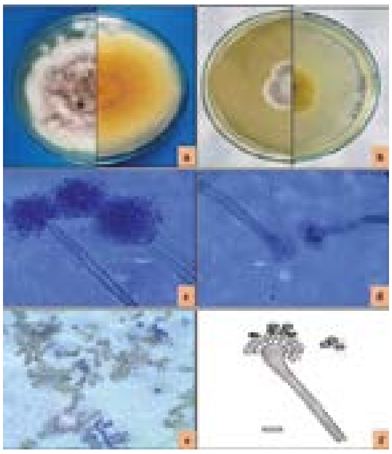

ऐस्पर्जिलस इंसुऐटस (बैनियर) थॉम व चर्च

पूर्वतः कनाडा, पुर्तगाल, इटली, न्यूयॉर्क, यूएसए, दक्षिण अफ्रीका, चीन, इज़राइल, स्पेन और दक्षिण कोरिया से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 3497 मी की ऊंचाई पर कारगिल ज़िला, लद्दाख (संघशासित प्रदेश) में *इलेइएग्नस ऐंगुस्टीफोलिआ* लिनिअस, के मूल परिवेशी मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे शिवानी डिगरा व स्कार्मा नॉनजोम ने कवका 61(1): 35, 2025 में प्रकाशित किया है।

Aspergillus insuetus (Bainier) Thom & Church

The species earlier known from Canada, Portugal, Italy, New York, USA, South Africa, China, Israel, Spain, South Korea has been reported for the first time from India based on the collection made from rhizospheric soil of *Elaeagnus angustifolia* L., Kargil district, Ladakh (UT) at 3497 m. a.s.l. This has been published by Shivani Digra & Skarma Nonzom in KAVAKA 61(1): 35. 2025.

औरीकुलेरिया सिनोडेलिकेटा वाइ. सी. दाइ व एफ. वु (औरीकुलेरिएसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1179 मीटर की उंचाई पर लाज़ो बस्ती, खोंसा, तिराप जिला, अरुणाचल प्रदेश में मृत लट्ठ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरुप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (ARUN) में संगृहीत है। इसे अरविंद परिहार ने जे. प्ला. डेव. साइ. 17(4): 158. 2025 में प्रकाशित किया है।

Auricularia sinodelicata Y.C. Dai & F. Wu (Auriculariaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made on a dead wood log, Lazo Basti, Khonsa, Tirap District, Arunachal Pradesh at 1179 m altitude. The specimens are deposited in in the herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by Arvind Parihar in J. Pl. Dev. Sci. 17(4): 158. 2025.

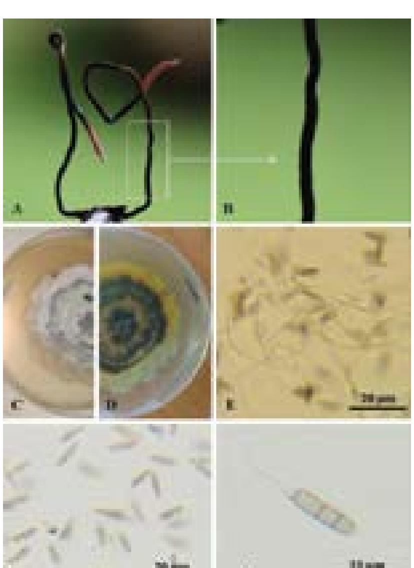

बर्टालिनिया केविनहाइडी डोइलोम, तिब्प्रोम्मा व भट्ट (स्पोरोकेडेसी)

पूर्वतः थाईलैंड, चीन और दक्षिण अफ्रीका से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार शोलायर वन, त्रिशूर जिला, केरल में *ओफियोकॉर्डिसेप्स प्रजाति* (कॉर्डिसिपिटेसी) की स्टोमेटा पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप केरल वन अनुसंधान संस्थान माइक्रोबियल कल्चर कलेक्शन (KFRIMCC) में संगृहीत है। इस प्रजाति को चलासनी दंतेश्वरी, पुलभोटला वीएसआरएन शर्मा, शिवन्नेगौड़ा महादेवकुमार, कलाथिल थोडी मुफीदा, शंभू कुमार, कंडिकेरे रमैया श्रीधर, जिथू यू. कृष्णन ने माइकोएशिया 2025/08. https://doi.org/10.59265/mycoasia.2025-08 में प्रकाशित किया है।

Bartalinia kevinhydei Doilom, Tibpromma & Bhat (Sporocadaceae)

The species earlier known from Thailand, China, South Africa has been reported for the first time from India based on the collection made from Sholeyar Forest, Thrissur District, Kerala on stromata on *Ophiocordyceps* sp. (Cordycipitaceae). The specimens are deposited in Kerala Forest Research Institute Microbial Culture Collection (KFRIMCC). This has been published by Chalasani Danteswari, Pullabhotla VSRN Sarma, Shivannegowda Mahadevakumar, Kalathil Thodi Mufeeda, Shambhu Kumar, Kandikere Ramaiah Sridhar, Jithu U Krishnan in MycoAsia, 2025/08. https://doi.org/10.59265/mycoasia.2025-08

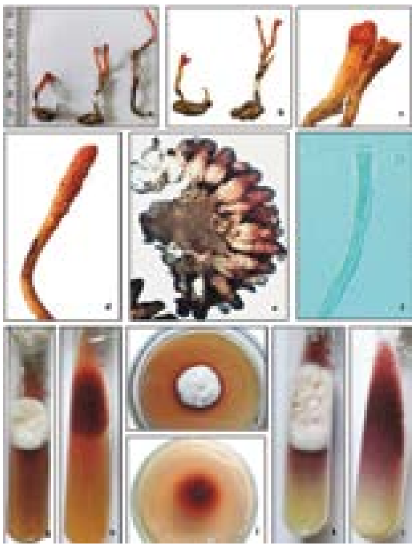

ब्लैकवेलोमाइसस स्यूडोमिलिटैरिस (हाइवेल-जोन्स व सिविचाई) स्पैटेफोरा व लुएंगसा-आर्ड (कॉर्डिसिपीटेसी)

पूर्वतः थाईलैंड से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पाचल, तहसील राजापुर, रत्नागिरी, महाराष्ट्र की मिट्टी में छुपे हुए लार्वा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसे अंजली राजेंद्र पाटिल, स्नेहल सुधीर बिरंजे, महेश यशवंत बोर्डे व योगेश सदाशिव पाटिल ने जे. थ्रैट. टैक्सा 17(3): 26715, 2025 में प्रकाशित किया है।

Blackwellomyces pseudomilitaris (Hywel-Jones & Sivichai) Spatafora & Luangsa-ard (Cordycipitaceae)

The species earlier known from Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made on larvae buried in soil, Pachal, Tehsil Rajapur, Ratnagiri District, Maharashtra. This has been published by Anjali Rajendra Patil, Snehal Sudhir Biranje, Mahesh Yashwant Borde & Yogesh Sadashiv Patil in J. Threat. Taxa 17(3): 26715. 2025.

कैलोबोलेटस पैनीफॉर्मिस (तानेयामा व हार. ताकाह.) विज़िनी (बोलेटेसी)

इस नवीन जाति का वर्णन भारत (हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम) में पहली बार समुद्रतल से 2417 मी, 1955 मी, 3352 मी, 1977 मी और 2330 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। यह *सीड्रस देओदारा* और *पाइनस* प्रजाति प्रधान शीतोष्ण शंकुधारी वनों में छिटपुट या संघचारी अवस्था में उगती हुई पाई गई। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे श्वेता राजपूत, द्युतिपर्णा चक्रबर्ती, कनाद दास, अनिकेत घोष व यश पाल शर्मा ने इंडियन फाइटोपैथोलॉजी 78:181–188. 2025 में प्रकाशित किया है।

Caloboletus panniformis (Taneyama & Har. Takah.) Vizzini (Boletaceae)

The species represents first report from India (Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Sikkim). It has been collected at different altitude of 2417 m a.s.l, 1955 m a.s.l, 3352 m a.s.l, 1977 m a.s.l, and 2330 m a.s.l, growing solitary to scattered, under *Cedrus deodara* and *Pinus* sp. in temperate coniferous forests. The specimen has been deposited in the in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). It has been published by Sweta Rajput, Dyutiparna Chakraborty, Kanad Das, Aniket Ghosh &Yash Pal Sharma in Indian Phytopathology 78:181–188. 2025.

कैंडोलिओमाइसस ऐल्बिपीज (मुरिल) डी. वाक्टर व ए. मेल्ज़र (सैथाइरिलेसी)

पूर्वतः जमैका और साओ टोमे से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पालोड, तिरुवनंतपुरम, केरल के जंगलों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल बोटैनिक गार्डन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, तिरुवनंतपुरम, केरल के कवक पादपालय [TBGT (M)] में संगृहीत है। इसे पी.के. नयना व सी.के. प्रदीप ने कवका 61(2): 34, 2025 में प्रकाशित किया है।

Candolleomyces albipes (Murrill) D. Wächter & A. Melzer (Psathyrellaceae)

The species earlier known from Jamaica and São Tomé has been reported for the first time from India based on the collection made from the forests of the JNTBGRI campus, Palode, Thiruvananthapuram, Kerala. The specimens are deposited in the Mycological Herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala [TBGT (M)]. This has been published by P.K. Nayana & C.K. Pradeep in KAVAKA 61(2): 34. 2025.

कैन्डोलियोमाइसीस सुबसिंगेरी (टी.बाउ व जे.क्यू यान) डी. वैक्टर व ए. मेल्जर (सैथाइरिलेसी)

पूर्वतः चीन और कोरिया से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 1993 मीटर की ऊंचाई पर कुवापानी, लावा, कालिमपोंग जिला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कलकत्ता विश्विद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के पादपालय (CUH) में संगृहीत है। इसे जूना तमांग व कृष्णेंदु आचार्या ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Candolleomyces subsingeri (T. Bau & J.Q. Yan) D. Wächt. & A. Melzer (Psathyrellaceae)

The species earlier known from China and Korea has been reported for the first time from India based on the collection made from Kuwapani, Lava, Kalimpong District, West Bengal at 1993 m altitude. The specimens are deposited in Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). This has been published by Juna Tamang & Krishnendu Acharya in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

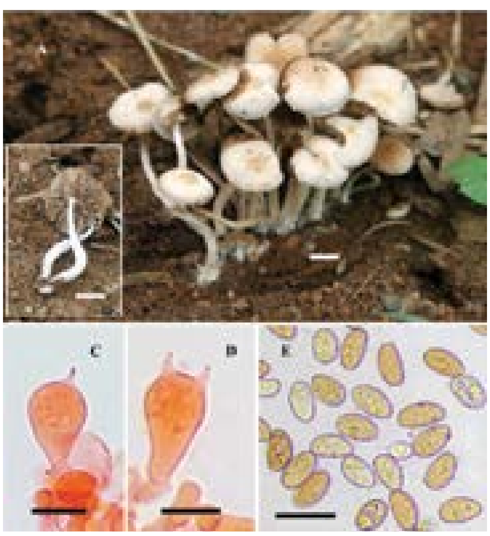

कैंडोलियोमाइसेस टाइफाइ (कालचब्रेनर) डी. वैक्टर व ए. मेल्ज़र (सैथाइरिलेसी)

पूर्वतः फ्रांस, चेकोस्लोवाकिया, अमेरिका, स्विट्जरलैंड, चेक और तुर्की से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार केरल के दो स्थानों क्रमशः बाडियाडका, कासरगोड जिला में समुद्रतल से 19 मी की ऊंचाई पर और अचनकोविल, कोल्लम जिला में177 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जवाहरलाल नेहरू उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल के कवक पादपालय (TBGT) में संगृहीत है। इसे पी.के. नयना व सी.के. प्रदीप ने फाइटोटैक्सा 691(1): 44. 2025 में प्रकाशित किया है।

Candolleomyces typhae (Kalchbr.) D. Wächt. & A. Melzer, Phytotaxa 691(1):44.2025 (Psathyrellaceae)

The species earlier known from France, Czechoslovakia, USA, Switzerland, Czech and Turkey has been reported for the first time from India based on the collection made from two places in Kerala *viz.* Badiadka, Kasaragod District, at 19 m elevation and from Achankovil, Kollam District at 177 m elevation. The specimens are deposited in the Mycological herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by P.K. Nayana & C.K. Pradeep in Phytotaxa 691(1): 44. 2025.

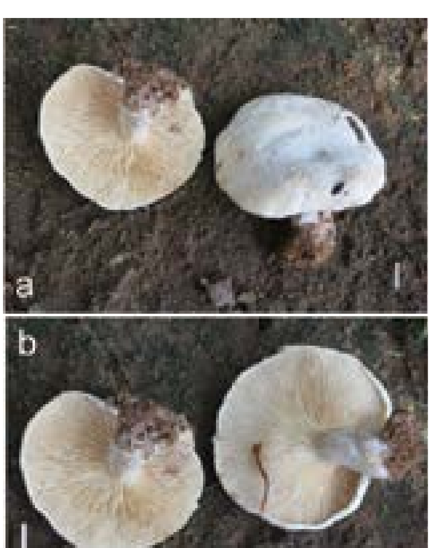

क्लिटोपाइलस चिचावतनिएन्सिस एन. फातिमा, उस्मान व खालिद (ऐन्टोलोमैटेसी)

पूर्वतः पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 92 मीटर की ऊंचाई पर मालंदिघी, दुर्गापुर, पश्चिम बर्धमान जिला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इसे अरुण कुमार दत्ता व पिनाकी चट्टोपाध्याय ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Clitopilus chichawatniensis N. Fatima, Usman & Khalid (Entolomataceae)

The species earlier known from Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Malandighi, Durgapur, Paschim Bardhaman District, West Bengal at 92.9 m a.s.l. The specimens are deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). This has been published by Arun Kumar Dutta & Pinaki Chattopadhyay in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

कोलीबायॉप्सिस गिब्बोसा (कॉर्नर) आर.एच.पीटरसन (ओम्फैलोटेसी)

पूर्वतः पाकिस्तान से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 13 मीटर की ऊंचाई पर बारासात, उत्तर 24 परगना जिला, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप कलकत्ता विश्विद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के पादपालय (CUH) में संगृहीत है। इसे पिंकी, रानी बिश्वास व अरुण कुमार दत्ता ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Collybiopsis gibbosa (Corner) R.H. Petersen (Omphalotaceae)

The species earlier known from Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Barasat, North-24-Parganas District, West Bengal, at 13 m elevation. The specimens are deposited in Calcutta University Herbarium, Kolkata, West Bengal (CUH). This has been published by Pinky Rani Biswas & Arun Kumar Dutta in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

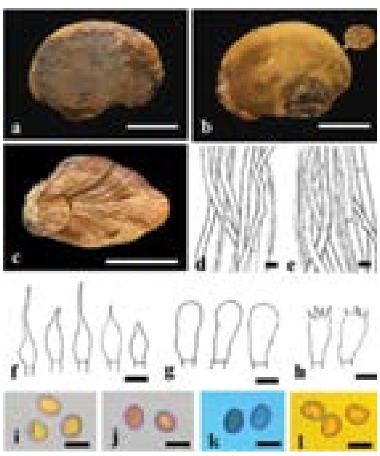

फल्विफोमीज औरेन्शिएकस मे. फातिमा, उस्मान व खालिद (हाइमीनोकीटेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मैसूर, कर्नाटक में जीवित आवृतबीजी वृक्ष *पेल्टोफोरम टेरोकार्पम* (फैबेसी) पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इसे सुगंधा गुनासीलन ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Fulvifomes aurantiacus Ma. Fatima, Usman & Khalid (Hymenochaetaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on living angiosperm tree *Peltophorum pterocarpum* (Fabaceae), Mysore, Karnataka. The specimens are deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). This has been published by Sugantha Gunaseelan in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

हाइपोजाइलॉन कार्निअम पेच

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार 205 मी की ऊंचाई पर पापुम पारे जिला, अरुणाचल प्रदेश में दोईमुख के उपोष्णकटिबंधीय वन में एक मृत वृक्ष की टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (ARUN) में संगृहीत है। इसे जी. दत्ता, जे.दास व आर.के. सिंह ने जर्नल ऑफ माइकोपैथोलॉजिकल रिसर्च 63(2): 458. 2025 में प्रकाशित किया है।

Hypoxylon carneum Petch

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from dead tree twig collected from Sub-tropical forest of Doimukh, Papum Pare District, Arunachal Pradesh at 205 m elevation. The specimen is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by G. Dutta, J. Das & R.K. Singh in Journal of Mycopathological Research 63(2): 458. 2025.

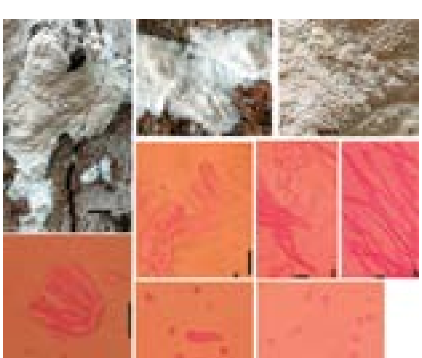

इर्पेक्स लेसिरेटस (एन. माएकावा, सुहारा व आर. कोंडो) सी.सी. चेन व शेंग एच. वू (इर्पिकेसी)

पूर्वतः पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार आरसीके, कोल्हापुर ज़िला, महाराष्ट्र में मृत आवृतबीजी शाखा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप वनस्पति विज्ञान विभाग, राजाराम कॉलेज, कोल्हापुर के पादपालय में संगृहीत है। इसे अंजली राजेंद्र पाटिल, योगेश सदाशिव पाटिल व मृणालिनी अजितकुमार वेदपाठक ने कवका 61(1): 50, 2025 में प्रकाशित किया है।

Irpex laceratus (N. Maekawa, Suhara & R. Kondo) C.C. Chen & Sheng H. Wu (Irpicaceae)

The species earlier known from East and Southeast Asia has been reported for the first time from India based on the collection made on dead angiosperm branch, RCK Campus, Kolhapur District, Maharashtra. The specimens are deposited in the herbarium of Department of Botany, Rajaram College, Kolhapur This has been published by Anjali Rajendra Patil, Yogesh Sadashiv Patil & Mrunalini Ajitkumar Vedpathak in KAVAKA 61(1): 50. 2025.

लैक्टेरियस हात्सुदाके नोबुजीरो तनाका (रसुलेसी)

पूर्वतः जापान से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार नोंग्लुम, री भोई जिला, मेघालय में समुद्रतल से 902 मी की ऊंचाई पर *पाइनस* प्रजाति और अपर शिलांग, पूर्वी खासी हिल्स जिला, मेघालय में समुद्रतल से 1739 मी की ऊंचाई पर *पाइनस केसिया* रॉयल के बाद गॉर्डन से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलॉन्ग, मेघालय (ASSAM) में संगृहीत है। इस प्रजाति को द्युतिपर्णा चक्रवर्ती, देबाला टुडू, कनाद दास व अनिकेत घोष ने इंडियन फॉरेस्टर 151(1): 44. 2025 में प्रकाशित किया है।

Lactarius hatsudake Nobuj. Tanaka (Russulaceae)

The species earlier known from Japan has been reported for the first time from India based on the collection made under Pinus sp., Nonglum, RiBhoi District, Meghalaya at 902 m a.s.l and under Pinus kesiya Royle ex Gordon from Upper Shillong, East Khasi Hills, Meghalaya at 1739 m a.s.l. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by Dyutiparna Chakraborty, Debala Tudu, Kanad Das & Aniket Ghosh in Indian Forester, 151(1): 44. 2025

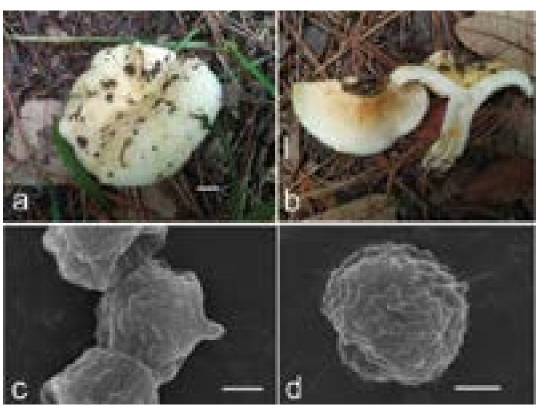

मल्टिफरका स्यूडोफरकेटा एक्स.एच. वांग (रसुलेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 1602 मीटर की ऊंचाई पर रोडोडेन्ड्रोन ट्रेक, शिलांग, मेघालय में *पाइनस केसिया* वृक्ष के नीचे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप गुवाहाटी विश्विद्यालय, गुवाहाटी, असम के पादपालय (GUBH) में संगृहीत है। इसे अरुण कुमार दत्ता, भाबेन तांती व निरंजन राय ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Multifurca pseudofurcata X.H. Wang (Russulaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made under *Pinus kesiya* tree, Rhododendron Trek, Shillong, Meghalaya at 1602 m a.s.l. The specimens are deposited in the herbarium of Gauhati University, Guwahati, Assam (GUBH). This has been published by Arun Kumar Dutta, Bhaben Tanti & Niranjan Roy in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

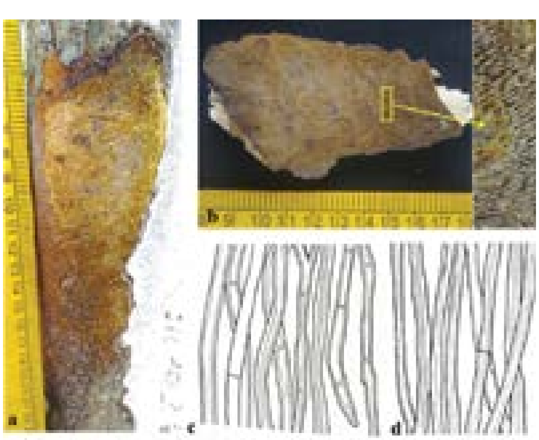

फेलाइनस रेसूपिनेटस एम. फिश., एम. क्लूटे, एल. मोस्टर्ट व एफ. हेलीन (हाइमीनोकीटेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार पुदुचेरी में मृत लकड़ी पर से और चेन्नई, तमिलनाडु में जीवित *पेल्टोकार्पम टेरोकार्पम* वृक्ष पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इसे रमेश मुरुगादॉस ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Phellinus resupinatus M. Fisch., M. Cloete, L. Mostert & F. Halleen (Hymenochaetaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on dead wood, Puducherry and on living tree of *Peltophorum pterocarpum,* Chennai, Tamil Nadu. The specimens are deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). This has been published by Ramesh Murugadoss in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

फ्लेगमेसिअम लार्जम (फ्रायस) वुन्शे (कॉर्टीनेरिएसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार डोमबांग घाटी, उत्तरी जिला, सिक्किम में समुद्रतल से 3055 मी की ऊंचाई पर *पीसिया* प्रजाति के नीचे की मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे अरुणिमा बोस, प्रियंका उनियाल, अल्फ्रेडो विज़िनी व कनाद दास ने नॉर्डिक जे. बॉट. ई0552. 2025 में प्रकाशित किया है।

Phlegmacium largum (Fr.) Wunsche (Cortinariaceae)

The species earlier known from the Europe has been reported for the first time from India based on the collection made on the soil under *Picea* sp. from Dombang Valley, North District, Sikkim at 3055 m a.s.l. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Arunima Bose, Priyanka Uniyal, Alfredo Vizzini, Kanad Das in Nordic J. Bot. e0552. 2025.

फ्लेगमेसिअम ओफिओपस (पेक) निस्कानन व लीमाटैनेन (कॉर्टीनेरिएसी)

पूर्वतः अमेरिका से ज्ञात इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार मेनमेचो झील, पूर्वी जिला, सिक्किम में समुद्रतल से 3567 मी की ऊंचाई पर *पीसिया* प्रजाति के नीचे की मृदा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इसे अरुणिमा बोस, प्रियंका उनियाल, अल्फ्रेडो विज़िनी, व कनाद दास ने नॉर्डिक जे. बॉट ई0552. 2025 में प्रकाशित किया है।

Phlegmacium ophiopus (Peck) Niskanen & Liimat. (Cortinariaceae)

The species earlier known from the USA has been reported for the first time from India based on the collection made on the soil under *Picea* sp. From Memencho Lake, East District, Sikkim at 3567 m a.s.l. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Arunima Bose, Priyanka Uniyal, Alfredo Vizzini, Kanad Das in Nordic J. Bot. e0552. 2025.

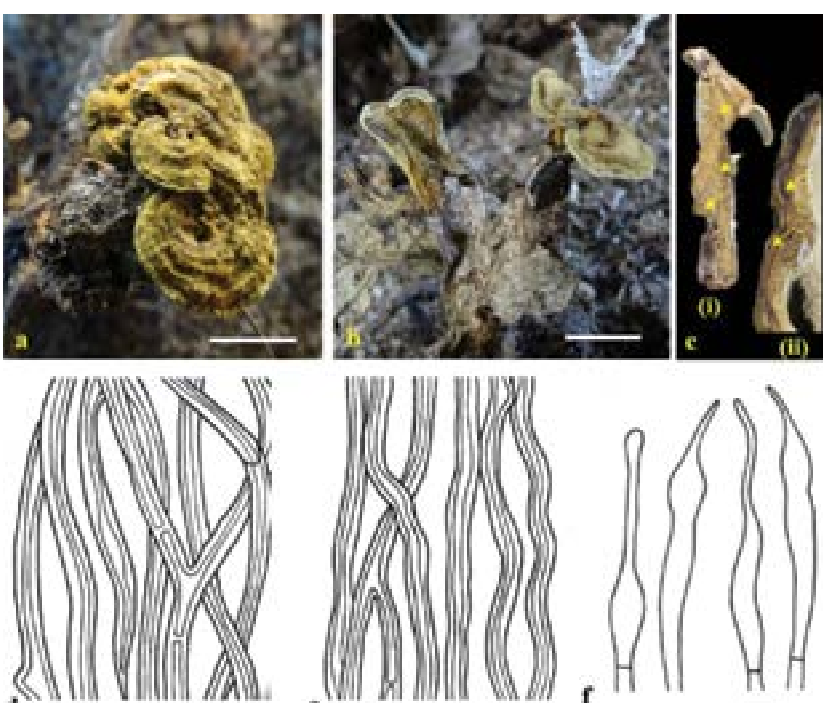

फाइलोपोरिया ऐफ्रोस्पैथूलेटा योम्बियेनी व डिकॉक (हाइमीनोकिटेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार सेल्लियाम्मन कोविल, पुदुचेरी में सूखी लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इसे मलरविझी कलियपेरुमल ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Phylloporia afrospathulata Yombiy. & Decock (Hymenochaetaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on dead wood, Selli Amman Kovil, Puducherry. The specimens are deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). This has been published by Malarvizhi Kaliyaperumal in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

फाइलोपोरस निग्रीस्क्वैमस एन.के. जेंग, एल.एल. वु व वाइ.जी. फान

इस प्रजाति का वर्णन भारत (कठुआ जिला, जम्मू-कश्मीर) में पहली बार समुद्रतल से 1,574 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। यह *सीड्रस देओदारा* और *पाइनस वालिचियाना* प्रधान मिश्रित शंकुधारी वनों में छिटपुट या संघचारी अवस्था में उगती हुई पाई गई। प्रतिरूप जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के वनस्पति विज्ञान विभाग के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इसे एस. राजपूत, एस. सिंह, के. दास और वाई. पी. शर्मा ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(4):1–17. 2025 में प्रकाशित किया है।

Phylloporus nigrisquamus N.K. Zeng, L.L. Wu & Y.G. Fan

The species represents first report from India (Kathua District of Jammu and Kashmir). It has been collected at an altitude of 1,574 m a.s.l. and found to be growing solitary to scattered, under mixed coniferous forest *Cedrus deodara* and *Pinus wallichiana.* The specimen has been deposited in the Herbarium of Department of Botany, University of Jammu, Jammu and Kashmir (HBJU). It has been published by S. Rajput, S. Singh, K. Das & Y.P. Sharma in Biology Bulletin 52(4):1–17. 2025.

रूब्रोबोलेटस हिमालयेन्सिस सरवर व खालिद

इस नवीन प्रजाति का वर्णन भारत (उधमपुर जिला, जम्मू और कश्मीर) में पहली बार समुद्रतल से 2,265 मी और 2,303 मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है । यह *सीड्रस देओदारा* और *पाइनस वालिचियाना* प्रधान मिश्रित शंकुधारी वनों में मिट्टी पर छिटपुट या संघचारी अवस्था में उगती हुई पाई गई। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में और जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के वनस्पति विज्ञान विभाग के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इसे एस. राजपूत, एस. सिंह, के. दास व वाई. पी. शर्मा ने बायोलॉजी बुलेटिन 52(4):1–17. 2025 में प्रकाशित किया है।

Rubroboletus himalayensis Sarwar & Khalid

The species has been reported first time from India (Udhampur district, Jammu and Kashmir), collected at an altitude of 2,265 m a.s.l and 2,303 m a.s.l. It was found to be growing scattered to gregarious, on the soil, under mixed coniferous forests dominated by *Cedrus deodara* and *Pinus wallichiana*. The specimen has been deposited in the in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) as well as in the Herbarium of Department of Botany, University of Jammu, Jammu and Kashmir (HBJU). It has been published by S. Rajput, S. Singh, K. Das & Y.P. Sharma in Biology Bulletin 52(4):1–17. 2025.

रसुला औरेन्शियोफ्लेवा किरण व खालिद (रसुलेसी)

पूर्वतः पाकिस्तान से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार समुद्रतल से 3297 मी की ऊंचाई पर चिंगम, किश्तवाड़, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर के पादपालय (HBJU) में संगृहीत है। इसे कोमल वर्मा, आयुषी महाजन, संध्या राजपूत व यश पाल शर्मा ने कवका 61(1): 20. 2025 में प्रकाशित किया है।

Russula aurantioflava Kiran & Khalid (Russulaceae)

The species earlier known from Pakistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Chingam, Kishtwar, Jammu, Jammu and Kashmir at 3297 m.a.s.l. The specimens are deposited in the herbarium of University of Jammu, Jammu & Kashmir (HBJU). This has been published by Komal Verma, Ayushi Mahajan, Sandhya Rajput, and Yash Pal Sharma in KAVAKA 61(1): 20. 2025.

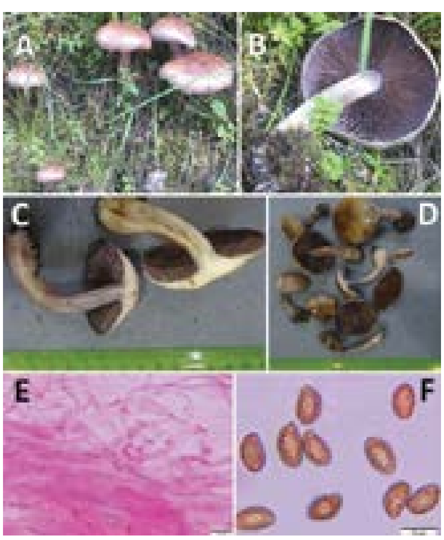

थैक्सटेरोगैस्टर पैलिडोपरपुरेसेन्स झू एल. यांग व ज़ी आर. वांग (कॉर्टिनेरिएसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस कवक प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार संगेस्तर त्सो, तवांग जिला, अरूणाचल प्रदेश में 4297 मी की ऊंचाई पर *रोडोडेंड्रॉन* प्रजाति वाले शीतोष्ण वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (CAL) में संगृहीत है। इस प्रजाति को अरुणिमा बोस, अरविंद परिहार, अल्फ्रेडो विज़िनी व कनाद दास ने इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड सॉइल साइंस 37(4): 125. 2025 में प्रकाशित किया है।

Thaxterogaster pallidopurpurascens Zhu L. Yang & Zi R. Wang (Cortinariaceae)

The species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from temperate forest under *Rhododendron* sp., Sangestar Tso, Tawang District, Arunachal Pradesh at 4297 m altitude. The specimens are deposited in Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Arunima Bose, Arvind Parihar, Alfredo Vizzini & Kanad Das in Int. J. Plant Soil Sci. 37(4): 125. 2025.

ट्रॉपीकोपोरस लिन्टिअस (बर्कले व एम.ए. कर्टिस) एल. डब्लु झोउ व वाइ. सी. दाइ (हाइमीनोकीटेसी)

इस प्रजाति का वर्णन भारत में पहली बार तमिलनाडु के अलग-अलग स्थानों में सूखी लकड़ी पर से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। प्रतिरूप मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु के पादपालय (MUBL) में संगृहीत है। इसे केझोकुयी केजो ने फंगल डाइवर्सिटी https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z में प्रकाशित किया है।

Tropicoporus linteus (Berk. & M.A. Curtis) L.W. Zhou & Y.C. Dai (Hymenochaetaceae)

The species has been reported for the first time from India based on the collection made on dead wood from different places of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the herbarium of Madras University, Chennai, Tamil Nadu (MUBL). This has been published by Kezhocuyi Kezo in Fungal Diversity https://doi.org/10.1007/s13225-025-00556-z.

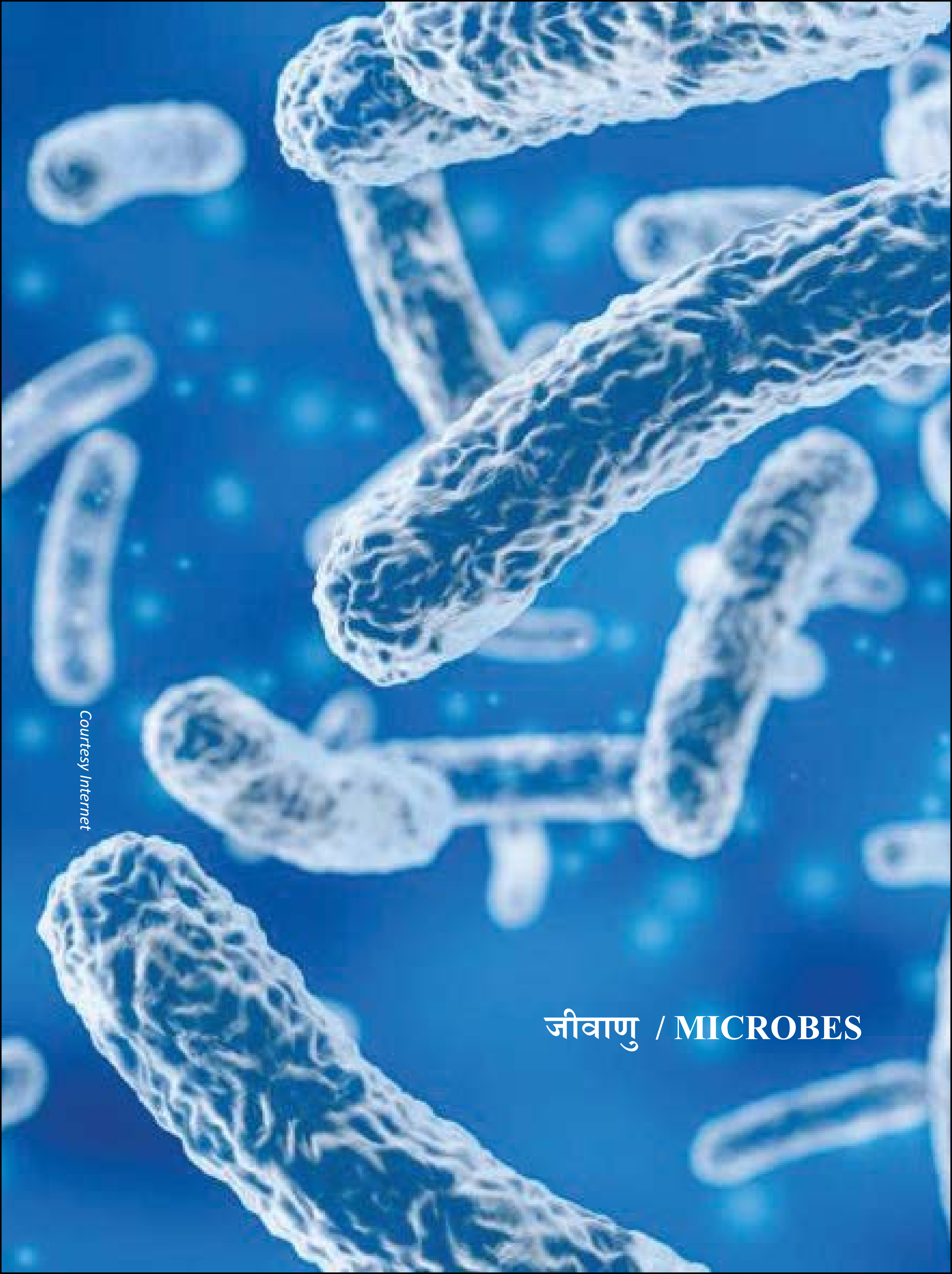

जीवाणु / MICROBES

Courtesy Internet

सूक्ष्मजीवी पारिस्थितिकीविज्ञों ने जीवाणुओं और आर्किया की आण्विक गणना आधारित डेटाबेस बनाने के लिए अब 16S rRNA जीन अनुक्रमण को अपनाया है। अब तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 1303 सूक्ष्मजीवी वर्गक हैं। भारत के बहुरंगी पर्यावरण में जीवाणु और आर्किया विविधता की स्थिति को समझकर जैव विविधता के अनुरक्षण में उनकी भूमिका को समझना बहुत आवश्यक है। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारतीय वनस्पतिजात में 2.31 प्रतिशत जीवाणु हैं। इस क्रमवार सार-संग्रह में वर्ष 2025 के दौरान, भारत से विज्ञान के लिए नवीन अन्वेषण के रूप में 06 जीवाणु प्रजातियों (गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में से प्रत्येक से 01) को संकलित किया गया है।

Microbial ecologists now adopted 16S rRNA gene sequencing for developing a molecular census database of bacteria and archaea. As per latest data India has about 1303 microbial taxa. It is necessary to understand the diversity of bacteria and archaea present in a great variety of Indian environments and understand their role in biodiversity maintenance. In the present state of our knowledge, Indian microbes represent about 2.31 percent of the total plant species in India. The collated information presented here for the year 2025 includes 06 species of microbes (01 each from Gujarat, Maharashtra, Tamil Nadu, Telangana, Uttarakhand and West Bengal) discovered and described as new to science from India.

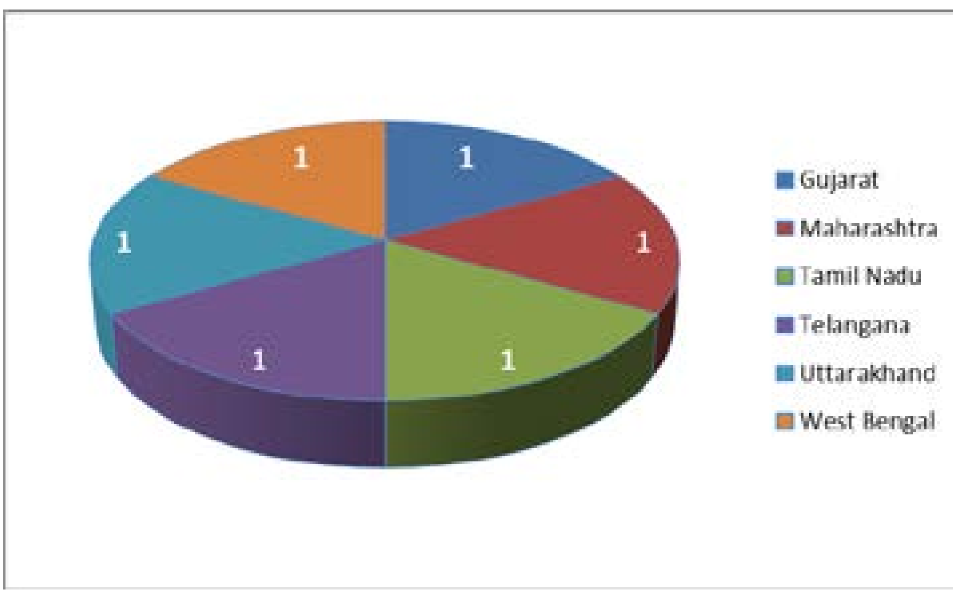

भारतीय राज्यों और संघशासित प्रदेशों से अन्वेषित जीवाणुओं की संख्या
NUMBER OF MICROBES DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन अन्वेषण / NEW DISCOVERIES

नवीन प्रजातियां / New Species

बैसिलस आयताग्रिएन्सिस दास, एस. व अन्य, साइंटिफिक रिपोर्ट्स 15:26693. 2025

जैव-नियंत्रण विभव वाले इस नवीन ग्रैम ग्राही, दंडरूप, बीजाणुधारी, वायुजीवी प्रजाति का वर्णन रायगंज विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के शहतूत बागान में शहतूत के पौधे की मूल परिवेशी मृदा से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद RMG6^T के आधार पर किया गया है। संजीनीय, लक्षणप्ररूपी और रासायनिक वर्गिकी के संयोजित साक्ष्यों के आधार पर RMG6^T को नवीन जीवाणु प्रजाति *'बैसिलस आयताग्रिएन्सिस'* के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है।

Bacillus ayatagriensis Das, S. & al., Scientific Reports 15:26693. 2025.

A Gram-positive, rod-shaped, spore-forming, aerobic bacterium, with biocontrol potential novel bacterial strain designated as RMG6^T, was isolated from the rhizosphere of the mulberry plant located in the mulberry garden of Raiganj University, West Bengal. Based on the combined genomic, phenotypic, and chemotaxonomic evidence the strain RMG6^T was reported as a novel species *i.e. Bacillus ayatagriensis.*

डयेडोबैक्टर औरुलेन्टस यादव, ए. व अन्य, माइक्रोबायोलॉजी स्पेक्ट्रम 13(11): 1-21. 2025 (स्पाइरोसोमैटेसी)

इस नवीन ग्रैम अग्राही, कैटेलेज और ऑक्सीडेज ग्राही, अगतिशील, छोटे दंडरूप जीवाणु प्रजाति का वर्णन पश्चिम हिमालय के गंगोत्री क्षेत्र में निम्न तापी, उच्च तुंगता वाली कृषिभूमि की मृदा से वियुक्त किये गए प्ररूप जीवाणु प्रभेद UC10^T के आधार पर किया गया है। संजीनीय, लक्षणप्ररूपी और रासायनिक वर्गिकी के संयोजित साक्ष्यों के आधार पर प्ररूप जीवाणु प्रभेद UC10^T (=MCC 4019^T = KCTC 72,455^T = JCM 34514^T) को नवीन जीवाणु प्रजाति *'डयेडोबैक्टर औरुलेन्टस'* के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'औरुलेन्टस' इसके निवह के सुनहरे रंग को दर्शाता है।

Dyadobacter aurulentus Yadav, A., & al., Microbiology Spectrum 13(11): 1-21. 2025. (Spirosomataceae)

A Gram stain-negative, catalase- and oxidase-positive, non-motile, short rod shaped novel bacterial strain, designated UC10^T, was isolated from cold, high-altitude farmland soil in the Gangotri region of the Western Himalayas. Based on the combined genomic, phenotypic, and chemotaxonomic evidence the strain UC10^T was reported as a novel species *i.e. Dyadobacter aurulentus*. The type strain is UC10^T (=MCC 4019^T = KCTC 72,455^T = JCM 34514^T) The specific epithet aurulentus (au.ru.len'tus. L. masc. adj. aurulentus, golden colored), referring to the color of colony.

ल्यूटीबैक्टर साहनियाइ जायसवाल, जी. व अन्य, करेंट माइक्रोबायोलॉजी 81: 424. 2024 (रोडेनोबैक्टेरेसी)

इस नवीन ग्रैम ग्राही, वायुजीवी और दंडरूप एवं कार्बन स्रोत के रूप में डी- माल्टोज, डी-ट्रेहालोज, डी-सेलोबायोज, जेंटियोबायोज, सुक्रोज, डी-टुरानोज, अल्फा-डी-लैक्टोज, एन- एसिटाइल- डी-ग्लुकोजएमिन, अल्फा-डी-ग्लुकोज और आई-फुकोज का उपयोग करने वाली जीवाणु प्रजाति का वर्णन हैदराबाद, तेलांगना में चावल से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद JC639^T के आधार पर किया गया है। संजीनीय, लक्षणप्ररूपी और रासायनिक वर्गिकी के संयोजित साक्ष्यों के आधार पर प्ररूप जीवाणु प्रभेद PPL193^T (= MTCC 13290^T = ICMP 24807^T = CFBP 9144^T) को नवीन जीवाणु प्रजाति *'ल्यूटीबैक्टर साहनियाइ'* के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस नवीन प्रजाति का नामकरण प्रोटीन इंजीनियरिंग, आणविक जीवविज्ञान और जैव-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता वाले भारत के ख्यातिप्राप्त सूक्ष्मजीवाणुविज्ञानी, विज्ञान के अग्रदूत और प्रशासक गिरीश साहनी के सम्मान में किया गया है।

Luteibacter sahnii Jaiswal, G. & al., Current Microbiology 81: 424. 2024. (Rhodanobacteraceae)

A novel Gram-negative, aerobic, and rod-shaped bacterial strain which can utilize d-maltose, d-trehalose, d-cellobiose, gentiobiose, sucrose, d-turanose, α-d-lactose, N-Acetyl-d-Glucosamine, α-d-glucose, d-mannose, and l-Fucose as the carbon sources designated as PPL193^T was isolated from a rice seeds, Hyderabad, Telanhana. Based on the combined phylo-taxono-genomic analysis revealed the strain JC639^T was reported as a novel species *i.e. Luteibacter sahnii*. The type strain is PPL193^T (= MTCC 13290^T = ICMP 24807^T = CFBP 9144^T). The specific epithet sahnii (sah'ni.i. N.L. masc. gen. n. sahnii) has been named in honor of Girish Sahni, a renowned microbiologist, science leader, and administrator from India with specialization in protein engineering, molecular biology, and biotechnology.

मैरिनोस्पाइरिलम ऐल्केलाइटोलरेन्स जोशी, ए. व अन्य, एंटोनी वैन लीउवेनहोक 118: 53. 2025 (ओसियनोस्पाइरिलेसी)

इस नवीन ग्रैम अग्राही, कुंडलित, 0.5 µm चौड़ी और 2.6–4.3 µm लंबी, बीजाणुरहित, वायुजीवी और गतिशील प्रजाति का वर्णन लोनार झील, महाराष्ट्र के हैलोक्षारीय जल से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद MEB164T के आधार पर किया गया है। संजीनीय, लक्षणप्ररूपी और रासायनिक वर्गिकी के संयोजित साक्ष्यों के आधार पर प्ररूप जीवाणु प्रभेद $MEB164^T$ (= JCM 35957^T = MCC 5207^T = NCIMB 15458^T) को नवीन जीवाणु प्रजाति '*मैरिनोस्पाइरिलम ऐल्केलाइटोलरेन्स*' के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'ऐल्केलाइटोलरेन्स' इसकी क्षाररोधी विशेषता को दर्शाता है।

Marinospirillum alkalitolerans Joshi, A. & al., Antonie van Leeuwenhoek 118: 53. 2025. (Oceanospirillaceae)

A Gram-stain-negative, helical, 0.5 µm in width and 2.6–4.3 µm in length, non-spore forming, aerobic, and motile novel bacterium was isolated from haloalkaline waters of Lonar, crater lake. Based on the combined genomic, phenotypic, and chemotaxonomic evidence the strain $MEB164^T$ was reported as a novel species *i.e. Marinospirillum alkalitolerans*. The type strain $MEB164^T$ (= JCM 35957^T = MCC 5207^T = NCIMB 15458^T). The specific epithet alkalitoleran (al.ka.li.to'le. rans. N.L. neut. n. alkali, alkali (indeclinable); L. pres. part. tolerans, tolerating; N.L. fem. part. adj. alkalitolerans) represents alkali-tolerating.

नियोप्यूसिलीमोनास एस्टुएरियाइ किर्दत, के.व अन्य, एंटोनी वैन लीउवेनहोक 118:82. 2025 (ऐल्कैलीजिनेसी)

इस नवीन ग्रैम अग्राही, कैटेलेज और ऑक्सीडेज ग्राही, गतिशील, दंडरूप, 0.5 से लेकर 1 µm तक लंबी जीवाणु प्रजाति का वर्णन अरब सागर के भावनगर (भारत) तट पर ज्वारनदीमुख से वियुक्त किये गये प्ररूप जीवाणु प्रभेद $DMV24BSW_D^T$ के आधार पर किया गया है। संजीनीय, लक्षणप्ररूपी और रासायनिक वर्गिकी के संयोजित साक्ष्यों के आधार पर प्ररूप जीवाणु प्रभेद $DMV24BSW_D^T$ (MCC 2506 = KCTC 72453 = JCM 34508) को नवीन जीवाणु प्रजाति '*नियोप्यूसिलीमोनास एस्टुएरियाइ*' के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इस प्रजाति के नामकरण में प्रयुक्त 'एस्टुएरियाइ' ज्वारनदीमुख को दर्शाता है जहां से इसे वियुक्त किया गया था।

Neopusillimonas aestuarii Kirdat, K. & al., Antonie van Leeuwenhoek 118:82. 2025. (Alcaligenaceae)

A Gram-stain-negative, rod-shaped bacterium measuring 0.5 to 1 µm in length; motile with positive catalase and oxidase activities novel bacterial strain $DMV24BSW_D^T$ was isolated from estuarine waters of Bhavnagar (India) coast of Arabian sea and exhibited distinct phenotypic, genomic, and chemotaxonomic features, supporting its classification as a new species. Based on the combined genomic, phenotypic, and chemotaxonomic evidence the strain $DMV24BSW_D^T$ was reported as a novel species *i.e. Neopusillimonas aestuarii*. The type strain $DMV24BSW_D^T$ (MCC 2506 = KCTC 72453 = JCM 34508), The specific epithet aestuarii (aes.tu.a'ri.i. L. gen. n. aestuarii) represents an estuary from which the type strain was isolated

स्टीलेरिया मन्नारेन्सिस काल्शेयर, एन. व अन्य, एंटोनी वैन लीउवेनहोक 118: 111. 2025 (पाइरेलुलेसी)

इस नवीन वायुजीवी, रसायन परपोषित, हल्के वर्णकित नाशपाती आकार या अंडाकार कोशिकाओं वाले, पुंजित या एकल कोशिका के रूप में विकसित होने वाली जीवाणु प्रजाति का वर्णन भारत के दक्षिण-पूर्वी तट पर मन्नार की खाड़ी क्षेत्र में '*स्फेसियोस्पोंजिया*' वंश के समुद्री स्पंज से वियोजित प्ररूप जीवाणु प्रभेद $JC639^T$ के आधार पर किया गया है। संजीनीय, लक्षणप्ररूपी और रासायनिक वर्गिकी के संयोजित साक्ष्यों के आधार पर प्ररूप जीवाणु प्रभेद $JC639^T$ (= KCTC 72168^T = NBRC 113878^T को नवीन जीवाणु प्रजाति '*स्टीलेरिया मन्नारेन्सिस*' के रूप में अभिनिर्धारित किया गया है। इसका नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'मन्नार की खाड़ी' के नाम पर आधारित है।

Stieleria mannarensis Kallscheuer, N. & al., Antonie van Leeuwenhoek 118: 111. 2025. (Pirellulaceae)

An aerobic, chemoheterotroph with pale pink-pigmented pear-shaped to ovoid cells, form aggregates or grow as single cells novel bacterial strain $JC639^T$ was isolated from a marine sponge of the genus *Spheciospongia* in the Gulf of Mannar region on India's southeastern coast. Based on the combined genomic, phenotypic, and chemotaxonomic evidence the strain $JC639^T$ was reported as a novel species *i.e. Stieleria mannarensis*. The type strain is $JC639^T$ (= KCTC 72168^T = NBRC 113878^T). The specific epithet mannarensis (man.na.ren'sis. N.L. fem. adj. mannarensis, referring to the Gulf of Mannar from which the type strain was isolated).

AHMA	अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र	Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra
AILS	वनस्पति विज्ञान विभाग, अभिलाषी जीव विज्ञान संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Department of Botany, Abhilashi Institute of Life Sciences, Mandi, Himachal Pradesh
AL	अल्जीयर्स विश्वविद्यालय, अल्जीरिया	University of Algiers, Algeria
AMH	आजरेकर कवक पादपालय, पुणे, महाराष्ट्र	Ajrekar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra
APRFH	अंबिका प्रसाद अनुसंधान फाउंडेशन, ओडिशा	Ambika Prasad Research Foundation, Odisha
ARUN*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh
ASP	एपेलाचियन स्टेट यूनिवर्सिटी, बून, उत्तरी कैरोलिना, यूएसए	Appalachian State University, Boone, North Carolina, USA
ASSAM*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र शिलांग, मेघालय	Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya
AUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखपट्टनम, आंध्र प्रदेश	Department of Botany, Andhra University, Visakhapatnam, Andhra Pradesh
AUSCH	जीवन विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम	Department of Life Science & Bioinformatics, Assam University, Silchar, Assam
AUMH	अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Abhilashi University, Mandi, Himachal Pradesh
AURO	शक्ति नर्सरी और पादपालय, ऑरोविले	Shakti Nursery and Herbarium, Auroville
AUV	आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश	Andhra University, Visakhapatnam, Andhra Pradesh
BAM	बिशप अब्राहम मेमोरियल कॉलेज, थुरुथिकाड, केरल	Bishop Abraham Memorial College, Thuruhticad, Kerala
BAMU	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र	Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University herbarium, Aurangabad, Maharashtra
BARO	वनस्पति विज्ञान विभाग, बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय,वडोदरा, गुजरात	Department of Botany, Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodra, Gujarat
BF	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam
BHARATI	विभागीय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर	Departmental Herbarium, Department of Botany, Bharathiar University, Coimbatore
BHPL	भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल, मध्य प्रदेश	Indian Institute of Science Education and Research, Bhopal, Madhya Pradesh
BHSC	ब्लैक हिल्स स्टेट यूनिवर्सिटी, स्पीयरफ़िश, साउथ डकोटा, यूएसए	Black Hills State University, Spearfish, South Dakota, USA
BHU-BOT	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश	Banaras Hindu University, Uttar Pradesh
BLAT	ब्लाटर पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट ज़ेवियर कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र	Blatter Herbarium, Botany Department, St. Xavier's College, Mumbai, Maharashtra
BM	ब्रिटिश संग्रहालय, लंदन, यूके	British Museum and Herbarium, London,UK
BRIT	टेक्सास वनस्पति अनुसंधान संस्थान, टेक्सास	Botanical Research Institute of Texas
BSA*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद	Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad
BSD*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून, उत्तराखंड	Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun, Uttarakhand
BSHC*	भारतीय वनसपति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम	Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok
BSI*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे	Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune
BSID*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना	Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana
BSIS	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, औद्योगिक अनुभाग भारतीय संग्रहालय, कोलकाता	Botanical Survey of India, Industrial Section Indian Museum, Kolkata
BSJO*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण शुष्क क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर, राजस्थान	Botanical Survey of India, Arid Zone Regional Center, Jodhpur, Rajasthan
BUBH	वनस्पति विज्ञान विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम	Department of Botany, Bodoland University, Kokrajhar, Assam.
BUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, भारथियर विश्वविद्यालय, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु	Department of Botany, Bharathiar University, Coimbatore, Tamil Nadu
BURD	वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल	Department of Botany, Burdwan University, Burdwan WB
CAL*	केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal

CALI	कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लपुरम, केरल	Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala
CANA	अनुसंधान और संग्रहण अनुभाग, कनेडियन म्यूजियम ऑफ नेचर ओटावा, ओंटेरियो, कनाडा	Research and Collections Division, Canadian Museum of Nature, Ottawa, Ontario, Canada
CATH	चार्ल्स ए. टेलर पादपालय, साउथ डकोटा स्टेट विश्वविद्यालय, यूएसए	Charles A. Taylor Herbarium, South Dakota State University, USA
CCMT	कार्मेल कॉलेज (स्वायत्त), माला, त्रिशूर, केरल	Carmel College (Autonomous), Mala, Thrissur, Kerala
CMPR	सेंटर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च, केरल	Centre for Medicinal Plant Research, Kerala
CMS	क्रिश्चियन मिशनरी सोसायटी कॉलेज, कोट्टायम, केरल	Christian Missionary Society College, Kottayam, Kerala
COGCEHR	पूर्वी हिमालयी क्षेत्र का ऑर्किड जीन संरक्षण केंद्र, हेंगबंग, मणिपुर	Centre for Orchid Gene Conservation for Eastern Himalayan Region, Hengbung, Manipur
COLO	कोलोराडो विश्वविद्यालय, यूएसए	University of Colorado, USA
CUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	Botany Department, Calcutta University, Kolkata, West Bengal
DARJL	लॉयड बॉटनिकल गार्डन, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल	Lloyd Botanical Garden, Darjeeling, West Bengal
DD*	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड	Forest Research Institute (FRI) Dehradun, Uttarakhand
DEV	हर्बेरियम सेंटर फॉर पी. जी. स्टडीज एंड रिसर्च, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जोसेफ्स कॉलेज, कोझिकोड, केरल	Herbarium Centre for P.G. Studies & Research, Department of Botany, St. Joseph's College, Kozhikode, Kerala
DUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	Dept. of Botany, Delhi University
DUTHIE	ड्यूथी पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज	Duthie Herbarium, Department of Botany, University of Allahabad, Prayagraj.
DSAH	सेंट टेरेसा कॉलेज (स्वायत्त), एर्नाकुलम, केरल	St. Teresa’s College (Autonomous), Ernakulam, Kerala
E	रॉयल वनस्पति उद्यान, एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड	Royal botanical Garden, Edinburgh, Scotland
ERRCH	पर्यावरणीय संसाधन अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल	Environment Resource Research Centre, Thiruvanathapuram, Kerala
FRI	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड	Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand
FRLH	फाउंडेशन ऑफ रिविटालाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशन, बेंगलुरु, कर्नाटक	Foundation of Revitalisation of Local Health Tradition, Bengaluru, Karnataka
G	कंजर्वेटरी एट जार्डिन बोटेनिक डे ला वेल्ली डे जेनेवा, जेनेवा	Conservatoire et Jardin botaniques de la Ville de Genève, Genève, Switzerland
GBPNIHE	जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा, उत्तराखंड	G.B. Pant National Institute of Himalayan Environment, Kosi-Katarmal, Almora, Uttarakhand
GBPUH	गोविंद बल्लभ पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड, भारत	Govind Ballabh Pant University Herbarium Pantnagar, Uttarakhand, India
GCC	ग्लोबल कलेक्शन ऑफ सायनोबैक्टीरिया, वाराणसी, उत्तरप्रदेश	Global Collection of Cyanobacteria, Varanasi, Uttar Pradesh
GEERF	गुजरात पारिस्थितिक शिक्षा और अनुसंधान फाउंडेशन	Herbarium of Gujarat Ecological Education and Research Foundation
GENT	जीवविज्ञान विभाग, गेंट विश्वविद्यालय, गेंट, बेल्जियम	Department of Biology, Gent University, Gent, Belgium
GUBH	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम	Gauhati University, Guwahati, Assam
GUD	ग्राँधीग्राम ग्रामीण संस्थान, ग्राँधीग्राम (डिंडीगुल जिला), तमिलनाडु	Gandhigram Rural Institute, Gandhigram (Dindigul district), Tamil Nadu
GUH	एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड	H.N.B. Garhwal University, Srinagar Garhwal, Uttarkhand
GVCH	गवर्नमेंट विक्टोरिया कॉलेज, पलक्कड़, केरल	Government Victoria College, Palakkad, Kerala
H	फिनिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, बॉटेनिकल म्यूजियम, फिनलैंड	Finnish Museum of Natural History, Botanical Museum, Finland
HBARC	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, महाराष्ट्र	Bhabha Atomic Research Centre , Maharashtra
HBJU	वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू व कश्मीर	Department of Botany, University of Jammu, Jammu & Kashmir
HCIO*	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इण्डी ओरिएण्टेलिस, नई दिल्ली	Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi
HIFP	फ्रेंच इंस्टिच्यूट ऑफ पुदुचेरी, पुदुचेरी	French Institute of Pondicherry, Pondicherry
HKSCD	कर्नाटक साइंस कॉलेज, धारवाड़, कर्नाटक	Karnataka Science College, Dharwad, Karnataka
HUH	हार्वर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज, यूएसए	Harvard University Herbaria, Cambridge, USA
HY	उस्मानिया विश्वविद्यालय, तेलंगाना	Osmania University, Hyderabad, Telangana
IARI	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का पादपालय	Herbarium of the Indian Agricultural Research Institute
IBSD	जैव संसाधन एवं स्थायी विकास संस्थान, तक्येलपत, इंफाल, मणिपुर	Institute of Bioresources and Sustainable Development Takyelpat, Imphal, Manipur
IBUG	द ग्वाडलजारा यूनिवर्सिटी, मेक्सिको	The University of Guadalajara, Mexico

IPUH	गुरु गोविंद सिंह, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, दिल्ली	Guru Govind Singh, Indraprastha University, Dwaraka Delhi
JCB	भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, कर्नाटक	Indian Institute of Sciences, Bangaluru, Karnataka
JCH	जेनेट कोश पादपालय, वोलोंगोंग विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया	Janet Cosh Herbarium, University of Wollongong, Australia
JE	हॉस्कनेचट, जेना, जर्मनी	Haussknecht, Jena, Germany
JUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू व कश्मीर	Dept. of Botany, Jammu University, Jammu & Kashmir
K	रॉयल बॉटेनिक गार्डेन, किऊ, यूके	Royal Botanic Garden, Kew, U.K.
KASH	वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू व कश्मीर	Botany Department, Kashmir University, Jammu & Kashmir
KATH	नेशनल हरबेरियम एंड प्लांट लेबोरेटरीज़, काठमांडू, नेपाल	National Herbarium & Plant Laboratories, Kathmandu, Nepal
KFRI	केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची, केरल	Kerala Forest Research Institute, Peechi, Kerala
KSKV	कच्छ विश्वविद्यालय, भुज, गुजरात	Kachchh University, Bhuj, Gujarat
KUBH	केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल	University of Kerala, Thiruvanathapuram, Kerala
KUBMK	कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक के वनस्पति विज्ञान विभाग का विभागीय पादपालय	Departmental Herbarium, Department of Botany, Kuvempu University, Shankaraghatta, Karnataka
KUBOT	कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक के वनस्पति विज्ञान विभाग का पादपालय	Herbarium of the Botany Department, Kuvempu University, Karnataka
LWG*	राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh
LWG-AWAS	डी. डी. अवस्थीज कलेक्शन, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	D.D. Awasthi's collection, National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh
LWU	वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	Botany Dept., University of Lucknow, Uttar Pradesh
MA	रियल जार्डिन बोटैनिक, मद्रिद, स्पेन	Real Jardín Botánico, Madrid, Spain
MBGH	मालाबार वनस्पति उद्यान, कोझिकोड, केरल	Malabar Botanical Garden, Kozhikode, Kerala
MCC	माइक्रोबियल कल्चर कलेक्शन, नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस, पुणे, महाराष्ट्र	Microbial Culture Collection, National Centre for Cell Science, Pune, Maharashtra
MCCH	पादप जीवविज्ञान और पादप जैव प्रौद्योगिकी विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज, ताम्बरम, चेन्नई, तमिलनाडु	Department of Plant Biology and Plant Biotechnology, Madras Christian College, Tambram, Chennai, Tamil Nadu
MCH	महाराजा कॉलेज, एर्नाकुलम, कोच्चि, केरल	Maharaja's College, Ernakulam, Kochi, Kerala
MEL	नेशनल हरबेरियम ऑफ विक्टोरिया, रॉयल बॉटेनिक गार्डेंस मेलबर्न, आस्ट्रेलिया	National Herbarium of Victoria, Royal Botanic Gardens Melbourne, Australia
MH*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर, तमिलनाडु	Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu
MH-DHSGU	कवक पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश	Mycological Herbarium of the Department of Botany of Dr. Harisingh Gour University, Sagar, Madhya Pradesh
MICH	मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए	Michigan University, USA
MO	मिसौरी बॉटनिकल गार्डेन, सेंट लुइस, मिसौरी, यूएसए	Missouri Botanical Garden Herbarium, St. Louis, Missouri, USA
MSSRF	एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, पुथुरवायल, केरल	M. S. Swaminathan Research Foundation, Puthurvayal, Kerala
MTCC	माइक्रोबियल टाइप कल्चर कलेक्शन और जीन बैंक, चंडीगढ़	Microbial Type Culture Collection and Gene Bank, Chandigarh
MTCHT	वनस्पति विज्ञान विभाग, मार थोमा कॉलेज, थिरूवल्ला, केरल	Department of Botany, Mar Thoma College, Thiruvalla, Kerala
MUBL	वनस्पति विज्ञान विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु	Department of Botany, Madras University, Chennai, Tamil Nadu
MUMP	मणिपुर यूनिवर्सिटी म्यूजियम ऑफ प्लांट्स, इंफाल, मणिपुर	Manipur University Museum of Plants, Imphal, Manipur
MZUH	वनस्पति विज्ञान विभाग, मिज़ोरम विश्वविद्यालय पादपालय, आइजोल, मिजोरम	Department of Botany, Mizoram University Herbarium, Aizawl, Mizoram
NBU	वनस्पति विज्ञान विभाग, नॉर्थ बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	Department of Botany, North Bengal University, Siliguri West Bengal
NCMR	राष्ट्रीय सूक्ष्मजीव संपदा केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र	National Centre for Microbial Resource, Pune, Maharashtra
NEIAFMRH	पूर्वोत्तर आयुर्वेद और लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	The North Eastern Institute of Ayurveda & Folk Medicine Research, Pasighat, Arunachal Pradesh.
NEIFM	पूर्वोत्तर आयुर्वेद और लोक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, आयुष मंत्रालय, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश	North Eastern Institute of Folk Medicine, Ministry of Ayush, Pasighat, Arunachal Pradesh
NEIST	औषधीय, सुगंधी और आर्थिक पौधे अनुभाग, उत्तर-पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी, जोरहाट	Medicial, Aromatic & Economic Plants Division, North East Institute of Science & Technology, Jorthat, Assam
NERIST	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश	North Eastern Regional Institute of Science and Technology, Nirjuli,Arunachal Pradesh

NFCCI	भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र	National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra
NGCPR	नैरोजी गोदरेज सेंटर फॉर प्लांट रिसर्च (एनजीसीपीआर), महाराष्ट्र	Naoroji Godrej Centre For Plant Research (NGCPR), Maharashtra
NGPGR	नैरोजी गोदरेज सेंटर फॉर प्लांट रिसर्च, शिरवल, सतारा, महाराष्ट्र	Naoroji Godrej Centre for Plant Research, Shirwal, Satara, Maharashtra
NHCP	नेशनल हर्बेरियम ऑफ कल्टिवेटेड प्लांट्स, आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली	National Herbarium of Cultivated Plants, ICAR-NBPGR, New Delhi
NICH	हातोरी बॉटनिकल लेबोरेटरी, जापान	Hattori Botanical Laboratory, Japan
NWU	नॉर्थ-वेस्ट यूनिवर्सिटी, पोटचेफस्ट्रूम, साउथ अफ्रिका	North-West University, Potchefstroom, South Africa
PAN	वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब	Department of Botany, Panjab University, Chandigarh, Punjab
PBL*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Portblair, Andaman & Nicobar Islands
PC	पादपालय, नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फ्रांस	National Museum of Natural History, France
PH	एकेडमी ऑफ नेचुरल साइंसेज, फिलाडेल्फिया, यूएसए	Academy of Natural Sciences, Philadelphia, USA
PLP	हिमालय जैव संसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश	Institute of Himalayan Bioresource Technology, Palampur, Himachal Pradesh
PRFH	पतंजलि अनुसंधान फाउंडेशन, हरिद्वार, उत्तराखंड	Patanjali Research Foundation Herbarium , Haridwar, Uttarakhand.
PUN	पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब	Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab
RFRI*	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam
RHT	रैपिनैट हर्बेरियम एंड सेंटर फॉर मोलेक्युलर सिस्टेमैटिक्स, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु	Rapinat Herbarium and Centre for Molecular Systematics, Tiruchirappalli, Tamil Nadu
RO	यूनिवर्सिटा डेग्लि स्टडी डी रोमा ला सैपियेंजा इटली, रोम	Università degli Studi di Roma La Sapienza Italy,Rome
RRLB	खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा	Institute of Minerals and Materials Technology, Bhubaneswar, Odisha
RRLH	जानकी अमल पादपालय, इंडियन इंस्टिच्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन, जम्मू-तवी, जम्मू व कश्मीर	Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir
RUBL	वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान	Department of Botany, University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan
S	स्वीडिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, स्वीडन	Swedish Museum of Natural History, Sweden
SAC	सेंट अल्बर्ट कॉलेज, कोच्चि, केरल	St. Albert's College, Kochi, Kerala
SACH	सेंट एंड्रयूज कॉलेज पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट एंड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश	St. Andrew's College Herbarium, Department of Botany, St. Andrew's College, Gorakhpur, Uttar Pradesh
SCCN	स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, केरल	Scott Christian College, Nagercoil, Kerala
SESH	स्कूल ऑफ एंवायर्नमेंटल साइंसेस, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल	School of Environmental Sciences, Mahatma Gandhi University, Kottayam,Kerala
SGH	मदुरा कॉलेज (स्वायत्त), मदुरै, तमिलनाडु	The Madura College (Autonomous), Madurai, Tamil Nadu.
SKU	श्रीकृष्णा कॉलेज, गुरुवायूर, केरल	Srikrishna Collegem, Guruvayur, Kerala
SNCH	श्री नारायणा कॉलेज, कोल्लम, केरल	Sree Narayana College Herbarium, Kollam, Kerala
SPPU	सावित्री फूले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र	Savitribai Phule Pune University, Maharashtra
SSFH	सिक्किम राज्य वानिकी पादपालय, वानिकी सचिवालय, गंगटोक	Sikkim State Forest Herbarium, Forest Secretariat, Gangtok
STC	सेंट थॉमस कॉलेज (स्वायत्त), त्रिशूर, केरल	St. Thomas' College (Autonomous) Thrissur, Kerala
SU	सूज़ौ विश्वविद्यालय, सूज़ौ, जियांग्सु प्रांत, चीन	Suzhou University, Suzhou, Jiangsu province, China
SUK	शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र	Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra
T	जॉन टी. वाटरहाउस हर्बेरियम, न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी, सिडनी, आस्ट्रेलिया	John T. Waterhouse Herbarium, University of New South Wales, Sydney, Australia
TAIF	ताइवान वन अनुसंधान संस्थान, ताइवान	Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan
TAIF	ताइवान वानिकी अनुसंधान संस्थान, ताइवान	Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan
TBGH	तेलंगाना बॉटनिकल गार्डेन, डॉ. बीआरआर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, जडचर्ला, तेलंगाना	Telangana Botanical Garden, Dr. BRR Government Degree College, Jadcherla, Telangana
TBGT	जवाहरलाल नेहरु ट्रॉपिकल बॉटेनिक गार्डेन एंड रिसर्च इंस्टिच्यूट पादपालय, तिरुवनंतपुरम, केरल	Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Herbarium, Thiruvananthapuram, Kerala
THIM	राष्ट्रीय पादपालय, राष्ट्रीय जैव विविधता केंद्र, भूटान	National Herbarium, National Biodiversity Centre, Bhutan
TOSEHIM	द आर्किड सोसायटी ऑफ इस्टर्न हिमालय का पादपालय, असम	Herbarium of The Orchid Society of Eastern Himalaya, Assam

TUH	तेजपुर विश्वविद्यालय, नपाम, सोनितपुर, असम	Tezpur University, Napaam, Sonitpur, Assam
TUM	टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख, फ्रीजिंग, जर्मनी	Technische Universität München, Freising, Germany.
UASB	यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चरल साइंसेज, बेंगलुरु, कर्नाटक	University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka
UCBD	यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल	University College, Thiruvananthapuram, Kerala
VKPO	वनस्पति विज्ञान विभाग, वाघिरे कॉलेज, सासवड, ताल-पुरंदर, महराष्ट्र	Department of Botany, Waghire College, Saswad, Tal-Purandar, Maharashtra
W	वियना म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, ऑस्ट्रिया	Vienna Museum of Natural History, Austria
WII	भारतीय वन्यजीव संस्थान, उत्तराखंड, देहरादून	Wildlife Institute of India India, Uttarakhand, Dehra Dun
Z	यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड	University of Zurich, Switzerland
ZGC	ज़मोरिन्स गुरुवायुरप्पन कॉलेज, केरल	Zamorin's Guruvayurappan College, Kerala

* These are designated as National Repositories vide order no.26-15/2007-CSC, dated 28 Aug 2008 by Ministry of Environment, Forest and Climate Change

एक्रोकॉर्डिया कोनॉइडिया (फ्र.) क्रब.	**Acrocordia conoidea** (Fr.) Krb.	73
ऐडलेफिया मावल पी. नायक व बी. कार्तिक	**Adlafia maval** P.Nayak & B.Karthick	91
ऐस्काइनेन्थस क्लार्की मोआकुम, एस. डे, बरभुइया व जी. कृष्णा	**Aeschynanthus clarkei** Moaakum, S. Dey, Barbhuiya & G. Krishna	3
एफ्रोहाइबैन्थस महालिंगमियाइ सर्वलिंगम व रामासुब्बू	**Afrohybanthus mahalingamii** Sarvalingam & Ramas.	3
एफ्रोहाइबैन्थस ट्राइगोनस रामासुब्बु, मोहनराज व अंजना	**Afrohybanthus trigonus** Ramas., Mohanraj & Anjana	3
एगैरिकस निविओग्रैनुलेटस लिंडा जे. चेन, आर.एल. झाओ, कैलक व के.डी. हाइड	**Agaricus niveogranulatus** Linda J. Chen, R.L. Zhao, Callac & K.D. Hyde	120
एगैरिकस पैलिडोब्रुनियस आर.एल. झाओ	**Agaricus pallidobrunneus** R.L. Zhao	120
ऐग्रोस्टिस्टैकिस सोमगोएन्सिस डी.प्रसाद व पी.अग्निहोत्री	**Agrostis tsomgoensis** D.Prasad & P.Agnihotri	4
ऐलिनोस्टॉक फस्कम सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह	**Aliinostoc fuscum** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	91
एलोग्रैफा बिनसरेन्सिस आर. अधिकारी, एन. पाल व नायका	**Allographa binsarensis** R.Adhikari, N.Pal & Nayaka	67
ऐमेनिटा ब्रुनीपिरैमिडेलिस महमूद, वाई. पी. शर्मा व के. वर्मा	**Amanita brunneipyramidalis** Mehmood, Y. P. Sharma & K. Verma	102
एम्बलिऐन्थॉपसिस बर्मानिका वाई.एच. तान व एच.बी. डिंग	**Amblyanthopsis burmanica** Y.H. Tan & H.B. Ding	41
ऐनाप्टीकिया क्राइनैलिस (श्लीचर के बाद शेरेर) विज़्दा के बाद जे. नोवाक	**Anaptychia crinalis** (Schleich. ex Schaer.) Vĕzda ex J. Nowak	74
ऐनाप्टीकिया एल्बर्जियाना (साताला) पोएल्ट	**Anaptychia elbursiana** (Szatala) Poelt	74
ऐनाप्टीकिया इथियोपिका स्विंसको व क्रोग	**Anaptychia ethiopica** Swinscow & Krog	74
ऐनाप्टीकिया रोमेरी पोएल्ट	**Anaptychia roemeri** Poelt	75
ऐन्ड्रोग्रैफिस सैक्सेटिलिस राजा कुल्लैयिस्वामी व सरोजिनीदेवी	**Andrographis saxatilis** Raja Kullayisw. & Sarojin.	4
ऐनीसोमेलीज तमिलनाडेन्से रामासुब्बू व बेचू	**Anisomeles tamilnadense** Ramasubbu & Bechu	4
ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन लेप्टेस्कम (स्पेगाज़िनी) जू, रोजर्स व शे	**Annulohypoxylon leptascum** (Speg.) Ju, Rogers & Hsieh	120
ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन माइक्रोबोवी लारिसा निकोलेयेवा वासिलियेवा, एस. एल. स्टीफेंसन व के. डी. हाइड	**Annulohypoxylon microbovei** Lar. N. Vassiljeva, S.L. Stephenson & K.D. Hyde	120
ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन नाइटेन्स (सेसाटी) जू, रोजर्स व शे	**Annulohypoxylon nitens** (Ces.) Ju, Rogers & Hsieh	121
ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन सबएफ्यूसम (स्पेगाज़िनी) ह्लादकी व ए. आई. रोमेरो	**Annulohypoxylon subeffusum** (Speg.) Hladki & A.I. Romero	121
ऐन्यूलोहाइपोजाइलॉन विरिडिस्ट्रेटम सर व कुहनर्ट	**Annulohypoxylon viridistratum** Sir & Kuhnert	121
एन्थूरस ब्राउनियाइ जे.एम. मेंड	**Anthurus brownii** J.M. Mend.	121
ऐपियोस्पोरा एक्यूटिऐपिका (सेनानायके व के.डी. हाइड) एक्स.जी. तियान व तिबप्रोम्मा	**Apiospora acutiapica** (Senan. & K.D. Hyde) X.G. Tian & Tibpromma	122
ऐपियोस्पोरा मलेशियाना (क्रूस) पिंटोस व पी. अल्वाराडो	**Apiospora malaysiana** (Crous) Pintos & P. Alvarado	122
आर्डिसिया असमिका बरुआ	**Ardisia assamica** Baruah	5
अर्गोस्टेमा सॉमलियानाइ लालहलुपुई, त्लानहलुई, एस. डी. खोमड्रम व एस. डी. युमखाम	**Argostemma sawmlianae** Lalhlupuii, Tlanhlui, S.D.Khomdram & S.D.Yumkham	5
अर्जीरिया करुप्पुसामी भरत व सोनाली	**Argyreia karuppusamyi** Bharath & Sonali	5
अर्जीरिया मुन्नारेन्सिस भरत	**Argyreia munnarensis** Bharath	5
ऐरीसीमा नयामकरेन्से जे. मैथ्यू व पी.एम. सलीम	**Arisaema nayamakkadense** J.Mathew & P.M.Salim	6
आर्थोनिया सेक्सलोकुलैरिस जहलब्रुकनर	**Arthonia sexlocularis** Zahlbr.	75
आर्थोनिया स्टीलैरिस क्रेम्प.	**Arthonia stellaris** Kremp.	75
आर्थोनिया वेरिया (ऐकेरियस) नाइलैंडर	**Arthonia varia** (Ach.) Nyl.	76
आर्थोनिया वेरिया प्रभेद **स्टेनोग्रैफेला** वैनिनो	**Arthonia varia** var. **stenographella** Vain.	87
एरुणडिनेला बल्बीफेरा शाजू, रतीश नारायणन, सुनील, ऋतुराज व राजेंद्रप्रसाद	**Arundinella bulbifera** Shaju, Ratheesh Narayanan, Sunil, Rijuraj & Rajendraprasad	6
ऐस्पर्जिलस एक्यूलिएटीनस नूनीम	**Aspergillus aculeatinus** Noonim	122
ऐस्पर्जिलस ब्रुनियोवायोलेसिअस बटिस्टा व एच. माइया	**Aspergillus brunneoviolaceus** Bat. & H. Maia	122

ऐस्पर्जिलस धकेफलकराइ राजेश कुमार, हरिकृष्णन व विसागी	**Aspergillus dhakephalkarii** Rajeshk., Harik. & Visagie	102
ऐस्पर्जिलस इंसुऐटस (बैनियर) थॉम व चर्च	**Aspergillus insuetus** (Bainier) Thom & Church	123
ऐस्पर्जिलस पैट्रीसियाविल्टशायराइ राजेश कुमार, हरिकृष्णन व विसागी	**Aspergillus patriciawiltshireae** Rajeshk., Harik. & Visagie	102
ऐस्पिडिस्ट्रा पांगतीएन्सिस डी.के. रॉय, वाई. महेश, एन. ओड्युओ व एन. तनाका	**Aspidistra pangtiensis** D.K. Roy, Y. Mahesh, N. Odyuo & N. Tanaka	6
ऐस्टेरिना चंद्रहासाइ पी.डी. नाटेकर, एम.आर. भिसे व एस.वी. कंभार	**Asterina chandrahasaii** P.D. Natekar, M.R. Bhise & S.V. Kambhar	103
ऐस्टेरिना थिटेई पी.डी. नाटेकर, एम.आर. भिसे व एस. वी. कंभार	**Asterina thitei** P.D. Natekar, M.R. Bhise & S.V. Kambhar	103
औरीकुलेरिया अंडमानिका सु. दत्ता व के. दास	**Auricularia andamanica** Su. Datta & K. Das	103
औरीकुलेरिया सिनोडेलिकेटा वाइ. सी. दाइ व एफ. वु	**Auricularia sinodelicata** Y.C. Dai & F. Wu	123
औरीकुलेरिया ट्रॉपिका सु. दत्ता व के. दास	**Auricularia tropica** Su. Datta & K. Das	104
बैसिलस आयताग्रिएन्सिस दास**,** एस. व अन्य	**Bacillus ayatagriensis** Das, S. & al.	133
बेकोपा ऐक्वेटिका ऑबलेट	**Bacopa aquatica** Aubl.	41
बैगलीटोआ ए. मस्साल	**Bagliettoa** A. Massal.	72
बैगलीटोआ बाल्डेन्सिस (ए. मस्साल.) विज़्दा	**Bagliettoa baldensis** (A. Massal.) Vĕzda	76
बैगलीटोआ कैल्सिसेडा (डीसी.) गुएदन व क्ल. राउक्स	**Bagliettoa calciseda** (DC.) Gueidan & Cl. Roux	76
बैगलीटोआ लिम्बोरिओइडीज ए. मस्साल	**Bagliettoa limborioides** A. Massal.	77
बैम्बूसा लेपचीना नैथानी व कंडवाल	**Bambusa lepchaena** Naithani & Kandwal	7
बैम्बूसा मारसेलिनियाइ नैथानी	**Bambusa marselinii** Naithani	7
बैम्बूसा शरदनेगियाना नैथानी व कंडवाल	**Bambusa sharednegiana** Naithani & Kandwal	7
बार्लेरिया लॉन्गिफेरा प्रभेद **रोजिया,** भरत**,** रमेश**,** परमेश.**,** जी. रवि व करुप्पसामी	**Barleria longiflora** var. **rosea** Bharath, Ramesh, Paramesh., G. Ravi & Karupp.	38
बार्लेरिया तेलंगानेन्सिस भरत, करुप्पासामी व उदय	**Barleria telanganensis** Bharath, Karupp. & Uday	8
बर्टालिनिया केविनहाइडी डोइलोम, तिब्प्रोम्मा व भट्ट	**Bartalinia kevinhydei** Doilom, Tibpromma & Bhat	123
बैसेला ऐल्बा प्रभेद **स्कैन्डेन्स** सौभिक दास	**Basella alba** var. **scandens** Saubhik Das	38
बिगोनिआ हिमालइका डी. बोराह, चौलू, ए. शेनॉय व तारम	**Begonia himalaica** D. Borah, Chowlu, A. Shenoy & Taram	8
बिगोनिआ लेप्टोप्टेरा एच.हारा	**Begonia leptoptera** H.Hara	41
बिगोनिआ नीस्टी बी. हाजोंग, एन. भट्ट व पी. भराली	**Begonia neisti** B. Hajong, N. Bhat & P. Bharali	8
बिगोनिआ न्याशिओरम ए. शेनॉय, ए.के.सोनी व अब. कुमार	**Begonia nyishiorum** A. Shenoy, A. K. Soni & Ab. Kumar,	9
बिगोनिया वॉटसनियाइ शेरपा, लेपचा, छेत्री व गोगोई	**Begonia watsonii** Sherpa, Lepcha, Chhetri & Gogoi	9
बेरबेरिस मीरियोवुला हाजोंग व भराली	**Berberis myriovula** Hajong & Bharali	9
बर्गिया कुडलोरेन्सिस एस. सूसाईराज	**Bergia cuddalorensis** S. Soosairaj	10
बाइस्टोर्टा कोरिएसिया (सैम.) योनेकुरा व एच.ओहाशी	**Bistorta coriacea** (Sam.) Yonek. & H.Ohashi	42
ब्लैकवेलोमाइसस स्यूडोमिलिटैरिस (हाइवेल-जोन्स व सिविचाई) स्पैटेफोरा व लुएंगसा-आर्ड	**Blackwellomyces pseudomilitaris** (Hywel-Jones & Sivichai) Spatafora & Luangsa-ard	124
ब्लैकवेलोमाइसस स्पैटेफोरा व लुएंगसा-आर्ड	**Blackwellomyces** Spatafora & Luangsa-ard	119
बोन्नाया मल्टीफ्लोरा बोनती	**Bonnaya multiflora** Bonati	42
ब्रेकिमेनियम डेकरेन्टीफोलिया अ.ई.डी. डैनियल्स, बी. धन्यश्री व जे. आर. स्पेंस	**Brachymenium decurrentifolia** A.E.D. Daniels, B. Dhanyasree & J.R. Spence	60
ब्रिजियोपोरस कनादियाइ ए. परिहार व हेम्ब्रम	**Bridgeoporus kanadii** A. Parihar and Hembrom	104
ब्रायोप्लेका सोक्टिंग, फ्रोडेन व अरूप	**Bryoplaca** Søchting, Frödén & Arup	73
ब्रायोप्लेका टेट्रास्पोरा (नाइलैंडर) सोक्टिंग, फ्रोडेन व अरूप	**Bryoplaca tetraspora** (Nyl.) Søchting, Frödén & Arup	77
बुईलिया ऑस्ट्रोइन्डिका आर. न्गांगोम, नायका, मोहबे व ए. एम. रेड्डी	**Buellia austroindica** R. Ngangom, Nayaka, Mohabe & A.M. Reddy	67
बुईलिया सिनैबारिना यू. ग्रूब	**Buellia cinnabarina** U. Grube.	77

बुईलिया घाटेन्सिस ए.अनिल कुमार, आर. न्गांगोम, एस. जोसेफ,	**Buellia ghattensis** A. Anilkumar, R. Ngangom, S. Joseph, Nayaka and Sequiera	67
बुईलिया पैपीलोसा मुलर आर्गोविएंसिस	**Buellia papillosa** Müll. Arg.	78
बुईलिया स्पूरिया (स्कैरर) ऐंजी	**Buellia spuria** (Schaer.) Anzi.	78
बुईलिया सबहेमिस्फीरिका आर. न्गांगोम, नायका	**Buellia subhemispherica** R. Ngangom & Nayaka	68
बुएलिया विजागेन्सिस आर. न्गांगोम, नायका	**Buellia vizagensis** R. Ngangom & Nayaka	68
बल्बोकीट डाओका गॉथियर-लिवरे	**Bulbochaete dioica** Gauthier-Lièvre	98
बल्बोकीट साइनेन्सिस प्रभेद **सबपिरीफॉर्मिस** सी.-सी.जाओ	**Bulbochaete sinensis** var. **subpyriformis** C.-C.Jao	98
बल्बोथ्रिक्स सिनेरिआ मार्सेली व काल्ब	**Bulbothrix cinerea** Marcelli & Kalb	78
कैलामस हिमालऐनस एस.मंडल, एस.के. बसु व एम. चौधरी	**Calamus himalayanus** S.Mondal, S.K. Basu & M. Chowdhury	10
कैलोबोलेटस पैनीफॉर्मिस (तानेयामा व हार. ताकाह.) विजिनी	**Caloboletus panniformis** (Taneyama & Har. Takah.) Vizzini	124
कैलोनेक्ट्रिया ऐक्यूमिनेटा एन. बंसल, ए. रानी व एस. पांडे	**Calonectria acuminata** N. Bansal, A. Rani & S. Pandey	104
कैलोनेक्ट्रिया इलेइओकार्पी एन.रानी व एस. पांडे	**Calonectria elaeocarpi** N. Bansal, A. Rani & S. Pandey	104
कैलोनेक्ट्रिया यूकेलिप्टोरम एन.नेगी, रामकृष्णा व एस. पांडे	**Calonectria eucalyptorum** N. Negi, Ramkrishna & S. Pandey	104
कैंडोलिओमाइसस ऐल्बिपीज (मुरिल) डी. वाक्टर व ए. मेल्ज़र	**Candolleomyces albipes** (Murrill) D. Wächt. & A. Melzer	124
कैंडोलेओमाइसस ग्रिगेलिस पी.के. नयना व सी.के. प्रदीप	**Candolleomyces gregalis** P.K. Nayana & C.K. Pradeep	105
कैन्डोलियोमाइसीस सुबसिंगेरी (टी.बाउ व जे.क्यू यान) डी. वैक्टर व ए. मेल्जर	**Candolleomyces subsingeri** (T. Bau & J.Q. Yan) D. Wächt. & A. Melzer	125
कैंडोलियोमाइसेस टाइफाइ (कालचब्रेनर) डी. वैक्टर व ए. मेल्ज़र	**Candolleomyces typhae** (Kalchbr.) D. Wächt. & A. Melzer	125
कैरेपा गिआनेन्सिस ऑब्लेट	**Carapa guianensis** Aublet.	42
सर्कोस्पोरा पामेटी रजवाड़, राघव. सिंह व श. कुमार	**Cercospora palmati** Rajwar, Raghv. Singh & Sh. Kumar	105
कैमीगैस्ट्रोडिया रेइकेन्सिस त्लानहलुई, एस.डी. खोमद्राम व एस.डी. युमखाम	**Chamaegastrodia reiekensis** Tlanhlui, S.D.Khomdram & S.D.Yumkham	10
कैरा कोरेलाइना प्रभेद **कामरूपेन्सिस** पी.पी. बरुआ, एस. भट्टाचार्जी, एन. कलिता व बी. बोरुआ	**Chara corallina** var. **kamrupensis** P.P. Baruah, S. Bhattacharjee, N. Kalita & B. Boruah	97
काइलोलेज्यूनिया ओकलुसा (हर्जोग) टी. कोडामा व एन. कितागावा	**Cheilolejeunea occlusa** (Herzog) T. Kodama & N. Kitag.	62
काइरोस्टाइलिस टॉरटिलेसिनिया सी. एस. लिओ	**Cheirostylis tortilacinia** C. S. Leou	43
किओडेक्टन सबमॉन्टेनम आर. अधिकारी, नायका व उप्रेति	**Chiodecton submontanum** R.Adhikari, Nayaka & Upreti	68
क्लोरोफाइटम वनपुष्पम सुनील, जे. मैथ्यू व सिद्धार्थ एस. नायर	**Chlorophytum vanapushpam** Sunil, J.Mathew & Sidharth S. Nair	11
क्लाइमैकोनीस हेटरोपोलैरिस सी. राधाकृष्णन, वी. गोकुल, कोशियोलेक व बी. कार्तिक	**Climaconeis heteropolaris** C. Radhakrishnan, V. Gokul, Anish, Kociolek & B. Karthick	92
क्लाइनोपोडियम क्यूएन्सिस आर.चंद्र व ओ. गुनेर	**Clinopodium kewensis** R.Chandra & Ö. Güner	11
क्लिटोपाइलस चिचावतनिएन्सिस एन. फातिमा, उस्मान व खालिद	**Clitopilus chichawatniensis** N. Fatima, Usman & Khalid	125
कोइनोगोनियम ल्यूकिंगाई वाई. जोशी, गगारिना, जे.पी. हल्दा व हूर	**Coenogonium lueckingii** Y. Joshi, Gagarina, J.P. Halda & Hur	79
कोइनोगोनियम पिनेटी (श्रैडर के बाद ऐकेरियस) ल्यूकिंग व लुम्बश	**Coenogonium pineti** (Schrad. ex Ach.) Lucking and Lumbsch	79
कोइनोगोनियम स्यूडोनेपालेन्से आर. अधिकारी, नायका, एस. बिश्वास व आर. दैमारी	**Coenogonium pseudonepalense** R. Adhikari, Nayaka, S. Biswas & R. Daimari	69
कोइनोगोनियम सबमोनीलिफॉर्म आर. अधिकारी, आर. न्गांगोम व नायका	**Coenogonium submoniliforme** R. Adhikari, R. Ngangom & Nayaka	69
कोलीबायॉप्सिस गिब्बोसा (कॉर्नर) आर.एच.पीटरसन	**Collybiopsis gibbosa** (Corner) R.H. Petersen	126
कोलिबायॉप्सिस हिमालयेन्सिस चौधरी, उनियाल व वाई. पी. शर्मा	**Collybiopsis himalayensis** Choudhary, Uniyal and Y.P. Sharma	105
कोलोलेज्यूनिया देवेन्द्राइ शशि कुमार व डी. सिंह	**Cololejeunea devendrae** Shashi Kumar & D.Singh	60
कोलट्रिशिया शर्माइ चौधरी व उनियाल	**Coltricia sharmae** Choudhary & Uniyal	106
कॉमीफोरा शंकरसिंहियाना के.डी.ठाकर व के. एस. राजपूत	**Commiphora shankarsinhiana** K.D.Thacker & K.S.Rajput	11

कोनिडिओबोलस श्रीनिवासिनीयाइ के.एस. पवार, पी.एन. सिंह, एस.के. सिंह	**Conidiobolus srinivasanii** K.S. Pawar, P.N. Singh, S.K. Singh	106
कोराइडैलिस शियोमिएनसिस एम. खानल, लिडेन व डी. कुमार	**Corydalis shiyomiensis** M. Khanal, Lidén & D. Kumar	12
क्रैसीकॉलिस मिडलटनियाइ चौलू व ए. शेनॉय	**Crassicaulis middletonii** Chowlu & A.Shenoy	12
क्रॉफर्डिया डेलावेई फ्रैंचेट	**Crawfurdia delavayi** Franch.	43
क्रॉफ़र्डिया माइन्यूटीकैलिक्स आर.मैती, देबता व एस.एस. दाश	**Crawfurdia minuticalyx** R.Maity, Debta & S.S.Dash	12
क्रेपिडियम असमिकम के.गोगोई व जिन्टू शर्मा	**Crepidium assamicum** K. Gogoi & Jintu Sarma	13
क्रोटालेरिया लूटीयोपरप्यूरिया दलवी, रमेश, बसवराज, संजप्पा व एस.आर. यादव	**Crotalaria luteopurpurea** Dalavi, Ramesh, Basavaraj, Sanjappa & S.R.Yadav	13
क्रोटालेरिया वेस्टर्नियाना डी.के. लोंढे व ए.एस. भुक्तार	**Crotalaria westernyana** D.K. Londhe & A.S. Bhuktar	13
क्यूफोफिलस ऑरियस के.पी.डी. लता व एम.के. वर्षा	**Cuphophyllus aureus** K. P. D. Latha & M. K. Varsha	106
सिलिन्ड्रोकोलिया राइजेन्था (मॉन्ट.) आर. एम. स्कस्टर	**Cylindrocolea rhizantha** (Mont.) R.M. Schust.	62
सिलिंड्रोलोबस मोटुओएन्सिस एक्स. एच. जिन व जे.डी. या	**Cylindrolobus motuoensis** X.H. Jin & J.D. Ya	43
साइपीरस बाइपार्टिटस टोरे	**Cyperus bipartitus** Torr.	44
साइफोस्टेम्मा नमोनर्मदेन्से नंदीकर	**Cyphostemma namonarmadense** Nandikar	14
डैक्टाइलोक्टेनियम रुडरल बी.एल. भेलम, के. सिंह व एस. गैरोला	**Dactyloctenium ruderale** B.L. Bhellum, K. Singh & S. Gairola	14
डाल्जेलिया उबोनेन्सिस एम. काटो	**Dalzellia ubonensis** M. Kato	44
डेजर्टिफ़िलम अधिकारियाइ सुदीप्ता के. दास, एस. महानंदिया व एल. सिंह	**Desertifilum adhikarii** Sudipta K. Das, S. Mahanandia & L. Singh	92
देशिकाचार्या ब्रह्मपुत्राइ सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह	**Desikacharya brahmaputrae** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	92
देशिकाचार्या कीमेन्टिकोला सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह	**Desikacharya caementicola** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	93
देशिकाचार्या फैसीकुलेटम सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह	**Desikacharya fasciculatum** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	93
देशिकाचार्या ग्लोबेटा सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह	**Desikacharya globata** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	93
देशिकाचार्या ग्रैन्डीस्पोरा सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह	**Desikacharya grandispora** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	94
देशिकाचार्या नाइटेन्स सागरिका पाल, ए.सराफ़ व प्रश. सिंह	**Desikacharya nitens** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	94
देशिकाचार्या पचमढ़ीएन्सिस सागरिका पाल, ए.सराफ व प्रश. सिंह	**Desikacharya pachmarhiensis** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	94
डेस्मोनोस्टॉक गुवाहाटीएन्सिस सागरिका पाल, ए. सराफ व प्रश. सिंह	**Desmonostoc guwahatiensis** Sagarika Pal, A. Saraf & Pras. Singh	95
डिडाइमोकार्पस मेडोगेन्सिस वाई.टी. वांग	**Didymocarpus medogensis** W.T.Wang	44
डाइआस्कोरिया बालकृष्णनियाइ पी.एम. सलीम व जे. मैथ्यू	**Dioscorea balakrishnanii** P.M. Salim & J.Mathew	14
डिरिना इमर्सा मुलर आर्गोविएंसिस	**Dirina immersa** Mull. Arg.	79
डिस्टीमेक अपरान्ताइ एस.बी. पटेल, शिम्पले व ए.आर.सिमॉइश	**Distimake aparantae** S.B.Patil, Shimpale & A.R.Simões	15
ड्रायोप्टेरिस पोलिटा रोजेनस्ट	**Dryopteris polita** Rosenst.	57
डयेडोबैक्टर औरुलेन्टस यादव, ए. व अन्य	**Dyadobacter aurulentus** Yadav, A., & al.	133
एकाइडनोडेला कोनेरियाइ सौम्या प्रसाद व जी.आर.अर्चना	**Echidnodella connarii** Soumya Prasad & G. R. Archana	107
एग्बिनेमा भारतेन्सिस जे.एम. भगत	**Egbenema bharatensis** J.M. Bhagat	95
इलाईनेला रिंगाई एम. भंडारी, एस. सोनम, आर. नेगी, पी. सिंह, आर. के. सिंह व पी. के. दधीच,	**Elainella ringii** M. Bhandari, S. Sonam, R. Negi, P. Singh, R. K. Singh et P. K. Dadheech	95
एन्साइयोनेमा मेघमलाईएन्से वी. विग्नेशकुमार, ए. विग्नेशकुमार, सी.राधाकृष्णन, बी. कार्तिक व एस. नागराज	**Encyonema meghamalaiense** V.Vigneshkumar, A.Vigneshwaran, C.Radhakrishnan, B.Karthick & S.Nagaraj	96
एन्टेरोग्रैफा स्पैरियाइ आर. अधिकारी, नायका व उप्रेति	**Enterographa sparrii** R. Adhikari, Nayaka & Upreti	69
एन्टेरोग्रैफा सबकॉडेटा आर. अधिकारी, नायका व उप्रेति	**Enterographa subcaudata** R. Adhikari, Nayaka & Upreti	70
इरेग्रोस्टिस कश्मीरेन्सिस पी. अग्निहोत्री व एस. तिवारी	**Eragrostis kashmirensis** P. Agnihotri & S. Tiwari	15
इरेमोक्लोआ सिलिऐरिस (लिनिअस) मेरिल	**Eremochloa ciliaris** (L.) Merr.	45

ईरिओकौलन मणिलालिऐनम चंदोर, बोरुडे, माधव व गोसावी	**Eriocaulon manilalianum** Chandore, Borude, Madhav & Gosavi	15
एस्केमुकर्जिया मलिक व सेनगुप्ता	**Eskemukerjea** Malick & Sengupta	40
एस्केमुकर्जिया मेगाकार्पम (एच. हारा) एच. हारा	**Eskemukerjea megacarpum** (H.Hara) H.Hara	45
यूजीनिया क्रूसिफॉर्मीस बी. मणि व सिंजुमॉल थॉमस	**Eugenia cruciformis** B. Mani & Sinj. Thomas	15
यूलोफ़िया सियामेन्सिस रॉल्फ़ के बाद डाउनी	**Eulophia siamensis** Rolfe ex Downie	45
यूओनिमस पुष्पगिरिएन्सिस एन.वी.पेज व टी.यू.ठाकरे	**Euonymus pushpagiriensis** N.V.Page & T.U.Thackeray	16
यूफॉर्बिया पाराइकल्ली बी. डेजोंग, मालपुरे व महालिंगम	**Euphorbia paraikalli** B. Dejong, Malpure & Mahalingam	16
यूफॉर्बिया स्पाइनेकॉन्फ्लेटा सरोजिनीदेवी व राजा कुल्लायीस्वामी	**Euphorbia spinaconflata** Sarojin. & Raja Kullayisw.	16
फाइकस नाइकियाइ ए.पी. तिवारी, श्रीहरि व आर.पी. मिश्रा	**Ficus naikii** A.P. Tiwari, Sreehari & R.P. Mishra	17
फिलागो जम्मूएन्सिस भेलम व मगोत्रा	**Filago jammuensis** Bhellum & Magotra	17
फिसिडेन्स ब्रुगमैनियाइ ए.ई.डी. डैनियल्स और जेड.एच. विलियम्स	**Fissidens bruggemaniae** A.E.D.Daniels & Z.H.Williams	60
फॉसोम्ब्रोनिया बेंगालेन्सिस शेख आर. इस्लाम, ए.के. मंडल, डी. सिंह व कार्जिल	**Fossombronia bengalensis** Sk. R. Islam, A. K. Mondal, D. Singh & Cargill	61
फल्विफोमीज औरेन्शिएकस मे. फातिमा, उस्मान व खालिद	**Fulvifomes aurantiacus** Ma. Fatima, Usman & Khalid	126
फल्विफोमीज शैलशिखरा एस. गुनासीलन, ई. अरुमुगम व एम.कालियापेरुमल	**Fulvifomes shailashikhara** S. Gunaseelan, E. Arumugam & M. Kaliyaperumal	107
फुस्कोपोरिया इंडिका एम. कलियापेरुमल, एस. गुनासीलन व के. केज़ो	**Fuscoporia indica** M. Kaliyaperumal, S. Gunaseelan & K. Kezo	107
फुस्कोपोरिया सिरुमलाईएन्सिस ई. अरुमुगम, एस. गुनासीलन व एम. कलियापेरुमल	**Fuscoporia sirumalaiensis** E. Arumugam, S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal	108
फुस्कोपोरिया टर्मिनेलियानाइ ई. अरुमुगम, एस. गुनासीलन व एम. कलियापेरुमल	**Fuscoporia terminalianae** E. Arumugam, S. Gunaseelan & M. Kaliyaperumal	108
गार्सीनिया कुसुमाइ जे. शर्मा व बरभुइया	**Garcinia kusumae** J. Sarma & Barbhuiya	17
गैस्ट्रोचिलस पेचेई राइचेनबैक कुंत्जे	**Gastrochilus pechei** (Rchb.f.) Kuntze	46
गैस्ट्रोडिया फ्लेविलेबेला एस.एस. यिंग	**Gastrodia flavilabella** SS Ying	46
गैस्ट्रोडिया लोहितेन्सिस चौलू, सेरिंग, ए. राय, ए.एन. राव, एस.एस. दाश व ए. पर्टिन	**Gastrodia lohitensis** Chowlu, Tsering, A. Ray, A.N. Rao, S.S. Dash & A. Pertin	17
ग्रैफिस ऐल्बोथेलिना आर. अधिकारी व नायका	**Graphis albothallina** R.Adhikari & Nayaka	70
ग्रैफिस ऐन्टिलेरम वैनिनो	**Graphis antillarum** Vain.	79
ग्रैफिस मोरिएन्सिस आर. अधिकारी व नायका	**Graphis moriensis** R.Adhikari & Nayaka	70
जिम्नोस्टैकियम मुंडनथुरिएन्सिस के.एम.पी.कुमार व दीक्षा	**Gymnostachyum mundanthuraiensis** K.M.P.Kumar & Diksha	18
जाइरोडान शर्माइ सु. दत्ता, के. दास व विज़िनी	**Gyrodon sharmae** Su. Datta, K. Das & Vizzini	108
हेमिपिलिया बेसिफोलिएटा (फिनेट) वाई. तांग व एच. पेंग	**Hemipilia basifoliata** (Finet) Y.Tang & H.Peng	46
हेंकेलिया डेविडवुडियाइ डी. बोराह, तारम व आर. मैती	**Henckelia davidwoodii** D Borah, Taram & R. Maity	18
हेंकेलिया फॉरेस्टियाइ (जे. एंथोनी) डी.जे. मिडलटन व माइकल मोलर	**Henckelia forrestii** (J. Anthony) D.J. Middleton & Mich. Möller.	47
हेंकेलिया इंडिका एम. खनाल, ताराम व डी. बोराह	**Henckelia indica** M. Khanal, Taram & D. Borah	18
हेंकेलिया इन्फन्डीबुलीफॉर्मिस (वाई.टी.वांग) डी.जे. मिडलटन व माइकल	**Henckelia infundibuliformis** (W. T. Wang) D. J. Middleton & Mich. Möller	47
हेंकेलिया मल्टीफ्लोरा एन.वी. पेज	**Henckelia multiflora** N.V.Page	19
हेपिया एग्लूटिनेटा ए. मस्साल.	**Heppia adglutinata** A. Massal.	80
हेप्टाप्लूरम असमिकम एस. डे. बरबुइया	**Heptapleurum assamicum** S. Dey & Barbhuiya	19
हेराक्लियम किंगडोनाइ एच. वोल्फ	**Heracleum kingdonii** H. Wolff	47
हेरिसियम इंडिकम सु. दत्ता व के. दास	**Hericium indicum** Su. Datta & K. Das	109
हेटेरेन्थेरा रेनीफॉर्मिस रुइज़ व पावों	**Heteranthera reniformis** Ruiz & Pav.	48
हिबिस्कस ग्लैन्डुलिफ़ेरस क्रैब	**Hibiscus glanduliferus** Craib	48
हिबिस्कस सिडीफॉर्मिस बैलन	**Hibiscus sidiformis** Baill.	48

होया चिंगहुंगेंसिस (सियांग व पी.टी. ली) एम.जी. गिल्बर्ट, पी.टी. ली व डब्ल्यू. डी. स्टीवंस	**Hoya chinghungensis** (Tsiang & P.T.Li) M.G.Gilbert, P.T. Li & W.D.Stevens	49
होया दाउदीएन्सिस सहानी, रोड्डा, पर्टिन व चौलू	**Hoya dawodiensis** Sahani, Rodda, Pertin & Chowlu	19
होया यिंगजियानेन्सिस जे.एफ. झांग, एल.बाई, एन.एच. शिया व जेड.क्यू.पेंग	**Hoya yingjiangensis** J.F.Zhang, L.Bai, N.H.Xia & Z.Q.Peng	49
हाइमीनेगैरिकस इंडिकस पी.बी.पाटिल, एस.ए. वैद्या, एन.पी.पाटिल व एस.के. मौर्य	**Hymenagaricus indicus** P.B. Patil, S.A. Vaidya, N.P. Patil & S.K. Maurya	109
हाइमीनिडियम पिन्नेटम प्रो. भंडारी व भौमिक	**Hymenidium pinnatum** Pr.Bhandari & Bhaumik	20
हाइफोलोमा दार्जिलिंगेन्सिस जे.तमांग व के. अचार्या	**Hypholoma darjeelingensis** J. Tamang & K. Acharya	109
हाइपोट्रेकाइना मेजरिस (वेनियो) हेल	**Hypotrachyna majoris** (Vain.) Hale	80
हाइपोजाइलॉन कार्निअम पेच	**Hypoxylon carneum** Petch	126
आइलेक्स फ़ार्जेसियाइ उपजाति **मेलैनोट्राइका** (मेरील) एस. एंड्रूज़	**Ilex fargesii** subsp. **melanotricha** (Merr.) S.Andrews	53
इम्पेशिएन्स लिनाइ के.एम.पी. कुमार, सी. सतीश व राणा	**Impatiens linnaei** K.M.P Kumar, C. Sathesh. & Rana	20
इम्पेशिएन्स मुकुर्थियाना आर. तारणी, एम. मुरुगेसन, वी. रविचंद्रन, अनुसुबा व बी. कार्तिक	**Impatiens mukurthiana** R.Tharani, M. Murug.,V.Ravich., Anusuba & B. Karthik	20
इम्पेशिएन्स राजीबियाना चौलू, बोराह व ए. शेनॉय	**Impatiens rajibiana** Chowlu, Borah, & A.Shenoy	21
इम्पेशिएंस सेल्वासिंहाइ भरत व करुप्प	**Impatiens selvasinghii** Bharath & Karupp	21
इम्पेशिएन्स शमाई एस. सिंह	**Impatiens shamaii** S. Singh	21
इंडोप्लेटेसा सेप्लिक, राधाकृष्णन, कार्तिक व कुलिकोवस्की	**Indoplatessa** Tseplik, Radhakrishnan, Karthick & Kulikovskiy	91
इफिजीनिया देवरुखेन्सिस पी.एस. मोरे व पी.वी. नाइकवाडे	**Iphigenia devrukhensis** P.S.More and P.V.Naikwade	22
आइपोमिया कैरिका प्रभेद **ऐपेंडिक्यूलेटा** अनसूया, जी.आर. शिवमूर्ति, एम. मुरली, एम.सी. त्रिवेणी व के.एन. अमृतेश	**Ipomoea cairica** var. **appendiculata** Anasuya, G.R. Shivamurthy, M. Murali, M.C. Thriveni & K.N. Amruthesh	38
इर्पेक्स लेसिरेटस (एन. माएकावा, सुहारा व आर. कोंडो) सी.सी. चेन व शेंग एच. वू	**Irpex laceratus** (N. Maek., Suhara & R. Kondo) C.C. Chen & Sheng H. Wu	126
ईसैक्ने कस्पिडेटा वी.एस. अनिल कुमार, दीपा लक्ष्मी व धन्य लक्ष्मी	**Isachne cuspidata** V.S. Anil Kumar, Deepa Lekshmi & Dhanya Lekshmi	22
इक्सोरा बावाइ डी. बारो व बावरी	**Ixora bawae** D. Baro & Bawri	22
इक्सोरा गाडगिलियाना बालन व रोबी	**Ixora gadgiliana** Balan & Robi	23
कोइनिगिया अरुणाचलेन्सिस बी. हाजोंग व पी. भराली	**Koenigia arunachalensis** B. Hajong & P. Bharali	23
कुप्फेरिया कैटेरी (टी.एन.हो) एड्रियन फ़ेवरे	**Kuepferia chateri** (T.N.Ho) Adr.Favre	49
कुरोकाविया पामुलेटा (मीशो) एस. वाई. कोंड्रात्युक	**Kurokawia palmulata** (Michx.) S.Y. Kondr.	80
लैकेरिया फ्राइसियाइ चौधरी, उनियाल व वाई. पी. शर्मा	**Laccaria friesii** Choudhary, Uniyal & Y.P Sharma	110
लैक्टेरियस हात्सुदाके नोबुजीरो तनाका	**Lactarius hatsudake** Nobuj. Tanaka	127
लैक्टिफ्लूस ऐल्बिसिरेटस के. वर्मा, उनियाल व वाई. पी. शर्मा	**Lactifluus albiceratus** K. Verma, Uniyal & Y.P. Sharma	110
लैक्टिफ्लूस खासिएनस डी. चक्र., ए. घोष व डी. टुडू	**Lactifluus khasianus** D. Chakr., A. Ghosh & D. Tudu	110
लैजीनेन्ड्रा प्रदीपियाना पूजा, मिथुन व रतीश	**Lagenandra pradeepiana** Pooja, Mithun & Ratheesh	23
लेकैनोग्रैफा लिंसिया (स्मिथ.) एजिया व टोरंटे	**Lecanographa lyncea** (Sm.) Egea & Torrente	81
लेकैनोग्रैफा लिन्सियोइडीज (मुलर आर्गोविएंसिस) इजीया व टोरेंटे	**Lecanographa lynceoides** (Müll. Arg.) Egea & Torrente	81
लेसीडिया लैक्टिया फ्लॉर्क के बाद शेरर	**Lecidea lactea** Flörke ex Schaer.	81
लेडेबोरिया मावेलियाइ वी. सुरेश, सोजन व अंबिका	**Ledebouria mavelii** V. Suresh, Sojan & Ambika	24
लेपीडेगैथिस कुरनूलेन्सिस राजा कुल्लैयिस्वामी व सरोजिनीदेवी	**Lepidagathis kurnoolensis** Raja Kullayisw. & Sarojin.	24
लेपियोटा केरलेन्सिस जे.आर. पाइयॉस व टी.के.ए. कुमार	**Lepiota keralensis** J.R. Pious & T.K.A. Kumar	111
लेप्रैन्था सिनेरियोप्रुइनासा (शेरर) कोर्ब.	**Leprantha cinereopruinosa** (Schaer.) Korb	81
लेत्रूईशिया स्पाइरेलिस हाफेलनर	**Letrouitia spiralis** Hafellner	82
लेट्रॉशिया सबवल्पाइना (नाइलैंडर) हाफेलनर	**Letrouitia subvulpina** (Nyl.) Hafellner	82

लाइकिनेला अमेरिकाना हेनसेन	**Lichinella americana** Henssen	82
लिपारिस मेन्जिएंसिस जे.डी. या व लेई चाई	**Liparis mengziensis** J.D.Ya & Lei Cai	50
लूफा एजिप्टिआका प्रभेद **ऐल्बा** आर.सी. मिश्रा	**Luffa aegyptiaca** var. **alba** R.C.Misra	39
ल्यूटीबैक्टर साहनियाइ जायसवाल	**Luteibacter sahnii** Jaiswal, G. & al.	133
मीसा रुगोसा प्रभेद **क्लार्की** धत्चनामूर्ति व देवनाथ.	**Maesa rugosa** var. **clarkei** Dhatchan. & Devanath.	39
मैरस्मियस इंडिकस चौधरी, उनियाल व वाई. पी. शर्मा	**Marasmius indicus** Choudhary, Uniyal & Y.P. Sharma	111
मैरस्मियस स्यूडोजैस्मिनोडोरस ए.के.दत्ता, पी. चट्टोपाध्याय व स्वर्णेंदु चंद्र	**Marasmius pseudojasminodorus** A.K. Dutta, P. Chattopadhyay & Swarnendu Chandra	111
मैरिनोस्पाइरिलम ऐल्केलाइटोलरेन्स जोशी, ए. व अन्य	**Marinospirillum alkalitolerans** Joshi, A. & al.	134
मेगासिरॉस ग्रैसिलिस (रीचार्ड्ट) स्टेफ.	**Megaceros gracilis** (Reichardt) Steph.	63
मिलैनोल्यूका देवथलेन्सिस चौधरी**,** उनियाल व वाइ.पी. शर्मा	**Melanoleuca deothalensis** Choudhary, Uniyal & Y. P. Sharma	111
मिलैनोल्यूका द्रासिना चौधरी**,** महमूद व वाइ.पी. शर्मा	**Melanoleuca drassina** Choudhary, Mehmood & Y. P. Sharma	112
मेमीसिलोन कूर्गेन्सिस एस.एस. श्रोत्री, टी.यू. ठाकरे व एन.वी. पेज	**Memecylon coorgensis** S.S.Shrotri, T.U.Thackeray & N.V.Page	24
माइक्रोप्सेलियोटा सबअम्बोनेटा पी.बी.पाटिल, एस.ए. वैद्या, वी.के. हिले व एन.पी.पाटिल	**Micropsalliota subumbonata** P.B. Patil, S.A. Vaidya, V. K. Hile & N.P. Patil	112
मिलिउसा बेडडोमी सुकदेब बेरा, सुजाना व कार्तिग	**Miliusa beddomei** Sukdeb Bera, Sujana & Karthig.	25
मोनून लॉन्गिफोलियम प्रभेद **ऐंगुस्टिफोलियम** कंगना व कसाना	**Monoon longifolium** var. **angustifolium** Kangana & Kasana	39
मल्टिफरका स्यूडोफरकेटा एक्स.एच. वांग	**Multifurca pseudofurcata** X.H. Wang	127
मुनरोनिया असमिका एस.दे व भौमिक	**Munronia assamica** S.Dey & Bhaumik	25
माइसिटिया मलयाना (जी.डॉन) क्रैब	**Mycetia malayana** (G.Don) Craib	50
नेमैलिअनोप्सिस शॉयाइ स्कुजा	**Nemalionopsis shawii** Skuja	98
नेमैलिअनोप्सिस स्कुजा	**Nemalionopsis** Skuja	97
नियोबोलेटस एंजियोकार्पस सु. दत्ता, के. दास व विज़िनी	**Neoboletus angiocarpus** Su. Datta, K. Das & Vizzini	112
नियोप्यूसिलीमोनास एस्टुएरियाइ किर्दत, के.व अन्य	**Neopusillimonas aestuarii** Kirdat, K. & al.	134
नीग्रोग्रैना अंडमानिका एस. रक्षित व वी.वी.शर्मा	**Nigrograna andamanica** S. Rakshit & V.V. Sarma	112
नॉस्टोक सिक्किमेन्से सागरिका पाल व प्रश. सिंह	**Nostoc sikkimense** Sagarika Pal & Pras. Singh	96
ओपेग्रैफा एकैरोस्पोरी वाई. जोशी	**Opegrapha acarosporae** Y. Joshi	113
ओपेग्रैफा ग्रैफिडिजा नाइलैंडर	**Opegrapha graphidiza** Nyl.	83
ओपेग्रैफा माइक्रोस्पोरा मुलर आर्गोविएंसिस	**Opegrapha microspora** Müll. Arg.	83
ओपेग्राफा रुफेसेन्स पर्सून	**Opegrapha rufescens** Pers.	83
ओपेग्राफा सबसेंट्रीफ्यूगा नाइलैंडर	**Opegrapha subcentrifuga** Nyl.	84
ओफिओग्लोसम लैटीफोलियम (प्रांटल) जे.ई. बरोस	**Ophioglossum latifolium** (Prantl) J.E. Burrows	57
ओफिओराइजा एकाइनेटा एबिन, श्रीहरि व जोबी	**Ophiorrhiza echinata** Ebin, Sreehari & Joby	25
ओफिओराइजा जैपोनिका ब्लूम	**Ophiorrhiza japonica** Blume	50
पैडब्रूजिया फिलिपीज (डन) क्रैब	**Padbruggea filipes** (Dunn) Craib	51
पैडब्रूजिया मिकेल	**Padbruggea** Miq.	40
पैरालेकैनोग्रैफा ग्रुमुलोसा (ड्यूफोर) एर्ट्ज व टेहलर	**Paralecanographa grumulosa** (Dufour) Ertz & Tehler	84
पैरामाइरोथीसियम कमालियाइ श. कुमार, फर्साना, मुफीदा, राघव. सिंह व महादेवक	**Paramyrothecium kamalii** Sh. Kumar, Farsana, Mufeeda, Raghv. Singh & Mahadevak.	113
पैरामायरोथीसियम स्ट्रिकनी श.कुमार व राघव. सिंह	**Paramyrothecium strychni** Sh. Kumar & Raghv. Singh	113
पैरासौस्पोहुबिया गोरेन्सिस पटगर, बेटागेरी व कोटरेशा	**Parasouspohubia gorensis** Patgar, Betageri & Kotresha	26
पैरासिनेमेलिसिया खासियाना प्रतिभा, भट व प्रभुग	**Parasynnemellisia khasiana** Pratibha, Bhat & Prabhug.	114
पैरासिनमेलिसिया प्रतिभा, भट व प्रभुगांवकर	**Parasynnemellisia** Pratibha, Bhat & Prabhug.	101

पार्मोट्रेमा मोर्डेनियाइ (हेल) हेल	**Parmotrema mordenii** (Hale) Hale	84
पैसीफ्लोरा वेसीकेरिया प्रभेद **वेसीकेरिया**	**Passiflora vesicaria** var. **vesicaria**	54
पेडिकुलैरिस लोलाबिएन्सिस एम.एन. भट्ट, बी सिंह, एम. तबस्सुम व एस. कुमारी	**Pedicularis lolabiensis** M.N. Bhat, B. Singh, M. Tabassum & S. Kumari	26
पेडिक्यूलैरिस राजेशियाना आरती गर्ग	**Pedicularis rajeshiana** Arti Garg	26
पेंजिगोमाइसिस इंडिकस रश्मि दुबे व जश,	**Penzigomyces indicus** Rashmi Dubey & Jash	114
फैलीनॉप्सिस क्वाड्रीडेन्टेटा एम.खानाल व कुमार	**Phalaenopsis quadridentata** M.Khanal & Kumar	27
फेलाइनस रेसूपिनेटस एम. फिश., एम. क्लूटे, एल. मोस्र्टट व एफ. हेलीन	**Phellinus resupinatus** M. Fisch., M. Cloete, L. Mostert & F. Halleen	127
फ्लेगमेसिअम दिदनाएन्से ए. बोस व के. दास	**Phlegmacium didnaense** A. Bose & K. Das	115
फ्लेगमेसिअम लार्जम (फ्रायस) वुन्शे	**Phlegmacium largum** (Fr.) Wunsche	128
फ्लेगमेसिअम ओफिओपस (पेक) निस्कानन व लीमाटैनेन	**Phlegmacium ophiopus** (Peck) Niskanen & Liimat.	128
फीनिक्स रॉक्सबर्गाइ जे. जैकब, एन. मोहनन, करियप्पा व ई.एस.एस. कुमार	**Phoenix roxburghii** J.Jacob, N.Mohanan, Kariyappa et E.S.S.Kumar	27
फाइलोपोरिया ऐफ्रोस्पैथूलेटा योम्बियेनी व डिकॉक	**Phylloporia afrospathulata** Yombiy. & Decock	128
फाइलोपोरस निग्रीस्क्वैमस एन.के. जेंग, एल.एल. वु व वाइ.जी. फान	**Phylloporus nigrisquamus** N.K. Zeng, L.L. Wu & Y.G. Fan	129
फायलोप्सोरा पिक्सिनोइडीज (नाइलैंडर) किस्टेनिच, टिमडल, बेंडिक्सबी व एस. एकमैन	**Phyllopsora pyxinoides** (Nyl.) Kistenich, Timdal, Bendiksby & S. Ekman,	85
पिंडा मुखर्जियाना सी. रेखा, प्रशांत, गंगुर्डे व मनुदेव	**Pinda mukherjeeana** C. Rekha, Prasanth, Gangurde & Manudev	27
पाइपर किमिनेन्सिस गजुरेल, टी. याकांग व एस. काशुंग	**Piper kiminensis** Gajurel, T. Yakang & S. Kashung	28
प्लैजिओकाइला मीघेरियाना एस. मजूमदार व एम. दे	**Plagiochila meagheriana** S.Majumdar & M.Dey	61
पोगोस्टेमोन अनामुडिकम सुजानापाल, कनागराज व रोबी	**Pogostemon anamudicum** Sujanapal, Kanagaraj & Robi	28
पॉलीकार्पाइया बोराइ ए.एन. चौधरी, पाटिल व एस. आर्य	**Polycarpaea borae** A.N.Chaudhari, Patil & S.Arya	28
पॉलीकोकम नाइग्रोस्पोरम एतायो	**Polycoccum nigrosporum** Etayo	85
पॉलीकोकम रिनोडिनाइ वैन डेन बूम	**Polycoccum rinodinae** van den Boom	85
पॉलीकोकम रिनोडिनाइ प्रभेद **गैलिजीनम** वाई. जोशी व एस. बिष्ट	**Polycoccum rinodinae** var. **galligenum** Y. Joshi & S. Bisht	72
पॉलीकौकम रूबेलियनाइ कैलाटायुड व वी. ऐटिएन्ज़ा	**Polycoccum rubellianae** Calat. & V. Atienza	86
पॉलीस्टाइकम सियांगेन्से सी. चन्दा व फ्रेजर- जेनकिन्स	**Polystichum siangense** C.Chanda & Fraser-Jenk.	57
पोरिना कोआर्क्टेटा पी.एम. मैकार्थी व एच. हराडा	**Porina coarctata** P.M. McCarthy & H. Harada	86
पोरटूलाका भारत अंबर श्रीवास्तव, एन. चौहान, एस.एस.दाश व सुशील के.सिंह	**Portulaca bharat** Amber Srivast., N.Chauhan, S.S.Dash & Sushil K.Singh	29
पोटामोजेटोन बर्चटोल्डियाइ फीबर	**Potamogeton berchtoldii** Fieb.	51
पोटामोजेटोन क्रिस्पस लिनिअस	**Potamogeton crispus** L.	51
प्रैक्सेलिस कैसिनी	**Praxelis** Cass.	40
प्रैक्सेलिस क्लीमैटीडिया (हाइरोनिमस के बाद कुंत्जे) आर.एम. किंग व एच. रॉबिन्सन	**Praxelis clematidea** (Hieron. ex Kuntze) R.M.King & H.Rob.	52
प्रिमुला इंडिका बी. हाजोंग व पी. भराली	**Primula indica** B. Hajong & P. Bharali	29
प्रिमुला लेपचा धर्मित लेपचा, हर्ष सिंह व ए. क्षेत्री	**Primula lepcha** Dharmit Lepcha, Harsh Singh & A. Chettri	29
प्रिमुला लौंगिस्टेमिना बी.हजोंग, हर्ष सिंह व पी.भराली	**Primula longistamina** B.Hajong, Harsh Singh & P.Bharali	30
सैमोजीटोन टायलरियाइ भेलम व मगोत्रा	**Psammogeton tylerii** Bhellum & Magotra	30
स्यूडोसर्कोस्पोरा ट्राइफोलियोरम एस. राजवार, राघवेंद्र सिंह व शंभु कुमार	**Pseudocercospora trifoliorum** S. Rajwar, Raghv. Singh & Sham. Kumar	115
स्यूडोपैराफाइसेन्थस घाटेन्सिस साजिथा, मंजू व इनरॉथ	**Pseudoparaphysanthus ghatensis** Sajitha, Manju & Enroth	61
स्यूडुवेरिया लिविंगस्टोनियाना सुकदेब बेरा व कार्तिगेयन	**Pseuduvaria livingstoneana** Sukdeb Bera & Karthig.	30
पाइरेनोडेस्मिया ऐल्बोवैरीगेटा बी. डी लेस्डेन	**Pyrenodesmia albovariegata** B. de Lesd.	86

पिक्सिन जानकीयाइ ए. अनिल कुमार व सिक्वेरा	**Pyxine janakiae** A. Anilkumar & Sequiera	71
रूब्रोबोलेटस हिमालयेन्सिस सरवर व खालिद	**Rubroboletus himalayensis** Sarwar & Khalid	129
रूबस इडियस उपजाति **स्ट्रिगोसस** (मिकौक्स) फॉक	**Rubus idaeus** subsp. **strigosus** (Michx.) Focke	53
रसुला औरेन्शियोफ्लेवा किरण व खालिद	**Russula aurantioflava** Kiran & Khalid	130
रसुला देवदाराइ डी. चक्रवर्ती व ए. घोष	**Russula deodarae** D. Chakr. & A. Ghosh	115
रसुला स्यूडोविरेसेन्स एन.रॉय, ए.के.दत्ता व तांती	**Russula pseudovirescens** N. Roy, A.K. Dutta & Tanti	116
रसुला राजमहलेन्सिस ए.घोष, हेम्ब्रम व डी. चक्र	**Russula rajmahalensis** A. Ghosh, Hembrom & D. Chakr.	116
सैक्सीफ्रेगा रुफेसेन्स आइजैक बेली बालफोर प्रभेद रुफेसेन्स	**Saxifraga rufescens** var. **rufescens**	54
स्कैपेनिया भूटानेन्सिस अमाकावा	**Scapania bhutanensis** Amakawa	63
स्कोलेकोबेसिडियम लौरेंशियाइ एम. सुथार, एस.के. सिंह व पी.एन. सिंह	**Scolecobasidium laurentii** M. Suthar, S.K. Singh & P.N. Singh	116
स्करुला नेओराइंडिका एल.जे. सिंह, वी रंजन, अनंत कुमार व जी. कृष्णा	**Scurrula neoraindica** L.J. Singh,, V. Ranjan, Anant Kumar & G. Krishna	31
शीएथिया रोजमलायेन्सिस जयालक्ष्मी व जॉन	**Sheathia rosemalayensis** Jayalakshmi & John	96
सिंगरोबोलेटस हिमालयेनस के. दास, सु. दत्ता, ए. घोष व विज़िनी	**Singeroboletus himalayanus** K. Das, Su. Datta, A. Ghosh & Vizzini	117
सिंगरोबोलेटस के. दास, सु. दत्ता, ए. घोष व विज़िनी	**Singeroboletus** K. Das, Su. Datta, A. Ghosh & Vizzini	101
स्माइलेक्स अगस्त्यमालाना नीतू, रोबी व वी.पी. थॉमस	**Smilax agasthyamalana** Neethu, Robi & V.P. Thomas	31
सोलेनम पांडेई एल.जे. सिंह व कसाना	**Solanum pandeyi** L.J. Singh & Kasana	31
सोलेनोस्टोमा विद्यासागरिएन्सीस शेख आर. इस्लाम, ए.के. मंडल व डी. सिंह	**Solenostoma vidyasagariensis** Sk. R.Islam, A.K.Mondal & D.Singh	62
सोनेरिला बाबाबुदनगिरिएन्सिस करदकट्टी व कक्कलमेली	**Sonerila bababudangiriensis** Karadakatti & Kakkalameli	32
सोनेरिला चारमाडिएन्सीस करदकट्टी व कक्कलमेली	**Sonerila charmadiensis** Karadakatti & Kakkalameli	32
स्पाइरिरेस्टिस हाइड्रोटेरेस्ट्रिस प्रश. सिंह	**Spirirestis hydroterrestris** Pras. Singh	97
स्टीलेरिया नागाइ सिंधु आर्या व वी.एस.ए. कुमार	**Stellaria nagae** Sindhu Arya & V.S.A Kumar	32
स्टीलेरिया मन्नारेन्सिस काल्शेयर, एन. व अन्य	**Stieleria mannarensis** Kallscheuer, N. & al.	134
स्ट्रैंगोस्पोरा हिमालयाना विशाल कुमार, उप्रेती, नायक व वाई.पी. शर्मा	**Strangospora himalayana** Vish. Kum., Upreti, Nayaka & Y.P. Sharma	71
स्ट्रैंगोस्पोरा कॉर्बर	**Strangospora** Körb	73
स्ट्रैंगोस्पोरा सबमोरीफॉर्मिस विशाल कुमार, इंगले, नायक, उप्रेती व वाई.पी. शर्मा	**Strangospora submoriformis** Vish. Kum., Ingle, Nayaka, Upreti & Y.P. Sharma	71
स्ट्रोबिलेन्थीज जाइगेन्टिया चौलू, आर. मैती व एस.एस. दाश	**Strobilanthes gigantea** Chowlu, R. Maity & S.S. Dash	33
स्ट्रोबिलेन्थीज रितेशियाइ के. चौलू, ए. शेनॉय व जी. सुखरामानी	**Strobilanthes riteshii** K.Chowlu, A.Shenoy & G.Sukhramani	33
स्ट्रोबिलेन्थीज शरावतीएन्सिस एम.एस.सविनय, बी.श्रेयस व बी.एस. श्रीलोका	**Strobilanthes sharavathiensis** M.S.Savinaya, B.Shreyas & B.S.Shreeloka	33
स्ट्रोबिलेन्थीज शेरडुकपेनोरम डी. बोराह व जे.आर.आई. वुड	**Strobilanthes sherdukpenorum** D.Borah & J.R.I.Wood	34
सल्ज़बैकेरोमाइसिस अरुणाचलेन्सिस ए. देबनाथ व नायका	**Sulzbacheromyces arunachalensis** A. Debnath and Nayaka	72
सल्ज़बैकेरोमाइसिस बाइकलर डोंग लियु, ली एस. वांग व गोफिनेट	**Sulzbacheromyces bicolor** Dong Liu, Li S. Wang & Goffinet	87
सल्ज़बैकरोमाइसेस यूनानेन्सिस डोंग लियु, ली एस. वांग व गोफिनेट	**Sulzbacheromyces yunnanensis** Dong Liu, Li S. Wang & Goffinet	87
स्वर्शिया नेक्टेरीकोन्नेटस हर्ष सिंह, धर्मित लेपचा, बी. हाजोंग व ए. छेत्री	**Swertia nectariconnatus** Harsh Singh, Dharmit Lepcha, B.Hajong & A.Chettri	34
सिनसिफैलेस्ट्रम बागूलियाइ यादव लाल साहब, सिंह पी.एन. व ए.एल	**Syncephalastrum bagoolii** Yadav Lal Sahab, Singh P.N. & A.L. Santiago	117
सिज़ीजियम तिरुनेलवेलिएनम अंजना व रामास	**Syzygium tirunelvelianum** Anjana & Ramas.	34
टैरक्सेकम डाइल्यूकुलोरम विकास कुमार, किर्श्नर व स्टेपेनेक	**Taraxacum diluculorum** Vik. Kumar, Kirschner & Štěpánek	35

टेट्राटीनियम मुन्नारेन्से करुप्पूसामी, भरत व वी. रविचंद्रन	**Tetrataenium munnarense** Karupp., Bharath & V.Ravich.	35
टेट्राटीनियम श्रीरंगाइ सी. रेखा, गोसावी, मनुदेव व दलवी	**Tetrataenium shrirangii** C. Rekha, Gosavi, Manudev & Dalavi	35
थैक्सटेरोगैस्टर पैलिडोपरपुरेसेन्स झू एल. यांग व ज़ी आर. वांग	**Thaxterogaster pallidopurpurascens** Zhu L. Yang & Zi R. Wang	130
थैक्सटेरोगैस्टर थिंदियाइ ए. बोस व डी. चक्रवर्ती	**Thaxterogaster thindii** A. Bose & D. Chakr.	117
टोरेनिया कॉन्कलर लिंडले	**Torenia concolor** Lindl.	52
टोरेनिया गोवालपारेन्सिस एन. नाथ, शिल्पा रॉय, के बसुमतारी व एम. नाथ	**Torenia goalparensis** N. Nath, Shilpa Roy, K. Basumatary & M. Nath	36
ट्राइकोलोस्पोरम तमिलनाडुएन्से कुमार एम., एग्नेस के. ए. व निवेथा एम	**Tricholosporum tamilnaduense** Kumar M, Agnes K. A & Nivetha M	118
ट्रॉपीकोपोरस लिन्टिअस (बर्कले व एम.ए. कर्टिस) एल. डब्लु झोउ व वाइ. सी. दाइ	**Tropicoporus linteus** (Berk. & M.A. Curtis) L.W. Zhou & Y.C. Dai	130
ट्यूबर एशियाटिकम एन. शर्मा व तपवाल	**Tuber asiaticum** N. Sharma & Tapwal	118
उनियाला केरलेन्सिस ई.एस.एस.कुमार व शरीफ	**Uniyala keralensis** E.S.S.Kumar & Shareef	36
यूट्रीक्युलेरिया कुमटेन्सिस कनोज, पटगर, बेटागेरी व कोटरेशा	**Utricularia kumtensis** Kanoj, Patgar, Betageri, & Kotresha	36
यूवेब्रौनोमाइसीस गार्गी सिंह व राघव सिंह	**Uwebraunomyces** Gargee Singh & Raghv. Singh	101
विशनियाकोजाइमा इंडिका अंजिता थॉमस व टी.के.ए कुमार	**Vishniacozyma indica** Anjitha Thomas & T.K.A. Kumar	118
वैटिया लखनपालाइ एस. राणा. व एस.के. सिंह	**Waitea lakhanpalii** S. Rana, and S.K. Singh	118
वीशिया पैराजैपोनिका वाई. इनोउ व एच. सुबोता	**Weissia parajaponica** Y. Inoue & H. Tsubota	63
जैन्थेगैरिकस निग्रोस्क्वैमोसस पी.बी.पाटिल, एस.ए.वैद्या, एन.पी.पाटिल व एस.के.मौर्य	**Xanthagaricus nigrosquamosus** P.B. Patil, S.A. Vaidya, N.P. Patil & S.K. Maurya	119
जियूगुओझांगिया सह्याद्रिएन्सिस राजेशकुमार, ओ.पी. श्रुति, रेब्लोवा व आर.एफ. कास्टानेडा	**Xiuguozhangia sahyadriensis** Rajeshk., O.P. Sruthi, Réblová & R.F. Castañeda	119
याकुशिमाब्रायम टोंकीनेन्से (ब्रदरस व पैरिस) एच.अकियामा	**Yakushimabryum tonkinense** (Broth. & Paris) H.Akiyama	63
ज्यूक्सीन सीतारामियाइ बेटागेरी, एस. व कोटरेशा, के	**Zeuxine seetharamii** Betageri, S. & Kotresha, K.	37
ज्यूक्सीन योन्जोनियाना राजेंद्र योन्ज़ोन	**Zeuxine yonzoneana** Rajendra Yonzone	37
जिन्जिबर जगन्नाथियाइ एस.सी. साहू व एस. प्रियदर्शिनी	**Zingiber jagannathii** S.C. Sahu & S. Priyadarshini	37
जाइगोफिलम कॉक्सीनियम लिनिअस	**Zygophyllum coccineum** L.	52

F. No.26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests

Paryavaran Bhawan,
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003.

Dated the 12th September, 2012

ORDER

Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006, and in continuation of this Ministry's Order dated 28th August, 2008, the Ministry of Environment & Forests, Government of India, hereby designates the National Bureau of Agriculturally Important Insects as the repository under the Act for agriculturally important insects, mites and spiders.

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repository shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).

3. The designated repository shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.

4. This order issues with the approval of the competent authority.

(Hem Pande)
Joint Secretary to the Government of India

To

1. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Insects (NBAII), P.O. No. 2491, H.A. Farm Post, Bellary Road, Bangalore-560 024
2. Directors of institutions designated as repositories vide order dated 28.8.12:

    i. The Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
    ii. The Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
    iii. The Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
    iv. The Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.

v. The Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
vi. The Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
vii. The Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
viii. The Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
ix. The Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
x. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-ogranisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
xi. The Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
xii. The Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
xiii. The Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi-110012.

Copy to:

i. The Chairman, National Biodiversity Authority, Chennai
ii. The Secretary, National Biodiversity Authority, Chennai

No.26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests

Paryavaran Bhawan,
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003.

Dated the 28th August, 2008

ORDER

Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006, the Ministry of Environment and Forests, Govt. of India, hereby designates the following institutions to act as repositories under the Act for different categories of biological resources:

S.No.	Name of the Institution	Category of biological resource
1.	Botanical Survey of India, Kolkata	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteriodophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
2.	National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi	Plant genetic resources
3.	National Botanical Research Institute, Lucknow	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteriodophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
4.	Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun (Forest Research Institute, Dehra Dun; Institute of Forest Genetics and Tree Breeding, Coimbatore; and Tropical Forest Research Institute, Jabalpur)	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteriodophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae). For TFRI only - Fauna (termites, butterflies, moths)
5.	Zoological Survey of India, Kolkata	Fauna
6.	National Bureau of Animal Genetic Resources, Karnal, Haryana	Genetic resources of domestic animals
7.	National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow, U.P.	Fish genetic resources
8.	National Institute of Oceanography, Goa	Marine flora and fauna
9.	Wildlife Institute of India, Dehradun	Faunal resources in Protected Areas
10.	National Bureau of Agriculturally Important Micro-organisms, Mau Nath Bhanjan, U.P.	Agriculturally important micro-organisms
11.	Institute of Microbial Technology, Chandigarh	Microorganisms
12.	National Institute of Virology, Pune	Viruses
13.	Indian Agricultural Research Institute, New Delhi	Microbes/Fungi

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repositories shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).

3. The designated repositories at serial No.1,3,4,5,10,11,12 and 13 shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.

4. This order issues with the approval of the competent authority.

28.08.08
(A.K. Goyal)
Joint Secretary to the Government of India

To

1. Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
2. Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
3. Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
4. Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.
5. Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
6. Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
7. Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
8. Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
9. Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
10. Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-ogranisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
11. Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
12. Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
13. Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi.

Copy to the Chairman, National Biodiversity Authority, 475, 9th South Cross Street, Kapaleeswarar Nagar, Nelankarai, Chennai-600 04.